

EM141708193IN IVR:6977141708193
SP BHANDUP IND ESTATE SD <400078>
Counter No:1,23/03/2024,13:36
To:AMM ADAMI PAR,DELHI MUKHYALAYA
PIN:110002, Indraprastha HD
From:NITIN B CHA,A M JAIN ESTATE
Wt:20gms
Amt:41.30(Cash)Tax:6.30
<Track on www.indiapost.gov.in>

1

EM141708176IN IVR:6977141708176
SP BHANDUP IND ESTATE SD <400078>
Counter No:1,23/03/2024,13:36
To:SHRI ANNA HAJARE,PARNER
PIN:414302, Parnar S.O
From:NITIN B CHA,A M JAIN ESTATE
Wt:400gms
Amt:70.80(Cash)Tax:10.80
<Track on www.indiapost.gov.in>

अंजली दमानिया तथा अन्य सभी को खुला पत्र --

(कुल 75 सवाल/मुद्दे) (25 पत्रे पत्रसहित कुल 170 पत्रे)

प्रति,

श्रीमती अंजली अनिस दमानिया

पत्ता- B/24, विजयदुर्ग, 6 वा रस्ता,

सांताक्रुझ पूर्व, मुंबई- 400055

Mob. 9820503379

EM141703029IN IVR:6977141703029
SP BHANDUP IND ESTATE SD <400078>
Counter No:1,05/03/2024,10:08
To:ANJALI A DAMANIA,SANTACRUZ E
PIN:400055, Santacruz(East) S.O
From:NITIN B CHWAN,BHANDUP

EM141708180IN IVR:6977141708180
SP BHANDUP IND ESTATE SD <400078>
Counter No:1,23/03/2024,13:36
To:AMM ADAMI PARTY,ANDHERI E
PIN:400099, Sahar P and T Colony S
From:NITIN B CHA,A M JAIN ESTATE
Wt:400gms
Amt:35.40(Cash)Tax:5.40
<Track on www.indiapost.gov.in>

द्वारा:

श्री. नितिन बजरंग चव्हाण

India Against Corruption

नागरिक स्वराज मंच (रजि.)

भ्रष्टाचार विरुद्ध जागृति अभियान (रजि.)

पता- ए. एम. जैन इस्टेट, 5/49, निचला माला,

विलेज रोड, भांडुप प., मुंबई- 400078

Mob. 9820451505

दिनांक: 05.03.2024

अंजली दमानिया जी, नमस्कार !

मेरे और मेरे स्वर्गीय पिताजी के लिए जो कुछ भी कमेंट आपने आपके पेड़ कर्मचारी को आगे करके किया उसका त्रिवार धिक्कार!

आप मनुवादी स्वभाव के लोग सिर्फ महाराष्ट्र के बहुजन- मराठा नेताओं को ही टारगेट करते हो इस बारे में मैं 21/2/24 रोज फेसबुक पर पोस्ट किया कि- "आप सिर्फ महाराष्ट्र के बहुजन मराठा नेताओं को ही टारगेट करते हो फिलहाल आप मंत्री राणे इनके अनाड़ीपन के बारे में बोल रहे हो उसके बजाय आप आपके बॉस के बॉस मोदीजी के अनाड़ीपन के बारे में अगर बोलें तो आपकी कर्जत की सारी जमीन ये वापस सिल होकर आप आपके पति-ननंद के सहित जेल में जाओगे ! है हिम्मत ?" इसमें मैं क्या गलत बोला ? है क्या आपने हिम्मत ? मैं आपको 2014 में ही 12 प्रश्न भेजे थे जिस पर अभी तक आपने जवाब नहीं दिये ! इस बार भी आपने आपके पेड़ कर्मचारी श्रीमती रोशनी राउत इनको आगे करके उनके द्वारा कमेंट करते हो कि "मेरे पर असर हुआ यानी मैं सरफिरा हू ऐसा मेरे स्वर्गीय पिताजी बोलते थे" उसपर मैंने जो शालीनता से जवाब दिया तथा आप लोगों की थोड़ीसी पोलखोल की जो आप यहां पेज नं. 26 पर पढ़िये । उनकी यह फजियत देखकर कुछ जवाब दिया बिना पलायन ही किया ! मैडम, "सरफिरे लोग ही आंदोलन एवं क्रांति करते है! अकलबाज दलालों का ये काम ही नहीं है !" यह उनका नहीं आपका फिर एक बार पलायन है !

हमारे जैसे हजारों गरीब और न्यायवादी भारतीयों ने अपने ऊपरी अन्याय, शोषण, भ्रष्टाचार मिटाने के लिए तथा उसके लिए जनलोकपाल आने के लिए खुद का जान, संसार, रोजगार, समय, पैसा, मेहनत यह सब दाव पर रखकर जो इंडिया अगेंस्ट करप्शन (IAC) मार्फत राष्ट्रीय जनआंदोलन खड़ा किया उसमें आप और आपके जैसे लोग अचानक आये और अचानक हमारे इस आंदोलन का, उसकी इमेज का, उसके

भोलेभाले कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल करके, मीडिया मैनेज करके आप अचानक RTI और सामाजिक कार्यकर्ता बने तथा IAC के नाम से अनेक प्रेस कॉन्फ्रेंस तथा जाहिर कार्यक्रम करके बड़े-बड़े दिग्गजों को आपने प्रश्न पूछे, उनके जवाब मांगने के लिए उनके पीछे लगे लेकिन IAC के औपचारिक लेटर हेड से मैं अप्रैल 2014 में आपको सिर्फ 12 प्रश्न पूछे थे उसके उचित और नैतिक जवाब भी आप अभी तक दे नहीं पाई है यह गंभीर मामला है।

तथा इसके आगे भी और कुछ प्रश्न ये पूछ कर उनके उचित और नैतिक जवाब भी मुझे, लोगों को दे यह मांग करता हूँ। यह जवाब देना ये आपका कर्तव्य तथा जवाबदारी है और उसे प्राप्त करना यह मेरा नैतिक अधिकार भी है क्योंकि जिस आंदोलन की वजह से, उसके भोलेभाले कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल करके आप लोग बड़े हो गये वह IAC आंदोलन ये हम जैसे गरीब लोगों ने शुरुआत से ही अपने सर्वस्व, संसार, रोजगार, समय मेहनत, पैसा इन सबको ताक पर रखकर शुरु से ही बड़ा किया था ! 16 अगस्त 2011 के अन्ना के आंदोलन के पहले दिन 15 अगस्त को छुट्टी की वजह से सब कुछ बंद होने के कारण आंदोलन का पत्रक के खुद के हाथ से लिखकर उसके हजारों झेरॉक्स निकालकर विभाग में बाटे थे, विभाग में भैंस को घूमाके रैली निकाली थी, पर्चे बाटे **(पेज नं. 27 से 28 पर)**, कई चौकसभाये ली **(पेज नं. 29 पर, फोटो 1, 2)**, हजारों नागरिकों का जमा डेटाबेस ये IAC के कांदिवली के ऑफिस में जाकर देता था, अगले दिन चौकसभा है और वो रद्द ना होने के लिए मैं बीमार होने के बावजूद भी अस्पताल में एडमिट होने को मना करता था, विभाग में अन्ना नोटिस बोर्ड की अभिनव जाहिर स्थापना की **(पेज नं. 29, फोटो नं. 2)**, दिसंबर 2011 के मुंबईस्थित जनलोकपाल आंदोलन में आप लोगों ने बांटे 50000 पत्रक का मसूदा यह मैंने ही लिखा था **(प्रत पेज नं. 30 पर)**, आप लोग के रहने का बंदोबस्त करने के लिए पुणे से सातारा बाइक से आना-जाना किया था लेकिन आपने, मयंक गांधी, प्रीति मेनन, प्रफुल्ल और नरेश ठाकुर इन सभी ने 2012 से मेरे और मेरे कुटुंब के मामले में जो हिंसक खेल खेला है उसका जवाब और हिसाब ये आप सभी लोग अपने भगवान को हिसाब दोगे तब दोगे लेकिन आप लोगों के इस खेल में हमारा पूरा जीवन एक खाई में धकेला गया है !

आप लोग मेरे खिलाफ माफियायी चोर-गुंडो के लिए अनुकूल पत्र क्या देते हो, उस वजह से मेरे ऊपर झूठे और अपमानजनक पोलीस केसेस क्या होते है, उसमें मेरा हाथ नाकाम होने तक थर्ड डिग्री में मारा क्या जाता है, लेकिन आप लोग हमको छोड़कर कोर्ट से सबके सामने उनही विरोधी गुंडो के साथ लोगो के सामने घूमते क्या हो, उन्हे अपने पार्टी में लेते क्या हो, बिठाते क्या हो, रात को उनके साथ बाईक पर घुमते क्या हो, उनके साथ compro करके हमारे खिलाफ वापस झूठे केस के लिए सी भांडुप पुलिस को प्रीति मेनन द्वारा झूठा पत्र देते क्या हो, इस सारी अत्याचार की मालिका में हमारी 7 महीने की बच्ची गुजरती क्या है, उन्ही माफिया गुंडो के तरफ से आप लोग और आपके पेड वर्कर लोग मेरा कितनी बार मानहानी और चरित्र हनन क्या करते हो, यह सब होने के बाद भी CID जांच में उन गुंडो की तरफ से स्टेटमेंट क्या देते हो, हमारे घर पर वही पुलिस सेट करके किरीट सोमैया के राजकीय गुंडे 2020 में रात को मेरे घर पर मॉब अटॉक क्या करते है, उसमें मेरी पीड़ित पत्नी का जबरन विनयभंग क्या होता है, उसमें

हमारी मानसिक दिव्यांग बच्ची की टिंगल क्या होती है, इस हमले के लाइव वीडियो होने के बावजूद भी **(पेज नं. 31 पर, फोटो 1, 2)** उसपर FIR लेने के बजाय पुलिस हम पति-पत्नी को ही प्रताड़ित करती क्या है सब चीज अनुमान से परे है ! यानी मैं हम जैसे लोग यह इंसान नहीं बल्कि इस्तेमाल करके कत्तलखाने में फेंके हुए जानवर है क्या ? यह सब के सही जवाब आप ही लोगों को दे सकते है ! आज हमारी पहली बेटी जिंदा रहती तो हमारे दूसरे मानसिक दिव्यांग (आपकी भाषा में ऑटिस्टिक!) बच्ची की उसके मरने तक की रक्षक और केयरटेकर साबित होती लेकिन अब हमारे हाल यह है कि नमूद/दर्ज इतने सारे अन्याय, यातना, मानहानि सहने के बाद भी हमको हमारे मरणोत्तर भी हमारी गुंगी मानसिक दिव्यांग बच्ची का उसके मरने तक उसका हाल होगा यह देखना पड़ रहा है ! वह आज भी रात को चिल्लाती है, जागती है, सर पटकती है जिसके फोटो आप पेज नं. 32 पर देख सकते है ! क्या यही था आप लोग का पेज-3 अचीवमेंट ? यहाँ लोग अपने जिंदगी को जीते हैं और हम सिर्फ मौत को जी रहे है यही था आप लोग का समाधान ? अगर हुआ रहेगा तो अभी तो संलग्न पेज नं. 33 से 51 पर जोड़े मेरे वेरिफिकेशन स्टेटमेंट को ठीक से पढ़िए और उसे अनुसार लोगों को मेरे आगे के सवालों का ठीक से जवाब दे ।

उक्त सवाल INDEX नुसार पेश कर रहा हु --

अनु.क्र.	मुद्दा	पेज क्र.
A.	एप्रिल 2014 में आपको RPAD से भेजे 12 प्रश्न --- (जिसका प्रत पेज नं. 52 से 54 पर)	4 से 5
B.	कर्जत का कथित जमीन घोटाला तथा अन्य विषय 19 प्रश्न---	5 से 10
C.	आपने किये सिंचन घोटाला संबंधी के विषय में 5 प्रश्न ---	10 से 11
D.	MRT से आप लोगों की सरकार जमा हुई जमीन वापस मिलने के विषय में 4 प्रश्न---	11 से 12
E.	अपने आप ने छगन भुजबल तथा अन्य के खिलाफ मा. हाईकोर्ट में किया केस के बारे में 2 प्रश्न ---	13
F.	आप लोगों के राजकीय संबंध तथा दोस्ताना के बारे में 6 प्रश्न---	13 से 14
G.	आप लोगों का अन्ना हजारेजी, अरविंद केजरीवालजी, विशंभर चौधरीजी इन्होंने किया उदात्तीकरण के विषय में 2 प्रश्न---	14 से 15
H.	सन 2012 से आजतक मेरे तथा मेरे परिवार पर आप लोग--रेकॉर्डेड चोर माफिया--कूर भ्रष्ट पुलिस NEXUS ने झूठे पुलिस केसेस में हाथ निकम्मा होने तक मरवाना, 7 महीने की बच्ची को खोना, मेरा दुष्प्रचार--मानहानि करना इ. के बारे में 25 प्रश्न---	15 से 25

A. एप्रिल 2014 में आपको RPAD से भेजे 12 प्रश्न--- (जिसका प्रत पेज नं. 52 से 54 पर)

- 1) अपना इतिहास ये अपने भूमी के लिए बलिदान देनेवाले लाखों विरों से भरा हुआ है ! आज भी हजारों जवान ये उसके लिये सीमा पर शहीद होते है ! लेकिन इस अन्नदाता भूमी को

NA करके सैकड़ो गुना दाम से बेचने का धंदा अगर देश में आप जैसे सारे उद्योगपती और बिल्डर करने लगे तो चलेगा क्या ?

- 2) एक तरफ आप चावल इ. खाद्यान्न महंगा होने की तथा किसान हित की बातें मीडिया में करते हो और दूसरी तरफ किसान ना होते हुए भी कर्जत में चावल उगानेवाले किसानों की सैकड़ो एकड़ जमीन ये उन गरीब लोगों को विकास के झुठे आश्वासन देकर किसी सावकार के जैसे कौड़ी के दाम में खरीदते हो और उलटा उसे NA करके तीस गुना दाम में अन्य शहरी अमीरों को बंगलो के लिए बेचते हो ! इस देश को आप जैसे बंगले उगानेवाले मुनाफाखोरो की जरूरत है क्या ?
- 3) जनलोकपाल राष्ट्रीय आंदोलन ये तो एप्रिल 2011 से ही रस्ते पर चालू था जिसमें हजारों लोक खुद के संसार, रोजगार छोड़कर रस्ते पर उतरे थे फिर खुद को संवेदनशील देशभक्त कहलाने वाले आप ये ऑगस्ट 2011 के बाद इतना लेट इस आंदोलन में क्यों आये?
- 4) आपकी 30 एकर जमीन ये अगर कोंडाणे के डॅम प्रोजेक्ट में नहीं जाती रहती तो आप इस आंदोलन में आते थे क्या ? उस डॅम को विरोध करते थे क्या ? उस डॅम में आपको भ्रष्टाचार दिखता था क्या ?
- 5) अगर आपकी जमीन बचने का काम NCP के लोगों द्वारा अथवा गडकरीजी के पत्र द्वारा होता तो आप इन लोगों के खिलाफ बोलते थे क्या ?
- 6) "मेरी जमीन छोड़ दो चाहे तो आदिवासीयों की जमीन ले लो" ये पत्र सरकार को जून 2012 में आप लिखना ये अनैतिक नहीं है क्या ?
- 7) उक्त डॅम रोकने के लिए आप लोग मा. हायकोर्ट में गये इसमें कोंडाणे और उधर के किसानों से कोई भी संबंध न रखनेवाले बिल्डर मयंक गांधी ये प्रथम एप्लीकंट है तथा जिनके पिताजी ये 2G घोटाले संबंधित टीबी रियालिटी के डायरेक्टर है वे भोगवादी श्री. अजय मातनकर ये भी साथ में है !

आपने यहाँ IAC आंदोलनकारियों को "ये सब हम किसान के लिए कर रहे हैं" ऐसा दिखाके उनका इस्तेमाल भी किया !

फिर उसी PIL में आप एक बार भी माननीय कोर्ट में क्यों नहीं गये ? (ये उस समय का सवाल है)

- 8) अगर आप किसानों के लिए लड़ती है तब आप उसी कर्जत क्षेत्र में इलेक्शन क्यों नहीं लड़ रहे है ? ये सब स्थानीय किसान आपके खिलाफ मा.हायकोर्ट में तथा हर स्तर पर क्यों लड़ रहे है ?

- 9) आप खुद को RTI ऐक्टिविस्ट ऐसा दिखाते हैं ! जरा बताईये आपकी जमीन अटकने के पहले आपने जनहित में कितने RTI अर्जी किये ? आज आपकी उम्र ही 46 (2014 में) है, जरा बताईये आपने अबतक कितनी जनहित में याचिका, शिकायतें, अर्जी किया है ?
- 10) हमारे ये सवाल तो छोड़ दो, ये बताइये की जनलोकपाल आंदोलन के तीन-तीन कार्यकर्ताओं को भूमाफिया और पोलिस ने हाथपैर दुखाने तक मारा ! ऐसे वक्त ऊन कार्यकर्ताओं को कोर्ट में छोड़कर आप और आपके भगोड़े दिग्गज ये उन गुंडों के साथ लोगो में घुमते हो ! उन गरीब कार्यकर्ताओं के बजाय आपके घर का कोई सदस्य रहता तो आप ये क्रूर कार्य करते थे क्या ?
- 11) ये सब तथा अन्य विश्वासघातकी भ्रष्टाचार ये आपके आका केजरीवालजी तक अनेक बार पहुंचाने के बाद भी आप, मयंक गांधी और अन्य इन पर कारवाई तो छोड़ दो लेकिन आपको उमेदवारी भी दी गई !
इस बदले में कितना फंड पहुंचाना पड़ता है ये बतायेंगे क्या ?
- 12) भ्रष्टाचार, आम आदमी इनकी व्याख्या क्या है ये बताने के लिए एक बार आप, मयंक गांधी ये सब हमारे सामने आर्येंगे क्या ?
क्यूकी हमसे केजरीवालजी, कुमार विश्वास से लेकर आप सभी लोगों ने कितनी बार और कहा कहा पलायन किया इसकी याद दिलाना जरूरी है क्या ?
(ये तो कम सवाल पूछे हैं , एक का भी तो जवाब दे ये अपेक्षा)

B) कर्जत के जमीन घोटाले तथा अन्य विषयी 19 प्रश्न --

- 1) आप हमारे IAC आंदोलन में तथा मीडिया तथा आपके वैयक्तिक तथा Anjali Damania's Fight Against Corruption ये फेसबुक पर, सोशल मीडिया में 2012 से जो आपकी कर्जत की जमीनजप्ती के विषय में रम्य तथा क्रांतीकारी कथा ये बोल रहे थे **(प्रत पेज नं. 56 से 65 पर)** उसमें अपने क्यू नहीं बताया या छुपा के रखा कि -- आप, आपके पति श्री. अनिस दमानिया, श्रीमती नेहा दमानिया, श्रीमती वनिता अहलूवालिया के अलावा श्रीमती स्वीतू मेहता ये भी ऐसे आप पेज-3, अमीर जमीन व्यापारी ऐसे आप कर्जत के बाहर के पाचजण ये जमीन खरीदीबिक्री के धंदे में हैं और आप सभी लोग किसान बनके कर्जत तालुका में अलगअलग गांव की किसानों की लगबग **पचास एकर जमीन** खरेदी करके जैसा है वैसा अन्य कर्जत के बाहर के अमीर लोगो को प्रचंड मुनाफा कमाके बेच रहे थे तथा कुछ जगह (खरवंडी में) वो जमीन NA करके सैकड़ों गुना दाम में यानी **आठ लाख रुपये** में गरीब किसानों से खरेदी जमीन NA करके लगबग **2.5 करोड़**

रुपये में बेचकर प्रचंड मुनाफा कमाके इतर शहरी अमीर लोगों को सेकंड होम के लिए श्री वर्ध विनायक डेव्हलपर्स नाम से बेचने का धंदा कर रहे थे ! (प्रत पेज क्र. 66 से 75 पर)

- 2) आप हमारे IAC आंदोलन में तथा मीडिया तथा उक्त फेसबुक तथा सोशल मीडिया में आपके कर्जत के जमीन जब्ती की सुंदर तथा क्रांतिकारी कथा बोल रहे थे उसमें आपने यह क्यों छुपाया और बताया नहीं कि-- आपके उक्त जमीन खरीदी-बिक्री बिजनेस पार्टनर **श्रीमती नेहा दमानिया** यह मुंबई-थाने के चार जन ऐसे पाच जन यह राजस्थान के शिवगंज में सिर्फ ₹14000 में यानी हर व्यक्ति सिर्फ 2800 रुपये खर्च करके वहां की बंजर जमीन खरेदी दिखाके किसान बन गये और सिर्फ ऐसा राजस्थान का किसान प्रमाणपत्र दिखा कर उन्होंने आपके साथ महाराष्ट्र में कर्जत में उक्त नुसार किसानों की जमीने खरीदी किया ! (प्रत पेज क्र. 76 से 77 पर)

उनके राजस्थान के जमाबंदी प्रतिलिपी ये दस्तावेज में दाये ओर से राइटिंग अलग और बोल्ड है तथा बाये ओर की राइटिंग अलग और धुंधली है तथा ऊपर सितंबर 2021 तारीख है और नीचे 2007 के जमीन लेनदेन का जिक्र है !

कृपया ऊपरी दोनों मामलों पर आप लोगों को और मुझे उचित और नैतिक जवाब देंगे क्या ?

- 3) आप हमारे IAC के आंदोलन में तथा मीडिया तथा आपके उक्त फेसबुक तथा सोशल मीडिया में आपके कर्जत के जमीन जब्ती के सुंदर, क्रांतिकारी कथा बोल रहे थे उसमें आपने यह क्यों छुपाया ? और बताया नहीं कि-- आपका कर्जत के उक्त जमीन खरीदी-बिक्री बिजनेस के और एक पार्टनर **श्रीमती वनिता अहलूवालिया** यह मुंबई-पनवेल के गांधी, पारेख, जसानी, डोडिया, नायकर, बागड़ ऐसे सात जन ये राजस्थान के शिवगंज में सिर्फ ₹21000 में यानी हर व्यक्ति ₹3000 खर्च करके वहां की बंजर जमीन खरीदी दिखाकर किसान बन गए और सिर्फ यह ऐसा राजस्थान का किसान प्रमाणपत्र दिखाकर उन्होंने आपके साथ महाराष्ट्र के कर्जत में उक्त नुसार किसानों की जमीनी खरीदी किया ! (प्रत पान क्रमांक 78 से 79 पर)

उनके राजस्थान के जमाबंदी प्रतिलिपि दस्तावेज में ऊपर 2003 की तारीख और नीचे 2007 के भूमि लेनदेन का जिक्र है !

इस मामले में आप ठोस जानकारी लोगों को सामने रखेंगे क्या ?

- 4) आप हमारे IAC आंदोलन तथा मीडिया तथा उक्त फेसबुक तथा सोशल मीडिया में आपके कर्जत के जमीन जब्ती के सुंदर, क्रांतिकारी कथा बोल रहे थे उसमें आपने यह क्यों छुपाया ? या बताया नहीं कि-- आपका कर्जत के उक्त किसान जमीन खरीद-बिक्री बिजनेस के और एक पेज 3 पार्टनर कोई **श्रीमती स्वितू मेहता** यह भी है जिन्होंने आपके

और नेहा दमानिया उनके साथ कर्जत में कोंडाने में 30 एकड़ खेतजमीन खरीदी किया था उनका किसान प्रमाण यह अब तक दिखा नहीं है ! वह प्रमाण आप लोगों के सामने या मेरे सामने रख सकते हैं क्या ? कृपया वो रखें !

- 5) सन 1994 में आपके पति **श्री. अनीश दमानिया** इन्होंने मानगांव में जमीन खरीदी किया उस वक्त उन्होंने महसूल अधिकारियों को जो किसान प्रमाण दिखाया था वह अब तक दिखा नहीं है ! फिर भी वह किसान प्रमाण आप लोगों के सामने तथा मेरे सामने रखें यह मांग ! **(प्रत पेज क्र. 80 पर)**
- 6) आप जब कर्जत में किसानों की जमीने सस्ते में खरीदी करके उसको NA करके तीस गुना दाम में बेचने का धंधा करने के लिए पिछड़ी तथा गरीब किसानों की जमीन सस्ते में खरीदी कर रहे थे उसे वक्त उन भोलेभाले किसानों के तरफ से **श्री. मकरंद धामनसकर** यही हर व्यवहार में खरीदीखत में उनके तरफ से कुल मुख्तियार (POWER ATONOMY) रहते थे और उनमें तथा आप में ऐसे खरीदीखत बनते थे ! यह मकरंद धामनसकर कौन है ? इस मामले में आप लोगों को जानकारी दोगे क्या ? वह दे दे ! **(प्रत पेज क्र. 81 से 83 पर)**
- 7) आपने दि. 27/10/12 को आपके Anjali Damania's Fight Against Corruption यह फेसबुक पोस्ट में लोगों को तथा आपके कार्यकर्ताओं को "मैं सोनावले नाम के किसी पिछड़े किसान पर कुछ अन्याय नहीं किया है" यह दिखाने के लिए उनसे जमीनखरीदी का दस्तावेज दिखाए लेकिन उसमें सिर्फ दूसरे और तीसरे पन्ने ही दिखाएं, पहला पन्ना यह दिखाया नहीं ! आप इसपर लोगों को जानकारी दोगे क्या ? वह दे दे ! **(प्रत पेज क्रमांक 84 पर)**
- 8) अन्ना हजारेजी के जिस जनलोकपाल आंदोलन से आप अचानक प्रभावित हुए तथा भ्रष्टाचार विरोधी समाजसेवी देशभक्त बन गए वह आंदोलन तो संपूर्ण देश में रास्ते पर **अप्रैल 2011** से ही चालू था जिसमें आप नहीं थे !
बाद में **मई 2011** में आपको यह पता चला कि आपकी कोंडाने की 30 एकड़ जमीन जिसको खरवंडी की जमीन के जैसे NA करके प्लॉटिंग करके सैकड़ों गुना दाम में अन्य शहरी अमीरों को बेचना था वह जमीन उधर की नियोजित डैम के नीचे जा रही है !
बाद में **10 जून 2011** में सिंचन विभाग को आपने पत्र लिखा कि "हमने जेवर बेच के जमीन खरीदी किया है ! हमारी जमीन बचाने के लिए डैम में 500 मीटर पीछे ले ! चाहे तो उसके लिए आदिवासियों की जमीन ले !" **(प्रत पेज क्र. 85 से 86 पर)**

बाद में आपने आपके इस काम के लिए श्री. नितिन गडकरी इनके पास आप गए और उन्होंने आपके लिए सिंचन विभाग को **7 अगस्त 2011** में पत्र लिखकर उक्त डैम ये **700 मीटर** पीछे लेने की सिफारिश की ! (प्रत पेज क्रमांक 87 पर)

बाद में **अगस्त 2011** में अन्ना हजारेजी के जनलोकपाल आंदोलन में आप इमोशनल क्रांतिकारी, देशभक्त वगैरावगैरा बनके IAC आंदोलन में आये !

बाद में **अरविंद केजरीवालजी** के साथ 2012 में नितिन गडकरीजी के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस ली !

(बाद में जैसे **भुजबल - खडसे** इनके ऊपर FIR होने तक तथा भुजबलजी को जेल होने तक आप पीछे पड़े वैसे ही **नितिन गडकरीजी** के मामले में आप पीछे नहीं पड़े यह बात अलग है!)

यह घटनाक्रम बराबर है या गलत यह आप लोगों को जानकारी देंगे क्या ?

- 9) अपने श्रीमती नेहा दमानिया, श्रीमती स्विनु मेहता इन्होंने कौडाने में जो **30 एकड़** खेतजमीन खरीदी किया उस पर आप लोग कभी खेती करता था क्या ? इस मामले में कृपया ठोस जानकारी दें !
- 10) आपने आपके अल्पाइन विलेज प्रोजेक्ट के लिये उधर के गांववालों का शमशान का रास्ता रोका इसलिए गांववालों को अंतयात्रा लेकर 1 किलोमीटर रास्ता ज्यादा चलके शमशान तक जाना पड़ता था, यह आप पर मीडिया में तथा गांववालों ने कोर्ट में ऐसा नमूद/दर्ज किया गया है, इस मामले में आपका क्या खुलासा है यह आप लोगों को दोगे क्या ?
- 11) आपके कौडाने के 30 एकड़ जमीन के बदले में अपने कौडाने के ठेकेदार तथा संबंधित लोगों से कितने करोड़ रुपए की मांग की थी ? ये बताएं !
- 12) आप 2012 में हमारे आंदोलन में तथा मीडिया में तथा सोशल मीडिया में तथा आपके उक्त फेसबुक में आपके कर्जत जमीन जब्ती के सुंदर, क्रांतिकारी कथा बोल रही थी उसमें आपने यह क्यों छुपाया या बोला नहीं कि -- सिंचन घोटाला विषय में आपने, मयंक गांधी ने किए PIL में पेटिशनर बने **श्री अजय माथनकर** (जिनके पिताजी विजय मातनकर ये 2G घोटाला संबंधी डीबी रियल्टी के डायरेक्टर है/थे) इनका नियोजित कौडाने डैम क्षेत्र में बंगला था और उसे NA तथा बांधकाम अनुमति के नियम-शर्तों का **उल्लंघन** करने के लिए जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा **नोटिस** जारी थी !

उसे नोटिस का सेटलमेंट कैसा किया गया ये आप बताये ! (प्रत पेज क्र. 88 से 90 पर)

- 13) आपने हमारे IAC आंदोलन में तथा आपके उक्त फेसबुक में दि. 27/10/12 के पोस्ट में **(पेज क्र. 56 से 65 पर)** आपके कर्जत जमीन जब्ती की क्रांतिकारी कथा बताई उसमें यह

क्यों छुपाया और बताया नहीं कि-- दि. 3/1/11 से 4/7/11 तक कर्जत के चोची में कुल 7 किसानों से ढाई एकड़ खेतजमीन ये **10 लाख रुपए** में खरीदी करके उस पर खेती किए बिना तुरंत 5 महीने में दि. 19/1/12 से 23/1/12 ये समय में श्रीमती चेलामल चिदंबरम और डॉक्टर निर्मल गणपति इन दो भिन्न व्यक्तियों को **28,50,000 रु.** में बेचके यानी **18 लाख 50 हजार रु.** इतनी बिना मेहनत की प्रचंड कमाई की जो स्थानीय किसानों को भी करना नहीं आता है ! (प्रत पेज क्र. 90 से 94 पर)

- 14) अपने ऊपरी दोनों व्यक्तियों को उक्त ऊपरी जमीने ये NA करके दिया या देनेवाले हो या यह व्यक्तिया सच में वहा पर खेती कर रही या कैसे ? कृपया आप इसकी कुछ जानकारी दे सकते हैं क्या ?
- 15) आपने आपके दि. 27/10/12 के फेसबुक पोस्ट में आपकी कर्जत की जमीन कैसे सिल की गई इसके क्रांतिकारी कथा कथन किया उसमें आपने हर जमीनखरीदी का जिक्क **"invested in land"** (प्रत पेज क्र. 56 से 65 पर) ऐसा किया यानी जाने-अनजाने में आप यह मान्य करते हो कि कर्जत में आप किसान बनके उत्पन्न का, रोजी-रोटी का साधन के तौर पर उधर के गरीब किसानों की जमीन खरीदी नहीं कर रहे थे बल्कि जमीन खरीदी-बिक्री के आपके धंधे का "माल" के तौर पर खरीदी कर रहे थे ! यह बात आप मानते हो क्या ?

यानी उदाहरण के तौर पर किसान के पास हल यह उसके खेती का साधन होता है लेकिन वह हल खरीदी करके अन्य लोग को प्रचंड पैसा कमाकर बेचनेवाला ये किसान होता है क्या ? किसान के संज्ञा में बैठता है क्या ? इसका जवाब दे !

(आपकी उक्त जमीन जब्ती के बाद तथा आप पर आरोप लगने के बाद आप खेती करते हो तो वह मत दिखाइए !)

- 16) आपके **कशेले** यहां के बंगले को वहां के स्थानीय ग्रामपंचायत में उनको वहां गैरकानूनी बांधकाम होते हुए नजर में जाकर आने के बाद वह बांधकाम बंद करने की सूचना देने के बाद भी आपने बांधकाम चालू रखा उस बारे में तथा उसके लिए ग्राम पंचायत की अनुमति और उचित विभाग की NA करके लेने की **नोटिस** दी थी उस नोटिस का सेटलमेंट कैसा किया कृपया इसकी जानकारी दीजिए ! (प्रत पेज क्र. 104 पर)
- 17) आपके **कशेले** यहां के उक्त बंगले के निर्माण ठेकेदार ने उसके आपसे आने वाले उसके **9.5 लाख रुपए** यह आप नहीं देने के बारे में आपको नोटिस जारी किया था उस नोटिस का सेटलमेंट कैसा किया गया ? इसकी कृपया जानकारी दीजिये! (प्रत पेज क्र. 95 से 100 पर)

- 18) उक्त ठेकेदार को दिये लिखित जवाब में आपने उसे उक्त बंगले के परमिशन के लिए **47000** दिए ऐसा नमूद/दर्ज किया है , यह रकम बंगले के परमिशन के औपचारिक सरकारी शुल्क के हिसाब से दिये या अनौपचारिक रिश्तों के हिसाब से दिये इस पर कृपया जानकारी दोगे क्या ? (प्रत पेज क्र. 101 से 103 पर)
- 19) इतना तो बताइये कि आप सभी लोग साल में एक-दो बार विदेश में पिकनिक ट्रिप करने वाले, फॉर्च्यूनर-BMW जैसे कई गाड़ियां खरीदने वाले लोग जिनमें से कोई लंदन के स्टेडियम से पोज दे रहा है, कोई स्विमिंग पूल से पोज दे रहा है ऐसे करोड़पति, अरबपति, धनिक, भोगवादी लोग यह वास्तव में **किसान** है क्या ? या अपने खस्ता हालात से आत्महत्या करने वाले या उसके लिए मजबूर होने वाले भूमिपुत्र गरीब किसानों का मजाक कर रहे हैं ? कृपया इस पर जवाब दें ! (पान पेज क्र. 105 पर सभी फोटो)

C. आपने किया सिंचन घोटाला विषयी PIL संबंधी 5 प्रश्न --

- 1) नमूद/दर्ज नुसार आपकी कर्जत की जमीन है आपके हाथ से जा रही है यह देखकर आप, मयंक गांधी, अजय मातंकर इन्होंने 2012 में हमारे IAC आंदोलन का इमेज, उनके कार्यकर्ताओं का समय, मेहनत, पैसा, उनकी देशभावना, तिरंगा इनका इस्तेमाल करके उसी कर्जत के डैम के ठेकेदार F.A. contractors के सारे डैम प्रोजेक्ट के विरुद्ध मा. मुम्बई हाईकोर्ट में PIL (63/2012) दर्ज किया और उसमें **"हम, जमीन, नदी, जंगल, पर्यावरण बचाने के लिए यह PIL कर रहे हैं"** ऐसा लोगों को दिखाया ! (प्रत पेज क्र. 106 से 109 पर)

लेकिन इसके पहले मैंने संपूर्ण महाराष्ट्र में किधर भी जमीन, नदी, जंगल, पर्यावरण इसके लिए कानूनन लड़नेवाली वनशक्ति यह नामी संस्था तथा उसके एक्टिविस्ट श्री. स्टालिन दयानंदजी जो IAC आंदोलन में पहले से ही सक्रिय थे वह उस समय कोकण में जंगल, पर्यावरण बचाने के लिए लड़ रहे थे तब उनके इस "SAVE KOKAN मूवमेंट को समर्थन देने के लिए IAC में सुझाया था तब उस समय मुझे "IAC के लिए फिलहाल जनलोकपाल के लिए आंदोलन करना यही प्राथमिकता है" ऐसा बहाना करके टाला गया था ! ऐसा क्यों ? उसकी जानकारी तथा खुलासा करेंगे क्या ?

तथा इस PIL के पहले आप लोगों ने कभी जमीन, नदी, जंगल, पर्यावरण बचाने के लिए कुछ कार्य किया था क्या ? इसका भी जानकारी दें !

- 2) तथा आपने, मयंक गांधी इन्होंने उक्त PIL में **"हम कौड़ाने में गैरकानूनी पेड़ काटने के विरुद्ध PIL कर रहे"** ऐसा लोगों को दिखाया ! (प्रत पेज क्र. 106 से 109 पर)

लेकिन इसके उल्टा "मेरे साथ IAC के कार्यकर्ता है" ऐसा बोलनेवाले तथा खुद को संवेदनशील, देशभक्त, सामाजिक कार्यकर्ता कहलानेवाले आप मुंबई के रहीवासी होने के

बावजूद भी तमाम पर्यावरणवादी तथा समस्त दक्ष मुंबईकरों ने कितने सालों से खड़ा किया SAVE AARAY मूवमेंट को सक्रिय सपोर्ट क्यों नहीं किया ?

उस वक्त फडनविसजीके मुख्यमंत्री काल में रात को अत्यंत जल्दबाजी में लोगों पर बल का प्रयोग करके आरे में सैकड़ों पेड़ नष्ट किए गए और उस पर सवाल करनेवाले लोगों में से 30 नागरिकों को झूठे केसेस में जेल में डाला गया ! योग्य पर्याय होते हुए भी बिल्डरों के लिए कैसे मुंबई का आरे जंगल यह नष्ट किया जा रहा है यह कागजी सबूत के साथ जाहिर पत्रकार परिषद लेकर और उसमें भाजपा के नेताओं को आने का आवाहन करके पर्यावरणवादीयो ने साबित किया था ! इसलिए ऐसा चर्चा है कि फडणवीसजी नाराज ना होने के लिए आपने इस जनव्यापक जनआंदोलन को सक्रिय समर्थन नहीं किया था ! इस पर आप ठोस खुलासा कर सकते हैं क्या ?

- 3) इसके अलावा अपने उक्त PIL में **"खेती की जमीन का बिनखेती के काम के लिए गैरइस्तेमाल हो रहा है इसके लिए PIL कर रहे हैं"** ऐसा भी दिखाया ! (प्रत पेज क्र. 106 से 109 पर) क्या जोक है ! नमूद/दर्ज नुसार आपने ही उधर के गरीब किसानों से 8 लाख रु. में खरीदी खेती को NA करके उस पर कई प्लॉट गिरा कर बाहरी शहरी 41 लोगों को लगभग 2.5 करोड रुपयो में बेचे ! यानी यहां पर खेती को और किसानों को फायदा हुआ था क्या ? इस पर आप का कहना क्या है वो लोगो के सामने रखेंगे क्या ?
- 4) उक्त सिंचन घोटाला विरुद्ध के PIL के पहले उसके पेपर्स यह भाजपा के मुलुंड के किसी नेता को चर्चा के लिए दिखाया था क्या ? कृपया इसकी जानकारी दें !
- 5) आप लोग जो जनलोकपाल आंदोलन में खुद को सामाजिक कार्यकर्ता, क्रांतिकारी, झांसी की रानी, आयरन लेडी वगैरा वगैरा कहलाते थे ना ? फिर इस जनलोकपाल आंदोलन में सरेआम खुद को जलाकर मौत को गले लगानेवाले और आंदोलन को ज्वलंत करनेवाले **शहीद दिनेश यादव** इनकी उनके पश्चात पत्नी और चार मासूम संताने खस्ता हालत में चले गये उनके लिए आप लोगों ने क्या किया ये लोगों को बताये! (पेज क्रमांक 110 पर)

D. MRT से आप लोगों की सरकारजमा हुई जमीन वापस मिलने के विषय में 4 प्रश्न --

- 1) आप, नमूद/दर्ज सभी पाच पार्टनर्स के कर्जत तालुका के उक्त जमीने यह तहसीलदार कार्यालय द्वारा आप लोग किसान के संज्ञा में बैठते नहीं है इसलिए सरकारजमा किये थे जिस वजह से आप 2012 से हमारे IAC आंदोलन में तथा मीडिया के सामने तथा खुद के फेसबुक पर "मैं सिंचन घोटाला उजागर किया सो मेरी जमीन यह सिल की गई" ऐसा रोना तथा गाजावाजा लगातार किये ! (प्रत पेज क्र. 56 से 65 पर) लेकिन यही जमीने जब 2015 में राज्य सरकार नियंत्रित महाराष्ट्र रिवेन्यू ट्रिब्यूनल (MRT ने) वापस किया तब

अपने IAC कार्यकर्ताओं को, मीडिया को तथा अपने फेसबुक पर यह महत्वपूर्ण बात यह क्यों छुपा के रखी और कहीं नहीं ! इस बारे में आप लोगों को खुलासा या जानकारी देंगे क्या ?

(2017 में वाकोला पुलिस स्टेशन के बाहर पत्रकारों ने "एकनाथ खडसे आपके कर्जत के सरकारजमा जमीन के मामले में बोले" ऐसा कहा तभी उसके उत्तर देने के चक्कर में आपके पेड़ कर्मचारी श्रीमती रोशनी राउत ने MRT ने उक्त जमीन ने वापस करने की बात बोल डाली यह बात अलग है!)

- 2) उस वक्त यानी 2015 में फडणवीसजी मुख्यमंत्री थे तब राज्य सरकार नियंत्रित MRT ने आप सभी पांच बिजनेस पार्टनर की उक्त जमीने वापस करने के अपने निर्णय में स्पष्ट लिखा है कि आपकी जमीने सील करनेवाले महसूल विभाग को बार-बार उनका पक्ष रखने के लिए वकील तथा तत्सम अधिकारी ये नियुक्त करने को तथा पक्ष रखने को कहने के बावजूद भी महसूल विभाग ने वैसा किया नहीं ! ऐसा क्यों ? इस मामले में आप कोई ठोस जानकारी या खुलासा लोगों को या मुझे दे सकती है क्या ? कृपया वो दे दे ! **(प्रत पेज क्र. 112 से 124 पर)**
- 3) आप पांच बिजनेस पार्टनर के उक्त जमीने यह आप सब किसान के संज्ञा में बैठते नहीं तथा वैसे प्रमाण या सबूत पेश नहीं किया इसलिए कर्जत तहसीलदार ने सील किये थे ! वैसे लिखित में MRT में भी पेश किया गया था लेकिन MRT ने आप पांच लैंड बिजनेस पार्टनर्स कि उक्त जमीने आप लोगों को वापस करने के निर्णय में उक्त प्रकरण का प्रमुख हिस्सा रहा यह मुद्दा यानी आप पांच लैंड बिजनेस पार्टनर्स ने उसे वक्त जांच के दरम्यान तहसील कार्यालय को आप सभी लोग किसान के संज्ञा में बैठनेवाले किसान होने के एडमिसिबल प्रमाण या सबूत यह पेश किये थे या नहीं या कैसे यह मुद्दे पर कुछ भी कहा नहीं है ! इस बारे में आप कोई ठोस खुलासा लोगों को दे सकती है क्या ? है तो कृपया दे दे ! **(प्रत पेज क्र. 112 से 124 पर)**
- 4) इस MRT के निर्णय पर सरकार ने आज तक खुद से या प्राप्त शिकायतों के अनुसार मा. हाईकोर्ट में या ऊपरी न्यायालय में आव्हान क्यों नहीं दिया ? इस मामले में आप जानकारी देंगे क्या ? कृपया वह दे दे !

E. आप तथा AAP पार्टी ने छगन भुजबल तथा अन्य इनके खिलाफ माननीय हाई कोर्ट में किये केस के बारे में 2 सवाल --

- 1) आप, प्रीति मेनन इन्होंने AAP पार्टी की तरफ से छगन भुजबल तथा अन्य उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ मा. हाईकोर्ट में केस दाखिल किया और उसके बाद आप लोगों ने लोगों को तथा सोशल मीडिया में, मीडिया में यह दिखाया कि AAP पार्टी ने यह कैसे किया है और

कोर्ट में उक्त केस में हमारी पार्टी यह "रजिस्टर्ड अंडर सोसाइटी एक्ट" ऐसा नमूद/दर्ज किया है ! इस मामले में ऐसा कोई दस्तावेज या जानकारी आप दे सकते हैं क्या ?

- 2) आप लोगों के छगन भुजबल तथा अन्य इनके खिलाफ उक्त केस में केस फाइल होने की तारीख यह पहले की और उक्त केस दाखिल करने के लिए जो रजोल्यूशन लगता है उसकी तारीख यह बाद में की ऐसा है ! इस मामले में आप लोग का क्या कहना या खुलासा है वह पेश करेंगे क्या ?

F. आप लोग क्यों राजकीय संबंध तथा दोस्ताना के बारे में 6 सवाल---

- 1) आपकी और फडनविसजी की कब से अच्छी पहचान है ? वे मुख्यमंत्री बनने के बहुत पहले से उनकी और आपकी अच्छी पहचान है ? इस मामले में आप ठोस जानकारी दे सकते हैं ? क्या कृपया वह दे दे !
- 2) आपकी और किरीट सोमैयाजी की कब से अच्छी पहचान है ? इस मामले में आप ठोस जानकारी दे सकते हैं क्या ? कृपया वह दे दे !
- 3) राज्य में अनेक सामाजिक कार्यकर्ता तथा संस्थाचालक है जिन्होंने अपना सर्वस्व अर्पण करके, जान की बाजी लगाकर, हाल सहन करके जमीनी तौर पर अनेक साल से मानव हक, न्याय, पर्यावरण इत्यादि गंभीर विषयों पर समाजकार्य किया है ! लेकिन आपने अचानक ऐसा क्या समाजकार्य किया कि जो देखकर 2016 में अपने स्थापित किया वॉइस ऑफ इंडियन टैक्सपेयर (VIT) इस संस्था के उद्घाटन को स्वयं मुख्यमंत्री फडणवीसजी, विशंभरजी यह विशेषरित्या पधारे थे ? कृपया इस पर कोई ठोस जानकारी दे दे !
- 4) आपके उक्त VIT संस्था के सातजन के कमेटी में आपकी साथ काम करने वाले श्रीमती रेहाना खान जैसे व्यक्तियों को ना लेकर सभी आपके ही स्वर्ण समाज के व्यक्ति लिए गए हैं ! इस पर समाज के सामने एक सामाजिक कार्यकर्ता कहलानेवाले आप यह मनुवादी वृत्ति के स्वभाव के है यह लोगों को क्यों ना महसूस हो ? कृपया इस पर आप यह समझ दूर करेंगे क्या ? (प्रत पेज क्र. 125 पर फोटो क्र. 4)
- 5) आपकी लड़की के शादी के कर्जत में आलीशान तथा शाही समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा आप सिंचन घोटाला के तमाम पेपर्स निकल रहे थे उस वक्त के मुख्यमंत्री श्री. पृथ्वीराज चौहानजी यह दोनों महोदय उपस्थित थे ! आप पर कर्जत जमीन घोटाले के तथा भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप होते हुये भी फडणवीसजी जिनके पार्टी के दो वरिष्ठ नेता नितिन गडकरीजी और एकनाथ खडसेजी इनके विरुद्ध आपने भ्रष्टाचार के आरोप करके उन्हें अपना पार्टी अध्यक्षपद का और मंत्रीपद का इस्तीफा देने को विवश किया था ऐसे होते हुये भी फडणवीसजी आपके सारे कार्यक्रमों को विशेष उपस्थिति लगाते हैं तथा श्री.

पृथ्वीराज चव्हाणजी यह भी उपस्थित रहते हैं ! इसपर कृपया कुछ ठोस जानकारी देंगे क्या ? (पेज क्र. 125 पर फोटो क्र. 1, 2, 3)

- 6) खडसेजी ने आपके खिलाफ उनके जिले में कमेंट किया उस बारे में आपने मुंबई में वाकोला पुलिस थाने में जीरो FIR- 17/2017 दर्ज किया और उसकी केस भी तुरंत मुंबई के फास्टट्रैक कोर्ट में जाती है ! यह विशेष बर्ताव आपको कैसे मिलता है ? इसकी कृपया लोगों को जानकारी दोगे क्या ?

G. आप लोगो के अन्ना हजारेजी, अरविंद केजरीवालजी, विशंभर चौधरीजी इन्होंने किये उदात्तीकरण के बारे में 2 प्रश्न---

- 1) श्री. अन्ना हजारे इनको मैं **अगस्त 2012** में पत्रव्यवहार तथा ईमेल द्वारा तथा **अक्तूबर 2012** में,, **दिसंबर 2012** में रालेगनसिद्धि में प्रत्यक्ष मिलकर हमारे IAC के इमेज तथा आंदोलन का इस्तेमाल करनेवाले आप, मयंक गांधी, प्रीति मेनन यह कैसे कथित कर्जत जमीन घोटाले में है इसकी जांच करने की बिनती की तथा कैसे आप लोगो ने इस बारे में खोलखोल ना होने के लिये भांडुप के लोकल रिकॉर्डेड रॉबर माफियायी गुंडो से हाथ मिलाकर मुझे झूठ केसेस में मरवाया तथा उसमें अरविंद केजरीवालजी ने कैसे तुम लोग को बाद में मूक साथ दिया था यह मैंने दिखाये प्राथमिक सबूतो के आधार पर तथा शिकायतो पर जांच करने की बिनती की तथा IAC का डेटा, संपर्क नंबर, पोर्टल, फंड इत्यादि सारे मटेरियल का इस्तेमाल AAP पार्टी के लिये हो रहा इसकी भी जांच करने की बिनती की ! उसी वक्त अन्ना मेरे से बोले कि **"मेरे नाम से तीन करोड़ लोगो ने चंदा दिया और वह पार्टी के लिए इस्तेमाल हो रहा है !"** बाद में **दिसंबर 2012** के इस संभाषण की वीडियो यह **नवंबर 2013** में सारे राष्ट्रीय मीडिया चैनल पर खुब चली थी !

(यह वीडियो न्यूज आप **anna vs arvind war on tape** ऐसे यूट्यूब पर टाइप करके देख सकते हैं !)

आपके साथी मयंक गांधी है जब एक राष्ट्रीय न्यूज चैनल पर उनके संपादक के साथ बैठे थे तब सर्वप्रथम उस संपादक ने यह वीडियो उनको दिखाई तब **मयंक गांधी** ये "मुझे यह बारे में कुछ भी मालूम नहीं" ऐसा गड़बड़ाए हालत में बोलने लगे और मुझे पहचानते नहीं ऐसा दिखाकर उन्होंने वहां से पलायन किया था ! लेकिन बाद में ऐसा क्या हुआ कि खुद अन्ना मीडिया के सामने इस वीडियो से अंजान बने और उन्होंने आप लोग की कुछ भी जांच नहीं की तथा आप लोग से **नवंबर 2013** के रालेगनसिद्धि स्थित जनलोकपाल आंदोलन में मीटिंग भी की और **मार्च 2018** के दिल्लीस्थित राष्ट्रीय आंदोलन में **विशंभर जी** के साथ आपको स्टेज पर बिठाकर फोटो खिंचवाकर आपकी एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर प्रमाणीकरण तथा उदात्तीकरण भी किया ? (पेज क्र. 31 पर फोटो क्र. 5)

- 2) श्री. अरविंद केजरीवाल ने IAC आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक के नाते 2012 में मीडिया के सामने आपके कर्जत के जमीन घोटाला विरुद्ध अंतर्गत लोकपाल जांच की घोषणा की थी ! उसका आगे क्या हुआ इस बारे में आप ठोस जानकारी देंगे क्या ? (प्रत पेज क्रमांक 126 पर)

H. सन 2012 से आज तक मुझ पर, मेरे परिवार पर आप लोग--रिकॉर्डेड चोर माफिया--कूर भ्रष्ट पुलिस NEXUS ने झूठे पुलिस केसेस में हाथ दुखने तक मरवाना, हमारी 7 महीने की बच्ची गवाना, मेरा दुष्प्रचार-मानहानि करना इ. के बारे में 25 प्रश्न---

- 1) पेज क्र. 33 से 51 पर वेरिफिकेशन स्टेटमेंट में नमूद/दर्ज हकीकत में आप सब लोगों के बारे में जो भी विधान, पैराग्राफ ये असत्य है तो उसको आप अंडरलाइन या चिह्नित करके दिखाये तथा आप लोगों को इस हकीकत में आपके तरफ से कुछ दुरुस्ती या कहना है तो वह पेश करें !
- 2) उक्त वेरिफिकेशन स्टेटमेंट के पैराग्राफ क्र. 3 से 6 में नमूदनुसार मैं उसे वक्त अपने विभाग के पीड़ित लोग यह मेरे पास शिकायतें लेकर आये उस नुसार मैं अपने विभाग के कथित बांधकाममाफियायी गुंडो ने झंडावंदन की जगह हड़पना, बीएमसी तथा पुलिस की धमकी देकर लोगों को कॉन्ट्रैक्ट के लिए तथा उनको ही रुम बेचने की दादागिरी-दहशत दिखाना, दुष्कर्म में इ. विरुद्ध कानूनन लड़ाई लड़ रहा था ये सब **मयंक गांधी, प्रफुल्ल वोरा** इ. से चर्चा करके तथा **अरविंद केजरीवाल** इनको इसकी कल्पना देकर ही लड़ रहा था लेकिन अचानक उन्ही कथित लैंडमाफिया गुंडो को साथ लेकर मुझपर नमूदनुसार तमाम अत्याचार तथा मेरे खिलाफ कार्य कैसे और क्यों किए गए इसकी आप जानकारी लोगों को देंगे क्या ?
- 3) पैरा क्र. 8 नुसार आप लोगों ने मुझे बिना पूछे मेरे विभागीय मनपा वार्ड में दि. 9/3/12 को IAC के लेटरहेड से "**हमीद सरवैया IAC का कार्यकर्ता ही नहीं**" ऐसा झूठ बोलनेवाला पत्र क्यों दिया ? जिस वजह से उक्त झूठी केसेस बनने के लिये बनावट स्टोरी यह उन कथित भूमाफीया गुंडो को तथा भ्रष्ट पुलिस को मिली ? क्योंकि उल्टा आप लोगों से चर्चा करके मैं, हम सब अन्य लोग ये सारे कार्य कर रहे थे ! (प्रत पेज क्र. 127 पर)
- 4) पैराग्राफ क्र. 7 से 8 नुसार मैं जब आप लोगों से **मयंक गांधी, प्रफुल्ल वोरा** इनसे चर्चा करके कथित माफियायी लोगों से उनके प्रलोभन, ऑफर्स ठुकराकर लड़ रहा था और जब वे उनके खिलाफ हमने IAC के हमें दिए हुए लेटरहेड से BMC में किये शिकायत यह भ्रष्ट मार्ग से प्राप्त करके IAC के चकाला ऑफिस में आप लोगों को अप्रोच करने के लिए आये तब मयंक गांधी, प्रफुल्ल वोरा यह लोगों ने यह बात मुझे क्यों नहीं बताई ? तथा

नमूद/दर्ज 9/3/12 का पत्र क्यों दिया ? इसका आप नैतिक जवाब लोगों को या मुझे दे सकते हैं क्या ?

तथा भ्रष्टाचारविरोधी लड़ाई का, जनलोकपाल, विजलब्लोअर एक्ट का डंका पीटनेवाले हैं IAC के मयंक गांधी, वोरा तथा आप लोगों ने उन कथित गुंडों को **यह क्यों नहीं पूछा** कि "उक्त शिकायतपत्र ये BMC ने आपके हाथ में भ्रष्ट मार्ग से देकर शिकायतकर्ता का यानी मेरा जान खतरे में कैसा डाला ?"

- 5) तथा उक्त 9/3/12 का आप लोगों ने बीएमसी **S वार्ड** को उन्होंने मांगे बिना दिया हुआ संदेहात्मक पत्र की प्रत ये कथित माफिया गुंडों के **हाथ कैसे लगी ?** उक्त प्रत लेकर हुए विभाग में लोगों को दिखाने लगे कि **"देखा IAC को भी हमने मैनेज किया है !"** (शी ! कितना गंदा मंजर है ये!)

जब मैं प्रफुल्ल वोरा इनको फोन करके इस बारे में सवाल किया तब पहले तो उन्होंने गड़बड़ाके **"मैंने ऐसा कोई पत्र नहीं दिया"** ऐसा झूठ क्यों बोला ?

- 6) उक्त 9/3/12 के पत्र के वजह से कुछ भी नकारात्मक घटना हो सकती है यह मैं आप लोगों को, मयंक गांधी, वोरा इनको बोलके यह गलती सुधारने के लिए उक्त पत्र को **रद्द करने वाला दुरुस्तीपत्र** S वार्ड को देने के लिए बोला तब उन्होंने कपट से उसके बजाय 10 दिन के बाद **19/3/12** को मैं, हमीद सरवैया, राजा जोसेफ, मांजलकर, स्टालिन सर ये IAC के स्थानीय कार्यकर्ता है ऐसा घोषणापत्र मेरे हाथ में क्यों दिया ! इस संदेहात्मक कृत्य के बारे में आप सभी लोग यह लोगों को या मुझे ठोस जानकारी दे सकते हैं क्या ? **(प्रत पेज क्र. 128 पर)**

- 7) उसके बाद पैराग्राफ क्र. 10 से 14 में हम पर दि. **19/4/12** से **20/4/12** तक कैसे झूठ केसेस, हाथ दुखने तक मारपीट, अत्याचार, विटंबना हुई यह पड़े उसे वक्त जब हमें काले-नीले सूजे हुए हाथ-पैर हुए अवस्था में कोर्ट में लाया गया तब आप, प्रीति मेनन, नरेश ठाकुर यह लोग मेरे लिए आये ऐसा दिखाने के लिए कुछ IAC कार्यकर्ताओं के साथ कोर्ट में मुलुंड कोर्ट में आये लेकिन कोर्ट लॉकअप में मुझे मिलने के बजाय या हमारे लिए वकील ड. मदद करने के बजाय वहां हम पर हंसने के लिये, स्वच्चीकरण करने के लिए आये उन्ही विरोधी भूमफिया लोगों के साथ आप बात करने लगे तथा हमको ऐसे ही छोड़कर उन्ही भूमफियायी लोगों के साथ भांडुप में हमारे विभाग में आकर घूमने लगे ! मेरा भी घर अपने बाहर से देखा ! यह प्रकार देखकर लोकमत के एक पत्रकार ने इसका निषेध किया तथा देखनेवाले लोग भी आश्चर्यचकित हुये ! उस वक्त मेरे पत्नी ने खुद की अंगूठी गिरवी रखकर जमानत के ₹10000 का बंदोबस्त किया था और शाम 7:00 के बाद मैं **उपोषित** (भूखे) अवस्था में छुटा था ! आपको पहले ही पूछे प्रश्न क्रमांक A - 10 के

अनुसार वापस प्रश्न करता हूँ कि **मेरे जगह आपका लड़का रहता** तो उसपर नमूद/दर्ज माफिया गुंडे और पुलिस ने झूठ केसेस रचकर उसको हाथ-पैर काला-नीला होने तक सूजने तक, एक हाथ निकम्मा होने तक मारा होता तो आप यह ऐसे उसको छोड़कर उन माफिया गुंडों के साथ बोलते, घूमते, बैठते, उनको अपने पार्टी में लेते थे क्या ? इसपर लोगों को ठोस जानकारी दे !

- 8) इसके बाद अपने आंदोलन के मूल प्रचारक, साथी कार्यकर्ताओं पर **19/4/12** और **20/4/12** रोज इतना भयानक और आत्महत्या को प्रवृत्त करें ऐसा अत्याचार होने की बात ये अन्य IAC कार्यकर्ताओं को मालूम न गिरने देने के लिए दि. **24/4/12** की IAC की दादर पूर्व के हॉल स्थित मीटिंग में **मुझे बोलने नहीं दिया तथा खुद भी नहीं बोले !** लेकिन उसके उल्टा प्रसिद्धि के लिए एवं छूपे मनुवादी स्वभाव नुसार आपलोगों ने आंदोलन से किसी भी तरह का संबंध नहीं है ऐसे **असीम त्रिवेदी, वरुण कश्यप** जैसे हायर क्लास, पेज-3 लोगों के लिए पुलिस तथा कोर्ट में आंदोलन किये तथा कर्जत में आपकी जमीन अटकने के बाद उधर के डैम प्रोजेक्ट विरुद्ध पेपर्स निकालने के लिए तथा आंदोलन करने के लिए कभी कर्जत, कभी कोकण भवन, कभी थाने यहां आप आपके आलीशान फॉर्च्यूनर गाड़ियां भर के, IAC कार्यकर्ताओं पर बिसलेरी-भोजन का **खर्च** करके उन्हें बार-बार लेकर जाते थे लेकिन हमारे लिये भांडुप पुलिस थाना, उनके वरिष्ठ कार्यालय के सामने **आंदोलन** करना, घटित कुर मारपीट के लिए कारवाई की **लिखित मांग** करना ऐसे कर्तव्य कुछ भी किये नहीं ! इस विरोधाभास पर आप कृपया लोगों को तथा मुझे नैतिक जवाब दे दे !
- 9) उसके बाद दि **24/4/12** के IAC के चकाला स्थित ऑफिस के सार्वजनिक मीटिंग में भी दि. 21/4/12 जैसा ही हुआ ! **मुझे वहा भी बोलने नहीं दिया गया !** ऐसा क्यों ? इस संदेहात्मक कृत्य पर कृपया लोगों को तथा मुझे आप नैतिक जवाब दे दे !
- 10) उसी समय यानी **24/4/12** को दूसरे रूम में **प्रीति मेनन** तथा कथित **भूमाफीया लोग** इनकी वापस एक बार मीटिंग हो रही थी ! उसके बाद **प्रीति** ने जानबूझकर मेरे सामने **मयंक गांधी** को कहने लगी कि "यह तो **रवि पुजारी** गैंग के लोग हैं, उनसे हमें दूर रहना चाहिए !" (हमारे एरिया में "हम **अश्विन नाईक** के लोग हैं" ऐसा भी डराते हैं !) उस वक्त मयंक गांधी, नरेश ठाकुर इन्होंने मुझपर दबाव डाला कि "नितिन यह लोग मान रहे कि हमने आपके लोगों को झूठे केस में फसाया है और यह लोग माफी मांग रहे हैं सो तुम भी बात को भूल जाओ" ! इस बारे में आपका क्या कहना है यह लोगों को बताएंगे क्या ? यह अत्यंत बेशर्मी का तथा गद्दारी का उदाहरण नहीं है क्या ?
- 11) इसके बाद कथित भूमाफीया लोगों ने खुद के गैरकानूनी बांधकाम का **ब्यौरा** यह उनके साइन के साथ IAC के नाम दि. **26/4/12** को दिया था और उसमें "हमसे कुछ भूल हुआ है

तो माफ कीजिए" इस आशय का विधान किया था ! उक्त पत्र तथा नमूद भूमाफियायी लोगों का रिकॉर्ड यह यहां पेज क्र. 129 से 147 पर है जो आपको पता ही होगा !

हमारे ऊपरी दि. **19/4/12 तथा 20/4/12** के नमूद/दर्ज पुलिस अत्याचार की तथा हमने उसके पहले नमूद/दर्ज नुसार DCP के साथ SMS संभाषण किए थे वह खबर **दैनिक लोकमत** में दि. **28/4/12** रोज उनके अखबार में **प्रसिद्ध किया (प्रत पेज क्र. 148 पर)** लेकिन इतनी गंभीर खबर प्रसिद्ध होने के बाद भी उसी दिन नानावटी हॉल, पार्ले के IAC के सार्वजनिक मीटिंग में मयंक गांधी, नरेश ठाकुर, मयंक जैन इ. लोगों ने मुझे बोलने नहीं दिया और उक्त अखबार की खबर अन्य लोगों से छुपा के रखी ! यह संदेहात्मक कृत्य नहीं है क्या ? इसपर आपकी क्या जानकारी तथा खुलासा है वह लोगों को दोगे क्या ?

- 12) दरम्यान आप लोगों ने **9/3/12** को दिए उक्त झूठे पत्र के वजह से भ्रष्टाचार विरोधी लड़नेवाले त्यागी कार्यकर्ताओं पर झूठे केसेस तथा अत्याचार हुये इसकी चर्चा होने लगी सो उसे ढकने के लिए मयंक गांधी, नरेश ठाकुर इन्होंने उक्त पत्र को रद्द करनेवाला सुधारित पत्र जो उनको नमूद/दर्ज केसेस तथा अत्याचार होने के पहले ही हमने बोलकर भी नहीं दिया था वह उन्होंने दि. **24/5/12** को दिया कि **"पहले पत्र में हमसे गलती हो गई, हमीद सरवैया हमारा ही कार्यकर्ता है !"** यह संदेहात्मक कृत्य है ! (प्रत पेज क्र. **को 149 पर**) इसपर आपका कहना या खुलासा यह लोगों को तथा मुझे दोगे क्या ?

- 13) उसके बाद आप लोगों में से एक नरेश ठाकुर ये हमारे विभाग के नमूद/दर्ज माफीयायी लोगों से पीड़ित रहीवासियों को जिनकी शिकायतें मैं नमूद/दर्ज नुसार IAC में आप लोगों में से मयांक गांधी, प्रफुल्ल वोरा, नरेश ठाकुर इनको दिखाया था उन पीड़ित लोगों को मिलने को आया ऐसा दिखाकर भांडुप में **25/5/12** को रात को 11:00 बजे आये और कथित भूमाफियायी लोगों में से एक के बाइक पर पीछे बैठकर उनके साथ भांडुप में घूमते हुए मुझे तथा अन्य लोगों को दिखे ! (यह बात खुद नरेश ठाकुर ने **मानी** है) तथा हामिद सरवैया के घर पर जाकर उसकी मां को डराने का यह बोलकर प्रयास किया कि **"हमें आपके बेटे की जान की फिक्र है इसलिए हम हमीद को पीछे हटने के लिए बोल रहे हैं !"**

इस पर आपका क्या कहना तथा खुलासा है वह लोगों को तथा मुझे दोगे क्या !

- 14) इसके बाद भी मेरा प्रतिमामलिन तथा चरित्रहनन करने का छलकपट यह जारी रहा ! दि. **13/6/12** को मैं काम पर रहने की वजह से उपलब्ध नहीं हूँ यह मालूम होने के बाद भी **प्रीति मेनन**, नरेश ठाकुर, सुषमा मोरया इन्होंने घनशारामानी जैसे इतर मुलुंड स्थित कार्यकर्ताओं को बुलाकर मेरी नाराजगी दूर करनी है ऐसा दिखाकर मुलुंड में मीटिंग ली लेकिन उसमें उल्टा मेरा चरित्रहनन करने हेतु तथा नमूद/दर्ज माफिया गुंडे कैसे योग्य है ये

दिखानेहेतु झूठ बोले कि **"नितिन के खिलाफ हमारे पास सबूत है !"** लेकिन बाद में घनशारामानीजी से यह बात मालूम गिरने के बाद मैं इस बारे में नमूद सभी को सवाल करने पर उन्होंने जवाब देने को टाला!

लेकिन उसके बाद **20/6/12** को नरेश ठाकुर ने अरविंद केजरीवाल जी के आंदोलन में मैं तथा मेरे सहकारी ये सहभाग लेने के लिए SMS भेजे ! यानी मेरे खिलाफ आपके इन लोगों के पास कुछ सबूत होते तो फिर यह SMS क्यों भेजे ? **(प्रत पेज क्र. 154)**

इसपर आपका क्या कहना या खुलासा है वह लोगों को या मुझे दोगे क्या ?

- 15) अभी भी नीचता तथा हल्कापन यह बाकी था ! इसके बाद वापस दि. **11/8/12** रोज नानावटी हॉल, पार्ले यहां के साप्ताहिक सार्वजनिक मीटिंग में करीबन 70 से 100 IAC कार्यकर्ताओं के सामने नरेश ठाकुर ने भाषण किया कि **"नितिन चव्हाण ने IAC के नाम पर 15000 रु. जमा किए और उसकी हम पुलिस में शिकायत करने पर सोच रहे हैं !"** और आपके पेड़ समर्थक **सुरेश आचार्य** ने इसपर "हां करते हैं" यह बोलकर सहमति दिखाई ! बाद में इसी नरेश ठाकुर ने वापस **12/10/12** तथा **13/10/12** को मुझे सलमान खुर्शीद विरोधी आंदोलन में आने का SMS भेजे ! **(प्रत पेज क्र. 150 पर)** इसका मतलब नरेश ठाकुर यह मीटिंग में मेरे खिलाफ सफेद झूठ बोलकर मेरा प्रतिमामलिन तथा अपमान तथा खच्चीकरण और कथित नमूद/दर्ज माफियायी लोगों का उदात्तीकरण करने ही काम कर रहा था !

इस बारे में आपका क्या कहना तथा खुलासा है वो लोगों को देंगे क्या ?

- 16) यहां तक घटित सभी कुर घटनाक्रम की वजह से हम दोनों पति-पत्नी यह व्यथित हुए ! यहां तक का सारा नमूद/दर्ज घटनाक्रम जिसमें आप सभी लोग कैसे माफियायी लोगों का साथ देखकर उनसे लड़ने वाले अपने ही IAC कार्यकर्ताओं को कैसे नमूद/दर्ज पत्रों का खेल खेलकर झूठ केसेस में मरवाया यह सारी बातें स्पष्ट करनेवाला पत्र ये दि. **18/8/12** तथा **30/8/12** रोज श्री. अरविंद केजरीवाल तथा श्री. अन्ना हजारे इनको ईमेल और पत्र द्वारा भेजा और इस पत्र की कॉपिया ये मैं, मेरी पत्नी तथा हमारे सहकारी ऐसे 15 से 17 लोगों ने दि. **25/8/12** रोज नानावटी हॉल, पार्ले यहां IAC के मीटिंग के वक्त बाकी कार्यकर्ताओं को बांटी ! उस समय मयंक गांधी, आप, प्रीति मेनन इन्होंने इस पर मौन रखा ! इसका मतलब पत्र में नमूद/दर्ज हकीकत यह सत्य था ! **(प्रत पेज क्र. 151 से 158 पर)**

इस बारे में आपका क्या कहना तथा खुलासा है वह लोगों को देंगे क्या ?

- 17) बाद में दिनांक **26/9/12** को अरविंद केजरीवालजी आपके साथ कथित सिंचन घोटाला संबंधी प्रेस कॉन्फ्रेंस लेने हेतु मुंबई आए थे और वे जाते वक्त सहार एयरपोर्ट पर मैं अरविंद केजरीवाल इनको डेढ़ महीना गुजरने के बाद भी मैंने भेजे हुए उक्त पत्र पर कुछ भी कारवाइ

न होने के बारे में पूछा तब उनके साथ मयंक गांधी थे और उनके कुछ कार्यकर्ताओं ने मेरे साथ आये **श्रीमती एनी कोहली** इनको जबरन धक्काधक्की किया था जिनमें उनको मार लगा था !

इस दरम्यान चस्मदीद गवाओं के सूत्रों से यह भी पता चला कि दि. **9/9/12** को मयंक गांधी, नरेश ठाकुर, सुषमा मौर्य इन्होंने आयोजित किये IAC - AAP पार्टी के मीटिंग में कथित नमूद/दर्ज माफीयायी लोगों में से संकेत जोशी, कॉल डिसूजा ये दो लोग भी बैठे थे ! (इसका फोटो मैं **2014** में मरीन ड्राइव में इलेक्शन एक्सप्रेस कार्यक्रम में सबको दिखाया और **"प्रीति मेनन**, सबको जवाब दीजिए कि आपकी मीटिंग में वॉलेंटियर्स को झूठे केस में मरवानेवाले माफिया लोग बैठे थे या नहीं ?" तब प्रीति मेनन ये अपनी **गर्दन नीचे झुका के वहाँ चुप बैठी थी !** इस बारे में आप लोग लोगों को खुलासा दोगे क्या ?

- 18) उसके बाद दि. **20/12/12** को मयंक गांधी, प्रफुल्ल इन्होंने आम आदमी पार्टी के लेटरहेड से मेरे खिलाफ बना हुआ झूठा शिकायतअर्जी ये **प्रीति मेनन** ने उसी भांडुप पुलिस थाने में लाकर दिया जिसमें ऐसा लिखा था कि "नितिन और IAC के वृद्ध नागरिक कार्यकर्ता नमूद/दर्ज श्री. घनशारामानीजी इन्होंने दि. **23/11/12** तथा **2/11/12** रोज IAC के मीटिंग में आकर गुंडागर्दी की !" इस पत्र में यह भी झूठ लिखा गया था कि हम (यानी मयंक गांधी कंपनी) यह IAC के कार्यक्रम ले रहे थे क्योंकि ये लोग IAC में थे ही नहीं ! यह लोग तो नए स्थापित AAP पार्टी में थे ! यानी हमारे ऊपरी दि. **19/4/12** तथा **20/4/12** के नमूद/दर्ज अमानुष अत्याचार तथा झूठ केसेस यह भांडुप पुलिस थाने में आपके लोगों के संगनमत से तथा **9/3/12** के IAC के नमूद/दर्ज पत्र के वजह से हुआ उसी भांडुप पुलिस थाने में, कमिश्नर या सरकार से आप सभी लोगों ने कभी मेरे ऊपरी अत्याचार के विरुद्ध शिकायत या आंदोलन किया नहीं (क्योंकि मैं कोई असीम त्रिवेदी या वरुण कश्यप नहीं बल्कि एक गरीब, स्लम में रहकर फोकट में IAC का आंदोलन खड़ा करने वाला **शिवराय का मराठा** हूँ इसलिए) लेकिन इसके उलट उसी पुलिस में वापस मेरे ऊपर अत्याचार करो ऐसा कहने वाला AAP का पत्र देते हो ! यही है क्या आप लोगों की मनुवादी तथा पूंजीवादी क्रूर फितरत ? इसपर आपका क्या कहना या खुलासा है वह लोगों को देंगे क्या ?

- 19) इस दरम्यान **नवंबर 2013** में दिल्ली इलेक्शन के वातावरण में मैं वापस अरविंद केजरीवाल जी को IAC नागरिक समिति के लेटरहेड से दि. **1/11/13** रोज पत्र भेजा जिसमें मैंने उनको दि. **18/8/12** तथा **30/8/12** रोज भेजे हुए नमूद/दर्ज पत्रों पर तथा आपके कथित कर्जत जमीन घोटाले के बारे में तथा नमूद/दर्ज नुसार उन्होंने प्रत्यक्ष दि. **26/9/12** रोज मुंबई एयरपोर्ट पर दिए जांच के वचन पर कुछ भी कारवाई तथा जांच न करने के बारे

में सवाल पूछा तथा कैसे IAC के आंदोलन का पैसा, सामग्री का इस्तेमाल ये उनके पार्टी के लिए हो रहा है इस पर सवाल पूछा था ! (प्रत पेज क्र. 159 से 160 पर)

यही IAC के पैसा, सामग्री के इस्तेमाल के बारे में सवाल अन्ना हजारेजी ने भी पूछा तब **अरविंदजी** ने दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस करके उसपर जैसे तैसे जवाब दिया और इसी Live प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनपर किसी ने **काली स्याही** फेकी थी !

उसके बाद **नवंबर 2013** में अचानक रात को **टाइम्स नाउ** चैनल पर एक वीडियो दिखाई गई जिसमें **अन्ना हजारेजी** रालेगणसिद्धी में मेरे से बोलते हैं कि **"मेरे नाम से 3 करोड़ लोगों ने चंदा दिया वह सब पार्टी के लिए इस्तेमाल हो रहा है"** इस वजह से इलेक्शन में AAP को प्रॉब्लम हुई थी ! इसका गुस्सा रखकर तत्कालीन AAP प्रवक्ता **कुमार विश्वास** ने आप लोगों से चर्चा करके दि. **20/11/13** रोज इंडिया टीवी पर मेरे खिलाफ अर्धसत्य विधान किया कि **"यह नितिन चौहान है, एक्सटॉर्शन केस में गिरफ्तार थे !"** इस पर आपका कहना या खुलासा यह लोगों को देंगे क्या ?

- 20) मैं **अप्रैल 2011** से यानी जनलोकपाल आंदोलन के पहले आंदोलन से ही यानी आप, प्रीति मेनन ये आंदोलन में मेरे बाद, 4 महीने के बाद आये उसके पहले से ही ये आंदोलन में कैसे कार्य किया यह वापस लिखने की जरूरत नहीं , यह सब अरविंदजी, आप, मयंक, प्रीति इनको मालूम था तथा दि. **18/8/12** और **30/8/12** रोज और बाद में वापस एक बार **1/11/13** रोज भेजे हुए पत्रों की वजह से, कई बार फोन से बात करके, प्रत्यक्ष मिलने की वजह से उनको मालूम था कि नमूद/दर्ज पुलिस केस तथा अत्याचार ये कैसे आप लोगों के नमूद/दर्ज माफियायी लोगों से संगनमत रखकर हुए थे और बाद में भी कैसे आप लोग उनके साथ घूमते, उठते-बैठते थे तथा उनको अपने पार्टी के मीटिंग में बिठाते थे ! यह सब मालूम होते हुए भी एक तरफ सारे देश के सामने, मीडिया के सामने लोगों को भ्रष्टाचार विरुद्ध लड़ने का तथा त्याग करने का भाषण देनेवाले **अरविंद केजरीवालजी** इनको उसी वक्त मेरे इन गंभीर शिकायतों पर कार्रवाई करना जरूरी होने के बावजूद भी उन्होंने उल्टा आप लोगों को बचाया जिस वजह से मुझपर होने वाली अत्याचार, अन्याय तथा मानहानी की मालिका यह रुकी नहीं जिसकी परिणीति आखिर में हम गरीब की **7 महीने की बच्ची को खोना** यहां तक हुई ! लेकिन फिर भी उल्टा मेरे खिलाफ एक राष्ट्रीय न्यूज चैनल पर नमूद/दर्ज नुसार अपने घमंडी, मगरूर कुमार विश्वास नाम के प्रवक्ता मार्फत वापस ऐसे एकतरफा मानहानि करना यानी हमारा पूरी तरीके से खच्चीकरण करके हमे अकेले गिराकर **आत्महत्या को प्रवृत्त** करने का अरविंदजी, कुमार विश्वास, आप, प्रीति मेनन, मयंक गांधी, प्रफुल्ल, नरेश ठाकुर इनकी चाल नहीं थी क्या ?

इसपर आपका क्या कहना तथा खुलासा है यह लोगों को तथा मुझे देंगे क्या ?

21) इसके बाद जब अन्ना हजारेजी के **दिसंबर 2013** के रालेगनसिद्धि के आंदोलन में मैं और मेरी पत्नी आए थे तब हमें उधर **कुमार विश्वास** ये स्टेज से उतरकर मीडिया के सामने बैठते हुए दिखे तब हमने उनको विरोध किया और अबतक के हुए सारे नमूद/दर्ज क्रूर घटनाओं के बारे में मीडिया के सामने डिबेट में बैठने का आग्रह किया तब कुमार विश्वास, आप, प्रीति मेनन, मयंक गांधी ये लोगों ने रालेगनसिद्धि से पलायन किया ! इस बारे की खबर यह अखबारों में भी आई थी ! (**प्रत पेज क्र. 161 से 162 पर**) इस बारे में आपका क्या कहना या खुलासा है यह लोगों को या मुझे बताएं क्या ?)

22) इसके बाद व्यथित होकर मैं जब **अप्रैल 2014** में आप नागपुर में AAP पार्टी की लोकसभा उम्मीदवार थी तब मैं उधर भी आपके कर्जत के कथित जमीन घोटाले के बारे में तथा कैसे आप लोगों के वजह से मुझपर झूठे केसेस तथा अत्याचार हुए तथा उसमें हमारी 7 महीने की बच्ची हमने खोई इस बारे में **प्रेस कॉन्फ्रेंस** लिया, उसकी खबर नागपुर के सारे अखबारों में आई थी जिसका नुकसान आपको उस इलेक्शन में हुआ था !

उस वक्त मैं आपको, मयंक गांधी को SMS करके आमने-सामने **डिबेट** का भी आवाहन किया था जिस पर आपने कुछ भी जवाब नहीं दिया था !

तथा **प्रीति मेनन** को इसी दौरान में मरीन ड्राइव, मुंबई यहां इलेक्शन एक्सप्रेस इस **राहुल कंवल** संयोजित आजतक चैनल के कार्यक्रम में भांडुप के माफिया चोर गुंडों को मेरे खिलाफ साथ देने के बारे में वो दिखानेवाले **फोटो** सरेआम दिखाकर प्रश्न किए थे तभी भी प्रीति मेनन ये गर्दन नीचे डालकर **चुप बैठी थी ! (पेज क्र. 31 पर फोटो नं. 6)**

इसके अलावा उसके बाद एक बार **अरविंदजी** वापस **2015** में वरली, मुंबई यहां पर **"20 हजार रुपये थाली"** कार्यक्रम में एक होटल में आए थे तभी भी वहां मैंने कुछ सहकारियों के साथ वहां खड़ा रह कर आंदोलन कर रहा था तभी **इंडिया न्यूज** के पत्रकार **अभिषेक** इन्होंने आपको और प्रीति मेनन इनको "अंजलीजी, नितिन जी आए हैं, क्या आप डिबेट के लिए तैयार है ?" ऐसा आवाहन किया तब आपने, प्रीति मेनन तथा मयंक जैन ने उसको नकार दिया था !

इसी बारे में भी आप सभी लोग आपका खुलासा यह लोगों को या मुझे दे सकते हैं क्या ?

23) नमूद सारे भयानक घटनाक्रमों के वजह से, मुझपर झूसेस रचाकर बाया हाथ निकम्मा होने तक थर्ड डिग्री मारपीट, मेरा रोजगार धिमा होना यह सब मानसिक तणाव और डर की वजह से मेरी पत्नी के हाइपरटेंशन की वजह से हमारी 7 महीने की बच्ची को खोना इत्यादि क्रूर प्रकरण की शिकायत मैंने जब **अप्रैल 2013** में माननीय **NHRC** में की तब वापस स्थानिक पुलिस के पास पूरा प्रकरण जाकर उन्होंने जब AAP के आप सभी को जांच के लिए बुलाया तब आप लोगों ने हाजिर रहने के बजाय वापस AAP के लेटरहेड से

झूठा पत्र भेजा कि "नितिन चव्हाण ये सिर्फ IAC के कुछ मीटिंग में आता था, इसके अलावा हम उसको पहचानते नहीं !" और कुछ भी जांच किए बिना सिर्फ इन आरोपियों ने दिए पत्रों पर DCP ने यह प्रकरण बंद किया ! (प्रत पेज क्र. 163 पर) इसके बाद मेरे सत्याग्रह के बाद मा. NHRC ने वापस राज्य CID के पास यह प्रकरण भेजा तब उनके द्वारा भी संदेहात्मक तरीके से अपूर्ण तथा दिशाभूल करनेवाली जांच हुई जिसमें आपको और प्रीति मिलन को बुलाया ही नहीं था और मयंक गांधी, प्रफुल्ल वोरा, नरेश ठाकुर इन्होंने कथित नमूद/दर्ज माफीयायी लोगों के पक्ष में ही स्टेटमेंट दिया ! (प्रत पेज क्र. 164 से 166 पर) यानि जो आरोपी थे वही मेरे खिलाफ एक दूसरे के पक्ष में स्टेटमेंट दे रहे हैं ! क्या जोक है !

(आज भी अपने साथ दिए हुए नमूद/दर्ज विरोधी माफीयायी लोग ये कोर्ट में इतने झुठे गवाहों को पकड़ पकड़ कर ले आ रहे हैं जो कोर्ट में झूठ साबित हो रहे हैं और खुद अंजाने में एमआरटीपी के तहत गुनाह को किया ये मान रहे हैं!)

इस मामले में आपका क्या कहना तथा खुलासा है यह लोगों को तथा मुझे बोलेंगे क्या ?

- 24) आजतक आप सभी लोग तथा आपके संपर्क के नमूद/दर्ज कथित माफीयायी लोगों ने मेरे लिये कितने फितूर तथा घर के भेदी बनाये ये आप लोग बोलेंगे क्या ?
- 25) अगर मैं इस पत्र में जो कुछ नमूद किया है उसमें मैं अगर झूठा होता अथवा आपके पास इसके जवाब होते तो जो कुछ आप सभी लोगों ने कई बार मेरे से, मेरे शिकायतो से, मेरे मीडिया, सोशल मीडिया के आप सभी लोगों के खिलाफ दिये बयानों से पलायन नहीं करते !
 - i. 2012 में जब "मैं अकेला हाथ में मेगाफोन लेकर चकाला ऑफिस के सामने पोलखोल करूंगा" ऐसा SMS भेजा तब आपने "नितिन ऐसा मत लिखो ना, जो मैटर रहेगा वह मिलकर ट्रैश आउट करते हैं" ऐसा तथा घर में मिलने के लिए SMS नहीं भेजें होते बल्कि अपना कृत्य सुधारते! (प्रत पेज क्रमांक 150 पर)
 - ii. 2013 में एबीपी माझा चैनल पर मैंने आपके खिलाफ कर्जत जमीन घोटाले के बारे में इंटरव्यू किया वीडियो न्यूज देखकर आप उसको जवाब देते ! (प्रत पेज क्र. 31 पर फोटो क्र. 4)
 - iii. 2013 में नमूद/दर्ज नुसार रालेगणसिद्धि से आप सभी लोग ये पलायन नहीं करते थे ! (प्रत पेज क्र. 161 से 162 पर)

- iv. **2014** में Tv-9 चैनल पर मैं वही इंटरव्यू दिया जो एबीपी माझा को दिया था तभी भी आप "यह लोग ऐसा क्यों बोल रहे हैं" इतना ही बोलकर उसको आधाअधूरा जवाब नहीं देते थे !
- v. नमूद/दर्ज नुसार **2014** में आपके नमूद/दर्ज जमीन घोटाले के विरुद्ध तथा मेरे खिलाफ जो कुछ क्रूर और अमानवी प्रकार किया गया उस बारे में मैंने किए प्रेस कॉन्फ्रेंस को तथा मेरे नमूद/दर्ज आमने-सामने डिबेट के आवाहन के SMS को आप जवाब देते !
- vi. मैं आपको **अप्रैल 2014** में नमूद/दर्ज नुसार 12 गंभीर प्रश्न भेजे थे उसके भी आप जवाब देते ! **(पेज क्र. 52 से 54 पर)**
नमूद/दर्ज नुसार अप्रैल 2014 में मरीन ड्राइव यहां के इलेक्शन एक्सप्रेस कार्यक्रम में प्रीति मेनन ये मेरे नमूद/दर्ज पोलखोल के बाद गर्दन नीचे करके चुपचाप नहीं बैठती !
- vii. नमूद/दर्ज नुसार **2015** में वर्ली, मुंबई में पत्रकारों ने डिबेट का आवाहन देने के बाद आप, प्रीति मेनन ये उसको नकारती नहीं !
- viii. **सोनिका शर्मा मैडम ने 2012** में प्रीति मेनन इनको मुझ पर हुए नमूद/दर्ज क्रूर मारपीट तथा अन्याय के बारे में पूछने पर **"ये उनका पर्सनल मैटर है"** ऐसा बोलकर पलायन नहीं करते !
- ix. प्रीति मेनन को आप लोगों ने नमूद/दर्ज माफीयायी लोगों के साथ लेकर मेरे साथ की नमूद/दर्ज क्रूर हिंसा के बारे में **2019** में (तथा 2016 में भी) SMS भेजे थे उनसे पलायन नहीं करते ! **(प्रत पेज क्र. 167 पर फोटो क्र. 2 तथा अन्य)**
- x. **2019** में **राज ठाकरे जी** के परिवारसंबंधी आप ने ट्वीट किया कि **"राज ठाकरे कुटुंब के साथ ED जांच के लिए निकले हैं कि सत्यनारायण की पूजा को ?"** तब मैं आपको कमेंट ट्वीट किया था कि "वह तो अपने पत्नी को ही लेकर जा रहे है, आप आपकी जमीन बचाने के लिए खर्च करके आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं को कितनी बार कर्जत लेकर गये ये याद है क्या ?" इसी ट्वीट से भी आप पलायन नहीं करते ! **(प्रत पेज क्र. 170 फोटो क्र. 2)**
- xi. **2020** में भी मैं आपके ट्वीट किया था कि **"SHUT UR MOUTH AD ! तुम और प्रीति भांडुप के दो गरीब कार्यकर्ताओं को झूठ केसेस में थर्ड डिग्री में मरवानेवाले माफिया के साथ घूमे-बैठे हो, मेरा एक हाथ और 7 महीने के बच्ची खोई है हमने,**

2014 में भेजे मेरे 12 सवालों का जवाब दो पहले !" ये भी ट्वीट से आप पलायन नहीं करते ! (प्रत पेज क्र. 170 पर फोटो क्र. 1)

- xii. 2019 में आपके तथा प्रीति मेनन के समर्थकों का समावेश रहे पिटीशन ग्रुप के व्हाट्सएप ग्रुप में आपको Add किया गया था उसमें मेरा नाम देखकर आप वह ग्रुप left out होकर नहीं जाते !

तथा आपकी पेड़ कर्मचारी श्रीमती रोशनी राउत इन्होंने सदर ग्रुप के एडमिन पर दबाव डालकर मुझे remove नहीं करवाया होता !

- xiii. मयंक गांधी इनको उन्होंने मेरे बारे में किये क्रूर तथा अमानवी कृत्यों के बारे में तथा उनके ऊपरी अनेक भ्रष्टाचार के ठोस आप के बारे में मैंने 2014 में 10 प्रश्न भेजे थे तथा 2019 में SMS किया उसपर वह चुप नहीं बैठते तथा नमूद/दर्ज नुसार मेरी अन्नाजी के साथ वाली वीडियो देखकर टाइम्स नाऊ चैनल से तथा वर्ली तथा रालेगनसिद्धि से पलायन नहीं करते ! (प्रत पेज क्र. 168 से 169 पर और पेज क्रमांक 167 के फोटो क्रमांक 1, 3, 4 पर)

- xiv. तथा मैं इस पत्र में जो तमाम मुद्दे रखे हैं उस नुसार लोगों ने आपको कई बार व्हाट्सएप द्वारा प्रश्न किया उस पर आप चुप नहीं रहते ! (प्रत पेज क्र. 170 पर फोटो क्र. 3, 4)

- xv. आप लोग खुद कार्यकर्ताओं को श्री. शरद पवार, विलासराव देशमुख इनके घरों के सामने गांधीगिरी आंदोलन करने के लिए पत्रक निकालते थे लेकिन नालमूद नुसार मैं 23/11/12 को जब भांडुप में आपकी मीटिंग के यहां गांधीगिरी करने के लिए आया तब आप लोगों ने मुझ पर कारवाई कराने के लिए अनिल वर्मा, सुषमा मोर्य ये लोगों को आगे करके पुलिस को बुलाया और फिर बाद में कॉम्प्रो के लिए उसी जगह वापस बुला के लिया, ये ऐसे दोगले प्रकार नहीं करते !

आप लोग आज तो आपके सभी नमूद/दर्ज कृत्य ये पचाकर हजम होने के बाद तो इतने सालों के बाद पूछे हुए इन तमाम मुद्दों पर, प्रश्नों पर ठोस नैतिक जवाब देंगे या आपके कार्यकर्ता तथा मीडिया मैनेज करके कुछ भी मनचाहा जवाब देंगे या वापस फिर एक बार मुझे सत्ता तथा पैसों की अमानुष ताकत दिखाएंगे यही देखना है !!



श्री. नितिन बजरंग चव्हाण

Mob. 9820451505



Shiv Narayan Sharma Krantiveer and 20... >



Nitin B Chavan

Roshni Raut मग आता माझा पण काटा कुणाकडून काढताय ? परत attack कधी करताय ? जरा ताईना विचारून सांगा !

1w Like Reply



Nitin B Chavan

लोकहो, अंजली ताईनी त्याचे वफादार भालदार Roshni Raut यांना पाठवले आहे, त्यांचे स्वागत करा !

1w Like Reply



Nitin B Chavan

Roshni Raut आलेलेलेले, IAC मध्ये होता तेव्हा काय अक्कलबाज दलाल लोकच होते वाटते ! जरे अन्याय, अत्याचारामुळे डोक्यावर परिणाम झालेले माथेफिरूच आंदोलने व क्रांत्या करतात ! हेही तुमच्या लोकांना माहीत नाही ? कसे माहीत असणार !

1w Like Reply



Nitin B Chavan

Roshni Raut भांडुपला कोर्टातून तुम्ही, अंजली, नरेश हे सर्व त्या माफियायी गुंडांसोबत का फिरला हे सांगा ना इथे ? आमचे घर का बघायला आला सांगा सर्व !

1w Like Reply

Comment as Nitin B Chavan

12:18

...14.2KB/s

← Replies



Replies to Roshni's comment on your post



Roshni Raut

"नितीनच्या डोक्यावर परिणाम झाला आहे, तो काय बोलतो हे त्याचं त्याला सुद्धा कळत नाही, काहीही बरळत सुटतो कृपया त्याच्याकडे दुर्लक्ष करा!"इति नितीनचे बाबा.....हे मी म्हणत नाही बर का?

55 m Like Reply



Nitin B Chavan

Roshni Raut आलेलेलेले, अंजली दमानिया ताईनी पगार वाढवला वाटतो तुमचा ! जमिनीच्या धंद्यामध्ये ? अहो मालकिणीला पाठवा मग debates ला ! ही दलालाची कामे दुसरीकडे करा ok ? भांडुपमध्ये येऊन लोकल गुंडांसोबत काय केले ते सांगा इथे

36 m Like Reply



Roshni Raut

सगळेच तुझ्यासारखे नसतात बाबा

34 m Like Reply



Nitin B Chavan

Roshni Raut आलेलेलेले माझे बाबा वर गेले, वर जाऊन confirm करा काय बोलले ते आणि तुम्ही लोक त्यांच्याविरुद्ध काय दिशाभूल करायचा ते !

33 m Like Reply

Comment as Nitin B Chavan

Shiv Narayan Sharma Krantiveer and 20... >



Nitin B Chavan

Roshni Raut भांडुपला कोर्टातून तुम्ही, अंजली, नरेश हे सर्व त्या माफियायी गुंडांसोबत का फिरला हे सांगा ना इथे ? आमचे घर का बघायला आला सांगा सर्व !

1w Like Reply



Nitin B Chavan

Roshni Raut तुमचे बाबाही माझे स्वप्नात आले होते ! म्हणाले - अंजलीताई खूप चांगल्या आहेत ! आमच्या रोशनीचा पती कामावर नाही तरी दिड लाखाचा कुत्रा खरेदी करून पाळेस्त एवढा मोठा पगार तिला देतात !

1w Like Reply



Nitin B Chavan

Roshni Raut तुम्ही लोक माझ्यासारखे बनूच नका ! नाहीतर जमिनीचा धंदा व bjp ची दलाली सोडून अशी मेहनत करावी लागेल !



Comment as Nitin B Chavan

जनलोकपाल बिल :- (कृपया हे फेकू नका!)

भारत हा स्वतंत्र देश आहे का? :- १९४७ साली इंग्रज गेले व त्याहूनही घातकी व भ्रष्ट अशी राक्षसी सत्ता आली, जिने स्वतःवर कोणत्याही शिक्षेचा वा कसलाच अंकुश ठेवलेला नाही व १५० वर्षांत इंग्रजांनी जेवढी लूट केली नाही त्याहून कितीतरी पटीने यांनी केली आहे ज्यामुळे लोकशाही म्हणजे जनतेचाच चारा खाऊन जनतेलाच नागवून शिंगे मारत उधळलेला बैला ठरला आहे! याला आता नाकात जनलोकपाल चे वेवसाय व शिक्षेचा चाबूक हाच पर्याय ठरला आहे.

भ्रष्टाचाराची माणसासारखे जगण्याला बंदी :- जे अन्न पिकवल्याबद्दल शेतकऱ्याच्या हाती रुपया टेकवला जातो तेच हक्काचे अन्न पोटी जाण्यासाठी दहा रुपये द्यावे लागतात, मध्ये ९ रु. जातात कुठे? पेट्रोल, गॅस, वीज यामध्ये दुप्पट भाव का असतो? सर्व भ्रष्टाचार्यांचे हिस्से मोजून लाखाच्या जागेचे भाव करोडोत होतात ज्यामुळे काळाबाजारी व महागाई वाढत राहते. शिक्षण हा भ्रष्टाचार्यांचा बाजारच बनलाय. भ्रष्टाचार्यांनी कंत्राट पद्धतीच्या नावाखाली हवे तसे राबवून वाटेल तो पगार देणे, कसलेच कामगार हक्क न देणे या गुलामीत देशाला ढकलून दिले. इंटरनेट मधून <http://sabhlokcitiy.com/2011/08//a-fraudulent-disclosure-of-indian-funds-i-swiss-accounts-by-wikileaks> यावरील सुत्रानुसार भारतातल्या फक्त २९ भ्रष्टांची १५६७२६५ कोटी रु. काळा पैसा परदेशात असून नीरा राडीया हीचेच १४५६०० कोटी रुपये त्यात आहेत! प्रत्यक्षात कितीतरी शेकडो लाख करोड रु. एवढा भ्रष्ट पैसा हा आपल्या अनेक पिढ्या कर व महागाईच्या रुपात फेडत बसणार आहेत!

हे तरुणा तू काय करत आहेत? :- शिवराय, महाराणा ड. पासून ते टिळक, बाबासाहेबांसारख्यांचा वारसा असणाऱ्या हे युवा, हे लोक पुढच्या पिढिला ज्या गुलामगिरीपासून वाचवण्यासाठी लढले, ती गुलामी अजूनही का झेलतोस? ज्या भ्रष्ट प्रवृत्तींविरुद्ध हे लढले, तू नेमका या प्रवृत्तींचाच गुलाम होऊन या महापुरुषांना वाया घालणार का? तुझ्यासारखा तरुण या प्रवृत्तींशी लढण्याऐवजी फक्त मंडळे स्थापून अज्ञानाच मोठे बनवतो, धार्मिक, सामाजिक, क्रिडा स्तरांतील पोकळ कार्यक्रम भरवून (कृतीवादी बनण्याऐवजी) करमणूकवादी बनत चालला आहे!

याविरुद्ध स्वतंत्र नाही होणार का? :- जनलोकपाल कायदा ज्यापासून सत्ताधारी पळत आहेत हाच अंतिम पर्याय आहे, जिला या देशात आणण्यासाठी गेली ५० वर्षे चालढकल केली, सामान्याला दंड, कायद्याचा धाक, उपासमारीमुळे गुन्हा केला तर गुरासारखा मार, जेल व देशाला उपासमारीत टाकणारे सर्व भ्रष्ट सुखरूप असा घाणेरडा अपमान चालवला. या जगात दोनच जाती आहेत, एक रक्त शोषणारा व दुसरा रक्त आटवणारा! हा देश सर्वांच्या जगण्यासाठी घालावा म्हणून आपण जे शंभर रु. कराच्या व महागाईच्या मार्गाने भरतो त्यातील १० रु. च आपणावर खर्च होतात. बाकी ९० रु. सरकारी बाबू, कंत्राटदार, लोकप्रतिनिधी ते केंद्रातल्या मंत्र्यांपर्यंत मूठभर लोक हे स्वतःच्या अव्याशीसाठी लुबाडतात! (१०० रु. चे काम आपल्याच खिशातल्या २०० रु. त करून चोरी करतात, वरून मोठा विकास केल्याचा आवही आणतात!)

जनलोकपाल पद्धत काय आहे? :- एके काळी हॉगकॉग मध्ये फायर ब्रिगेडवाली विना पैसे काम करत नव्हते. पण जेव्हा भ्रष्टाचाराला वैतागून लोक रस्त्यावर आले तेव्हा तिथे असाच कायदा आला व आजचा हॉगकॉग पहा! जनलोकपाल पद्धतीमध्ये दैनंदिन जीवनातल्या पत्रास रुपयांसाठी सत्तावणाऱ्या कारकूनापासून केंद्रीय मंत्र्यांपर्यंत सर्व भ्रष्टांना जन्मठेपेपर्यंत शिक्षा, भ्रष्टाचाराचा सर्व पैसा त्यांकडून वसूल करणे, बडतर्फ करणे, सरकारी कंत्राटदार, उद्योगपती यांनाही शिक्षेची तरतूद एवढेच नव्हे तर, नागरिकांचे कोणतेही सरकारी कार्यालयातील काम ठरावीक वेळेत न झाल्यास संबंधीत अधिकाऱ्यास दंड करणे, सी.बी.आय. पासून सर्व तपास यंत्रणांचे भ्रष्टाचारी विभाग लोकपालच्या अख्यारित्यात आणणे, भविष्यात भ्रष्टाचार होवू नये म्हणून कोणतेही कामे रोखणे, भ्रष्टाचाराची तक्रार करणाऱ्यांचे संरक्षण, भ्रष्टाचाराविरोधी जलदगती न्यायालये (एक वर्षात शिक्षा होण्यासाठी), स्वतंत्र आर्थिक निधी (न्यायव्यवस्था व निवडणूक आयोगाप्रमाणे) असे अनेक कायदे आहेत. यामुळेच सत्ताधारी असा कायदा करायला तयारच नाही! जेव्हा ५ एप्रिल २०११ ला अण्णांनी आंदोलन केले, त्याला देशभरातून सर्व स्तरांतून पाठींबा मिळाला तेव्हा जनमताला घाबरून सरकारने हा कायदा करण्याचे (खोटे) वचन देऊन जनक्षोभ तात्पुरता रोखला. पण त्यानंतर पुन्हा चालू झाले हुशार टाळक्यांचे बालीश राजकारण! एकीकडे अण्णांच्या जनप्रतिनिधींबरोबर चर्चा चालवली व दुसरीकडे खोटे आरोप चालवून जनोप्रतिनिधींना बदनाम करणे, चर्चेची व्हिडीओ शूटिंग नाकारणे, सरकारचा व जनप्रतिनिधींचा असे दोन अलग प्रस्ताव संसदेत चर्चेसाठी पाठवू असे बोलून नंतर स्वतःचाच प्रस्ताव संसदेत मांडणे असे खोटेपण करून या देशांना चक्क मूर्ख बनवले आहे! जनलोकपाल कायदा हा देशातील हा अनेक कायदेतज्ञांनी सखोल अभ्यास करून पूर्णपणे घटनेच्या चौकटीत बसणारा व देशाचा भ्रष्टाचार पूर्णपणे रोखू शकणारा कायदा आहे. पण याला घटनाबाह्य, घटनेचा अपमान, समांतर सरकार अशा फसव्या कारणांखाली दाबून टाकून आयुष्यभर देशाला नागवे करून काळा पैसा लुटण्याचाच डाव आहे. याविरुद्ध व यापुढील होणारे सर्व जनआंदोलने चिरडण्याचा बेत आहे. जर न्यायासाठी आंदोलन करणे, बोलणे हे कायद्यात बसत नाही तर असे करून मिळवलेले देशाचे स्वातंत्र्य हे बेकायदेशीर व त्यासाठी लढणाऱ्या शेकडो क्रांतीकारकांना अतिरेकी ठरवाल काय? १९४२ चे चलेजाव आंदोलन हे लोकांनी सर्व मार्गदर्शक जेलमध्ये डांबलेले असताना स्वयंप्रेरणेने केले होते तसेच १६ ऑगस्ट पासून होईल. आताही भ्रष्टाचारी चले जाव हे आंदोलन करावे आहे. त्यासाठी लोकांनी आपला निषेध कायम ठेवावा.

(अजूनही लढाई बाकी आहे :- या नंतरही निगेटिव्ह वोट व राईट टू रिकॉल या साठी लढायचे आहे. निगेटिव्ह वोट चा अधिकार म्हणजे उदा. कोणत्याही निवडणूकीमध्ये तुम्हाला एकही उमेदवार लायक वाटत नसेल तर तुम्ही निगेटिव्ह वोटचे बटन दाबू शकता व या बहुमताने ती निवडणूक व ते सारे उमेदवार रद्द करू शकता. यामुळे उधळपट्टी करणाऱ्या उमेदवाराचा माज संपेल व राजकारणात लायक उमेदवार येतील. राईट टू रिकॉल चा अधिकार म्हणजे निवडून आलेला उमेदवार हा कुठेही दोषी आढळल्यास त्या विरुद्ध तक्रार करून त्याचे पद रद्द करता येईल.)

आपला सहभाग :- गुरुवार दि. २५/०८/११ रोजी सायं. ५ पासून मोठ्या संख्येमध्ये पदयात्रा - भांडुप स्टेशन पासून निषेधसभा. (समर्थनासाठी आपले नांव दिलेल्या मोबाईल नं. SMSवर करावे.)

Web: www.annahazare.org, indiagainstcorruption.org, india against corruption
Phone: 7303150500, 61415105
Mob.: Nitin-9820451505, babu-9920434930, Abhay:-9870556650, Ganesh:-9867045703, Harshal:-9145111500

या पत्रकाचे मुल्य :- आपला सर्वस्वी सहभाग व या पत्रकाचा प्रसार (विनामफा दरासाठी आकृती प्रिंटर्स (सचिन - ९८७०२७४७०५).

जनलोकपाल बिल (कृपया इसे न फेंके)

ये देश स्वतंत्र है क्या ? :- १९४७ को अंग्रेज गये, और उनसे भी घातकी, भ्रष्ट सत्ता आयी, जिन्होंने १५० साल में अंग्रेजों ने जितना देश को लुटा उससे भी जादा लुटा है। इनकी लोकशाही मतलब जनताकाही चारा खाके उन्हेही सिंग मारनेवाला मस्त सांड साबित हुआ है ! उनके नाक में जनलोकपालकी नकेल, सजा का चाबुक यही अंतीम पर्याय है।

भ्रष्टाचार से इंसानो जैसा जनेकी पाबंदी :- जो खाद्य उगाने के लिए किसान के हाथ रुपया थमाया जाता है वही हक का खाद्य खरिदनेके लिए दस रु. देने पड़ते हैं, नौ रुपये जाते कहां है ? पेट्रोल, गैस, बिजली इनमे दुगने दाम क्यों है ? सारे भ्रष्टोंके हिस्से गिनकर लाखों की जगह के भाव करोड़ोंमें होते हैं जिनसे कालाबाजारी और महंगाई बढ़ती रहती है। शिक्षा भी भ्रष्टोंका बाजार बन गया है। इन्होंने ठेकेदारी के नाम से मनचाहे पगार में मनमानी तरिकोंसे काम कराना, कोईभी लेबर राईट्स न देना इस गुलामी में देश को बेचा है ! इंटरनेट से <http://sabhlokcitiy.com/2011/08//a-fraudulent-disclosure-of-indian-funds-i-swiss-accounts-by-wikileaks> इन सुत्रों नुसार भारत के सिर्फ २९ भ्रष्टों को १५६७२६५ करोड़ रु. काला धन विदेशोंमें है जिसमें नीरा राडीया इसका ही १४५६०० करोड़ रु. है ! वास्तव में एसए अनेक सैकड़ो लाख करोड़ रु. भ्रष्ट पैसा हम हमारी कई नस्ले कर, महंगाई के रुप में चुकाते रहेंगे !

हे युवा तू कहां है ? :- शिवराय, महाराणा से तिलक, भगतसिंग, बाबासाहेब जैसोंके आदर्श रखनेवाले हे युवा, ये लोग अपनी नस्लोंको जिस गुलामी से बचानेके लिए लड़े, वो गुलामी से अंजान रहके तू कब तक झेलेगा ? जिन भ्रष्ट प्रवृत्ती के खिलाफ ये लड़े, तू उनकाही गुलाम बनके इन महापुरुषोंको जाया करेगा क्या ? तेरे जैसा युवा इन प्रवृत्तियोंसे लड़ने के बजाय सिर्फ चंद मंडल स्थापीत करके एसोंकोही बड़ा बनाता है, धार्मिक, सामाजिक, क्रीडा स्तर के बेतुके कार्यक्रम भरवाके (कृतीवादी बननेके बजाय) मनोरंजनवादी बनते जा रहा है !

इससे स्वतंत्र कैसे होंगे ? :- जनलोकपालबिल जिससे सत्ताधारी भाग रहे है यही पर्याय है, जिसे करनेके लिए ५० साल से नकारा है। आम इंसानको दंड, कानून का घौंस, भुखमरीसे बचनेके लिए गुनाह करे तो पिटाई, जेल और पुरे देश को भुखमरी में रखनेवाले सारे भ्रष्ट सुखरूप ऐसा गंदा मजाक चलाया। इस जहां में दो ही जाती है, खुन चुसनेवाला और खुन जलानेवाला ! सबके जिने के लिए देश चले इसलिए हम जो सौ रु. कर, महंगाई के मार्ग से देते है उनमे से दस रुपये ही हमपर खर्च होते है। बाकी ९० रु. सरकारी बाबू, ठेकेदार, जनप्रतिनिधी से केंद्रीय मंत्रीयोंतक मुठ्ठीभर लोग खुद के ऐयाशी के लिए लुटते है। (सौ रु. का काम हमारे ही दो सौ रु. मे करके चोरी करते है, उपरसे 'विकास' का भगवान बनते है !)

जनलोकपाल बिल क्या है ? :- एक समय हाँग काँग मे फायर ब्रीगेड भी बिना पैसे काम नहीं करते थे, अंत मे वहा के लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ भडके तभी वहा ऐसाही कानून लाना पडा और आजका हाँग काँग देखो ! जन लोकपाल कानून में पचास रु. के लिए सतानेवाले चपरासी से केंद्रीय मंत्रीतक कोई भी भ्रष्टाचारी को उम्र कैद तक सजा, भ्रष्टाचार का सारा पैसा उससे वसुलना, उसे बरखास्त करना, सरकारी ठेकेदार, उद्योगपती इन्हे भी सजा, यही नही बल्की लोगोंका कोई भी सरकारी दफ्तर का काम उचित समय में न हुवा तो उक्त अधिकारी को दंड होना, सी.बी.आय. से लेके सारे जाँच यंत्रणा के भ्रष्टाचार विरोधी विभाग लोकपाल के दायरेमे लाना, जिस व्यवहारमें भविष्यमें भ्रष्टाचार की संभावना है उसे रोकना, भ्रष्टाचार की शिकायत कर्ता को संरक्षण, भ्रष्टाचार विरोधी फास्ट ट्रैक कोर्ट (एक साल में सजा होने के लिए), स्वतंत्र आर्थिक निधी (उदा. जैसे न्यायव्यवस्था और निवडणूक आयोग), पी.एम. और न्यायपालिका को भी लोकपाल के दायरे मे होना ऐसे अनेक कानून है। इसिलिए सत्ताधारी ये कानून बनाने को तैयार ही नही ! जब ५ एप्रिल ११ को अन्ना ने आंदोलन किया, उसे पूरे देश से समर्थन मिला तभी जन मत को डरके सरकार ने ऐसा कानून बनाने का (झुठा) वचन दे कर जनशोभ को थोड़ी देर के लिए धमा दिया। लेकिन उसके बाद फिर चालू हुआ इन होशियारोंका गंदा खेल ! एक तरफ अन्ना के जन प्रतिनिधियोंके साथ चर्चा चलायी और दुसरी तरफ झुठे आरोप चलाके जन प्रतिनिधियोंको बदनाम करना, चर्चाकी व्हिडीओ शूटिंग छुपाना, सरकार का और जन प्रतिनिधियोंका ऐसे दो अलग प्रस्ताव संसद में चर्चा के लिए भेजेगे ऐसा बोलना लेकिन बादमें खुदका ही मनमानी प्रस्ताव संसद मे पारीत करना ऐसा झुठापन करके इन्होंने इस देश को ही मुर्ख बनाया है ! जन लोकपाल कानून ये देश के कई कायदे तज्ञोंने सखोल परिक्षण करके पुरी तरह संविधान के दायरे में बैठनेवाला और संविधान को भ्रष्टाचार के मार्ग से कुतरनेवाले दिमक को मिटाने वाला कानून है। लेकिन इसे घटना बाह्य, घटना का अपमान, समांतर सरकार ऐसे झुठे और जजबाती कारण के तले दबोच कर जिंदगीभर देश को लुटने का इनका इरादा है। इसके खिलाफ होने वाले सारे आंदोलन कुचलनेकी साजिश है। अगर न्याय के लिए लड़ना, बोलना ये गैरकानूनी है तो ऐसा करके मिली हुई देश की आझादी भी गैरकानूनी और इस आझादी के लिए लड़नेवाले हजारो क्रांतीकारोंकोभी आतंकवादी साबित करेंगे क्या ? १९४२ का चले जाव आंदोलन ये लोगोंने सारे मार्गदर्शक नेता जेल में रहनेके बावजूद स्वयं प्रेरणासे किया था। वैसे ही १६ अगस्त से हमें भ्रष्टाचारी चले जाव आंदोलन करना है। इसलिए जनलोकपाल बिल पारीत होने तक लोग अपना निषेध कायम ही रखे क्यों की देश की बरबादी दुर्जन नही बल्की सज्जनोंकी निष्क्रीयता करती है।

(और लड़ाई बाकी है ! :- इसके अलावा निगेटीव्ह वोट और राईट टू रिकॉल इसके लिए जंग होगी। निगेटीव्ह वोट का अधिकार मतलब यदी कोई भी चुनाव में आप को सारे उमेदवार लायक नही लगते तो आप निगेटीव्ह वोट भी डाल सकते है। और यदी निगेटीव्ह वोट का बहुमत हुआ तो वो चुनाव और वे सारे उमेदवार रह हो जायेंगे ! इससे करोड़ो रुपये खर्चा करने की इनकी अकड खतम हो जायेगी और लायक उमेदवार राजनितीमें आयेंगे। राईट टू रिकॉल का अधिकार यानी यदी कोई भी चुनाव हुआ व्यक्ती अगर गलत साबित हुआ तो उसकी शिकायत करके उसका पद रह कर सकते है।)

हमारे कार्यक्रम :- गुरुवार २५/०८/२०११ को शाम ५ बजे निषेधयात्रा - भाण्डुप स्टेशन से शिवाजी तलाव. (समर्थन के लिए अपना नाम हमे निम्नलिखित मोबाईल नं. पर SMS करें)

Web : www.annahazare.org, indiagainstcorruption.org, India against corruption

Phone : 7303150500, 61415105

Mob.: Nitin-9820451505, babu-9920434930, Abhay:-9870556650, Ganesh:-9867045703,

Harshal:-9145111500

इस पत्रक का मुल्य :- आपका तन मन से सहयोग और इस पत्रक का प्रसार (बिननफा छपाई के लिए - ९८७०२७४७०५ से संपर्क करे।) करें।

(29)



पृष्ठ-①



पृष्ठ-②



आझादी की जंग अब भी है जारी। अब हमारी बारी।

१) 'हा देश आम्हीच चालवू शकतो' असे भासवून, देशात सर्वप्रकारे फूट पाडून इंग्रजांनी १५० वर्षे हुकुमत केली 'त्याचप्रमाणे या देशात लोकशाही आहे', आम्हाशिवाय सामान्यांचे जगणे-मरणे, कोणतेही सरकारी-वैरसरकारी काम, कोणतेही सामाजिक, धार्मिक काम, सण-जयंत्या हे होवू शकत नाही, 'तुमची कसलीच अस्मिता टिकू शकत नाही' हे भासवून राजकीय पाठ्यांनी गेली ६२ वर्षे स्वतःच्या लुटमारीकडे लोकांचे दुर्लक्ष ठेवून राज्य केले याकडे पुढच्या पिढीलाही ठकलणार का ?

२) भ्रष्ट व्यवस्थेमुळे तरुणांना अपमान नसणाऱ्या, महागाई नुसार पगार देणाऱ्या, कष्टाच्या नोकऱ्याच नसल्याने तरुण हा नशेच्या रागाच्या व गुहेगारीच्या अधीन होतो, तरुणींनाही मानाचे काम मिळत नाही, हे सहन होते का ? (अशांनी या आयुष्याला जबाबदार यंत्रणेविरुद्ध लढायचे सोडून उलट याच भ्रष्टांकडून सुपाऱ्या घेत आपल्याच पुढच्या पिढीसाठी लढणाऱ्या क्रांतिकारकांनाच दुखवायचे हे आल्याला पटते का ?)

३) हे घटनेत बसते का ? i) सामान्याला कर, महागाई, कायद्याचा धाक, उपासमारीमुळे गुन्हा केला तर गुरासारखा मार, जेल, या उलट देशाला उपासमारीत टाकणारे भ्रष्ट शिक्षेशिवाय सुखरूप ! हा घाणेरडा अपमान घटनेत बसतो काय ?
ii) हा देश सर्वांच्या जगण्यासाठी चालावा म्हणून आपण जे शंभर रुपये कर देतो त्यातील १० रु फक्त आपणांवर खर्च होतात, बाकी ९० रु. हे भ्रष्ट लोक स्वतःच्या अय्याशीसाठी लुबाडतात ! वरून विकास केल्याचा आव आणतात !
iii) पैसे घेऊन संघटनेत बोट देणे / प्रश्न विचारणे / धुमाकूळ घालून आपल्याच अजोऱपयांचा चुराडा करणे !
iv) जनतेच्या इच्छेविरुद्ध स्वतःचे पगार काही मिनिटात चारपटीने सर्वसंमतीने वाढवून घेणे, स्वतःच्या स्वार्थासाठी शेकडो वेळा घटना दुरुस्ती करणे पण ज्या स्वातंत्र्यासाठी (जनलोकपालासाठी) देश रस्त्यावर येतो तो कायदा ४० वर्षे टाळणे !
v) माणुसक काय तर प्रत्यक्ष देशाच्या जमिनी (भूमाफियांना), डोंगर (खाणमाफियांना), नद्या (वाळूमाफियांना) विकून पुर्ण निसर्गाही या भ्रष्टांनी उध्वस्त केला आहे ! (कर्नाटक, गोव्यानंतर आता कोकणचेही वाळवंट कसे होईल हे 'YOU TUBE' मध्ये SAVE KOKAN मध्ये पहावे) ही सर्व निलामी घटनेत बसते का ?

✧ जनलोकपाल कायदा म्हणजे रोजच्या जीवनातील शंभर रुपयांसाठी सतावणाऱ्या शिपायापासून ते केंद्रीय मंत्र्यापर्यंतच्या कोणत्याही भ्रष्टाला जन्मठेपेपर्यंत शिक्षा, सर्व भ्रष्ट पैसा त्याकडून वसूल करणे, आपले कोणतेही सरकारी काम ठराविक वेळेत न झाल्यास त्या अधिकाऱ्याकडून आपणांस भरपाई, सीबीआय सारख्या भ्रष्टाचाराचा तपास करणाऱ्या यंत्रणा लोकपालाच्या अंमलात आणणे, भ्रष्टाचाराची शक्यता असलेले कोणतेही काम रोखणे, भ्रष्टाचाराच्या तक्रारदारांचे संरक्षण, भ्रष्टाचार विरोधी स्वतंत्र जलदगती कोर्ट, न्यायालयाप्रमाणे स्वतंत्र आर्थिक निधी असे अनेक लोकांचे राज्य आणणारे कायदे आहेत ! या खऱ्या स्वातंत्र्यासाठी पुढची लढाई लढण्याचा बहुमान सोडाल काय ?

आवाहन ! या लढ्यासाठी सर्व देशवासीयांनी जात-धर्म, पक्ष-संघटना असे भेदभाव बाजूला ठेवून पुन्हा देशाला स्वतंत्र करण्यासाठी आपल्या रक्ताला जागावे ! (विशेषतः वकील, इंजिनियर, अकाऊंटंट, तज्ञ अशांनी संपर्क साधावा)

लोकांपर्यंत संदेश पोहचू नये म्हणून सरकारने डीएनडी चे कायदे बनवले, यावर मात म्हणून सर्व लोकांनी स्वतःच्या मोबाईलवरून START IACMUM हा संदेश ९००४१९०१९० यावर पाठवावा !

संपर्क : कार्यालय - www.iacmumbai.org, २८३११५६० / ८६०, भांडुप ९८२०४५१५०५, ८२९१०७८५६१,

मुलुंड ९६६४८९११५१, ९८९९५१९६६३, पवई ९०२९८८३४५६ कांजूर ९३२३७७८७११, ७७३८५७२५८८,

चेंबूर ९०२९२२१९९२, ९९२०५५४३०४,

पुढच्या आमरण आंदोलनाला सज्ज रहा !

देशाचा विनाश दुर्जन नव्हे तर गम्प रहाणारे सर्व देशवासी करतात !

31

2

3



4

5

6

- घरावरील नमूद जीवघेणा हत्येचा फोटो - ① व ③
(सत-2020 मधील)
- दि. 25/8/12 रोजीचा नागावटी, पार्ले येथील पत्रक वाचप कार्यक्रम - फोटो - ②
- सत 2013 मधील ABP मासाला दिलेला इंटर्व्यू - फोटो - ④
- दि. 9/9/12 रोजी काहीत नमूद मुमाफीमायी मोबाईलची दोनजण AAP च्या सिटींगमध्ये बसलेले - फोटो - ⑥
- मार्च 2018 मध्ये अजणांचे दिल्लीतील झेंडोलनात स्टेजवरील फोटो - फोटो - ⑤



मेट्रोपॉलिटन मॅजिस्ट्रेट, ५३ वे कोर्ट, मुलुंड, मुंबई यांचे समक्ष

(केस क्र. ३०/SW/२०१६)

- ① मी श्री. नितीन बजरंग चव्हाण, वय ४० वर्ष, पत्ता- ए.एम.जैन इस्टेट, ५/४९, व्हिलेज रोड, भांडूप (प.), मुंबई - ४०००७८, माझा व्यवसाय - होम अप्लायंस मॅटेनेंस असा आहे. मी शपथेवर पुढीलप्रमाणे कथन करतो-

मी पूर्वीपासूनच समाजिक व नैतिक विचारांचा व्यक्ती असल्याने समाजकार्य, वृत्तपत्रात लेखन इ. कार्ये करत आलेलो आहे. या देशावर, मुंबईवर २६/११/२००८ रोजी अतिरेकी हल्ला झाला तेव्हा मृत व शहीदांचा मान राखणेसाठी मी विभागात ३१ डिसेंबरला पार्टी न करणेचा संदेश देणारे वॅनर्स लावणे इतका मी संवेदनशील दक्ष नागरीकांचे कार्य केलेले आहे. सध्या मी नागरीक स्वराज मंच, जनशक्ती, भ्रष्टाचाराविरोधी जनजागृती अभियान इ. नोंदणीकृत सामाजिक संस्थांशी संलग्न असून त्याद्वारे पर्यावरण, नागरी, मानवी हक्क इ. विषयात समाजकार्य करत आहे.

- ② या मा. कोर्टात केलेल्या नमुद तक्रारीनुसार माझे म्हणणे असे कि, सन २०११ च्या सुरुवातीला TM-Anna TD - Anna, IAC-MUM या अरविंद केजरीवाल व इतर संयोजित SMS पोर्टलहून मला जनलोकपाल आंदोलनाचा हिस्सा बनणेसाठी SMS येवू लागले. त्यामुळे एप्रिल २०११ पासून मी नानावटी हॉल, विलेपार्ले, मुंबई येथे होणा-या अरविंद केजरीवाल संयोजित इंडिया अगेन्स्ट करप्शनच्या मिटींगमध्ये हिस्सा बनू लागलो. या मिटींगज श्री. मयांक गांधी, प्रफुल वोरा इ. हे लोक आयोजित करायचे. त्यावेळी टी.व्ही प्रसार माध्यमं द्वारे अरविंद केजरीवाल तसेच नानावटी हॉल येथे होणा-या मिटींगमध्ये मयांक गांधी हे आपल्या सार्वजनिक भाषणांतून जनलोकपाल आंदोलन ही आझादीची दुसरी जंग आहे, आम्ही यातून राजकीय पक्ष काढणार नाही, हे भ्रष्टाचाराविरोधी आंदोलन सिव्हील सोसायटीच्या रूपातच राहील अशी वारंवार ग्वाही दिल्याने व या आंदोलनाला श्री. अण्णा हजारेंचे नेतृत्व असल्याने मी इतिहास व देशभक्तीसाठी या राष्ट्रव्यापी आंदोलनाचा विनामूल्य प्रचारक झालो.

③ त्यानुसार विभागात जनजागृतीसाठी स्वखर्चाने पत्रके वाटणे, साप्ताहिक मिटींग घेणे इ. कार्ये करत होतो. मी अनेक कार्यक्रम घेऊन सुमारे १० ते १५ हजार नागरिकांचा उपचारित करण्या तेव्हाच्या आंदोलनातील IAC च्या वरिष्ठांना दिला. तेव्हा परिष्ठ असलेले मयांक गांधी, प्रफुल वोरा यांनी मला इंडिया अगेन्स्ट रायशन (नागरिक संगिती) चे लॅटरहेड देवून विभागातील जनतेच्या समस्या सोडवणेसाठी माझावाराशी लढणेसाठी सांगितले होते.

④ माझे झालेल्या षडयंत्री अत्याचाराची पार्श्वभूमी अशी की, माझेसोबत त्यावेळी IAC नागरिक समितीमध्ये कार्य करणारे माझे सहकारी श्री. बाळकृष्ण मांजलकर, तुळशीपाडा, भांडूप, मुंबई हे त्यांचे विभागातील भुमाफीया विरुद्ध सनदशिररित्या लढत होते, तेव्हा मी त्यांचे कामात पुर्ण साथ दिली. त्यामुळे भुमाफीया व त्यांना वाचवणारे भ्रष्ट अधिकारी यांचे विरोधातील बातम्या दै. लोकमतमध्ये छापून येत होत्या. या गोष्टींमुळे कदाचित काही भ्रष्ट पोलिसांचा मांजलकरांसह माझ्यावर राग होता.

⑤ याव्यतिरिक्त दुस-या बाजुला, आमचे आणखी एक सहकारी श्री. हमीद सरवैया याने शास्त्रीनगर, भांडूप, मुंबई या आपल्या राहत्या विभागात झेंडावर्दनाच्या स्तंभाचे भोवती काही भुमाफीयांद्वारे सिमेंटच्या गोण्या रचल्याच्या व ती जागा बळकवयाचा कट असल्याच्या मुद्द्या आमच्या IAC च्या दि. ८/१/१२ रोजीच्या मिटींगमध्ये मांडला. तेव्हा मिटींगमध्ये एकमत झाले की यावर सनदशीररित्या तोडगा काढला जावा. ठरल्यानुसार श्री. हमीद सरवैया यांच्या नावाने व आम्हाला मयांक गांधी, प्रफुल वोरा यांनी दिलेल्या IAC नागरिक समितीच्या लॅटरहेडवरून "एस वॉर्ड" व भांडूप पोलिस स्टेशनला सदर सिमेंटच्या गोण्या हटविण्यासाठी निवेदने दिली सदर निवेदनांची प्रत ही मयांक गांधी, प्रफुल वोरांनाही दाखवणेत आली व त्यांनी प्रोत्साहनही दिले. त्या निवेदनाचा कठोरपणे पाठपुरावा केल्यानंतर सदर सिमेंटच्या गोण्या हटविण्यात आल्या. त्यानंतर आम्ही IAC चे सदस्यांनी स्थानिय मान्यवरांसह २६ जाने २०१२ रोजी तेथे झेंडावर्दन केला. त्यामुळे ती जागा बळकविण्याचा कट अयशस्वी झाला याचा तथाकथित भुमाफीया - राजेश अमिन, संकेत जोशी, कार्ल डिसूझा इ. चा माझेवर व हमीद सरवैयावर राग होता.

6) तसेच या घटनेदरम्यान त्या विभागातील सुमारे १५ ते १७ नागरिकांच्या स्वाक्षरी असलेल्या व IAC चे नावे दिलेल्या निवेदनानुसार असे समजले कि नमुद तथाकथित भुमाफीया हे राजकारणी, नगरसेवक, भ्रष्ट पोलिस व पालिका अधिकारी यांचे भागीदारीने विभागात अशी दहशत राबवतात कि, कोणीही चाळक-याने आपल्या घराचे कोणतेही बांधकाम हे त्या भुमाफीयांनाच द्यायचे. या पर्याया व्यतिरिक्त कोणीही बांधकाम केले तर ते पालिकेकडून तोडले जायचे व या भुमाफीयांचे विरोधात तक्रार करणा-या तक्रारदाराला खोल्या पोलिस केसमध्ये अडकवून त्रस्त व विडंबित केले जायचे. सदर समाजद्रोही प्रकार कायदेशिररित्या रोखणेहेतु माझी मयांक गांधी, प्रफुल वोरा यांचेशी चर्चा झाल्या व त्यानुसार श्री. हमीद सरवैया व IAC चे अजून एक सदस्य श्री.राजा जोसेफ, वय ३५ वर्षे यांनी सदर भुमाफियांच्या अतिक्रमण व बेकायदेशिर बांधकामाविरुद्ध "एस" वॉर्डमध्ये फेब्रुवारी २०१२ मध्ये निवेदन दिली. त्यानंतर श्री. सरवैया यांच्या कुटुंबियांना भुमाफियांकडून धमकी मिळाली, ज्याची तक्रार भांडूप पोलिस व पोलिस उपायुक्त याकडे केली गेली, ज्यावर विरोधीविरुद्ध काहीच कारवाई करणेत आली नाही. तसेच RTI द्वारे फक्त भांडूप हद्दीमध्ये तथाकथित भुमाफीयांचा प्रमुख राजेश अमीन यांचेविरुद्ध १३ गंभीर गुन्ह्यांचा रेकॉर्ड प्राप्त झाला. तसेच "एस" वॉर्ड मध्ये केलेल्या निवेदनावर झालेल्या कारवाईविषयी RTI दर्ज केला गेला होता, अशी सर्व कागदपत्रे जोडून मा. उपायुक्त, म.न.पा. परि. ६ यांचेकडे आमचे संयुक्तपणे सहा असणारे तक्रार निवेदन ७ एप्रिल २०१२ मध्ये पाठवले होते. या तक्रार निवेदनावर मुलुंडस्थित सौ. सुषमा मौर्य हिचीही IAC ची सहकारी या नात्याने तिने केलेली सही होती. या दरम्यान तथाकथित भुमाफिया हे माझे घरात येवून किंवा मी जेथे विसेल तेथे मला भेटून मागे हटणेसाठी सांगत होते. पैशाचे प्रलोभनही देत होते

7) यादरम्यान असेही घडले की, तथाकथित भुमाफिया हे त्यावेळी मार्च २०१२ चे दरम्यान चकाला, अंधेरी पूर्व, मुंबई, येथे आमचे IAC चे ऑफीस जे सध्या आम आदमी पार्टीचे ऑफीस आहे तेथे जाऊ लागले व हमीद सरवैयाने IAC नागरिक समितीच्या लेटर हेडवरून त्यांचेविरुद्ध मनपामध्ये ज्या तक्रारी केल्या होत्या त्याच्या प्रती या मयांक गांधी, प्रफुल वोरा, नरेश ठाकूर या लोकांना दाखवून मला व हमीद

सरवैयाला, 'मागे' हटविण्यासाठी त्या लोकांना 'अप्रोच' केले. त्यावेळी तथाकथित भुमाफीया व दुसरे बाजुला आमचे IAC चे नमुद वरिष्ठ असलेले मयांक गांधी, प्रफुल वोरा, नरेश ठाकुर, तसेच प्रीती मेनन, अंजली दमानिया हे IAC हे जबाबदार व्यक्ती यांचे मध्ये आर्थिक किंवा अन्य आधारे "सेटलमेंट" झाली अशी माझी खात्री आहे. या खात्री मागची काही कारणे आहेत. त्यातील एक सुप्त कारण हे कि आमचे IAC चे जनलोकपाल आंदोलन हे एप्रिल २०११ पासून देशातल्या लाखो गरीब व सामान्य पीडीत लोकांच्या दिवस-रात्रीची मेहनत व पैशाच्या आधारावर उभे असलेले आंदोलन होते. पण या आंदोलनाला मुंबई-महाराष्ट्रात चालवणारे व लोकगुप बिल्डर्स डायरेक्टर असलेले मयांक गांधी, त्यांचे मित्र असलेले प्रफुल वोरा, आंदोलनात चार महिने उशिराने आलेले श्रीम. अंजली दमानिया, प्रीती मेनन इ. हे सर्व लोक उच्चभू, श्रीमंत व पेज-श्री वर्गातले लोग हे आमचे आंदोलनाचे सर्वेसर्वा बनले, आंदोलनात विशिष्ट प्रकारचा भेदभाव व मनमानी ठेवू लागले. तसेच यांचेमध्ये काहीतरी संशयास्पद हालचाली या दिसून येत होते. तसेच या सर्वांनाही ही कल्पना होती कि मी एक गरीब घरातुन आलेला, तळागाळात कार्य करणारा बेघडक व त्यागी, मुळ व प्रसिध्द आंदोलनकारी असल्याने मी त्यांना चुकीचे व आक्षेपाई काम करण्यास हक्काने सरेआम रोखू शकतां. जे मी वेळोवेळी सार्वजनिक मिटींगमध्ये करायचोही. त्यामुळे त्यांनी तथाकथित भुमाफियांशी "सेटलमेंट" करणे हे एक सुप्त कारण असण्याची माझी खात्री आहे.

८) या सेटलमेंट चाच एक भाग म्हणून माझे विरुद्ध षडयंत्र रचले गेले व त्यानुसार प्रफुल वोरा यांचे सहीचे IAC चे लेटरहेडवरून " एस " वॉर्डला दि. ९/३/१२ रोजी पाठवले गेले ज्यात हमीद सरवैया हा आमचा IAC चा कार्यकर्ताच नाही आहे. असे चक्क खोटे विधान लिहीले होते. येथे विशेष म्हणजे असे काही पत्र हे 'एस' वॉर्डने मागवलेले ही नव्हते.

९) सदर पत्राची प्रत घेऊन तथाकथित भुमाफीया हे विभागात लोकांना दाखवू लागले व असे भासवू लागले की, "देखा, हमने IAC को मॅनेज किया है." ही बाब मला तेथील एक रहिवाशी श्री. मोहनसिंग बुथा यांनी सांगितली व मी प्रफुल वोरा यांना फोन करून याबाबत विचारले असता प्रथम यांनी गडबडून जाऊन "मी असे

काही पत्र दिले नाही" असे सांगितले. तेव्हा मी व हमीद सरवैया हे IAC हे अंधेरीस्थित ऑफीसला गेलो व प्रत्यक्ष विचारले असता मयांक गांधी व प्रफुल वोरा यांनी सदर पत्र दिल्याचे मान्य केले. या पत्राद्वारे काहीही नकारात्मक गोष्ट घडू शकते हे जाणून मी मयांक गांधी व प्रफुल वोरा यांना सदर चुक सुधारण्यास सांगितले व सदर पत्रास रद्दबादल करणारे नवे पत्र हे "एस" वॉर्डला देण्यास सांगितले. पण त्या लोकांनी धुर्तपणे सदर पत्र रद्दबादल करणारे नवे पत्र "एस" वॉर्डला देणेऐवजी दि. १९/३/१२ रोजी मी म्हणजे नितीन चव्हाण, हमीद सरवैया, राजा जोसेफ, मांजलकर इ. हे IAC चे स्थानिय कार्यकर्ता असलेचे पत्र माझे हाती दिले. व या संशयास्पद प्रकरणावर पडदा टाकणेचा प्रयत्न केला. यादरम्यान IAC चे राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल हे दि. १३/४/१२ रोजी सांताक्रुझ, मुंबई येथे आयोजित IAC च्या मोठ्या मिटींगला आले असता त्यांची माझी भेट झाली. त्यांची माझी पूर्वीही ९ ऑगस्ट २०११ रोजी आझाद मैदानात भेट झाली होती. तदनंतर मी त्यांचे Parivartan व indiaagainstcorruption2010 या ऑफिशियल email id वर आंदोलनात प्रगती होणेसंदर्भात पत्रव्यवहार ही केले होते. दि. १३/४/१२ च्या भेटीमध्येही त्यांचेशी माझी तथाकथित भुमाफियांशी सुरु झालेल्या संघर्षावर चर्चा व एकमत झाले कि, 'जनलोकपाल हा १० किंवा त्याहुन जास्त वर्षांनाही हे आंदोलन चालवून येईल, पण तोपर्यंत आपल्या परीने सनदशीररित्या लोकांसाठी भ्रष्टाचार व माफीयाराज विरुद्ध IAC चे माध्यमातून लढले पाहिजे '

- (10) यानंतर अत्याचाराची प्रमुख घटना अशी कि दि. १९/४/१२ रोजी सायंकाळी ७.०० चे सुमारास माझ्या विभागातील सचिन गवंडे या इसमाने त्यांचे मोबाईल नं. ९६९९६६२४८७ यावरून माझ्या मोबाईल नं. वर फोन करून सांगितले कि, तथाकथित भुमाफीया, त्यांचा साथीदार जमाल सरवैया हे लोक राजा जोसेफ याला त्याचे घरापासून जबर मारहाण करीत घेऊन चालले आहेत. मी ताबडतोब राजा जोसेफच्या मोबाईल नं. ९०२९६८८८७६ यावर संपर्क केला असता, तो कॉल माझ्या चाळीतील पप्पु यादव याने उचलला व सदर घटनेला दुजोरा देत 'राजाचा मोबाईल हा राजाला मारहाण होत असल्याने माझ्याकडे आहे.' असे सांगितले मी

हमीद सरवैया व काही रहिवाशी हे भांडूप पोलिस ठाणेला पोहोचलो. तेथे आम्ही पाहिले की, राजा जोसेफ हा तेथेच बाकावर बसून होता व त्याचा चेहरा पूर्णपणे सुजलेला होता व त्याला मारणारे तथाकथित भुमाफीया हे त्यांचे भोवती उभे होते. तेव्हा मी तेथे उपस्थित API बनकर यांना प्रथम जखमी राजा जोसेफला मेडीकलसाठी पाठवण्यास सांगितले. यावर त्यांनी मला धक्का मारून पोलिस ठाणेचे बाहेर घालवले. मला यावेळी प्रथमपासूनच भिती होती की, जसे २०११ मध्ये सी.आय.डी.मध्ये स्वतःला धोका असलेची पुर्वकल्पना दिपक सोनी याने देवूनही त्यावर तथाकथित भुमाफीयांनी PI सांगळे (माझे तक्रारीतील विरोधीपैकी एक) यांचे मदतीने खंडणीची खोटी केस रचवून त्याला जेलमध्ये डांबले होते. तसेच पुन्हा हाऊ नये म्हणून दै. लोकमतचे माझे ओळखीचे पत्रकार अवदुत खराडे जे सध्या दै. पुढारी मध्ये आहेत यांना त्यांच्या मोबाईल नं. ९५९४८८०९६९ यावर कॉल केला. तेव्हा त्यांनी पोलिस उपायुक्त श्री.शिंत्रे यांना कॉल करणेस सांगितले. त्यावेळी श्री शिंत्रे हे भांडूप पोलिस ठाण्यातच दुस-या माळ्यावर होते तेव्हा मी त्यांना रात्री ८.३० वा SMS केला कि, Sir , V r d members of india against corruption & eager 2 meet u at now, vr out of bhandup police stn. तेव्हा त्यांचा SMS आला कि, - come to office tommarrow at 1 pm. तेव्हा मी त्यांना भांडूप पोलिस ठाणेच्या दुस-या माळ्यावर भेटलो असता त्यांनी मला दुसरे दिवशी भेटण्यास सांगितले. मी त्यांना पुन्हा SMS केला कि, ok sir, but v just met u at bhandup police station & was immergency. our volunteer is being treated very bad at there now please. तेव्हा त्यांनी SMS केला की, will look into matter.

- (11) त्यानंतर API बनकरांनी मला व हमीद सरवैया आत बोलावून आरोपीचे बेंचवर बसविले व तथाकथित भुमाफीयांपैकी एक संकेत जोशीच्या नुसत्या बोलण्यावरून कि त्याचेकडे आम्ही १५०००/- रु. ची खंडणी मागितली असे दाखवून आम्ही दोघांना C.R. No. 150/12, IPC-384,34 या गुन्ह्यामध्ये अटक दाखवली मी पुन्हा श्री. शिंत्रे यांना SMS केला कि, - sir, ur

police r arresting to us also, pl do justice, we r dedicated volunteers of annaji तेव्हा त्याचा SMS आला कि respect law.

- (12) मी ऑगस्ट २०११ पासून भांडूप व मुलुंड येथे जनलोकपाल आंदोलनाच्या चौकसभा, चिंतनसभा या अनेकदा पोलिस ठाणेना पत्रे देऊन घेत होतो. त्यामुळे मी सर्व पोलिसांना सुपरिचित व एक समाजसेवी म्हणून ज्ञात असूनही पोलिसांनी कुख्यात माफीया गुडांसाठी आमचेही क्रूर वागावे हे माझेसाठी धक्का दायक होते.
- (13) त्यानंतर दि. २०/४/२०१२ चे पहाटे १२ ते १चे दरम्यान हमीद सरवैया व मला काही पोलिस पकडून ४थ्या माळ्यावर PI सांगळे यांच्या केबिनमध्ये घेऊन गेले. तेथे PI सांगळे हे तथाकथित भुमाफीया पैकी संकेत जोशी, कार्ल डिसूझा समवेत बसल्याचे मला दिसले. मी त्यावेळी पोलिस हे क्रूर व अन्यायाने वागवत असल्याचे निषेधार्थ आदल्या दिवसापासूनच दि. १९/४/१२ च्या सायंकाळपासूनच उपोषण पुकारले होते त्यामुळे उपाशीपोटी मी पुरेसे शुध्दीवरही नव्हतो. हमीद सरवैया निदर्शानुसार त्यावेळी राजु अमीन, शफी, इद्रीस हे सर्व भुमाफीया साक्षीदारही त्या केबिनजवळ होते. आम्हाला पाहून PI सांगळे हे आई बहिणीवरून शिव्या घालू लागले. त्यानंतर त्यांनी एकानंतर एक असे आम्हा दोघांना लाथा - बुक्क्यांनी चेहरा पाठ, पायांवर बेदम मारहाण केली. मी त्यांना मारू नका असे विनवत मारू दि. १२/४/१२ रोजी जो रोड अपघात झाला होता, ज्यामुळे माझ्या डाव्या हातावरील जखमेवर इलाज चालू होता, त्याची मेडीकल रिपोर्टही दाखविली. पण यावर भडकून PI सांगळेंनी एकानंतर एक असे आम्हा दोघांना तळहातांवर चक्कीच्या पट्ट्याने १५ ते २० मिनिटे अमानुष मारहाण केली. माझ्या डाव्या हाताच्या तळहातांवर व डाव्या पायाच्या वरच्या हाडांवर पट्ट्याच्या सुमारे २ इंच जाडसर हॅन्डलने पाय फुगेपर्यंत मारले. तसेच धमकी देत होते की, तुम्ही अण्णांची माणसे म्हणून आमची तक्रार करता काय चिरडून टाकू....
- (14) त्यानंतर आम्हा दोघांना लॉकअपमध्ये ठेवले गेले व दि. २०/४/१२ च्या दुपारी आम्ही दोघांची मेडीकल करून पोलिसांनी आम्हाला मा. ५३वे कोर्ट, मुलुंड येथे हजर केले. यावेळी मी गेले २० तास उपोषणावर असल्याने पुरेसे शुध्दीवर नव्हतो त्यामुळे

कोर्टात काही समझू वा बोलू शकलो नाही. पण हमीद सरवैयाने आपले फुगलेले, काळे -निळे हात हे मा. जज मॅडमना दाखवले व 'मारले' असे सांगितले. त्यावेळी पोलिसांतर्फे मा.कोर्टाला असे भासवण्याचा प्रयत्न गेला कि हमीद सरवैया हा IAC चा कार्यकर्ता नसतानाही IAC चे लेटरहेडवरून तथाकथित भुमाफीयांचे विरोधात मनपामध्ये तक्रारी करतो. त्यावेळी मा. कोर्टात त्यांचेतर्फे तेच दि १/३/१२ रोजीचे प्रफुल वोरा यांनी IAC चे लेटरहेडवरून दिलेले पत्र दाखवणेत आले म्हणजेच सदर पत्र हे फक्त आमचे विरुद्ध खोटी केस रचणेसाठीच होते ही खात्री वाटते.

त्यावेळी बहुधा आमचा चांगला व सामाजिक रेकॉर्ड पाहून आम्हाला प्रत्येकी १०,०००/- रु. च्या रोख जमिन देण्यात आला व नंतर आम्हाला मुलंड कोर्टचे लॉकअपमध्ये रवाना केले.

(15) त्यावेळी प्रीती मेनन, अंजली दमानिया, नरेश ठाकूर हे लोक 'नितीन चव्हाणसाठी आलो'. असे दाखवणेसाठी काही IAC कार्यकर्त्यांसह कोर्टात आले पण ते लोक आम्हाला भेटणेऐवजी किंवा आमचेसाठी वकील इ. मदत करणे ऐवजी चक्क तेथे आम्हास हसणेसाठी व खच्चीकरण करणेसाठी आलेल्या तथाकथित भुमाफियां बरोबर बोलू लागले व त्यानंतर आम्हास तसेच सोडून त्या तथाकथित भुमाफियांसोबत भांडूपमध्ये येवून फिरू लागले. या दरम्यान माझे पत्नीने स्वतःची अंगठी गहाण ठेवून तसेच हमीद सरवैयाचे घरच्यांनी कसेबसे करून सर्वांनी आमचे जामिनाच्या रोख रक्कमेचा बंदोबस्त केला व तो भरून आम्ही सायंकाळी ७ वाजताचे सुमारास कोर्ट लॉकअपमधून मुक्त झालो.

(16) यानंतरही मयांक गांधी, प्रफुल वोरा, नरेश ठाकूर, प्रीती मेनन, इ. यांचा तथाकथित भुमाफियांच्या हितासाठी व आमचे विरुद्ध केलेले षडयंत्राचा भाग हा चालूच राहिला. दि. २१/४/१२ रोजी IAC ची दादर पूर्व येथे हॉलमध्ये मिटींग होती त्यावेळी मयांक गांधी यांनी दि. १९/४/१२ व २०/४/१२ रोजी आपल्या दोन महत्त्वाच्या कार्यकर्त्यांवर म्हणजेच मी व हमीद सरवैयावर झालेल्या पोलिसी अत्याचाराची व खोट्या केसेसची एवढी सर्वात महत्त्वाची बातमी ही उपस्थित इतर कार्यकर्त्यांपासून लपवून ठेवली, तसेच मलाही यावर सर्वासमोर बोलू दिले नाही. ही

संशयास्पद बाब आहे. यामागे आम्हाला मानसिक, नैतिक तसेच कोणत्याही प्रकारे आसरा न मिळून आमचे खच्चीकरण व्हावे हाच यामागील हेतु होता कारण याच मयांक गांधींनी भोळ्या IAC आंदोलनकर्त्यांना वापरून असिम त्रिवेदी नावाच्या प्रसिद्ध कार्टुनिस्टवर पोलिस केस होणे, अरविंद केजरीवालला किंगफिशरच्या प्लेनमधून उतरविणे या सारख्या साध्या मुद्द्यांवरही आंदोलने, नारेबाजी, धरणे इ. केलेले आहेत. आजही प्रीती मेनन ही आम आदमी पार्टीची नेता बनून बरून कश्यप सारखे हायर क्लास पेज- थ्री लोकांसाठी गरज नसतानाही पोलिसांसमोर आंदोलने करते. त्यामुळे हा विरोधाभास लक्षणीय वाटतो.

(17) तसेच दि. २४/४/१२ रोजीच्या IAC च्या अंधेरीस्थित ऑफीसमधील सार्वजनिक मिटींगमध्येही दि. २९/४/१२ च्या मिटींगमध्ये जे केले तसेच केले व सदर घटना ही लपवून ठेवली. त्याचवेळी तथाकथित भुमाफीया व प्रीती मेनन यांची दुस-या केबिनमध्ये पुन्हा एकदा मिटींग झाली होती. त्यावेळी प्रीती मेनन ही मुद्दाम माझे समोर मयांक गांधी यांना सांगू लागली कि, 'वे तो रवि पुजारी गँग के लोग है.... उनसे हमे दुर रहना चाहिये.....' यावेळी मयांक गांधी नरेश ठाकुर या लोकांनी माझेवर दबाव टाकला कि नितीन, वे लोग मान रहे है कि हमने आपके लोगों को झुठा केस में फसाया है और वे लोग माफी मांग रहे है, सो तुम भी बात को भुल जाओ... ही आक्षेपाई बाब आहे.

यानंतरही तथाकथित भुमाफीयांनी चवक स्वतःच्या बेकायदेशिर कामांचा तपशिलही सहीनिशी आय.ए.सी. च्या नावे दि. २६/४/१२ रोजी दिला होता व त्यात आमचेकडून काही चुक झाल्यास माफ करावे. अशा आशयाचे विधानही लिहीले होते. आम्हावरील पोलिसी अत्याचाराची व खोट्या केसेसची खातरजमा करून दै.लोकमत ने दि. २८/४/१२ रोजी सदर बातमी आपल्या वृत्तपत्रात प्रसिद्ध केली. पण तरीही त्याचदिवशी नानावटी हॉल पार्ले येथील IAC च्या सार्वजनिक मिटींगमध्ये मयांक गांधी, नरेश ठाकूर, मयांक जैन इ. लोकांनी मला बोलू दिले नाही व बातमी इतरांपासून लपवून ठेवली, ही बाब संशयास्पद आहे.

(18) यादरम्यान 'मयांक गांधी व प्रफुल वोरा यांनी दिलेल्या खोट्या पत्रांमुळे भ्रष्टाचाराविरोधी लढणा-या कार्यकर्त्यांवर कशा खोट्या केसेस व अत्याचार होतात'

हे मी खुलेआम बोलू लागलो. त्यामुळे स्वतःची चुक ही झाकण्यासाठी मयांक गांधी, प्रफुल वोरा यांनी दि. १/३/१२ रोजी IAC च्या लेटरहेडद्वारे जे पत्र "एस" बॉर्डला दिले होते, जे आमचेविरुद्ध खोटी केस बनणेस वापरले गेले व आम्ही मार्च २०१२ मध्येच हे पत्र रद्दबादल करणारे नवीन पत्र 'एस' बॉर्डला पाठवा असे वारंवार मयांक गांधी, प्रफुल वोरा यांना सांगितले होते, त्या पत्राला रद्दबादल करणारे "एस" बॉर्डला नावे नवीन पत्र हे IAC च्या लेटरहेडद्वारे मयांक गांधी, प्रफुल वोरा यांनी नरेश ठाकूर याची त्यावर सही घेऊन माझेकडे दि. २४/५/१२ रोजी दिले. ज्यामध्ये असे दिले कि - 'पहिल्या पत्रात आमची चुक झाली...हमीद सरवैया हा आमचाच कार्यकर्ता आहे...' म्हणजेच पहिले खोटी केस होणेसाठी पुरक असे पत्र देणे त्यावर आम्ही सांगूनही त्यावेळी त्या पत्राला भागे

घेणारे पत्र न देणे व नंतर खोटी केस व अत्याचार झाल्यानंतर मग त्या पत्राला मागे घेणारे व पहिलेवाले पत्र हे चुकीने दिले असे सांगणारे पत्र देणे हे मयांक गांधी, प्रफुल वोरा, नरेश ठाकूर ड. लोकांचे वागणे हे माझ्या आरोपांना पुष्टी देणारे आहेत.

(१९) यादरम्यानची आणखी एक संशयास्पद घटना ही कि, तथाकथित भुमाफीयांनी विभागातील नागरीक श्री.गायकवाड व श्री.गुप्ता यांना जागा खाली करणेसाठी कसा सर्वप्रकारे त्रास दिला त्याच्या त्या लोकांनी केलेल्या तक्रारीही मी प्रथमपासूनच मयांक गांधी, प्रफुल वोरा, नरेश ठाकूर यांना दाखवत आलो होता. पण अशा पीडीतांना भेटायचे सोडून नरेश ठाकूर दुस-यांदा म्हणजे दि. २५/५/२०१२ रोजी रात्री ११.३० वा तथाकथित भुमाफीयांच्याच मोटरसायकलवर बसून त्यांचेसोबत भांडूपमध्ये फिरताना मला व इतर रहिवाश्यांना दिसले. ही गोष्ट स्वतः नरेश ठाकूर यांनीही मान्य केलेली आहे. तसेच त्याचवेळी रात्री उशिरा नरेश ठाकूर याने हमीद सरवैयाचे घरी जाऊन त्याच्या कुटूंबियांना घाबरवण्याचा प्रयत्न हे सांगून केला कि - "हमे आपके बेटे की जान की फिक्र है इसलिये हम हमीद को 'पिछे' हटणे को बोल रहे हैं सो आप भी समझावो उसे.."

(२०) यानंतर दि. १३/६/१२ रोजी मी कामावरी असल्याने उपलब्ध नाही हे माहीत असूनही नरेश ठाकूर, प्रिती मेनन, सुषमा मौर्य यांनी मनोहर घनशारामणीसारख्या इतर मुलुंडस्थित IAC कार्यकर्त्यांना बोलवून माझी समजुत काढायची आहे असे

दाखवून मुलुंडमध्ये मिटींग घेतली व त्यात उलट माझे चारित्र्यहनन करणे हेतु व तथाकथीत भुमाफीया हे कसे चांगले आहेत हे दाखवणे हेतु. खोटे बोलले कि- "नितीन विरुद्ध आमच्याकडे पुरावे आहेत." पण नंतर घनशरामाणींकडून ही वाव समझल्यावर मी याबाबत नरेश ठाकूर, प्रिती मेनन, सुषमा मौर्य यांना जाव विचारला असता त्यांनी उत्तर देण्याचे टाळले.

त्यानंतरही २०/६/१२ रोजी नरेश ठाकूर ने देशाला वाचवण्याचे आवाहन करुन २५ जुलै २०१२ च्या अरविंद केजरीवाल यांच्या आंदोलनात मी व माझे सहका-यांनी सहकार्य करावा असा SMS पाठवला. जर माझ्याविरुद्ध काही पुरावे होते तर मग हा SMS कशाला हा प्रश्न आहे.

(21) यानंतर पुन्हा दि. ११/८/१२ रोजी नानावटी हॉल, पार्ले येथे होणा-या IAC च्या साप्ताहिक सभेमध्ये सुमारे ७० ते १०० IAC कार्यकर्त्यांसमोर नरेश ठाकूर ने भाषण केले कि -नितीन चव्हाण ने IAC के नाम पर १५,००० रु. जमा किये और उसकी हम पुलिस में शिकायत करने पर सोच रहे हैं." पण नंतर याच नरेश ठाकूर ने पुन्हा १२/१०/१२ व १३/१०/१२ रोजी मला सलमान खुर्शीद विरोधी आंदोलनामध्ये येण्याचे SMS पाठविले याचाच अर्थ नरेश ठाकूर हा मिटींगमध्ये माझेविरुद्ध चक्क खोटे बोलून माझे खच्चीकरण व तथाकथीत भुमाफीयांचे एक प्रकारे उदात्तीकरण करत होता. यांच्याबरोबर असणारे दिनकर जोशीही हेच काम करत होते. दिनकर जोशी हे या IAC च्या वरिष्ठ लोकांमध्ये व तथाकथीत भुमाफीयांमध्ये बोलणी करणे, भुमाफीयांच्या संपर्कात राहणे, त्यांना भेटणे हेही काम करत असल्याचे मला काही लोकांकडून समजले.

(22) यादरम्यान दि. १८/८/१२ व पुन्हा दि. ३०/८/१२ रोजी इथपर्यंतचा सर्व नभुद प्रकार ज्यामध्ये मयांक गांधी, प्रफुल बोरा, नरेश ठाकूर इ. लोक हे भुमाफीयांसाठी त्यांचेशी लढणा-या इतर IAC कार्यकर्त्यांना कसे षडयंत्र करुन खोटया केसेस दाखल व्हावेत असे कृती करतात हे सर्व सिध्द होणारे पत्र अरविंद केजरीवाल यांना त्यांचे ई-मेल आय.डी. वर पाठवले व त्यांचा कौशंबी, उत्तर प्रदेश येथे असलेल्या ऑफीसमध्ये तसेच त्यांचा स्वतः चा तत्कालीन मोबाईल क्र. ९८६८२१९४८६ वर

सतत याबाबत संपर्क चालू ठेवला. तेव्हा दोन्ही क्रमांकावर केलेल्या बातचीतमध्ये माझ्या तक्रारीवर कारवाई करण्याचे आश्वासन हे नेहमी मिळायचे.

(23) तसेच दि. २५/८/१२ रोजीही अरविंद केजरीवाल यांना पाठवलेल्या पत्रांच्या प्रती या मी, माझी पत्नी व आमचे सहकारी असे १५-१७ जणांनी नानावटी हॉल, पार्ले येथील मिटींगच्या वेळी इतर कार्यकर्त्यांना वाटले. त्यावेळीही मयांक गांधी यांनी मिटींगमध्ये या पत्राबाबत मौन पाळले. म्हणजेच माझे यांचे तथाकथित भुमाफीयांबरोबरचे संबंधाचे आरोप हे सत्य होते.

(24) यानंतर दि. २६/९/१२ रोजी अरविंद केजरीवाल हे अंजली दमानियांसोबत सिंचन घोटाळ्यासंबंधी प्रेस कॉन्फरन्स घेणे हेतू मुंबईला आले असता ते जातेवेळीही सहार विमानतळावर मी अरविंद केजरीवाल यांना दिड महीने उलटून गेल्यावरही मी पाठवलेल्या पत्रावर काहीच कारवाई न झाल्याबद्दल विचारले असता त्यांनी सर्वासमोर मला थोड्याच दिवसात कारवाई करणेचे आश्वासन दिले. यावेळी मी अरविंद केजरीवाल यांना प्रश्न विचारु नये म्हणून त्यांच्या कार्यकर्त्यांनी मला व विशेषतः माझ्या सोबत असलेल्या श्रीम. अंणी कोहली यांना धक्काबुक्कीही केली होती.

(25) यादरम्यान असेही समझले कि दि. ९/९/१२ रोजी मुलूंड मध्ये मयांक गांधी, नरेश ठाकूर, सुषमा मौर्य, दिनकर जोशी यांनी आयोजित केलेल्या IAC च्या मिटींग मध्ये तथाकथित भुमाफीयांपैकी संकेत जोशी, जो आमचे विरुद्ध खोट्या केसमध्ये फिर्यादी म्हणून आहे तो व कार्ल डिसूझा हेही होते. ही सुध्दा संशयास्पद बाब आहे.

(26) त्यानंतर दि. २०/१२/२०१२ रोजी मयांक गांधी, प्रफुल वेंगरा, यांनी बनवलेला आम आदमी पार्टीच्या लेटरहेडवरील खोटा तक्रार अर्ज हा प्रिती मेनन यांनी भांडूप पोलिस स्टेशनला येवून दिला ज्यात असे होते कि- मी व आणखी IAC चे एक सदस्य, ज्येष्ठ वृद्ध नागरिक घनशारामाणीजी यांनी अनुक्रमे दि. २३/११/१२ व ०२/११/१२ रोजी IAC च्या मिटींगमध्ये येवून गुंडागर्दी केली. या पत्रात हेही खोटे लिहीले कि आम्ही IAC ची कार्यक्रम घेत होतो. कारण त्यावेळी IAC मध्ये हे

लोक नव्हतेच, हे लोक आम आदमी पार्टीत होते. म्हणजेच तथाकथित भुमाफियांचे कुर कृत्यांविरुद्ध निषेधही न करणारे, त्यांचे विरुद्ध एकही पत्रव्यवहार किंवा तक्रार न करणारे प्रफुल वोरा हे आमचे विरुद्ध त्याच पोलिस स्टेशनला खोटे तक्रार अर्ज देतात ही संशयास्पद बाब आहे. सदर खोटा तक्रार अर्ज पाठवल्याबद्दल मी व धनशारामाणी यांनी प्रफुल वोरा यांना नंतर कायदेशिर नोटीसही दि. ३०/३/१३ रोजी पाठवली होती. तसेच भांडूप पोलिस ठाणेला तक्रारही केली होती.

याच प्रफुल वोरांबाबत संशयास्पद बाब ही होती की, आमचेवर एवढी गंभीर केस व अत्याचार होऊनही त्यांनी आम्हाला विचारपूस करणारा एकही कॉल हा कधी केलेला नव्हता.

271

दुसरीकडे, आमचेवर खोटी केस व मारहाण होणेपूर्वी पासून ते नंतरपर्यंत पोलिसांचे वागणे हे केस आक्षेपाई व संशयास्पद होते ते असे कि,

आमचेवर दि. १९/४/१२ रोजी खोटी केस व मारहाण झालेनंतर मी व हमीद सरवैया दोघांनीही मा.पोलिस आयुक्त व उपायुक्त यांना तथ्यांसह तक्रार अर्ज दिले तरीही दि. २४/४/१२ च्या माझ्या तक्रार अर्जावर पोलिस विभागाकडून उच्चस्तरावर काहीच चौकशी झाली नाही. सदर तक्रारीमध्ये महत्त्वपूर्ण भूमिका असलेल्या राजा जोसेफ, श्री. अवधुत खराटे(पत्रकार) श्री. शिंत्रे साहेब, तत्कालिन पोलिस उपआयुक्त यांचे तसेच तथाकथित भुमाफियांपैकी राजेश अमीन तसेच तेव्हाचे IAC चे कोणत्याही व्यक्तीचा जबाब घेतलेले नाहीत.

तथाकथित भुमाफियांपैकी राजेश अमीन व त्यांचा नमूद केलेला साक्षीदार जमाल सरवैया यांचे गंभीर व संघटीत गुन्हे असलेला रेकॉर्डही मी दर्शवलेला होता.

माझ्यावर खोटी केस होण्यापूर्वी सन २०११ मध्ये दिपक सोनी या तथाकथित भुमाफिया विरोधात तक्रारी करणा-या तक्रारदारावर सदर भुमाफीया व तेच PI सांगळे यांनी बनावटी व हास्यास्पद वाटेल अशी केस रचली आहे. यामध्ये दिपक सोनीने त्याच्यावर खोटी केस होण्याच्या आधीच त्या षडयंत्राची माहिती दिनांक १/२/२०११ रोजी मुंबई सी.आय.डी. मध्ये लेखी दिली होती. तसेच या केसमध्ये अनेक गंभीर गुन्हे असलेले राजेश अमीन, संकेत जोशी, कार्ल डिसूझा, संकेत

जोशीचा भाऊ केयूर जोशी हेच सर्व आपसात फिर्यादी, पंच व साक्षीदार बनवले गेले आहेत. या केसमध्ये राजेश अमीन पंच म्हणून आहे ती वेळ आहे दिनांक २३/२/२०११ रोजीचे ००.५० ते २.०० वाजतापर्यंत पण याच राजेश अमीनाविरुद्ध त्याच पोलीस ठाण्यात दिनांक २२/२/२०११ रोजी सायंकाळी ६.१५ वाजता म्हणजे पंच बनवण्याचा सहा तास अगोदर एक गंभीर एन.सी. ची नोंद आहे ज्यामध्ये पोलीसांनी समोरील फिर्यादीला राजू अमीन सापडत नसल्याचेही सांगितले आहे, यांची नोंद घेण्यात यावी.

(28) माझ्या विरुद्ध दि. १९/४/२०१२ रोजी झालेल्या केसमध्ये फिर्यादी असलेल्या तथाकथित भुमाफिया संकेत जोशीने नमुद केले कि-दिपक सोनी ने सन २०१० मध्ये हप्ता मागितला म्हणून त्यावर केस दर्ज आहे, त्यावेळी मी (म्हणजे संकेत जोशीने) दोन वेळा त्याला रु.२५,०००/- दिले आहेत. पण दिपक सोनी विरुद्ध झालेल्या केसमध्ये साक्षीदार असलेल्या याच संकेत जोशीने ही महत्वाची दाव कुठेही नोंद केलेली नाही. ही विरोधाभासी बाब आहे.

(29) मार्च २०१२ मध्ये हमीद सरवैयाने पोलीसांना तथाकथित भुमाफियांविरुद्ध धमक्या देणा-या लेखी तक्रारी देऊनही दि. ९/३/१२ रोजी विरोधी विरुद्ध तक्रार दाखल करणे ऐवजी त्यांचे व त्यांचे साथीदार जमाल सरवैया यांच्या फक्त जबानी घेतल्या गेल्या. या जबानीमध्ये भुमाफियांनी नमुद केले कि- हमीद सरवैया हा IAC चा सदस्य असून हप्ता मागतो पण आमच्यावर दि. १९/४/१२ रोजी दाखल झालेल्या गुन्ह्यात संकेत जोशीने आपल्या जबाबात हमीद सरवैयाला दिपक सोनीचा साथीदार दाखवले आहे तसेच दि. ९/३/१२ रोजीच्या भुमाफीयांच्या "हमीद आमच्याकडून हप्ता मागतो "या जबानीवर त्यावेळी पोलीसांनी हमीद सरवैयाची चौकशी का केली नाही. हा प्रश्न आहे. नंतर ४० दिवसांनी त्याचे व माझेविरुद्ध नमुद केस का दाखल करण्यात आली हा प्रश्न आहे.

तसेच तथाकथित भुमाफीयांनी दि. ९/३/१२ रोजी दिलेल्या जबानीमध्ये माझे कुठेच नाव घेतले नव्हते पण भुमाफीयांनी आपल्या २३/६/१२ व २६/६/१२ च्या त्यांच्या जबानीमध्ये म्हटले आहे कि, नितिन चव्हाण म्हणजे मी व हमीद सरवैया हे आमच्या बेकायदेशीर बांधकामाची तक्रार मनपा, पोलीस तसेच श्री.अण्णा हजारे यांचेकडून

करण्याची धमकी देऊन पैसे मागायचे ... घाबरून आम्ही त्यांना कित्येक वेळा ५००/- ते १०००/- रु दिले आहेत. हा काय साक्षीमधला विरोधाभास आहे हे चौकशी करणे जोगे आहे.

(30) माझेविरुद्ध असलेल्या चार्जशीटमध्ये अंतिम दोषारोपमध्ये आम्ही १५,०००/- रु. खंडणी मागीतली असे दाखवले आहे पण त्याच एफ.आय.आर. मध्ये फिर्यादी असलेल्या भुमाफीया संकेत जोशीने नमूद केलेय कि आम्ही त्याच्या एक बांधकामाचे १५,०००/- रु. या हिशोबाने त्याचे दोन बांधकामाचे पैसे मागीतले आहे . या हिशोबाने खंडणीची रक्कम ३०,०००/- रु. होते. हा विरोधाभासही चौकशी करणेजोगे आहे.

(31) आमच्यावर खोटी केस झाल्यानंतरही भुमाफीया संकेत जोशी व कार्ल डिसूझा हे आम्हाला "मागे" हटण्यास सांगणेसाठी माझ्या व हमीद सरवैया याच्या मागे जेव्हा म.न.पा.उपआयुक्त कार्यालय, घाटकोपर पर्यंत आले. ती घटना दि.२५/६/१२ रोजीची होती. तेव्हा त्यांनी मला दोनदा कार्ल डिसूझाचे मोबाईलवरून कॉलही केले होते. त्याचीही लेखी तक्रार मी. दि. २६/६/१२ रोजी पोलिस उपायुक्त यांना देऊनही यावर पोलिसांकडून काहीच कारवाई झालेली नाही ही बाब चौकशीजोगे आहे.

(32) आमच्यावर पोलिसी अत्याचार झाल्यावर मी व हमीद सरवैया याने स्वतंत्रपणे मा. पोलिस आयुक्त व उपायुक्त यांकडे PI सांगळे व भुमाफीया यांच्याविरुद्ध तक्रार केली होती . पण त्या तक्रारअर्जावर त्याच PI सांगळेंना तपास अधिकारी बनवले गेले ही बाब ही चौकशीमागे आहे दि. २७/८/१५ रोजी माझ्याविरुद्ध केसमधील फिर्यादी तथाकथित भुमाफिया संकेत जोशी याने मा.५३ वे कोर्टात जी जबानी दिली त्यानंतर आजपर्यंत एकाही तारखेला तो आलेला नाही. कारण त्याचे जबानीत भरपूर असत्य व विरोधाभास असून ते उलटतपासणीत मा.कोर्टासमोर उघड होईल हीच त्याला भीती असावी.

(33) एकूणच हे सर्व तथाकथित भुमाफिया, भ्रष्ट पोलिस अधिकारी व तत्कालीन IAC चे व सध्याचे आम आदमी पार्टीचे नमूद नेते यांचे संगनमताने व षडयंत्राने आतापर्यंत येथे नमूद केलेल्या असत्य अत्याचाराच्या घटना घडल्यामुळे तसेच पोलिस

ठाणेत झालेल्या अमानुष मारहाणीमुळे मला व माझ्या कुटुंबाला प्रचंड मानसिक धक्का बसला. तसेच माझे मानसिक, आर्थिक व व्यवसायिक जीवनच उध्वस्त झाले. तसेच पोलिस अत्याचारात दुखावलेला माझा हावा हात हा अजूनही पूर्णपणे बरा न झाल्यामुळे माझा व्यवसायही मंद होऊन पहिल्यापेक्षाही हालाखीचे जीवन जगावे लागले. अशा एकूण टेन्शनमध्ये मी रात्रीचे नीटपणे झोपत नसायचो तसेच रात्री ३-४ लाही झोपेतून उठून घराबाहेर जाऊन चालायचो. या सर्व मनस्तापामुळे व भीतीमुळे माझी पत्नी अर्चना ही गर्भवस्थेत असताना हायपर टेन्शनमुळे ऑक्टोबर २०१२ मध्ये १० दिवसांसाठी जे.जे.रुग्णालयात भरती होती. यावर चांगल्या प्रकारे इलाज करणे इतपत माझी आर्थिक स्थितीही या घटनाक्रमांमुळे राहिली नव्हती. पुढे दुर्दैवाने दि. १/३/१३ रोजी आमचे ७ महिन्याचे मुल हे टगावले. यामुळे मी मानसिकदृष्ट्या पूर्णपणे उध्वस्त व व्यथित झालो व इथपर्यंतच्या घटनाक्रमांना जोडून पुन्हा एक तक्रारअर्ज हा पोलिस विभागाला व मा. राष्ट्रीय मानवी हक्क आयोगाकडे एप्रिल २०१३ मध्ये केला. यामध्ये प्रत्यक्ष सहभाग दिसून येणारे PI सांगळे, APJ बनकर, हे पोलिस राजेश अमीन, संकेत जोशी, कार्ल डिसूझा, हे तथाकथित भुमाफिया तसेच मयांक गांधी, प्रफुल वोरा, नरेश ठाकूर, दिनकर जोशी, सुषमा मौर्य हे आम आमदमी पार्टीचे लोक यांची विरोधी म्हणून नावे होती व मागणी होती कि पूर्णपणे नमूद घटनेची चौकशी होऊन अजूनही कोणी दोषी वाटत असल्यास त्यासही गृहीत धरावे व पूर्णपणे दोषीवर कारवाई होऊन न्याय मिळावा.

34

त्यानंतर सदर अर्जानुसार मा.राष्ट्रीय मानव हक्क आयोगाचे निर्देशानुसार स्थानिक पोलिसांकडेच पुन्हा हे प्रकरण तपासणीसाठी आले व त्यानुसार जेव्हा त्यांनी आम आमदमी पार्टीचे नमूद लोकांना बोलावले तेव्हा त्यांनी हजर राहणारेवजी वक्तव्य पुन्हा आम आमदमी पार्टीचे लेटरहेडवरून खोटे पत्र पाठविले कि- 'नितिन चव्हाण हा फक्त IAC चे काही मिटींगला यायचा याव्यतिरिक्त आम्ही त्याला ओळखत नाही....' सध्या मा. राष्ट्रीय मानवी हक्क आयोगाने पुन्हा हे प्रकरण राज्य सी.आय.डी.कडे नोव्हेंबर २०१४ मध्ये पाठवले व त्यावर राज्य सी.आय.डी.द्वारा चौकशी होऊन सध्या चौकशी अहवाल हा मा. राष्ट्रीय मानवहक्क आयोगाकडे गेल्याचे समजते ज्याची प्रत ही मला अर्ज व प्रयत्न करूनही मिळालेली नाही आहे.

यादरम्यान , सन २०१३ मध्ये दिल्लीमध्ये निवडणुकीचे वातावरण असताना मी पुन्हा एकदा अरविंद केजरीवाल यांना IAC नागरीक समितीचे लेटरहेडवरून दि.१/११/१३ रोजी पत्र पाठविले ज्यामध्ये मी त्यांना दि.१८/८/१२ , ३०/८/१२ रोजी ई-मेलद्वारे पाठविलेल्या पत्रावर, अंजली दमानिया यांचे जमीन घोटाळ्याबद्दल व प्रत्यक्ष त्यांनी दि. २६/९/१२ रोजी मुंबई एयरपोर्टवर दिलेल्या आश्वासनावर काहीच कारवाई न केल्याबद्दल जाब विचारला तसेच कसे जनलोकपाल आंदोलनाच्या पैशाचा व सामग्रीचा वापर हा त्यांचे पक्षासाठी होतोय याचाही जाब विचारला होता. त्यानंतर नोव्हेंबर २०१३ मध्ये सर्व राष्ट्रीय न्युज चॅनल्सवर एक व्हिडीओ वारंवार दाखवली जाऊ लागली ज्यामध्ये श्री. अण्णा हजारे हे माझ्याशी बोलतात कि - " मेरे नाम से ३ करोड लोगो ने चंदा दिया वो सब पार्टी के लिए इस्तेमाल हो रहे है..." या गोष्टीमुळे त्यावेळी अरविंद केजरीवाल व त्यांचे आम आदमी पार्टीची मोठी पोलखोल झाली होती व या सर्व व्यक्तींचा माझेवर रागही आला. त्यानंतर चिडून जाऊन या सर्वांनी मला अधिकच त्रास देण्याचे ठरविले . त्याच्याच भाग म्हणून अरविंद केजरीवाल यांचे मर्जानुसार त्यांचे पार्टीचे प्रवक्ते कुमार विश्वास यांनी द.२०/११/२०१३ रोजी इंडीया टी.व्ही. या न्युज चॅनलवर एका डिबेट कार्यक्रमात सदर व्हिडीओवर भाष्य करताना माझेविरुद्ध विधान केले कि - ये नितिन चव्हाण है, एक्स्टॉर्शन केस में ये गिरफ्तार थे...."

(35) मी एप्रिल २०११ पासून जनलोकपाल आंदोलनाचा प्रचारक होतो, स्वतः चा घर -रोजगार सोडून स्वखर्चाने आंदोलनाचे पूर्ण वेळ कार्य करत होतो हे सर्व अरविंद केजरीवाल यांना माहित होते तसेच दि.१८/८/२०१२, ३०/८/२०१२ रोजी ईमेल ने पाठवलेल्या पत्रांमुळे, सततच्या माझ्या फोनवरील पाठपुराव्यामुळे , प्रत्यक्ष भेटींमुळे त्यांना माहित होते कि कसे त्यांच्याच ननुद माणसांनी भुमाफियांशी साठ गाठ ठेवून माझ्यावर खोटी केस घडवली आहे. एकीकडे संपूर्ण देशासमोर , मीडियासमोर भ्रष्टाचाराविरुद्ध लढण्याचे व त्याग करण्याचे भाषणे करणा-या अरविंद केजरीवाल यांना त्याचवेळी माझ्या तक्रारीवर कारवाई करणे भाग असतानाही त्यांनी उलट आपल्याच दोषी लोकांना पाठीशीच घातले ज्यामुळे माझ्यावर होणारी अत्याचारांची व अन्यायांची मालिका ही थांबलीच नाही , ज्याची परिणीती ही माझे ७ महिनेचे मुलगी दगावणे इतपत झाले.व तरीही उलट माझ्याविरुद्ध एका न्युज चॅनल्सवर असे विधान

आपल्या प्रवक्त्यामार्फत करायला लावणे म्हणजे हे माझे पूर्णपणे खच्चीकरण करून आत्महत्येस प्रवृत्त करण्याचा अरविंद केजरीवाल व कुमार विश्वास यांचा डाव दिसून येतो. न्युज चॅनल्सवर ब्रॉडकास्ट होण-या या व्हिडीओत अरविंद केजरीवालची पोलखोल करणारे सदर व्यक्तव्य हे स्वतः अण्णाच करताहेत मग ते ऐकणा-या माझ्याविरुद्ध बोलण्याची गरजच काय हा प्रश्न आहे.

(36) यानंतरही जेव्हा श्री. अण्णा हजारे हे डिसेंबर २०१३ रोजी राळेगणसिध्दी येथे जनलोकपालच्या मागणीसाठी उपोषणाला बसले तेव्हा तिथे मी व माझी पत्नीही होती. तेव्हा तिथे आम्हाला कुमार विश्वास दिसले. तेव्हा तिथे मी त्यांना माझेविरुद्ध मीडियात एकतर्फी बदनामी करणेविरुद्ध जाब विचारला व तेथेच सर्वासमोर हट्ट धरला कि या कुमार विश्वास मीडियासमोर माझ्याशी डिबेटला बसावे व यामध्ये मी हे आम आदमी पार्टीचे लोक कसे लॅडमाफीयासाठी स्वतःच्या कार्यकर्त्यांना खोट्या पोलीस केसमध्ये अडकवतात व यांच्या पार्टीची अंजली दमानिया ही कशी शेतकऱ्यांच्या जमिनी स्वस्तात घेऊन त्यांना विकण्याचा भ्रष्ट व्यवसाय करते हे साबित करतो. माझा हा हट्ट व कुमार विश्वास चे काही कार्यकर्ते हे मला धक्काबुक्की करतानाचे पाहून कुमार विश्वास, अंजली दमानिया, प्रीती मेनन, मयांक गांधी इ. लोकांनी त्या जागेतून पलायन केले. ही पलायनची न्युजही दुस-या दिवशी सर्व वृत्तपत्रात आली होती.

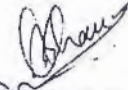
(37) याव्यतिरिक्त अंजली दमानिया या जेव्हा एप्रिल २०१४ मध्ये लोकसभा उमेदवार म्हणून नागपुरमध्ये उभ्या राहिल्या तेव्हा मी नागपुरमध्ये जाऊन त्यांचे कर्जतमधील जमीन घोटाळ्याची पोलखोल करणारी प्रेस कॉन्फरंस घेतली, प्रीती मेनन यांना त्याच काळात मुंबई, मरीन ड्राईव येथील इलेक्शन एक्सप्रेस या 'आजतक' संयोजित कार्यक्रमात भांडूपमधील लॅडमाफीयांना साथ दिल्याबद्दल सरेआम प्रश्न विचारले, त्यानंतर एकदा अरविंद केजरीवाल हे पुन्हा वरवी, मुंबई येथे आले असता, त्यांचे समोर पुन्हा उभे राहून नमुद प्रकरणी प्रश्न विचारू केले पण या सर्व ठिकाणी हे लोक पलायन करायचे हे विशेष.

(38) यानंतरही माझ्यावर राग म्हणून यावेळी जुन २०१४ मध्ये आम आदमी पार्टीच्या या नमुद लोकांनी स्वतःच्या लेटरहेडवरून तक्रार न बनवता यांचे पार्टीशी

कुर्त्यातील एक वकील फिरोज शेख यांनी त्याच्या लेटरहेडवरून माझी पुन्हा त्याच भांडूप पोलीस स्टेशनात तक्रार पाठविली कि मी कोणा महीलेची छेडही काढतो, तिला शिव्याही देतो व खंडणीही मागतो. यामध्ये कोणती बाई हिचा काहीच तपशील नाही. मी याही खोटी तक्रार करणे विरुद्ध भांडूप पोलिस ठाणेला चौकशी नाही. मी याही खोटी तक्रार करणे विरुद्ध भांडूप पोलिस ठाणेला चौकशी व फौजदारी कारवाई करणेसाठी तक्रार अर्ज केला होता ज्यावर नेहमीप्रमाणे काहीच ठोस कारवाई झाली नाही.

इथवर माझे कथन पूर्ण करून माझे म्हणणे हे कि मी आजतोपर्यंत याप्रकरणी संपूर्ण सत्य बाहेर येणेसाठी व संपूर्ण न्यायासाठी अत्यंत दयनीय हालामध्ये व मानसिकतेमध्ये सनदशिररित्या लढत आहे.

दि. 26/10/2016


नितिन ब. चव्हाण

* [आज माझे सोबतीतील कुणीही हे "फिदुर" झालेले
नसलेस त्याची काही गॅरंटी नाही!]]

Received - Res. AFD - RM446855687IN -

(3/4/12) श्रीमती अंजली दमानियाजी, नमस्कार...

तुम्ही जरा आमच्या या प्रश्नांची उत्तरे म्हणजे पटतील अशी उत्तरे द्याल का ?

- ०१) आपला इतिहास हा आपल्या भूमीसाठी बलिदान देणाऱ्या लाखो वीरांनी भरलेला आहे ! आजही हजारो जवान त्यासाठी सीमेवर शहीद होतात ! पण या अन्नदात्या भूमीला एन.ए. करवून शेकडोपट विकण्याचाच धंदा जर देशातील तुमच्यासारख्या सर्व उदयोगपती व बिल्डरांनी केला तर हा चालेल कां ?
- ०२) एकीकडे तुम्ही तांदूळ इ. खादयान्न महाग झाल्याची तसेच शेतकरी हिताची ओरड मीडियामध्ये करता व दुसरीकडे शेतकरी नसतानाही तांदूळ पिकवणाऱ्या शेतकऱ्यांच्या शेकडो एकर जमीनी या त्या गरीबांना विकासाची खोटी आश्वासने देऊन एखादया सावकाराप्रमाणे कवडीमोल भावाने विकत घेता व उलट त्याला एन.ए. करवून तीसपट भावाने इतर चैनी श्रीमंताच्या बंगल्यांसाठी विकता ! या देशाला तुमच्यासारख्या बंगले उगवणाऱ्या नफेखोरांची गरज आहे का ?
- ०३) जनलोकपाल राष्ट्रीय आंदोलन हे तर एप्रिल २०११ पासून चालू होते ज्यामध्ये हजारो लोक स्वतःचे संसार, रोजगार सोडून रस्त्यावर उतरले होते. मग स्वतःला देशभक्त म्हणवणारे तुम्ही हे ऑगस्ट २०११ नंतर एवढ्या उशिरा यामध्ये का आला ?
- ०४) तुमची ३० एकर जमीन ही जर कोढाणेच्या धरणप्रकल्पात जात नसती तर तुम्ही तेव्हा आंदोलनात तर आल्या असत्या का ? त्या धरणाला विरोध केला असता का ? त्या धरणात तुम्हाला भ्रष्टाचार दिसला असता का ?

(2)

- ०५) जर तुमची जमीन वाचवण्याचे काम राष्ट्रवादीच्या लोकांकडून अथवा गडकरीजीच्या पत्राने झाले असते तर तुम्ही या लोकांविरुद्ध बोलला असता का ?
- ०६) “माझी जमीन सोडा, हवी असल्यास आदिवासींची जमीनी घ्या” हे तुमचे सरकारला जून २०११ मध्ये लिहीणे हे अनैतिक नाही का ?
- ०७) सदर धरण रोखण्यासाठी तुमची मंडळी ही मा. हायकोर्टात गेली.. यामध्ये कोढाणे व तेथील शेतकऱ्यांशी कसलाच संबंध नसलेले बिल्डर मयांक गांधी हे प्रथम ॲप्लीकेंट आहेत तसेच ज्यांचे वडील हे २-जी घोटाळासंबंधित डी.बी. रियल्टीजचे डायरेक्टर आहेत ते चैनी श्री. अजय माथनकर हेही बरोबर आहेत.
तुम्ही येथे IAC आंदोलनकाऱ्यांना “हे सर्व आम्ही शेतकऱ्यांसाठी करतोय”. असे दाखवून त्यांचाही वापर केला !
मग त्याच PIL मध्ये तुम्ही एकदाही मा. कोर्टात का गेला नाही ?
- ०८) जर तुम्ही शेतकऱ्यांसाठी लढत होता तर तुम्ही त्यांच्याच क्षेत्रात निवडणूक का लढत नाही ? हे सर्व शेतकरी तुमच्याविरुद्ध मा. हायकोर्टात तसेच सर्व स्तरांवर का लढत आहेत.
- ०९) तुम्ही स्वतःला R.T.I. अक्टीविस्ट असल्याचे दाखवता. जरा सांगा, तुमची जमीन अडकण्यापूर्वी तुम्ही जनहितार्थ किती R.T.I. अर्ज दाखल केलेत ? आज तुमचे वयच ४६ वर्षे आहे, जरा सांगा, तुम्ही आतापर्यंत किती जनहित याचिका, किती जनहितार्थ तक्रारी, अर्ज केलेत ते ?



NAGRIK SAMITI

(3)

- १०) आमचे हे प्रश्न तर सोडाच पण हे सांगा कि, जनलोकपाल आंदोलनाच्या तीन-तीन कार्यकर्त्यांना भूमाफिया व पोलिसांनी हात-पाय फुगेपर्यंत, हात निकामी होईपर्यंत मारले ! अशावेळी त्या कार्यकर्त्यांना कोर्टात सोडून तुम्ही व तुमचे पळकुटे दिग्गज हे 'त्या' गुंडासोबत लोकांमध्येच फिरता !! त्या गरीब कार्यकर्त्यांऐवजी तुमचा घरचा एखादा सदस्य असता तर तुम्ही हा क्रूर प्रकार केला असता काय ?
- ११) हा सर्व तसेच इतर विश्वासघातकी भ्रष्टाचार हे तुमचे आका केजरीवालजी पर्यंत कित्येकवेळा पोहचवूनही तुम्ही, मयांक गांधी व इतर यांवर कारवाई तर सोडाच पण सर्वांना उमेदवारीही दिली गेली ! याबदल्यात किती 'फंड' पोहचवावा लागतो हे सांगाल का ?
- १२) भ्रष्टाचार, आम आदमी यांच्या व्याख्या काय आहेत हे सांगण्यासाठी एकदा तुम्ही, मयांक गांधी हे सर्व आमच्यासमोर येतील का ? कारण आमच्यापासून केजरीवालजी, कुमार विश्वास पासून ते तुम्ही सर्व लोकांनी कितीवेळा व कुठे-कुठे निसटता पाय घेतला हे आठवण करून द्यायची गरज आहे का ?
(फारच कमी प्रश्न विचारले आहेत.. एकाचे तरी उत्तर द्यावे ही अपेक्षा !)

धन्यवाद !

इंडीया अगेन्स्ट करप्शनचे
आंदोलनकारी
०३/०४/२०१४

INDIA AGAINST CORRUPTION

A M Jain Estate, 5/49, Village Road, Bhandup [W] Mumbai 400 078
Mob: 9820451505

(3)

55



डाक सेवार्थ
on Postal
Service

प्रेषक डाकघर की नाम-मोहर
Name-Stamp of office of posting

From, NITIN Chauhan
India Against corruption
A.M. Jain Estate, 5/49
Village Road Bhandup (W)
Mumbai 400078

पिन/PIN 400078

PSD-NP/03-2011/COP-NP/Loose-5,00,000/Pads-5,000

आर. पी. - 54
R. P. - 54

- अनावश्यक को काट दिया जाए
- Strike out if not relevant

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS-INDIA
प्राप्ति स्वीकृति / ACKNOWLEDGEMENT

रजिस्ट्री-पत्र/पार्सल प्राप्त हुआ
Received Registered Letter/Parcel

क्रमांक/No.	तारीख/Dated	का/of
-------------	-------------	-------

- बीमे का मूल्य रूपयों में
- Insured for Rupees

पाने वाले To, Anjali A. Damaniya
Addressed to J. A. Medical center
Station Road, Santa Cruz, West
को/on Santa Cruz Mumbai

वितरण डाकघर की तारीख मोहर
Date Stamp of office of delivery

हस्ताक्षर और नाम/Signature and Name

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...



Anjali Damania's Fight Against Corruption

27 October 2012 at 09:09 · 

Dear Friends from Media, my friends and my critics,
I have realized that fighting for a good cause is very difficult. Taking money is very easy but not taking it is extremely difficult. By fighting the system, I have put my entire life savings at stake for the cause of my country. These allegations have shocked me and shaken my confidence. Please spare 10 minutes of your time and read though this word by word

Facts about my case

Name : Mrs Anjali Anish Damania

Family Background : Married with 2 children

I come from a conservative joint family with sound value system and my ethics perfectly close to my heart and my heart does not permit me to do anything incorrect / injustice nor tolerate any injustice. I feel it below my dignity and self esteem to give such a disgusting clarification but the filth that has got accumulated in our very own system and our own group demands it and hence let me write all the facts and figures. I openly challenge the person who has initiated this email chain to an open discussion and examination of my papers. If I am at a single fault or if I am proved to be misusing IAC name for my personal benefit or my personal gains / to save my property I am ready to face whatever consequences come my way. But, if it is proved that I am right and fighting for a noble cause, I DEMAND ACTION AGAINST THE WHOLE GROUP who has been behind this disgusting allegation.

I got married in 1992. In 1994, we took a loan from Karur Vysya bank of Rs 1 lakh (which was huge for us at that time since we were very young and newly married) through Maxworth Orchards, invested in a 1 acre plot in Kolad which was for 'Fruit Plantations' under the Horticulture scheme of

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

was for 'Fruit Plantations' under the Horticulture scheme of 1991(To bring cultivable but uncultivated land under cultivation). This company was a public limited company which is a sister concern of Sterling Holiday resorts. I have the following documents to substantiate my statement.

- 1) The agreement with Maxworth says that the company will buy us agricultural land in Village Mahagaon – Mangaon Dist : Raigad. This was registered in 1994.
- 2) In a separate agreement with the seller (farmer), which clearly states that the land was being purchased for fruit plantation. It also states that the officer in charge should check all the documents any then execute the necessary notification (8A and 7/12). The 7/12 was issued in my husband's name.
- 3) Due to financial problems, the company wound up operations in 1998 and defaulted.
- 4) This is apart from the fact that I come from a family who had ancestral agricultural land from both my parents. My father's family had in Alibaug (Raigad) and my mother's family had in Narayangaon & Makhmalanbad -Nasik. Anish too had some ancestral land in Daman.
- 5) From 1993 to 2006 we were busy with our family as I had my first baby in 1993 and the second in 1996 and we were very young and could not put aside too much money. In 2006 when our financial state improved, we invested some money in Karjat. We bought a land at Kashele and when they asked me for the 7/12 extract, I had submitted the 7/12 which we had got at Mangaon.
- 6) The officer (Talati and circle officer) is duty bound to verify the records and execute the necessary transfer. These officers would have found the papers satisfactory and hence transferred the land on our name.
- 7) Subsequently I had invested in a some other pieces of land in Karjat.

🕶️ Now one of this land which was about 30 acres was together bought in 2007 by my husband, his sister and our family friend Varita. They had their former "Dramannetra"

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

together bought in 2007 by my husband, his sister and our family friend Vanita. They had their farmer "Pramanpatra" from Rajasthan (Print media is reporting that it is me & my husband who had our land documents from Rajasthan. My husband and me never had any land in Rajasthan) and this land was duly transferred (after all the checks ie after verifying the land from the actual place), on our name & their name by the same Tehsil where the great Tehsildar Jaysingh Girase himself holds office.

9) In May 2011, we came to know that a dam was likely to come up in Karjat and the dam line was exactly where our land started. That meant that the whole of our land would get into submergence.

10) Actually the location of the so called dam line was on 2 small muddy hillocks instead of 2 mountains. There was a better site just about 700 meters behind. Yes I was concerned about my land, can anyone please tell me is it wrong to protect your own land? I approached the irrigation officers to make some representations, Took them to the site(they had not even seen the site till then) and even met the Irrigation minister Mr Sunil Tatkare. He promised us that he would take action. I even served them a legal notice but received no response.

11) When I was in the ministers office (at his residence), Mr Nisar Khatri's name was called out (He owns F.A Construction). When I asked for his number to talk to him that the dam line was not correct, the doorman of Sunil Tatkare's office pulled out a visiting card out of his front pocket and gave it to me. Here I smelt a rat... I started to wonder a) What was a Contractor doing at the residence of a Minister & b) What made a doorman of Tatkare's residence have visiting cards of a contractor in his upper pocket.

12) This was around 1st week of August. On 16th of August, when Annaji was arrested, like thousands of Indians, I was also moved by the atrocities of the government. I left for Azad maiden to join the movement

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

also moved by the atrocities of the government. I left for Azad maidan to join the movement.

13) Till this day, I was like any other Bombayite who would not want hassels in life and who would simply give in to the pressures of the system rather than taking troubles in life. But with IAC, my life changed.

14) I started digging into the details of the dam project. The contractors immediately started approaching me to buy out my land. They made small offers initially which grew phenomenally with time. Each time asking me to settle and not fight. Most of my friends told me to take that path and not invite trouble but Annaji's path and the fire that I had burning inside me stopped me at all times.

15) In December 2011 when I had set up the whole andolan at MMRDA and when I saw Anna for the first time, I had tears rolling down my cheek. Tears of pride and tears of being part of such a wonderful movement. It was a proud moment for me. I worked day and night during those days to ensure that we could give our best to the movement, for us having it in Mumbai was a matter of great pride for us. Unfortunately it was called off because of Annaji's health.

16) With a renewed vigour, I went on with my work of collecting the entire set of documentation not knowing the enormous proportions that were behind it. But God was on my side, I met Indavi Tulpule, a noted activist from Murbad who was fighting against Kalu & Shai dam. This is where I came to know that Kalu & Shai dam contracts too had gone to the same contractor - F.A. She put me onto Surekhatai Dalvi of Pen (who is known to Annaji for a very long time) She was fighting against Balganga Dam in Pen. This contract too had gone to FA. Then I met Brian Lobo from Dahanu who was fighting against Susari dam & this contract too had gone to FA. Then I started to understand the whole game. This company has bagged innumerable contracts in irrigation when the law states that they cannot be awarded more than 3 dam contracts and they can't be given second contract if the work of one dam is in progress

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

be awarded more than 3 dam contracts and they can't be given second contract if the work of one dam is in progress.

17) Together we staged many andolans at various locations. We all thought working individually would not help as the people behind this corruption were giants.

18) This company (to our knowledge) has 13 dam projects in progress. Then we went into the depth and found out how the dams were shown as small dams and later scaled up in a month or 2 on flimsy reason and we have documents under RTI which show this.

19) I explained the case to Mayank Gandhi with whom I was working for almost 6 months in IAC Mumbai. Till then he knew only that I was working on something against dams but when I showed him the details, he was shocked.

Together we filed a PIL on 10th April 2012. In the meanwhile, I was getting calls to settle the matter. The intensity and the gravity of the calls started increasing. On 12th April, I got a calls from Talati Karjat asking for my fax no. He then faxed me a from notice the revenue department informing me that the land that I had purchased in Mangaon was "Gavat Pad" and hence was not fit for cultivation, was not fit for agriculture and hence we cannot be termed as farmer and this was a breach of clause 63 and hence the land which we bought in Kashele was not by law and all the land that we purchased subsequently was liable to be forfeited under section 84k of the BTAL act 1948.

20) Surprisingly, the number of calls received from them increased. I told them that they should simply wait for my written reply and argument at Tehsildar office at Karjat. I submitted photos of the so called uncultivable land at Mangaon which has been bearing fruits for the last over 10 years (I gave big photos for clarity in picture), I got the soil test report from RCF of the soil from this land which showed that it could grow Mango and even rice

21) I also showed the Tehsildar the file of my family which showed the ancestral land right since great grandfather's

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

showed the ancestral land right since great grandfather's time. But he was visibly under pressure from the seniors and political circles.

22) One important fact that I wish to bring before you is that when I had gone to Kolad to get a fresh set of my papers (7/12 extract of the current date which still stands in my husband's name), the Talati there wanted to know if there was some problem. He then informed me that the Tehsildar of Karjat himself, along with all his officers (Circle officer and Talati) had visited Kolad which was at a distance of about 100 to 150 km from Karjat. Was this done to genuinely get to the depth of some case or was it political vengeance is for us to understand. I had openly asked him this in the hearing and I have a recording of his answer where he has stated that he indeed travelled to get my papers. Do I need to give any more clarifications??

23) Our PIL was put up for 25th April and subsequently on 30th April but unfortunately on both the days, the board was discharged. On 25th, after our case was discharged, I called Mr Sonawane, CE Irrigation. This is because he was supposed to give me the papers for the rest of the dams and had asked me to meet him at Thane office. On calling him, he told me he was in Fort office which was just opposite High Court. So I went to his office along with Mayank Gandhi and Preeti Sharma Menon who had come for the PIL. We told him that we wanted the papers which we had sought under RTI and were not delivered to us for over 3 months. We also pointed out to him that irrigation department website did not have RTI compliance nor were the tenders online as per CVC norms. He was visibly disturbed any promised action.

24) In five minutes of us leaving his office, he called me on the cell phone and asked me to come back to his office and that too alone. Understanding his intentions, I did so, to see how low the government set-up could fall. He first made me understand how 'Useless' it is to knock the court and also why I should give in and settle the case. He then called the

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

understand how 'Useless' it is to knock the court and also why I should give in and settle the case. He then called the contractor himself (who was hanging around nearby). Mr Nisar Khatri pleaded that I should settle the matter and that too in front of a Government officer of the post of CE / ED Irrigation. I reached home quite late in the evening which is when the CE Mr Sonawane called me 3 times (I am open to anyone accessing my call records to verify this) The next morning CE Sonawane called me 3 times. I called him back and politely told him that my heart and my ethics do not permit me to fall prey to pressures.

25) That evening, I got 27 calls from some NCP volunteers of Karjat asking me to give in. I told them the same. I sent a request to the CM Maharashtra seeking an appointment.

26) On Sunday the 30th in the evening, I got a call from Additional CP offering me security and since Monday, special bodyguard was allocated.

27) On the 3rd May, I got a call from the CM's office that the CM wanted to meet. Lot of my friends and acquaintances discouraged me from fighting and showed me a note that was being circulated in the media. This note stated that I had vested interests and was under government scrutiny. I was upset for sometime but after that I was even more determined to fight.

28) We went to the CM as a group with 8 people from various organizations like Shramik Mukti Sanghatana and Kashtakari Sanghatana, joining a few of us from IAC Mumbai. The CM was moved by the papers which were shown to him which clearly showed massive corruption and the very next day, He called for a 'White Paper' on the last 10 years irrigation projects.

29) On 4th May, we had called for a state- wide seminar against dams which was attended by dam affected people, activists and organizations from all over Maharashtra. Attaching a copy of the invite for your reference. It was during this seminar that we got the great news of the 'White Paper' and showed it. For 2 days I was happy that I had

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

Attaching a copy of the invite for your reference. It was during this seminar that we got the great news of the 'White Paper' and cheered it. For 2 days I was happy that I had achieved my goal but I did not know what was awaiting me.

30) Some people who clearly have vested interest have shown the audacity of doubting my integrity. I have been fighting the whole gang of monsters of corruption (Including the big ministers like Ajit Pawar and Sunil Tatkar) would surely not bow down before such creeps.

31) I challenge them to show me even ONE single grey area in all this...

32) Kondhane tender was cancelled in May & all the escalated costs were also cancelled. If I was fighting for my vested interest, Don't you think my fight would have ended there? Would I stage a dharna at Konkan Bhavan ? Would I stage a dharna at irrigation office Kolad? It is sad that I have to issue a clarification.

33) I would also like to mention that I am a director in a private limited company called S.V.V Developers. This company has done only one small project of 39 plots called Alpine village in Karjat. This was done following each and every norm and each and every rule in the rule book. This project was the only project done by this company between 2007 and 2011 & all but two plots were sold before Aug 2011.

34) I very humbly want to state that I have been sincerely working on this irrigation scam with utmost integrity and despite several offers and several pressures, I thought it was important to fight for the cause. I pray that the people of this country join me in this fight.

35) One more point I would like to mention that the SDO Mangaon sent me a letter dated 2nd Aug 12 informing me of a hearing to be held on 3rd September, against a complaint / objection raised by the farmer who had sold me the original land (which I purchased in 1994) had raised an

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

the original land (which I purchased in 1994) had raised an objection. This was dispatched by their office on 28th August 12 and was received by Santacruz post office on 10th September 12 (8 days after the hearing)

Now I have few questions and I deserve an explanation

If I had to protect my property, would I have not compromised ? I was getting several calls for settlement (I have proof of my claims)

If one has to only protect one's land which is going under submergence, is it wise to file a PIL or it wise to fight ?

Even if I would not compromise, would I not get compensated when the land would get acquired ? It could be a little lower than the market value but wouldn't I have peace of mind?

Why would I make a PIL and clearly state in the introduction itself that I have land in Karjat which is clearly mentioned in point 3 page 8 of my petition.

Why would I not 'SETTLE' with the contractor who was ready to pay me whatever I would demand? Why did I choose to fight ? Was I not shutting my doors to something (irreversible???)

The notice from the land revenue department sent via the Tehsildar and who had shown the promptness of faxing it to me. Amazing isn't it??

Why would the fax come to me on 12th April 2012 when the first purchase of my land dates back to 1994. Does it take 18 years and a PIL for the revenue department to wake up and look for papers??

On 6th August 2012, the Tehsildar has issued an order taking away my entire land holding (on paper).

Allegations on me that I had 'Dhokadadi ke aarop' on me, that I am a 'Land Shark' and that I had vested interest are nothing but a smear campaign against me because I am fighting against powerful people. Land revenue case against

← Dear Friends... - Anjali Damania's Fight...

peace of mind?

Why would I make a PIL and clearly state in the introduction itself that I have land in Karjat which is clearly mentioned in point 3 page 8 of my petition.

Why would I not 'SETTLE' with the contractor who was ready to pay me whatever I would demand? Why did I choose to fight? Was I not shutting my doors to something (irreversible???)

The notice from the land revenue department sent via the Tehsildar and who had shown the promptness of faxing it to me. Amazing isn't it??

Why would the fax come to me on 12th April 2012 when the first purchase of my land dates back to 1994. Does it take 18 years and a PIL for the revenue department to wake up and look for papers??

On 6th August 2012, the Tehsildar has issued an order taking away my entire land holding (on paper).

Allegations on me that I had 'Dhokadadi ke aarop' on me, that I am a 'Land Shark' and that I had vested interest are nothing but a smear campaign against me because I am fighting against powerful people. Land revenue case against me was not something which I had on me in the past but a notice dated 12th April (after I filed my PIL) which was slapped on me because I did not give in to their threatening calls. I urge the media & my critics to understand my cause, verify my papers and then if they still feel I am fighting for my vested interest, they can surely go ahead with whatever they feel is correct.

Vande Mataram !!!

Mrs Anjali Anish Damania

133 shares

[View previous comments...](#)



महाराष्ट्र शासन

महसूल व वन विभाग

तहसिलदार तथा कार्यकारी वृद्धाधिकारी कार्यालय कर्जत जि. रायगड

महाराष्ट्र, पिन : ४१०२०१

Office of the Tahasildar & Executive Magistrate Karjat, Dist. Raigad (M.S.) Pin: 410201

दुरध्वनी : ०२१५८-२२२०३७, फॅक्स : २२२१९९ Web Site : www.tahasildarofficekarjat.info

जायक क्र. मशा/कात-२/हक्कनौद/नोटीस/२०१२

दिनांक : १४/०४/२०१२

प्रति,

- १) श्री अनिश दिनेश दमानीया
 - २) श्रीम अंजली अनिश दमानीया
 - ३) श्रीम. सितू हरेंद्र मेहता
 - ४) श्रीम. वनिता रवी अहलूवालिया
 - ५) श्रीम. नेहा दिनेश दमानीया
- नं. २ स्वतः करिता व नं. १, ३ ते ५ तर्फे अखत्यारी
रा. बी/२४, विजयवर्ग, ६था रस्ता,
साताक्रुझ पुर्य, मुंबई-४०० ०५५.

विषय:- कुल कायदा कलम ६३ चा भंग म्हणून ८४ क ची कारवाई
करणेबाबत.

- संदर्भ:- १) या कार्यालयाकडिले नोटीस क्र. मशा/कात-२/ हक्कनौद/नोटीस
/२०१२ दि. ११/४/२०१२
२) आपलेकडिले दि. १९/४/२०१२ रोजीचे कागदपत्रांसह खुलासा
३) आपलेकडिले दि. १९/४/२०१२ कार्यवाहीपुतांत सांगणी

घरील संदर्भीय विधिवान्वये आपण दि. १९/४/२०१२ रोजी समक्ष लेखी कागदपत्रांसह खुलासा
दाखल केला व त्या प्रमाणे तोंडी युक्तीघाट देण्यात केला. आपण दाखल केलेला लेखी खुलासा,
कागदपत्रे व तोंडी युक्तीवादावरून आपला खुलासा खालीलमुद्देनिहाय कारणास्तय अमान्य करणेत येत
आहे.

- १) या कार्यालयाची 'मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' मुंबई
कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' अन्वये चौकशी १८ वर्षांनंतर
नुसुन आपण या तालुक्यात दि. २५/१/१२ रोजी नोंदवलेले शेवटचे खरेदीखत क्र. ५९६/१२
मीजे मुगणे येथील स.नं. १३/८क व इतर मिळकती संदर्भात आहेत. तथ्यांथि इतरमिळकतीही
त्याअन्वये प्रभावित होत असल्याने त्यांचासुद्धा उल्लेख केलेला आहे. आपण दिनांक
३०/१/२०१२ रोजी नोंदवलेला सदर वस्तुएवज व त्याअनुषंगीक या पूर्वीचेही पुरावे, धांपलेले
सर्व वस्तुएवज हे तपासलेवरून आपली शेतजमीन घेण्याची पात्रता नियमानुसार दिसून
नाआल्यानेच आपणास नोटीस देण्यात आली. या कार्यालयाची तपासणी आपल्या शेवटच्या
दस्ता ऐवजांपासून ४ महिन्याच्या कालावधीतच असल्यामुळे, आपली १८ वर्षांनंतरची तपासणी
बाबतची तक्रार ही चूकीची आहे.
- २) आपण या तालुक्यात प्रथमतः मीजे कशेळे येथील फेरफार क्र. २३९२ अन्वये शेतजमीन
घेतल्याचे दिसून येते. सदर शेतजमीन घेतेवेळी आपण कोणताही शेतकरी असल्याचा दाखला
दाखल केलेला नाही. आपण सदर नोंदीत दाखल केलेला मयतपड जमीनीचा उतारा "शेतकरी

केंद्रीय प्रहिली अधिकारी अतिरिक्त ०००५	
तय्यार झालेला ठरून दिनांक पाहिली	
क्रमांक	४३ ५५
शासकीय माहिती अधिकारी	
तहसिल कार्यालय-कर्जत, जि. रायगड	

असल्याचा दाखला होऊ शकत नाही. शिवाय आपण महागाय, तालुका माणगाय येथील फेरफार क्र. १२४ मधील नोंद संपूर्ण क्षेत्र गवत (पड) म्हणून मंजूर करून घेतल्याचे दिसून येते. म्हणजेच आपण शेतकरी असल्याचे व तसा शेतजमीन घेण्याचा सक्षम प्राधिकरणाचा दाखला/परवानगी प्रत धारण करत नाही, हे स्पष्ट होते म्हणून आपण 'मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' च्या कारवाईस पात्र आहात.

- ३) तहसिलदार म्हणून मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' अन्वये कार्यवाही करण्यास बी कायद्याने सक्षम असून आपणास सवर बाब मान्य नसल्यास, आपण योग्य त्या न्यायालयात दाद मागू शकता.
- ४) आपले पैकी क्र. ३ ते ५ यांचे राजस्थानचे मामलेदाराचे प्रमाणपत्राच्या प्रती आपण सोबत दिलेल्या यादीत पडताळणीसाठी दाखल केलेला नाही. म्हणून आपला खुलासा अमान्य करणेत येत आहे.
- ५) आपण प्रत्यक्षात जमीनीवर काय पिकवतात किंवा ती पड आहे किंवा कसे ? त्याबाबी तपासण्याची आवश्यकता नाही कारण सदर खुलाशातील मुळ जमीन ही बाहेरच्या तालुक्यातील असल्याने आपण स्वतः दि. २४/८/२००६ पूर्वी शेतकरी असल्याचे प्रमाणपत्र सादर करावे व तसे न केल्याने आपला खुलासा अमान्य करणेत येत आहे.
- ६) आपण दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी असल्याबाबतचे प्रमाणपत्र दाखल करावे तरच आपण शेतजमीन घेण्यास पात्र आहात याची कृपया नोंद घ्यावी. या कार्यालयाचे असे स्पष्ट वत आहे की, आपण दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी नव्हता व आपण मौजे कशेळे येथील फेरफार क्र. २३९२५ मधील अपात्र पुरव्याचे आधारे आपण यापुढे शेतजमीन घेतली असून, दि. ३०/१/२०१२ रोजी नोंदवलेला दस्त सुध्दा शेतकरी नसल्याने, आपण तो विकत घेण्यास अपात्र आहात.

या कार्यालयाची दैनंदिनी तपासणी व बेकायदेशीर कारवाया येळोपेळी रोखल्या जातात. आपण आपल्या काल्पनिक विचाराने, आकासपोटी कार्यवाहीबाबत तक्रार केली असून ती चुकीची आहे.

मा. सर्वोच्च न्यायालय यांनी १९९७, सिव्हील अपील ३६९१ मध्ये नमुद केल्याप्रमाणे या कार्यालयाची कार्यवाही पिहीत मुदतीतच आहे. आपण दि. ३०/१/२०१२ रोजी नोंदवलेला वस्तुएवज व त्याअनुषंगाने पूर्ण कर्जत तालुक्यात आपण घेतलेल्या शेतजमीन पात्रतेबाबत तपासणी झालेवरून या कार्यालयाचे आपणास संदर्भ क्र. १ ची नोटीस दिली असून ती योग्यच आहे.

आजरोजी आपण खरेदी केलेली मौजे मुगपे येथील, दस्त क्र. ५९६/१२ दि. ३०/१/२०१२ व संदर्भीय सर्व मिळकती या 'मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' च्या कार्यवाहीस पात्र असून आपला खुलासा अमान्य करणेत येत आहे.

आपणास या कार्यालयालयाने दिलेली नोटीस संदर्भ क्र. १ ही लागू असून आपणास नैसर्गिक न्यायतत्वाचे वृद्धीत पुन्हा संधी देण्यात येत आहे. आपण दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी असलेबाबतचे प्रमाणपत्र किंवा शेतजमीन विकत घेण्याची पात्रता/सक्षम परवानगी ही नोटीस मिळाले पासून १० दिवसांचे आत दाखल करावी.

आपणास पुन्हा स्पष्ट सुचित करण्यात येते की, अंदांतर किंवा जोडपुरावे सादर न करता दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी असल्याचे प्रमाणपत्र किंवा शेतजमीन घेण्यास पात्र असलेबाबतची परवानगी आपण दाखल करावी, आपण सदर प्रमाणपत्र मुदतीत दाखल न केल्यास आपला कोणताही खुलासा मान्य केला जाणार नाही किंवा आपणास पुन्हा मुदत वाढ विली जाणार नाही, व आपण आजरोजी धारण करत असलेली सर्व शेतजमीन 'मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' अन्वये कारवाई पात्र राहिल याची कृपया नोंद घ्यावी.

तहसिलदार कर्जत

o/c

महाराष्ट्र
राज्य सरकार
महाराष्ट्र सरकार, कर्जत

केंद्रीय ग्रामीण अधिकार अधिनियम २००५	
प्रमाणित प्रत ०४४ क्रमांक दिवसेली पाहिती	
क्रमांक	४५ / ५५
१०/१२/२०१२	

Damania.

ताचले:- १) मीजे कशेळे येथील फेरफार क्र. १३९२

२) मीजे महागाव ता. माणगाव, जि. रायगड येथील स.नं./हि.नं. ६६० या ७/१२

३) मीजे महागाव येथील फेरफार क्र. १२४

४) या कार्यालयाकडिल नोटीस क्र. मशा/कात-२/हक्कनोद/नोटीस/२०१२ दि. ११/४/२०१२

५) श्री अनिश दिनेश दमानिया व इतर ४ यांचा लेखी खुलासा दिनांक १९/४/२०१२ रोजीचा लेखी खुलासा

६) श्री अनिश दिनेश दमानिया व इतर ४ यांचा लेखी खुलासा दिनांक १९/४/२०१२ रोजीचा लेखी खुलासा

७) या कार्यालयाकडिल नोटीस क्र. मशा/कात-२/हक्कनोद/नोटीस/२०१२ दि. २४/४/२०१२

८) श्रीम. यमिता अहलूवालिया यांचा लेखी खुलासा दिनांक १९/४/२०१२ रोजीचा लेखी खुलासा

९) श्रीम. नेहा डी. दमानिया यांचा लेखी खुलासा दिनांक ९/५/२०१२ रोजीचा लेखी खुलासा

१०) श्रीम. अंजलि अ. दमानिया यांचा लेखी खुलासा दिनांक १९/४/२०१२ रोजीचा लेखी खुलासा

११) महाराष्ट्र जमिन महसूल संहिता १९६६

१२) मुंबई फुड्यहियाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क

१३) मुंबई फुड्यहियाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ६३

क्र.मशा/कात-२/हक्कनोद/१३१/२०१२

तहसिलदार कार्यालय कर्जत

कर्जत, दिनांक:- ९/०८/२०१२

आदेश

मीजे कशेळे ता. कर्जत येथील स.नं. २१/४ क्षेत्र १-८८-० पैकी ०-६०-० तसेच स.नं. २१/८ क्षेत्र १-७९-० पैकी १-३४-० दिनांक २४/८/२००६ रोजी खरेदीद्वारे श्री. अनिश दमानिया व अंजली दमानिया यांनी खरेदी केलेली आहे. सदर खरेदीद्वाराची फेरफार क्र. २३९२ फळे नोंद होणेसाठी तलाठी कशेळे यांचेबाबे मीजे महागाव ता. माणगाव येथील फेरफार क्र. १२४ चा फेरफार उतारा शेतकरी असलेल्या पुराया म्हणून कसूरदार श्री. अनिश दमानिया व अंजली दमानिया यांनी सादर केलेला आहे. माणगाव येथील फेरफार क्र. १२४ चे अयलाकर केले असता संबंधित जमिन गवतपड म्हणून उताऱ्यामध्ये दर्शविलेले आहे. संबंधित १२४ चा फेरफार हा प्रमाणन अधिकारी सकल ऑफिसर तळा यांनी दिनांक २२/१०/१९९४ रोजी प्रमाणित केलेला आहे. सदरचा फेरफार उतारा हा सुमारे ११ वर्षांपूर्वीचा असून देखील अद्यापत तारखेचे उतारे आणि शेतकरी दाखला सादर केलेला नाही. ही बाब कुळ कायदा व रेकॉर्ड ऑफ राईटच्या नियमाधिकृत आहे. सदर जमिन ही गवतपड असल्याने लागवडी लायक नसल्याने, शेती योग्य नसल्याने श्री. अनिश दिनेश दमानिया अधिकृतपणे शेतकरी ठरू शकत नाही. अशी बाब गाव दफ्तर तपासणीचे येथी निदर्शनास आली आहे. तसेच तालुक्यात मीजे कशेळे येथील जमिनीव्यतिरिक्त पुढे सदर कशेळे येथील नावे झालेल्या जमिनीच्या ७/१२ च्या आधारे तालुक्यातील खालील गावीदेखील १) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्विटू हरेद्र नेहता ४) यमिता रवी अहलूवालीया ५) अंजली अनिश दमानिया यांनी खालील जमिनी खरेदी केलेल्या किंवा आह्या आहेत त्याचा तपशिल खालीलप्रमाणे

अ.क्र.	गावाचे नाव	स.नं./हि.नं.	क्षेत्र	आकार	खरेदीदाराचे नाव
१	कोडाणे	११/१२	६-०५-०	१-९३	१) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्विटू हरेद्र नेहता
२		३२/१	०-१०-४	०-०६	१) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्विटू हरेद्र नेहता ४) यमिता रवी अहलूवालीया
३		३२/७	०-२७-७	०-२५	१) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया

केंद्रीय महिती अधिकार अधिनियम २००५
माहिती
क्रमांक ४०/५५
राजकीय माहिती अधिकारी
तहसिल कार्यालय-कर्जत, जि. रायगड

Damania 84c

					१) विनू हरेंद्र मेहता ४) वनिता रवी अहलूयालीया
४		३८/१	०-७८-४	३-२४	१) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्विटू हरेंद्र मेहता ४) वनिता रवी अहलूयालीया
		३८/२	०-७८-९	०-७७	१) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्विटू हरेंद्र मेहता ४) वनिता रवी अहलूयालीया
६		४०/१	१-२३-८०	१३-१९	१) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्विटू हरेंद्र मेहता ४) वनिता रवी अहलूयालीया
७		३९/२	०-६१-०	८-२८	१) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्विटू हरेंद्र मेहता ४) वनिता रवी अहलूयालीया
८	चोची	४५/१	०-४५-४	५-३७	१) अंजली अनिश दमानिया
९		४५/६	०-२९-९	३-५०	१) अंजनी अनिश दमानिया २) जान्हवी अनिश दमानिया
१०		४५/८	०-२२-१	१-०६	१) अंजनी अनिश दमानिया २) जान्हवी अनिश दमानिया
११	मुगपे	१३/८क	०-००-५	०-०३	अंजली अनिश दमानिया
१२		१३/९	०-०४-५	०-०३	
१३		१३/४	०-१०-६	१-३१	
१४		१३/१	०-०३-०		
१५		१३/६अ	०-७५-०	४-०१	
१६		१३/८अ	०-०५-१	०-११	
१७		१३/९	०-१६-२	१-२५	
१८		५/०	०-५६-०	०-८१	
१९		६/०	०-११-१	०-१९	
२०		७/०	०-४९-०	०-३७	
२१		८/३अ	०-७६-१	४-७६	
२२		८/२ब	०-२६-०	१-७६	
२३		८/३अ	०-७९-४	०-०६	
२४		८/३ब	०-१६-४	१-३७	
२५		८/३क	०-०७-९	०-०६	
२६		८/४	०-१०-६	१-२२	
२७	खरपंडी	७/७	०-०५-७५	०-०८	अंजली अनिश दमानिया
२८		४/५	०-०९-०	१-३१	
२९		२/७	०-०५-३	०-०६	
३०		७/१०	०-२३-७१	२-५०	
३१		४/१०	०-०४-८२	१-१२	
३२		७/३	०-०४-६३	०-११	
३३	मुळगाव ता घातरे	२५/१	०-०५-०	०-०९	अंजली अनिश दमानिया
३४		४४/११	०-१०-०	०-१६	
३५		४५/४	०-०१-०	०-०२	
३६		४७/९	०-०७-०	०-०३	

केंद्रीय पब्लिक अफेयर्स कमिशन २००५
 राज्य: महाराष्ट्र जिल्हा: दहोली पाहिली
 क्रमांक: ४९ ५५
 शासकीय मान्यता अधिकाारी

Dainanin 84c

तालुक्यातील मीजे कशेळे येथील मुळ जमिन खरेदी प्रकरणी दमानिया कुटुंबीयांनी व अहलुवालिया कुटुंबीयांनी दाखल केलेले शेतकरी असलेचे पुरावे दाखव घेता येत नसल्यामुळे तसेच सदर कशेळे येथील नावे झालेल्या जमिनीच्या ७/१२ च्या आधारे घरील गावांना खरेदी केलेल्या जमिनीदेखील योग्य ते शेतकरी पुरावे दाखल केलेले नसल्यामुळे कुळ कायदा कलम ६३ अन्वये शेतकरी असल्याचे प्रमाणपत्रासह समक्ष खुलासा सादर करणेबाबत १) अनिश दिनेश दमानिया २) नेहा दिनेश दमानिया ३) स्थितू हरेंद्र मेहता ४) यशिता रवी अहलुवालिया ५) अंजली अनिश दमानिया यांना या कार्यालयाकडून नोटीस क्र. मशा/काता-२/हक्कनॉद/नोटीस/२०१२ दिनांक १३/४/२०१२ अन्वये कळविण्यात आले आहे.

सदर नोटीशीला अनुसरून सामनेवाले यांनी दि. १९/४/२०१२ रोजी समक्ष लेखी कागदपत्रासह खालीलप्रमाणे खुलासा दाखल केला व त्या प्रमाणे तोंडी युक्तीवाद देखील केला.

- १) या कार्यालयाकडिल नोटीसीमधील कोणतेही कथन कसूरदार यांना मान्य नाही.
- २) सदर नोटीसीमधील ज्या जमिनीचा उल्लेख आहे त्या जमिनी घेताना संबंधित महसुली अधिकाऱ्यांनी आम्ही शेतकरी असल्याचे खात्री करूनच केरफार नोंदी मंजूर केल्या होत्या. ज्या केर फार नं. १२४ चा उल्लेख सदर नोटीसमध्ये आहे. ती केर फार नोंद १९९४ मध्ये प्रमाणित झालेली असून, जवळ जवळ १८ वर्षांनंतर त्या संदर्भात चौकशी करणेचा फौजदारी महसुली अधिकाऱ्यास अधिकारी नाही. मुंबई कुळ व शेतजमिन कायदा कलम ६३ चा भंग केला म्हणून कलम ८४ क अन्वये कारवाई करावयाची असले तर तशी कारवाई घातवी घेलेमध्ये कारणे बंधनकारक आहेत. परंतु जवळ जवळ १८ वर्षांनंतर अशी चौकशी स्वतःतून करणेचे या कार्यालयास कोणतेही अधिकारक्षेत्र नाही. सबब सवरची नोटीस तात्काळ रद्द करणेत यादी, यासाठी ते खालिल न्यायनिर्णयावर दिसणून राहत आहे (१९९७) ६ सुप्रीम कोर्ट कॅसेट ७१० या न्यायनिर्णयात ९ महिन्यांचा कालावधीसुद्धा याजपी काळावधी होत नाही असे स्पष्ट नमूद केले आहे. सदर न्यायनिर्णयाची प्रत या उत्तरासोबत जोडली आहे. सदर कथनास बाधा न येता आम्ही सदरच्या नोटीसला खालिलप्रमाणे उत्तर देत आहोत.
- ३) त्याचप्रमाणे कलम ६३ च्या तरतुदी विचारात घेता त्या तरतुदीच्या तथ्याकथित भंग केला म्हणून कलम ८४ क अन्वये कारवाई करणेचा महसुल अधिकाऱ्यास अधिकार नाही. तथ्य या कारणास्तप देखील या कार्यालयाची नोटीस रद्द होणे आवश्यक आहे.
- ४) त्याचप्रमाणे सदर नोटीसमध्ये नमूद केलेल्या जमिनी विषय घेताना व त्या अन्वये हक्कनॉदीला माघ लापताना त्यांचेपैकी नं. ३ ते ५ यांची राजस्थान येथील मामलेदार यांनी विलेखी प्रमाणपत्र विलेखी आहेत व त्या प्रमाणपत्रांमध्ये त्यांचेपैकी नं. ३ ते ५ हे शेतकरी असल्याचे स्पष्टपणे प्रमाणित करणेत आलेले आहे. त्यांचेपैकी नं. १ व २ हे पती पत्नी असून ते एकच कुटुंबिय होतात. त्यांचेपैकी नं. २ ही व्यक्ती शेतकरी असून तिच्या तिच्या वडिलांच्या काळापासून अलिबाग तालुक्यात शेतजमिन आहे. त्यांचेपैकी नं. २ ही व्यक्ती शेतकरी असल्याचे तिचा पती म्हणून त्यांचेपैकी नं. १ हा देखील शेतकरी आहे. तसेच त्यांचेपैकी नं. १ याचे नावे मीजे महागाय तालुका माणगाय येथील जी जमीन आहे. ती जमिन हक्कनॉदीचे उतार पहाता भोगवटा बर्ग १ मधील असून, तिचे लागवडीखालील क्षेत्र २५ गुंठे आहे. पाटाकरीता ते घरकस आहे असे धरले अथवा गयती आहे असे धरले तरीही मुंबई कुळ व शेतजमिन कायद्याच्या शेती या सजेमध्ये गयताची वाढ करणे ही बाबही अंतर्भूत होते हे सदर कायद्याच्या कलम २(१) मधील व्याख्येने स्पष्ट होते. त्याचप्रमाणे सदर जागेमध्ये पहिल्यापासून आंब्याची झाले असून, आंब्याच्या झाडांची कसवणूक करणे म्हणजे देखील शेती करणे असे होते. सदर आंब्याच्या झाडांची लावाचित्र सोबत जोडली आहेत. सदर मिळकतीचा ७/१२ उतारा पहाता त्या मिळकतीच्या हक्कनॉदपत्रकी नाव लापताना देखील त्यांचेपैकी नं. १ हे शेतकरी असल्याबाबत संबंधित महसुली अधिकाऱ्यांनी खात्री केलेली होती.
- ५) सदर नोटीसमध्ये अघायायत तारखेचा उतारा व शेतकरी दाखला दाखल केलेला नाही असे कथन आहे. परंतु आमचेपैकी नं. १ व २ यांनी आवश्यक ते उतारे संबंधित महसुली अधिकाऱ्यांकडे विलेखे होते. तसेच केवळ अघायायत उतारे दिले नाहीत हे कारण कलम ८४क ची कारवाई करणेस पुरेसे नाही. तसेच गयत पंड असे जरी लिहिले असले तरीही ७/१२ उतार्यामध्ये लावणीलायक क्षेत्र हे २७ गुंठे दाखविलेले आहे. त्यामुळे सदर मीजे महागाय, ता. माणगाय येथील मिळकत ही शेती मिळकत असून, आमचेपैकी नं. १ हे शेतकरी असल्याचे स्पष्ट होते. तसेच या कारणावरून आमचेपैकी नं. ३ ते ५ यांनी नोटीस देणेचे अथवा त्यांचेविरुद्ध कारवाई करण्याचे कोणतेही कारण नाही व प्रयोजन नाही व त्यांचेविरुद्ध कोणतीही तक्रार सदर नोटीसमध्ये नाही त्यामुळे सदरची नोटीस तात्काळ रद्द होणे आवश्यक आहे.
- ६) सदर नोटीसमध्ये त्यांनी योग्य ते पुरावे दिले नाहीत असे पहिल्या पानावर नमूद आहे व दुसऱ्या पानावर त्यांनी दिलेले पुरावे दाखव घेत नाहीत ही टोन्ट्री कथने वर्णित. पकमेकांशी विसंगत आहेत. अशा

शेतीत मिनी प्रतिकार अर्जाची मु. २००५

तक्रार उपलब्ध करून दिलेली नाही

अर्जाद 49 44

आसकीय प्रतिकार अर्जाचे

तहसिल कार्यालय-कर्जत, जि. रायगड

Damanla 84c

परिस्थितीत ते सर्व शेतकरी आहेत याबाबत जरूर तर अधिकचा पुरावाप दाखल करणेस ते तबाब आहेत. त्यामुळे या संदर्भात त्यांना पूर्ण संधी मिळणे आवश्यक असून, तशी पूर्ण संधी दिल्याशिवाय पुढील कोणतीही कारवाई व कार्यवाही करू नये.

- ७) त्याचप्रमाणे मीजे महागाय येथील मिळकत त्यांचेपैकी नं. १ यांनी शेतकरीताच म्हणजे कृषक व फलोद्यात या कारणाकरताच विकत घेतलेली होती. तसेच त्यांचेपैकी नं. १ व २ यांनी सदर मिळकत विकत घेतलेली सदर मिळकतीत भात लागवड केलेली नव्हती म्हणून त्यांचेपैकी नं. १ व २ यांनी राष्ट्रीय केमिकल्स अँड फर्टिलायझर्स यांचेकडून जमिन तपासणीचा अहवाल घेतला असून, सदर मिळकत ही भातसेती व आंबा लागवडीसाठी नसल्याचे या कार्यालयाकडिल कथन पूर्णतः खोटे आहे. तसेच सदर नोटीसमध्ये मीजे यांची येथील मिळकतीचा उल्लेख असून, त्या मिळकती त्यांनी जामेदारीमध्ये विकलेल्या आहेत व इच्छातोंडीला तापवदल होणेसाठी आपशेषा त्या सध्या दिलेल्या आहेत. तसेच तुमचे नोटीसमधील मीजे भुगप्पे येथील मिळकतीच्या तुक्कनॉनपत्रकी अर्थात त्यांचेपैकी नं. २ यांचे नाव दाखलच झालेले नसल्याने, त्या मिळकती नोटीसमध्ये घेण्याचे कोणतेही कारण नाही.
- ८) वास्तविक ते महागाय शासनाधिकृत ना. उच्च न्यायालयामध्ये प्रस्तावित धरणाबाबत व विशेषकरून कर्जत तालुक्यातील धरणाबाबत एक सार्वजनिक हिताचा खटला दाखल केला असून, तो दाखल केल्यानंतरच आकसाने सदरची नोटीस देणेत आलेली आहे. अशी त्यांची खात्री झाली असून, त्यांचे ठाम मत आहे. तसेच सदर शासनाच्या धरणाबाबत त्यांचेपैकी नं. २ हिने माहितीचे अधिकारामध्ये भरपूर माहिती मिळविल्याने त्यां आकसापोटी येथील प्रस्तुतची कारवाई केली असावी असे त्यांचे ठाम मत आहे. त्याचप्रमाणे तहसिलदारांनी जाऊन मीजे महागाय, ना. माणगाय येथे माहिती गोळा करणेत आली व कोणाच्या सांगण्यावरून करणेत आली याचा उलगडा होत नाही व त्यांना आश्चर्य घाटते
- ९) तरी यरील कारणास्तव या कार्यालयाने पाठविलेली उपरोक्त संदर्भित नोटीस तात्काळ रद्द करावी. त्या नोटीसप्रमाणे कोणतीही कारवाई त्यांना त्यांचे म्हणणे मांडण्याची व पुरावे मांडण्याची पुरेशी संधी दिल्याशिवाय कोणताही आदेश करून नये तसेच सदर नोटीस संदर्भात अधिक जबाब दाखल करणेचा हक्क त्यांनी राखून ठेवला असून तशी संधी त्यांना मिळणे आवश्यक आहे.

कसूरदार यांचा उक्त खुलासा या कार्यालयाकडून अमान्य करणेत आला आहे. व अर्थात किंवा जोलपुराचे सावर न करता दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी असल्याचे प्रमाणपत्र किंवा शेतजमीन घेण्यास पात्र असलेबाबतची परवानगी आपण दाखल करावी असे या कार्यालयाकडिल नोटीस क्र. मशा/कात २/हक्कनौच /नोटीस /२०११ दि. २४/४/२०१२ द्वारे कसूरदार यांना कळविले.

त्यानंतर कसूरदार यांनी त्यांचेकडिल पत्र दिनांक १/५/२०१२ रोजीच्या खुलासाही या कार्यालयाकडून अमान्य करणेत आला आहे. त्यानंतर कसूरदार यांनी कोणतेही पुरावे सादर केले नाहीत.

प्रकरणी उपलब्ध कारादर्पत्रे व कसूरदार म्हणणे पाहता प्रस्तुत प्रकरणी अखळ हंगामी गस्तुस्थिती खालील प्रमाणे आहे

या कार्यालयाची 'मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' अन्वये चौकशी १८ घर्षानंतर नसून कसूरदार यांनी या तालुक्यात दि. २५/१/१२ रोजी नोंदवलेले शेवटचे खरेदीखत क्र. ५९६/१२ मीजे भुगप्पे येथील स.नं. १३/८फ व इतर मिळकती संदर्भात आहेत. तथापि इतरमिळकतीही त्याअन्वये प्रभावित होत असल्याने त्यांचालुदा उल्लेख केलेला आहे. सामनेवाले यांनी दिनांक. ३०/१/२०१२ रोजी नोंदवलेला सदर दस्तऐवज व त्याअनुषंगीक या पूर्वीचेही पुरावे, वापरलेले सर्व दस्तऐवज हे तपासलेवरून कसूरदार यांची शेतजमीन घेण्याची पात्रता नियमानुसार दिसून नआल्यानेच कसूरदार यांना नोटीस देण्यात आली. या कार्यालयाची तपासणी त्यांच्या शेवटच्या दस्त ऐवजापासून ४ महिन्यांच्या कालावधीतच असल्यामुळे, त्यांची १८ घर्षानंतरची तपासणी बाबतची तक्रार ही चुकीची आहे.

कसूरदार यांनी तालुक्यात प्रथमतः मीजे कशेले येथील फेरफार क्र. २३९९ अन्वये शेतजमीन घेतल्याचे दिग्भुन येते. सदर शेतजमीन घेतलेली त्यांनी कोणताही शेतकरी असल्याचा दाखला दाखल केलेला नाही. त्यांनी सदर नोंदीत दाखल केलेला गवतपड जमीनीचा उतास "शेतकरी असल्याचा दाखला" होऊ शकत नाही. शिवाय सामनेवाले यांनी महागाय, तालुका माणगाय येथील फेरफार क्र. १२४ मधील नोंद संपूर्ण क्षेत्र गवत (पड) म्हणून मंजूर करून घेतल्याचे दिसून येते. म्हणजेच सामनेवाले शेतकरी असल्याचे व तसा शेतजमीन घेण्याचा सक्षम प्राधिकरणाचा दाखला/ परवानगी प्रत धारण करत नाही. हे स्पष्ट होते म्हणून कसूरदार हे 'मुंबई कुळवहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' च्या कारवाईस पात्र आहेत.

तैदीय प्रहिती अखिलतः सप्टेंबर २००५

५३ ५५

शासकीय माहिती अधिकारी

तहसिल कार्यालय, वर्जत, जि. रायगड

Damania 84c

तहसिलदार म्हणून मुंबई कुळबहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' अन्वये कार्यवाही करण्यास मी कायद्याने सक्षम असून आपणास सदर घाब मान्य नसल्यास, कसूरदार हे योग्य त्या न्यायालयात दाद मागू शकतात.

कसूरदारांपैकी क्र. ३ ते ५ यांचे राजस्थानचे नामलेदाराचे प्रमाणपत्राच्या प्रती कसूरदार यांनी दिलेल्या यादीत पडताळणीसाठी दाखल केलेला नाही. म्हणून त्यांचा खुलासा अमान्य करणेत आला आहे.

कसूरदार हे प्रत्यक्षात जमीनीवर काय पिकवतात किंवा ती पड आहे किंवा कसे ? हयाबाबी तपासण्याची आवश्यकता नाही. कारण सदर खुलाशातील मूळ जमीन ही बाहेरच्या तालुक्यातील असल्याने कामनेवाले स्वतः दि. २४/८/२००६ पूर्वी शेतकरी असल्याचे प्रमाणपत्र सावर करावे व तसे त्यांनी केले नाही.

कसूरदार यांनी दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी असल्याबाबतचे प्रमाणपत्र दाखल केलेले नाही. त्यामुळे या कार्यालयाचे असे स्पष्ट मत आहे की, कसूरदार हे दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी नव्हते व कसूरदार यांनी मीजे कशेले देविल फेरफार क्र. २३९२ मधील अपात्र पुरव्याचे आधारे कसूरदार यांनी यापुढे शेतजमीन घेतली असून, दि. ३०/१/२०१२ रोजी नोंदवलेला दस्त सुध्दा शेतकरी नसल्याने, कसूरदार तो विकत घेण्यास अपात्र आहेत.

या कार्यालयाची दैनंदिनी तपासणी व बेकायदेशीर कारवाया येथे येथे रोखल्या जातात. कसूरदार यांनी कायदेशीर विचाराने, आकासपोटी कार्यवाहीबाबत तक्रार केली असून ती चुकीची आहे.

मा. सर्वोच्च न्यायालय यांनी १९९७. सिव्हील अपील ३६९१ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे या कार्यालयाची कार्यवाही विहीत मुदतीतच आहे. कसूरदार यांनी दि. ३०/१/२०१२ रोजी नोंदवलेला दस्तपत्राज व त्याअनुषंगाने पूर्ण कर्जत तालुक्यात कसूरदार यांनी घेतलेल्या शेतजमीन पात्रतेबाबत तपासणी झालेवरून या कार्यालयाचे कसूरदार यांना उपोद्घातातील क्र.४ अन्वये नोटीस दिली असून ती योग्यच आहे.

कसूरदार यांना या कार्यालयाच्या दिलेली नोटीस लागू असून कसूरदार यांना नैसर्गिक न्यायतत्वाचे दृष्टीने पुन्हा संधी देण्याच्या दृष्टीने दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी असलेबाबतचे प्रमाणपत्र किंवा शेतजमीन मिळत घेण्याची पात्रता /सक्षम परवानगी ७ दिवसात दाखल करणेबाबतची समज उपोद्घातातील क्र.७ अन्वये कसूरदार यांना दिली. तसेच सदर नोटीसीद्वारे पुन्हा स्पष्ट सूचित करण्यात आले की, अपात्र किंवा जोडपुरावे सादर न करता दि. २४/८/२००६ रोजी शेतकरी असल्याचे प्रमाणपत्र किंवा शेतजमीन घेण्यास पात्र असलेबाबतची परवानगी-त्यांनी दाखल करावी, परंतु कसूरदार यांनी कोणतेही सक्षम पुरावे या कार्यालयास सादर केले नाहीत.

सबब कसूरदार यांनी कर्जत तालुक्यात विकत घेतलेल्या उभत जमिन मिळकती या मुंबई कुळबहिवाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८ चे कलम ८४ क' अन्वये उभत नमूद मिळकतीचे हस्तांतरण बेकायदेशीर झाले आहे. असे ठरवून उभत नमूद मिळकती शासन निहीत करण्यात येत आहे.

तहसिलदार कर्जत

प्रतः- १) मा. जिल्हाधिकारी रायगड यांचेकडे माहितीस्तव सविनय सादर

२) मंडळ अधिकारी कशेले/कर्जत यांचेकडे पुढील कार्यवाहीसाठी. आणि आदेशान्वये कार्यवाही कामी

३) तलाठी सजा कशेले/कोंढीवडे/तमनाथ यांचेकडे आदेशान्वये कार्यवाही कामी. सोबत कागदपत्रे घ्याने १ ते जोडले आहे.

४) श्री. अमिश दिनेश दमानिया व इतर ४, रा. बी/२४, विजयदुर्ग, दया रस्त, सांताक्रुझ पूर्व, मुंबई - ४०००५५. यांना माहितीसाठी

तहसिलदार कर्जत

7/8/12

जी.मि. दमानिया व इतर ४
सांख्य वसति

केंद्रीय प्रतिलिप अधिकारी रायगड	१०५
५५	५५
आरक्षीय माहिती अधिकारी	
महसिलदार	जि. रायगड

१२७०७४२१०८

19 AUG 2012

दोषी व्यक्ती क्र. १ ते ५ यांची कर्जत तालुक्यातील शेतजमीन खरेदीचा तपशील												
अनु. क्र.	गावाचे नाव	सर्व्हे / हिस्सा नं.	क्षेत्र (हे-आर-प्रति)	किंमत (रु)	फेरफार दिनांक	अनु. क्र.	गावाचे नाव	सर्व्हे / हिस्सा नं.	क्षेत्र (हे-आर-प्रति)	किंमत (रु)	फेरफार दिनांक	
१	करोले	११४०० चौ.मी. (४.८ एकर)					चोवी	१०८० चौ.मी. (२.२५ एकर)				
		२१/४, २१/८	१-९४-००	१,७०,०००	२४/०८/२००६		११	४५/१.	०-४३-६०	६,००,०००	१५/२/२०११	
	खावडी	२८१७० चौ.मी. (७ एकर)					१२	४५/६, ४५/८	०-२७-९०	४,००,०००	२३/१०/२०११	
२		३/२, ३/६, ४/३, ४/८, ४/१०, ७/३, ७/६, ७/८	१,९८,०००	२/१२/२००३			१३ मुघये	३७०७० चौ.मी. (९.२ एकर)				
३		३/३, ३/४, ४/५, ५/५, ४/९अ	१,९७,२४०	२९/५/२००७				१३/८क, १३/२, १३/४, १३/५, १३/६अ, १३/८, १३/९, १३/५, १३/६, १३/७, ८/२अ, ८/२क, ८/३अ, ८/३क, ८/३क, ८/४	३-७०-७०	६५,००,०००	१/३/२०१२	
		५/७, ५/८, ७/१०										
४		३/५.	२०,०००	२१/८/२००७			मुळाव, ता. वासरे	२३०० चौ.मी. (०.६ एकर)				
५		४/१, ४/४, ४/९ब	१,२५,०००	२४/९/२००७				३५/१, ४४/११, ४५/४, ४७/९	०-२३-००		ता.ना.	
६		४/७, ७/१०	३,४०,०००	४/१२/२००८				एकूण :- १,८७,७७० चौ.मी. (सुमारे ४६.५ एकर)				
७		२/७.										
८		७/७.										
९	कोबाणे	११७५० चौ.मी. (२२.६८ एकर)										
		३२/१, ३२/७, ३८/१, ३८/३, ४०/५, ३९/२	३-१२-५०	१,२८,०००	३०/११/२००७							
१०		२९/१२	६-०५-००									
			(३-२५-००)	८,१२,५००	३०/११/२००७							
			(१-००-००)	२,५०,०००	३०/११/२००७							
			(१-८०-००)	४,५०,०००	३०/११/२००७							

खावडी येथील खालील शेतजमीन दिन. २८/९/२०१० रोजी एन.ए. कलन घेतली गेली व दिनांक २९/११/२०१० रोजी विक्रीसाठी ५/२/११ ते ५/२/३९ असे फ्लॉट्स बनवले गेले.

३/२, ३/३, ३/४, ३/५, ३/६, ४/७, ४/८, ४/९अ, ४/९ब, ७/७

हे सर्व तसेच ४/३, ४/४, ४/५, ४/१०, ७/३, ७/७, ७/१० यांमधील हिस्से

एकूण :- १,८७,७७० चौ.मी. (सुमारे ४६.५ एकर)

खावडी येथील खालील शेतजमीन दिन. २८/१/२०१० रोजी एन.ए. करून घेतली गेली व दिनांक २९/११/२०१० रोजी विक्रीसाठी ५२/१ ते ५२/३९ असे प्लॉट्स बनवले गेले.

३/२, ३/३, ३/४, ३/५, ३/६, ४/७, ४/८, ४/९अ, ४/९ब, ४/९, ७/७

हे सर्व तसेच ४/३, ४/४, ४/५, ४/१०, ७/३, ७/७, ७/९ यांचेही हिस्से

17000
19800
11724
2000
12500
34000
42800
81250
25000
45000
60000
40000
65000
109,107

74

खरवडी येथील विकले गेलेले शेतजमीन व एन.ए. प्लॉट्सचा तपशील :- (त.ना. - तपशील नाही)					
अनु. क्र.	सर्व्हे / हिस्सा नं.	क्षेत्र	विक्री किंमत	फेरफार दिनांक	खरीददाराचा तपशील
		म्हजेअर मीटर्स	रु.		
शेतजमीन :-					
१	४/१, ७/६	त.ना.	४,००,०००	३/७/२००९	श्री मोहन राव
२	४/३,	७९३	त.ना.		श्री मोहन राव
	४/४ पैकी	५३४			
		३२७			
एन.ए. प्लॉट्स					
३	५२/१	४३५	४,२०,०००	२३/२/२०११	मनोज समतानी
४	५२/२	४५८	७,००,०००	११/२/२०११	अभिजीत सालुंखे
५	५२/३	४६५	११,६५,०००	५/१०/२०११	श्रेया असीम गुप्ता, गोरेगाव (प)
६	५२/४	५११	९,५०,०००	५/१०/२०११	प्रिया राजेश खन्ना, मालाड
७	५२/५	त.ना.			
८	५२/६	३५१	४,९२,५००	९/६/२०११	अवनि विरेंद्र अहलुवालिया
९	५२/७	३५१	४,९२,५००	९/६/२०११	अवनि विरेंद्र अहलुवालिया
१०	५२/८	३५८	९,२५,०००	१/७/२०११	जिम्मी इपेन, कल्याण
११	५२/९	३०६	४,६८,६००	१३/१२/२०११	चुनावाला, अंधेरी (पूर्व)
१२	५२/१०	त.ना.			
१३	५२/११	३०९	५,००,०००	५/१०/२०११	रोज ऑस्टीन, अंधेरी (पूर्व)
१४	५२/१२	२६३	४,२५,०००	५/१०/२०११	अली, मालाड (प)
१५	५२/१३	२७५	४,०५,०००	१५/३/२०११	सुनिल कुरुप
१६	५२/१४	२६५	३,५१,०००	११/२/२०११	राजेश मसुरकर
१७	५२/१५	४६५	५,३०,५५०	१/७/२०११	स्वप्नील कुलकर्णी, मालाड (प)
१८	५२/१६	२२५	३,००,०००	१३/१२/२०११	किरण रावळ, कांदीवली (पूर्व)
१९	५२/१७	२००	२,८७,५००	१५/३/२०११	अलका बर्डे
२०	५२/१८	२७३	३,८५,०००	१३/१२/२०११	विशाल वायेडा, गोरेगाव (प)
२१	५२/१९	४५८	८,९०,०००	१/७/२०११	राजेश शिवदासानी, वसोवा

१४०००
 १९८००
 ११७२४
 २०००
 १२५००
 ३४०००
 ५२८००
 ४१२५०
 २५०००
 ४५०००
 ६००००
 ४००००
 ६५०००
 १०९,१६७

खरवंडी येथील विकले गेलेले शेतजमीन व एन.ए. प्लॉटसचा तपशील :- (त.ना. - तपशील नाही)					
अनु. क्र.	सर्व्हे / हिस्सा नं.	क्षेत्र	विक्री किंमत	फेरफार दिनांक	खरीददाराचा तपशील
		स्क्वेअर मीटर्स	रु.		
२२	५२/२०	३९९	८,५०,०००	५/१०/२०११	संजय लोबो, सायन
२३	५२/२१	२०५	२,१०,०००	९/६/२०११	दिपक शहा, वाणी
२४	५२/२२	५४४	१४,००,०००	१/७/२०११	चेरीयन, पनवेल
२५	५२/२३	४३५	८,००,०००	१/७/२०११	अतुल झवेरी
२६	५२/२४	५७४	६,५०,०००	१०/६/२०११	विराज पाटील
२७	५२/२५	६८९	७,००,०००	१०/६/२०११	विराज पाटील
२८	५२/२६	५१५	१०,०५,०००	१/७/२०११	प्रेम कवकड, गोरेगाव (प)
२९	५२/२७	४८८	७,३५,४२०	१५/३/२०११	प्रकाश वसईकर
३०	५२/२८	३८९	५,७५,५००	१३/४/२०११	किरण दुसाने
३१	५२/२९	३७८	५,६९,६६०	१५/३/२०११	अभय बर्डे
३२	५२/३०	२९९	४,६०,०००	१६/३/२०११	वासुदेव किणी
३३	५२/३१	३४८	५,६१,०००	९/६/२०११	नारायण दत्ताराम राणे, झगडे
३४	५२/३२	३२५	८,००,०००	१८/८/२०१३	शाम मोघे
३५	५२/३३	२२६	३,४०,६२०	१५/३/२०११	अभय बर्डे
३६	५२/३४	२२६	३,४५,०००	५/१०/२०११	पटेल, साताकुझ
३७	५२/३५	३२५	५,७०,०००	५/१०/२०११	जॉर्ज वर्गीस, मालाड (प)
३८	५२/३६	३४४	७,३१,०००	९/६/२०११	निरज गुप्ता
३९	५२/३७	३१२	६,६०,०००	९/६/२०११	निरज गुप्ता
४०	५२/३८	६४८	१३,४८,०००	९/६/२०११	निरज गुप्ता
४१	५२/३९	४८०	८,००,०००	१०/६/२०११	अमिता किरण सेठ

एकुण रुपये	सुमारे २,२३,९८,६१०/- (अधिकृतपणे)
------------	----------------------------------



राजस्थान RAJASTHAN

[श्री]

881130

विक्रय-विलेख

31 AUG 2007

यह विक्रय-विलेख खातेदारी हिस्सा कृषि भूमि का आज दिनांक 31/08/2007 को बीच वर्णित पक्षकारान् के मध्य निम्न प्रकार से निष्पादित किया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है-

- (1) विक्रमसिंह पुत्र श्री लक्ष्मणसिंहजी, आयु 26 वर्ष, जाति राव, निवासी रोवाड़ा, तहसील शिवगंज, जिला सिराही बहैसियत आम मुख्त्यार शंकरलाल पुत्र वेनाजी, आयु 45 वर्ष, एच भुरीबाई बेवा वेनाजी, आयु 70 वर्ष, जातिगण पुरोहित, निवासीगण नारादरा, तहसील शिवगंज जिला सिराही (राजस्थान) -----निष्पादनकर्ता (बेचनार)

ब ह क

- (1) अपूर्वा टाकुरभाई चव्हाण, आयु 42 वर्ष, निवासी - 41-डी, 368 कलपेट सोसायटी, सेक्टर 3, चारकोप, कान्दीवली (पश्चिम), मुम्बई - 67 (महाराष्ट्र)
- (2) दत्तात्रय नारायण बेंद्रे, आयु 46 वर्ष, निवासी - अमरज्योती सो. 2 रा माला, रू. न. 9, नौपाड़ा, ठाणे (महाराष्ट्र)
- (3) अशोक रघुनाथ पाटील, आयु 47 वर्ष, निवासी - एच 402, निलमनगर फेस 1, बिन. 6, केसर वासुदेव फडके मार्ग, मुलुंड (पूर्व) - 89 (महाराष्ट्र)
- (4) नेहा दिनेश दमनीया, आयु 37 वर्ष, निवासी - बी 1, गार्डन टेरेस 11 वा रोड, सांताक्रुज (पूर्व), मुम्बई - 400055 (महाराष्ट्र)
- (5) कुलबीर सिंह रेखी, आयु 52 वर्ष, निवासी - नीलकंठ नीलायम सोसायटी, सांडुवाडी, चेंबुर मुम्बई - 71 -----बहिस्सा बराबर

क्रोतापक्ष (खरीददारगण)

कैदीय विधि अधिकारी	...
...	...
...	...
...	...

शासकीय अधिकारी
तहसिल कार्यालय, राजत, जि. अजमेर

यह हैं कि वाके सरहद मौजा नारादरा, पटवार क्षेत्र नारादरा, भू-आभिलेख निराक्षक क्षेत्र निम्नलिखित खसरा नम्बर की खातेदारी कृषि भूमि कुल रकबा 7 बीघा 14 बिस्वा आई हुई स्थित है जो विक्रेतागण के नाम से खातेदारी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है एवं भूके पर कब्जा कागजत है विक्रेतापक्ष शंकरलाल व भुरीबाई ने अपने-अपने हिस्से की कृषि भूमि को विक्रय आदि करवा

शिवगंज

सत्यपत

माधव ज्ञानेश्वर लिपारण
विशेष सत्यकारी अधिकारी

248

जमानदा (प्रातःलिपि)

पृष्ठ 26

जमानदी गांव : कुकडी-स्वेडा
 लहसील शिवगंज
 संवत् : 2059-2062
 क्षेत्रफल : बीघा-विस्वा सी

पटवार क्षेत्र : बादला (आति-छुवाणा)
 जिला : सिरौही
 वास्तविक संवत् : 2059

मू-अमितेख निषिद्ध क्षेत्र : शिवगंज
 दिनांक : 29/7/2003



78

खेवट (खतीनी)		भूमि धारकों का नाम :	कास्तकार का नाम, पिता, जति तथा निवास स्थान के पता सहित तथा कृषि काल	खसरा नं.	क्षेत्रफल	भूमि वर्गीकरण	सिंचाई के साधन	देय लागत		नामान्तकरण आदेश नं. तथा तारीख	भूमि ब्योरो विनिर्दिष्टों विसके वे भूमि अन्तर्गत हो
नया	पुराना							दर	रकम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	12	13
19	21	राज-सरकार	जीवा पुन-धन्ना जाति कीर सा-खसवना खातेदार	19/109	8-07	बंजर			2-06	काकस 383 दिनांक 20/8/07 के जरिये - अन्वयित - अ	

55 9 0
 5002 3 2809

सत्यप्रातालाप
 पटवारी (श्री 0 अं 0) बादला
 मन्सील शिवगंज (सिरौही)

नाकस 363 दिनांक 20/9/07 के जरिये
 नाकस 363 दिनांक 20/9/07 के जरिये खेचाम अन्तराधान
 दुबाना के स्वसरा संख्या 19 रकबा 81-07 से-
 (1) पानिना सीपार सखुवासीया निवासी- 301, 3 अं आला-
 मोसमदी, संगणपुर्ण (परिचय) मुम्बई- 45 (महाराष्ट्र)
 (2) नंद प्रमचंद गोधी, निवासी- कलानिकेतन 83 बाकोला
 सेना हॉस्पिटल के सामने, शिवगंजी रोड, सातकुज (पूर्व) -
 55 (महाराष्ट्र)
 (3) अक्किश मेडिया परिसर निवासी- 405 बी बिगा कमलपुर्ण-
 रोड मुन्नाईटु डेड विसेपार (पूर्व) मुम्बई- 57 (महाराष्ट्र)
 (4) देवजी आई लयमीदास जसानी निवासी- 17 अमोकागार
 कं अं- हो- सो- वस स्टैण्ड रोड अनागढ़- 362001 गुनागढ़-
 (5) महेरा स्वामी आई डोडिया निवासी- चंदा जेती रीसाय ता
 रवालापुर पोस्ट मेहेरापाडा, जिला रायगढ़- 410222 (महाराष्ट्र)
 (6) केपाजीस (बेटी) मिनु नयकर निवासी- श्रीना सोसायटी
 सम नं॥, अंबेडकर हिल बडाला, मुम्बई- 37 (महाराष्ट्र)
 (7) किरण हरी वाड निवासी- पी-एल-एस-बी- 10/11 सेक्टर-
 च्युफनवल, जिला रायगढ़ (महाराष्ट्र) के 14 हड मेहि- 7/
 बहिस्तावरखर का नामान्तर करण स्वीकृत हुआ है।

5 व पक्का



:: विक्रय-विलेख ::

:: यह विक्रय-विलेख खातेदारी हिस्सा कृषि भूमि का आज दिनांक 17.08.2007 को वर्णित पक्षकारानु के मध्य निम्न प्रकार से निष्पादित किया गया, जिसकी विगत हरब नील निम्न

- (1) जीवा पुत्र धन्ना, आयु 58 वर्ष, जाति वीर, निवासी बलवना, तहसील शुभरपुर जिला (राजस्थान) ----- विक्रेतापक्ष (बेचना)

ब ह क

- (1) वनिता रवीपाल अहलुवालीया, आयु 40 वर्ष, निवासी - 301, 3 रां मौला, प्रेमरोडा सोसा सांताक्रुज (पश्चिम), मुम्बई - 45 (महाराष्ट्र)
- (2) नंदु प्रेमचंद गांधी, आयु 54 वर्ष, निवासी - कुलानिकेतन, 83 साकोला ब्रीज सीना हाँस के सामने, शिवाजी रोड, सांताक्रुज (पूर्व), मुम्बई - 55 (महाराष्ट्र)
- (3) भावेश योगेश पारेख, आयु 32 वर्ष, निवासी - 405, बी विंग, कमलकुंज सुभाष युनाइटेड इंक विलेपार्ले (पूर्व), मुम्बई - 57 (महाराष्ट्र)
- (4) देवजीभाई लक्ष्मीदास जगानी, आयु 65 वर्ष, निवासी - 17, अशोकनगर कॉ.ऑ.रो. रो. स्टैंड रोड, जुनागढ़ - 3620001, जुनागढ़ (गुजरात)
- (5) महेश रवजीभाई डोडीया, आयु 41 वर्ष, निवासी - धंदा शेरी, रीसगाव, तालुका खात पोस्ट मोहोपाडा, जिला रायगढ़ - 410222 (महाराष्ट्र)
- (6) बेयात्रीस (बेटी) मिनु नायकर, आयु 36 वर्ष, निवासी - मरीना सोरायटी, रुम नं. 11, ऑ. हिल, वडाला, मुम्बई - 37 (महाराष्ट्र)
- (7) किरण हरी बागड, आयु 38 वर्ष, निवासी - सी.एल.एस.बी. 10/14, सेक्टर- 9, न्यु पन जिला रायगढ़ (महाराष्ट्र) ----- बहिस्ता बराबर

----- क्रेतापक्ष (खरीददार)

अध्यक्ष-पंजीयक शिवगंज

दिनांक 17.08.2007 अतिरिक्त 2007

नया नं. 93 44

14

तळी कार्यालय महागाव
ता - तळी, जि - वायगव
दि. १५/०५/२०१५
जा. क्र. १५३/२०१५

प्रति,

श्री. नितीन व सख्खण
जैन बक्रेट व. न. ३२९
घाट - ५१५० बसवा माता,
खिनेर रोड, मांदप (प.)
मुंबई - ४०००७८

विषय :- माहिती अधिनियम अर्थ. २००५ अंतर्गत माहिती
कोटेशन

संदर्भ :- मा. तहसिलदार को. तळी यापैकी
पत्र क्र. १/माहिती अधिनियम/कात - १२/
६२८९/२०१५ दि. १०/०५/१५ व कात
आपत्तीकडील अर्ज दि. १२/०५/१५

महोदय,

उपरोक्त विषयास अनुसरून आपले अर्जामध्ये आपण
कोणत्या त्रुटी वर माहितीसाठी सीम. कॅनरी हस्तग्राह्य, अर्जित
हस्तग्राह्य अर्जित सीम - महागाव येथील गर न. ६६० पे
०-४०-० क्षेत्र खरेदीवेळी सीम. कात व कोटेशन दोन्ही
असमंजस प्रमाणे अर्जित माहिती या कार्यालयाकडे उपलब्ध
नाही.


तहसिलदार, महागाव
ता. तळी, जि. वायगव

फेरफारांची नोंदवही (फेरफार पत्रक.)

महाराष्ट्र जमीन महसूल अधिकारी अभिलेख आणि नोंदवहवा (तयार करणे व सुस्थितीत ठेवणे) नियम, १९७१ यातील नियम १०।

नाव: स्वरुप डी

तालुका : कजेल

जिल्हा : रायगड

नोंदीचा अनुक्रमांक	संपादन केल्याचा अधिकाराचे स्वरूप	परिणाम झालेले भूमापन व उपविभाग क्रमांक	चाचणी अधिकार्याची आवाक्षरी किंवा शेरा
६६६	१) फेरफाराचा दिनांक २१/१२/०६ २) फेरफाराची सूचना मिळाल्याचा दिनांक २१/१२/०६ ३) फेरफारामुळे गा. न. नं. ८४ मध्ये दुरुस्ती करावी लागणार असल्यास, फेरफार ज्याच्याशी संबंधित असेल तो खाते क्र. ६१	३१२ ✓ ३१६ ✓ ४१३ ✓ ४१६ ✓	सूची क्र. २६ वकून तपासले. सा. उपविभागाकडे
१	४) व्यवहार - स्वदेदीखत ५) महाराष्ट्र जमीन महसूल अधिनियमाच्या कलम १५० अन्वये फेरफाराची संपूर्ण प्रत चावडीवर ठळक ठिकाणी प्रसिध्द केल्याचा दिनांक २१/१२/०६ ६) महाराष्ट्र जमीन महसूल अधिनियमाच्या कलम १५० (२) अन्वये हितसंबंधित व्यक्तींना कळविल्याचा दिनांक २१/१२/०६	४११० ✓ ७१३ ✓ ७१६ ✓ ७१८ ✓	अधिकारी, पनवेल विभाग यांचे. कडीत आदेश दि. ०१/१२/०६ पाहिले. नो-कन्फ्लिक्ट
	स्वदेदीखत रु. ९,९८,०००/- २१/१२/०६ देणार - विष्णू चिंधू सोनावळे १) शाहदाबाई बाणपत सोनावळे २) दिवक बाणपत सोनावळे ३) आशाबाई राधा बाणकवाड ४) उषा बाणपत सोनावळे ५) जनाबाई राम तांबे ६) रमेश नारायण सोनावळे ७) मंजळी रावेडु धोडके ८) मिना महेड ९) गायकवाड १०) सुवर्णा नारायण सोनावळे ११) मु. मन २६ नारायण सोनावळे १२) विनोद रघुनाथ सोनावळे १३) कलक कशेक जगताप		मंजूर २१/१२/०६ आर. पी. बालेराव मंडळ अधिकारी, कर्जत. २१/१२/०६
	यांचे वतीने कु. पु. म्हुन मकरंद राजाराम धामणेकर देणार - अंजली दम्मातिया सुधी २६. ११. ०६ मा. ५ पावेगातीम बा. वी. कार्से सा. पनवेल यांचे कडीत विधी पारंगती		

(होपया ५६ ५६) १४ AUG 2013

पी. एस. के. मोहकरे
नताली सजा कोविंद
ता. कर्जत, जि. रायगड

[महाराष्ट्र जमीन महसूल अधिकारी अभिलेख आणि नोंदवह्या (तयार करणे व सुस्थितीत ठेवणे) नियम, १९७१ यातील नियम १०]

गाव : सांठ-खोखी

तालुका : तालुका कर्जत

जिल्हा : जिल्हा रायगड

[illegible]

जिल्हा : रायगड

[illegible]



Posts

About

Videos

More ▼

Album **Mr Vinod Sonawane's agreement - Read point no 2**

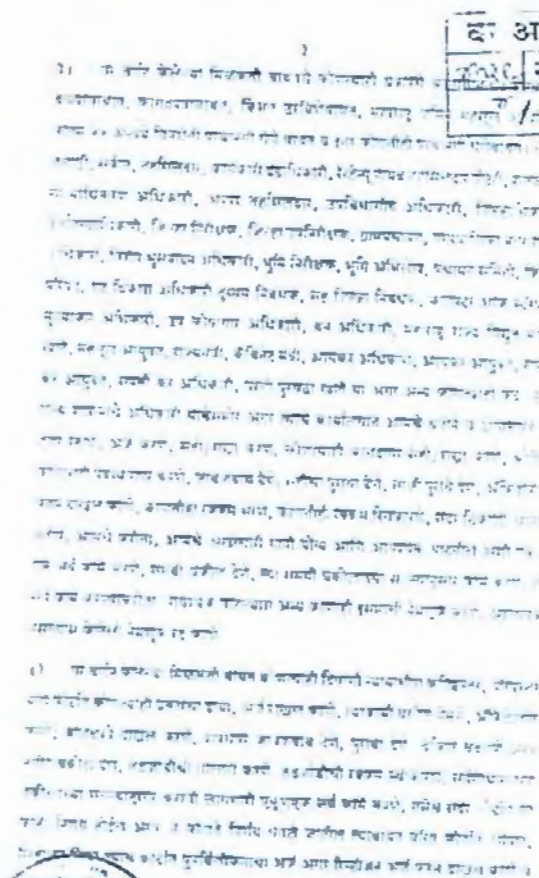


Anjali Damania's Fight Against Corruption added 2 new photos.

...

27 Oct 2012 · 

Please read point 2 in the agreement with Mr Vinod Sonawane Land deal (Even the subsequent pages) it clearly says, the land is good enough to be converted to NA and making plots. They were willing to come and sign in any government office. Indian Express reported that They sold it to me for cheap because I was gonna do farming... Can you please see the fact...



1917	1918	1919	1920	1921	1922	1923	1924	1925	1926	1927	1928	1929	1930	1931	1932	1933	1934	1935	1936	1937	1938	1939	1940	1941	1942	1943	1944	1945	1946	1947	1948	1949	1950	1951	1952	1953	1954	1955	1956	1957	1958	1959	1960	1961	1962	1963	1964	1965	1966	1967	1968	1969	1970	1971	1972	1973	1974	1975	1976	1977	1978	1979	1980	1981	1982	1983	1984	1985	1986	1987	1988	1989	1990	1991	1992	1993	1994	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027	2028	2029	2030	2031	2032	2033	2034	2035	2036	2037	2038	2039	2040	2041	2042	2043	2044	2045	2046	2047	2048	2049	2050	2051	2052	2053	2054	2055	2056	2057	2058	2059	2060	2061	2062	2063	2064	2065	2066	2067	2068	2069	2070	2071	2072	2073	2074	2075	2076	2077	2078	2079	2080	2081	2082	2083	2084	2085	2086	2087	2088	2089	2090	2091	2092	2093	2094	2095	2096	2097	2098	2099	2100	2101	2102	2103	2104	2105	2106	2107	2108	2109	2110	2111	2112	2113	2114	2115	2116	2117	2118	2119	2120	2121	2122	2123	2124	2125	2126	2127	2128	2129	2130	2131	2132	2133	2134	2135	2136	2137	2138	2139	2140	2141	2142	2143	2144	2145	2146	2147	2148	2149	2150	2151	2152	2153	2154	2155	2156	2157	2158	2159	2160	2161	2162	2163	2164	2165	2166	2167	2168	2169	2170	2171	2172	2173	2174	2175	2176	2177	2178	2179	2180	2181	2182	2183	2184	2185	2186	2187	2188	2189	2190	2191	2192	2193	2194	2195	2196	2197	2198	2199	2200	2201	2202	2203	2204	2205	2206	2207	2208	2209	2210	2211	2212	2213	2214	2215	2216	2217	2218	2219	2220	2221	2222	2223	2224	2225	2226	2227	2228	2229	2230	2231	2232	2233	2234	2235	2236	2237	2238	2239	2240	2241	2242	2243	2244	2245	2246	2247	2248	2249	2250	2251	2252	2253	2254	2255	2256	2257	2258	2259	2260	2261	2262	2263	2264	2265	2266	2267	2268	2269	2270	2271	2272	2273	2274	2275	2276	2277	2278	2279	2280	2281	2282	2283	2284	2285	2286	2287	2288	2289	2290	2291	2292	2293	2294	2295	2296	2297	2298	2299	2300	2301	2302	2303	2304	2305	2306	2307	2308	2309	2310	2311	2312	2313	2314	2315	2316	2317	2318	2319	2320	2321	2322	2323	2324	2325	2326	2327	2328	2329	2330	2331	2332	2333	2334	2335	2336	2337	2338	2339	2340	2341	2342	2343	2344	2345	2346	2347	2348	2349	2350	2351	2352	2353	2354	2355	2356	2357	2358	2359	2360	2361	2362	2363	2364	2365	2366	2367	2368	2369	2370	2371	2372	2373	2374	2375	2376	2377	2378	2379	2380	2381	2382	2383	2384	2385	2386	2387	2388	2389	2390	2391	2392	2393	2394	2395	2396	2397	2398	2399	2400	2401	2402	2403	2404	2405	2406	2407	2408	2409	2410	2411	2412	2413	2414	2415	2416	2417	2418	2419	2420	2421	2422	2423	2424	2425	2426	2427	2428	2429	2430	2431	2432	2433	2434	2435	2436	2437	2438	2439	2440	2441	2442	2443	2444	2445	2446	2447	2448	2449	2450	2451	2452	2453	2454	2455	2456	2457	2458	2459	2460	2461	2462	2463	2464	2465	2466	2467	2468	2469	2470	2471	2472	2473	2474	2475	2476	2477	2478	2479	2480	2481	2482	2483	2484	2485	2486	2487	2488	2489	2490	2491	2492	2493	2494	2495	2496	2497	2498	2499	2500	2501	2502	2503	2504	2505	2506	2507	2508	2509	2510	2511	2512	2513	2514	2515	2516	2517	2518	2519	2520	2521	2522	2523	2524	2525	2526	2527	2528	2529	2530	2531	2532	2533	2534	2535	2536	2537	2538	2539	2540	2541	2542	2543	2544	2545	2546	2547	2548	2549	2550	2551	2552	2553	2554	2555	2556	2557	2558	2559	2560	2561	2562	2563	2564	2565	2566	2567	2568	2569	2570	2571	2572	2573	2574	2575	2576	2577	2578	2579	2580	2581	2582	2583	2584	2585	2586	2587	2588	2589	2590	2591	2592	2593	2594	2595	2596	2597	2598	2599	2600	2601	2602	2603	2604	2605	2606	2607	2608	2609	2610	2611	2612	2613	2614	2615	2616	2617	2618	2619	2620	2621	2622	2623	2624	2625	2626	2627	2628	2629	2630	2631	2632	2633	2634	2635	2636	2637	2638	2639	2640	2641	2642	2643	2644	2645	2646	2647	2648	2649	2650	2651	2652	2653	2654	2655	2656	2657	2658	2659	2660	2661	2662	2663	2664	2665	2666	2667	2668	2669	2670	2671	2672	2673	2674	2675	2676	2677	2678	2679	2680	2681	2682	2683	2684	2685	2686	2687	2688	2689	2690	2691	2692	2693	2694	2695	2696	2697	2698	2699	2700	2701	2702	2703	2704	2705	2706	2707	2708	2709	2710	2711	2712	2713	2714	2715	2716	2717	2718	2719	2720	2721	2722	2723	2724	2725	2726	2727	2728	2729	2730	2731	2732	2733	2734	2735	2736	2737	2738	2739	2740	2741	2742	2743	2744	2745	2746	2747	2748	2749	2750	2751	2752	2753	2754	2755	2756	2757	2758	2759	2760	2761	2762	2763	2764	2765	2766	2767	2768	2769	2770	2771	2772	2773	2774	2775	2776	2777	2778	2779	2780	2781	2782	2783	2784	2785	2786	2787	2788	2789	2790	2791	2792	2793	2794	2795	2796	2797	2798	2799	2800	2801	2802	2803	2804	2805	2806	2807	2808	2809	2810	2811	2812	2813	2814	2815	2816	2817	2818	2819	2820	2821	2822	2823	2824	2825	2826	2827	2828	2829	2830	2831	2832	2833	2834	2835	2836	2837	2838	2839	2840	2841	2842	2843	2844	2845	2846	2847	2848	2849	2850	2851	2852	2853	2854	2855	2856	2857	2858	2859	2860	2861	2862	2863	2864	2865	2866	2867	2868	2869	2870	2871	2872	2873	2874	2875	2876	2877	2878	2879	2880	2881	2882	2883	2884	2885	2886	2887	2888	2889	2890	2891	2892	2893	2894	2895	2896	2897	2898	2899	2900	2901	2902	2903	2904	2905	2906	2907	2908	2909	2910	2911	2912	2913	2914	2915	2916	2917	2918	2919	2920	2921	2922	2923	2924	2925	2926	2927	2928	2929	2930	2931	2932	2933	2934	2935	2936	2937	2938	2939	2940	2941	2942	2943	2944	2945	2946	2947	2948	2949	2950	2951	2952	2953	2954	2955	2956	2957	2958	2959	2960	2961	2962	2963	2964	2965	2966	2967	2968	2969	2970	2971	2972	2973	2974	2975	2976	2977	2978	2979	2980	2981	2982	2983	2984	2985	2986	2987	2988	2989	2990	2991	2992	2993	2994	2995	2996	2997	2998	2999	3000	3001	3002	3003	3004	3005	3006	3007	3008	3009	3010	3011	3012	3013	3014	3015	3016	3017	3018	3019	3020	3021	3022	3023	3024	3025	3026	3027	3028	3029	3030	3031	3032	3033	3034	3035	3036	3037	3038	3039	3040	3041	3042	3043	3044	3045	3046	3047	3048	3049	3050	3051	3052	3053	3054	3055	3056	3057	3058	3059	3060	3061	3062	3063	3064	3065	3066	3067	3068	3069	3070	3071	3072	3073	3074	3075	3076	3077	3078	3079	3080	3081	3082	3083	3084	3085	3086	3087	3088	3089	3090	3091	3092	3093	3094	3095	3096	3097	3098	3099	3100	3101	3102	3103	3104	3105	3106	3107	3108	3109	3110	3111	3112	3113	3114	3115	3116	3117	3118	3119	3120	3121	3122	3123	3124	3125	3126	3127	3128	3129	3130	3131	3132	3133	3134	3135	3136	3137	3138	3139	3140	3141	3142	3143	3144	3145	3146	3147	3148	3149	3150	3151	3152	3153	3154	3155	3156	3157	3158	3159	3160	3161	3162	3163	3164	3165	3166	3167	3168	3169	3170	3171	3172	3173	3174	3175	3176	3177	3178	3179	3180	3181	3182	3183	3184	3185	3186	3187	3188	3189	3190	3191	3192	3193	3194	3195	3196	3197	3198	3199	3200	3201	3202	3203	3204	3205	3206	3207	3208	3209	3210	3211	3212	3213	3214	3215	3216	3217	3218	3219	3220	3221	3222	3223	3224	3225	3226	3227	3228	3229	3230	3231	3232	3233	3234	3235	3236	3237	3238	3239	3240	3241	3242	3243	3244	3245	3246	3247	3248	3249	3250	3251	3252	3253	3254	3255	3256	3257	3258	3259	3260	3261	3262	3263	3264	3265	3266	3267	3268	3269	3270	3271	3272	3273	3274	3275	3276	3277	3278	3279	3280	3281	3282	3283	3284	3285	3286	3287	3288	3289	3290	3291	329
------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----

3/10

[illegible][illegible][illegible]

85

R 10/6/11

Shri Ghaliyal

Irrigation Department,

Karjat.

Date : 10th June 2011

Respected Sir,

We have been told that there is a proposal of a dam coming up in Kondhane - Karjat.

Sir, we have a strong objection to this proposal and it is not acceptable to us. We have purchased land in 2007 which totally sums up to 30 acres 28.8 gunthas. This land is our entire property, our future and our reserve for our old age. Without it, we will be in very deep trouble cause we had broken all our Fixed Deposits and even sold our ancestral gold to buy this land. Our entire life's savings are at stake. The current market rate of this land is huge and that too such a chunk of land is not available in Karjat at all. Hence we request you to revisit the thought process and we request you kindly to see if you can possibly shift this dam line a little ahead as, beyond a 500 mts from our land, there is hardly any private land. Please accommodate us and we will be very grateful.

श्रीमान जी The details of our property is as follows

Survey No	Pot Hissa	In Guntha	Total in Guntha	In Acre
19	12 12 + Pot kharaba	278 + 627	605	
32	1		10.4	
	7		17.7	
	9 32 G		37.6	
36	7 32 G		32	
	10 32 G		23	
37	1 32 G		160	
38	1		78.4	
	3		79.9	
39	2		61	
40	5		123.8	
			1228.8	30 acres 28.8 guntha

Mrs Anjali Damania → 9820503376

Resi - 26141650

५४४ पटवर्धनी ३७ वि. १
 कर्जत वि. रा. २७ अ.



नितिन गडकरी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी

दिनांक: ०७ ऑगस्ट, २०११

श्री. ए. बी. पाटील

विषय: कोंढाणा मध्यम प्रकल्पात बदल करून दक्षिणेकडे ७०० मीटर्स मागे घेण्याबाबत.

रायगड जिल्ह्यातील कर्जत तालुक्यात उल्हास नदीवर कोंढाणे गावाजवळ शासनामार्फत कोंढाणे मध्यम प्रकल्प अधिन्याये प्रस्तावित करण्यात आलेले आहे. कोंढाणे प्रकल्प परिक्षेत्रात ख्रिस्तपूर्व २०० वर्षांपूर्वीची अतिप्राचीन कोंढाणे बुध्द लेणी ही जगप्रसिध्द लेणी असून भारत सरकारच्या पुरातत्त्व विभागाने केलेल्या सर्व्हेक्षणद्वारे पुरातत्त्व स्थळ म्हणून संरक्षित केलेली आहेत. विद्यमान कोंढाणा मध्यम प्रकल्प धरण्याच्या प्रस्तावित बांधकामामुळे सदर लेण्यांकडे जाणारा रस्ता पाण्याखाली जाऊन लेण्यांशी असलेला संपर्क तुटणार आहे. परिणामी ऐतिहासिक लेण्यांना भेट देणाऱ्या देशी व परदेशी पर्यटकांची गैरसोय होणार आहे. या संदर्भात कोंढाणा परिसरातील नागरिकांनी मला प्रत्यक्ष भेटून निवेदन दिले आहे. या निवेदनात त्यांनी कोंढाणा मध्यम प्रकल्पात बदल करून सद्यस्थितीतील प्रस्तावित धरणाचे बांधकाम दक्षिणेकडे ७०० मीटर्सच्या ठिकाणी केल्यास पाण्याखाली जाणारा रस्ता बाधित न होता लेण्यांशी पूर्वीप्रमाणे संपर्क राहणार आहे. याबाबतीत आपण विशेष लक्ष घालून या प्रकल्पाच्या कृत वाईसाठी संबंधितांना आपले आदेश निर्गमित करावेत ही आपणाची विनंती.

आपला मेहनकृत.

नितिन गडकरी

प्रति,
मा. श्री. ए. बी. पाटील
सचिव, जलसंपदा विभाग
महाराष्ट्र राज्य
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ३०२

	 महाराष्ट्र शासन महसूल व वन विभाग
	जिल्हाधिकारी व जिल्हादंडाधिकारी कार्यालय, रायगड - अलिबाग हिराकोट तळयाजवळ, अलिबाग, ता.अलिबाग, जि.रायगड ४०२ २०१ ❖ दुरध्वनी क्र : ०२१४१-२२२११८/२२२०१७/२२२३२२ ❖ फॅक्स क्र : ०२१४१-२२७४५१ ❖ ❖ ई-मेल : raigad.mahasul@gmail.com ❖

नोटीस

दिनांक : ११/०४/२०१२.

क्रमांक: मशा/एल.एन.ए.१(ब)/प्र.क्र.४७१/२०११

प्रति,
 श्री.अजय विजय माथनकर,
 रा.५०७, निर्माण केंद्र,
 डॉ.मोसेस रोड, महालक्ष्मी,
 मुंबई ४०० ०११

विषय :- बिनशेती व बांधकाम परवानगी आदेशातील शर्तीचे
 उल्लंघन केल्याबाबत

मौजे कोंढाणे, ता.कर्जत येथील खालील वर्णनाच्या जमिनीची निवासी (सिंगल फॅमिली हाऊस) या कारणासाठी बिनशेती व बांधकाम परवानगी मिळण्याबाबत आपण दिनांक ०७/१२/२०११ रोजी या कार्यालयाकडे अर्ज केलेला आहे.

स.नं.	हि.नं.	क्षेत्र - हे.आर.	आकार - रु.पै.
४०	१	०-०८-३	०-५३
४०	२	०-२४-८	१-१६
४६	०	०-४२-०	०-०३
एकूण		०-७५-१	---

उपरोक्त दिनांक ०७/१२/२०११ रोजीच्या अर्जाच्या अनुषंगाने तहसिलदार कर्जत व सहाय्यक संचालक, नगर रचना, रायगड-अलिबाग यांचे प्राप्त अभिप्रायानुसार या कार्यालयाकडून दिनांक ०७/०१/२०१२ रोजीच्या मंजूर आदेशान्वये व दिनांक १३/०१/२०१२ रोजीच्या निर्गमित आदेशान्वये प्रस्तुत जमिनीची बिनशेती व मंजूर नकाशाप्रमाणे बांधकाम परवानगी निवासी (सिंगल फॅमिली हाऊस) या कारणासाठी देण्यात आलेली आहे.

या कार्यालयाकडील प्रस्तुत दिनांक १३/०१/२०१२ रोजीच्या आदेशातील शर्त क्र. २५ मध्ये महाराष्ट्र शेतजमीन (जमीन धारणा कमाल मर्यादा) अधिनियम १९६१, मुंबई कुळवहियाट व शेतजमीन अधिनियम १९४८, मुंबई धारणा जमिनीचे तुकडे पाडण्यास प्रतिबंध करणेबाबत अधिनियम १९४८, भारतीय वन अधिनियम १९२७, महाराष्ट्र खाजगी वन(संपादन) अधिनियम १९७५, वन(संरक्षण) अधिनियम १९८०, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम १९६०, किनारी क्षेत्र विनियमन कायदा (CRZ), भूमि संपादन अधिनियम १९९४ मधील तरतुदींचा भंग झाल्यास सदरची परवानगी रद्द समजण्यात येईल, असे नमूद करण्यात आलेले आहे.

तसेच शर्त क्र.३० मध्ये या बिनशेती परवानगी आदेशातील सर्व शर्ती अर्जदार/मालक/भूखंडधारक यांच्यावर बंधनकारक राहतील. वरील शर्तीचा अगर सनदेतील शर्तीचा अर्जदार यांने भंग केल्यास बिनशेती परवानगी रद्द करण्यात येईल व याखेरीज अर्जदार हे जमीन महसूल कायदा व त्याखालील नियम, सरकारी ठराव व आदेशाप्रमाणे कारवाई व दंडास पात्र होतील, असे नमूद करण्यात आलेले आहे.

माहितीचा अधिकारी अधिनियम-२००५
 अन्वये दिलेली प्रत
 २२-६-११
 माहितीचा अधिकारी
 तथा तहसिलदार (महसूल)

कॉढाणे पाटबंधारे प्रकल्पाच्या अनुषंगाने मौजे कॉढाणे, ता. कर्जत येथील जमीन धरण बुडीत क्षेत्रासाठीचा क्षेत्र १६-२९-७० हे. आर. चा प्रस्ताव कार्यकारी अभियंता, रायगड पाटबंधारे विभाग, कोलाड यांचेकडील प्रस्तावाच्या अनुषंगाने भूसंपादन अधिनियम १८९४ मधील कलम ३ क व ३ ख नुसार या कार्यालयाकडील दिनांक १३/०१/२०१२ रोजीच्या आदेशान्वये प्रस्तुत प्रकरणी उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन) मुंबई-पुणे द्रुतगती मार्ग, रायगड-अलिबाग यांना प्राधिकृत करून प्रकरण त्यांच्याकडे सुपूर्द करण्यात आले आहे. सदर प्रस्तावामध्ये या कार्यालयाकडील दिनांक १३/०१/२०१२ रोजीच्या निर्गमित उक्त बिनशेती व बांधकाम परवानगी आदेशातील मौजे कॉढाणे, ता. कर्जत येथील स.नं. ४०/१ व स.नं. ४०/२ चा समावेश आहे.

तसेच कॉढाणे पाटबंधारे प्रकल्पाच्या अनुषंगाने मौजे कॉढाणे, ता. कर्जत येथील जमीन धरण संरेखा क्षेत्रासाठीचा क्षेत्र १९-११-७० हे. आर. चा प्रस्ताव कार्यकारी अभियंता, रायगड पाटबंधारे विभाग, कोलाड यांचेकडील प्रस्तावाच्या अनुषंगाने भूसंपादन अधिनियम १८९४ मधील कलम ३ क व ३ ख नुसार या कार्यालयाकडील दि. १२/०१/२०१२ रोजीच्या आदेशान्वये प्रस्तुत प्रकरणी उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन) मुंबई-पुणे द्रुतगती मार्ग, रायगड-अलिबाग यांना प्राधिकृत करून प्रकरण त्यांच्याकडे सुपूर्द करण्यात आले आहे. सदर प्रस्तावामध्ये या कार्यालयाकडील दिनांक १३/०१/२०१२ रोजीच्या निर्गमित उक्त बिनशेती व बांधकाम परवानगी आदेशातील मौजे कॉढाणे, ता. कर्जत येथील स.नं. ४६/० चा समावेश आहे.

उक्त वस्तुस्थितीवरून या कार्यालयाकडून दिलेल्या दिनांक १३/०१/२०१२ रोजीच्या बिनशेती व मंजूर नकाशाप्रमाणे बांधकाम परवानगी निवासी (सिंगल फॅमिली हाऊस) या कारणासाठी देण्यात आलेल्या परवानगी आदेशातील शर्त क्र. २५ चा आपल्याकडून भंग झालेला दिसून येत आहे. तरी उक्त दिनांक १३/०१/२०१२ रोजीच्या निर्गमित आदेशातील शर्त क्र. ३० नुसार आपणांस उक्त आदेशान्वये निवासी (सिंगल फॅमिली हाऊस) या कारणासाठी दिलेली बिनशेती व मंजूर नकाशाप्रमाणे बांधकाम परवानगी रद्द का करण्यात येऊ नये याबाबत आपला खुलासा दिनांक १८/०४/२०१२ पर्यंत या कार्यालयाकडे सादर करावा. विहित मुदतीत आपण खुलासा सादर न केल्यास आपणांस काही एक सांगावयाचे नाही असे गृहीत धरून या कार्यालयाकडून दिनांक ०७/०१/२०१२ रोजी मंजूर व दिनांक १३/०१/२०१२ रोजी निर्गमित आदेश क्र. मशा/एल.एन.ए.१(ब)/प्र.क्र.४७१/२०११ अन्वये देण्यात आलेली निवासी (सिंगल फॅमिली हाऊस) या कारणासाठी दिलेली बिनशेती व मंजूर नकाशाप्रमाणे बांधकाम परवानगी रद्द करण्यात येईल, याची कृपया नोंद घेण्यात यावी.

सोबत

१४/१/१२

जिल्हाधिकारी रायगड

प्रत :- तहसिलदार कर्जत यांचेकडे कार्यवाहीसाठी

२/- सोबत जोडलेली नोटीस संबंधितांना बजावून दुय्यम प्रतीवर त्यांची तारखेसह स्वाक्षरी घेऊन दुय्यम प्रत या कार्यालयास सादर करावी.

सोबत

१४/१/१२

जिल्हाधिकारी रायगड

१९/१/१२

बहिरीया व्यक्तीकडून अधिनियम-२००५ अन्वये दिलेली प्रत
राजकीय मजिती अधिकारी
तथा तहसिलदार (महसूल)

महिला आयोग अधिनियम 2005
अन्वये दिवसीय पुणे - 6-1
राजकीय महिला आयोग
तथा सहसिलदार (महसुल)

(911)

BEFORE THE MAHARASHTRA REVENUE TRIBUNAL
AT MUMBAI.

Intervention Application No. of 2014
in

REVISION APPLICATION NO. 276/B of 2013

(Under Section 76 of the B.T & A.L. Act, 1948)

DISTRICT RAIGAD

Mrs. Anjali Anish Damania. ..Applicants.

Vs.

Tahsildar, Karjat. & Anr. ..Respondents.

And

Mrs. Chellamal Chidambaram. ..Intervener.

I, Mrs. Chellamal Chindambaram, the Intervener
abovenamed hereby appoint MR. S. M. KAZI, Advocate,
High Court, Bombay to act appear and plead for me
in the above matter.

IN WITNESS WHEREOF I have set and subscribed
my hand to this writing.

Dated this 13th day of March, 2014

Accepted.

(S.M. Kazi)
Advocate, High Court,
54, Allis Chambers, 4th floor,
Tamarind Lane, Fort,
MUMBAI- 400 023

✓ Chellamal Chidambaram
Intervener.

Advised Code No 7288.

Application Applied on 21/11/16 Approximate Words 12
Copy Ready on 21/11/16 Copying Fee 40/-
Copy Delivered on 21/11/16 Copying Fee 40/-
Copied by Sh. Chaitanya
Compared by S. Jadhav Total Amount = 40/-



S. Jadhav
Dy. Registrar

Maharashtra Revenue Tribunal, Mumbai

Vasare, Taluka Karjat, District Raigad bearing Survey Nos. 35/1, 44/11, 45/4 and 47/9.

2. The original Applicant represented that she was an agriculturist within the meaning of the provisions of the Bombay Tenancy & Lands Act, 1948 (hereinafter referred to as "the BTAL Act"). Prior to purchase of the said property, she even submitted the documents to show that she was an agriculturist within the meaning of the said Act. The concerned Revenue Officer after satisfying himself about the purchase of the said property in accordance with the provisions of Section 149 read with Section 154 of the Maharashtra Land Revenue Code, 1966 (hereinafter referred to as "the MLRC") certified the necessary mutation entry which was based on registered document dated 30th November 2007.

The Intervener was desirous of purchasing a property at Karjat and therefore, after negotiations with the original Applicant, she agreed to purchase the following property from her for a total consideration of Rs.6,25,000/-. The particulars of the said property is as under :

VILLAGE CHOCHI

Survey No.	Hissa No.	Area	Assessment
45	6	0-27-90	3-50
		0-02-00	

The Intervener states that the entire consideration of the said property was paid by the Intervener by cheque as under :

Bank	Branch	Cheque No.	Date	Amount (Rs.)
ICICI	Deonar	017457	23.01.2012	6,25,000/-

BEFORE THE MAHARASHTRA REVENUE TRIBUNAL AT MUMBAI

INTERVENTION APPLICATION NO. OF 2014

IN

REVISION APPLICATION NO. 276/B OF 2013

[UNDER SECTION 76 OF THE B.T.&A.L. ACT, 1948]

DISTRICT : RAIGAD

Regd. Under St. No. 36

Mrs. Anjali Anish Damania, age 45 years,)
R/o. B/24, Vijayshreedurg, 6th Road,)
Santacruz (East), Mumbai 400055.) ... Applicants

Versus

1. Tahsildar, Karjat, having his office at)
Karjat, District Raigad.)
2. Principal Secretary, Revenue and Forest)
Department, Mantralaya, Mumbai.) ... Respondents

And

Dr. Nirmala Sridhar Ganapathy, age 42 years,)
Occupation : Doctor, residing at 14/226, Tata)
Co-operative Building, Road No. 31, Sion)
(East), Mumbai 400022.) ... Intervener

MAY IT PLEASE YOUR HONOUR :

The original Applicant is the owner of the agricultural land situated at Village Mundpe, Taluka Karjat, District Raigad bearing Survey Nos. 13/8C, 13/2, 13/4, 13/5, 13/6A, 13/8A, 13/9, 5/0, 6/0, 8/2A, 8/2B, 8/3A, 8/3B, 8/3C and 8/4, Village Karvandi, Taluka Karjat, District Raigad bearing Survey Nos. 7/7, 4/5, 2/7, 7/10, 4/10 and 7/3 and Village Mulgaon Tarphe

Vasare, Taluka Karjat, District Raigad bearing Survey Nos. 35/1, 44/11, 45/4 and 47/9.

2. The original Applicant represented that she was an agriculturist within the meaning of the provisions of the Bombay Tenancy & Lands Act, 1948 (hereinafter referred to as "the BTAL Act"). Prior to purchase of the said property, she even submitted the documents to show that she was an agriculturist within the meaning of the said Act. The concerned Revenue Officer after satisfying himself about the purchase of the said property in accordance with the provisions of Section 149 read with Section 154 of the Maharashtra Land Revenue Code, 1966 (hereinafter referred to as "the MLRC") certified the necessary mutation entry which was based on registered document dated 30th November 2007.

3. The Intervener was desirous of purchasing a property at Karjat and therefore, after negotiations with the original Applicant, she agreed to purchase the following property from her for a total consideration of Rs.22,25,000/-. The particulars of the said property is as under :

Survey No.	Hissa No.	Area	Assessment
45	1	0-43-60 0-01-80	5-37
45	8	0-19-30 0-02-80	1-06
46	3	0-36-70 0-03-00	2-94

त्यानंतर मी सदर बंगल्याचे बांधकाम करीत असताना वेळोवेळी तुमचेकडे उर्वरीत रक्कमेची मागणी केली परंतु तुम्ही मला बंगल्याचे बांधकाम पुर्ण झालेनंतर माझी उर्वरीत रक्कम तुम्ही मला द्याल असे मला सांगितले. मी तुमचे शब्दावर विश्वास ठेवला व माझेकडून तुमचे बंगल्याचे काम मजबुत, व्यवस्थित व त्वरीत होईल यासाठी खुप प्रयत्न व मेहनत केली. त्यानंतर सदर तुमचे बंगल्याचे बांधकाम पुर्ण केले. यादरम्यान मी माझी बाकीची रक्कम रुपये 9,49,000/- मला तुमचेकडून मिळणेसाठी मी तुमचेपैकी दोघांनाही वारंवार संपर्क साधत होतो परंतु बंगल्याचे बांधकाम पुर्ण झालेले आहे याचा गैरफायदा घेउन माझी उर्वरीत रक्कम रुपये 9,49,000/- तुम्ही मला देणेची टाळाटाळ करु लागलात. परंतु तुमचे या बांधकामामध्ये माझी स्वतःची रक्कम मी गुंतविलेली असल्यामूळे मी तुमचेकडे वारंवार माझी उर्वरीत रक्कम मिळणेसाठी विनंती करीत होतो परंतु तुम्ही मात्र केवळ माझे सदरची रक्कम मला परत न देणेसाठी व ती झुयविणेसाठी व माझी फसवणुक करणेसाठी वजनजळी कारण काढून सदरची रक्कम मला अदयापर्यंत तुम्ही दिलेली नाही. तुम्हाला अशा बेकायदेशीर कृत्यामूळे माझी जाहक रक्कम रुपये 9,49,000/- आपले कडे अडकुन राहीली आहे. या एकंदर प्रकारामूळे माझे मानसिक व आर्थिक नुकसान झाले आहे.

तरी या नोटीसीने तुम्हांला स्पष्टपणे कळविणेत येते की, सदरची नोटीस मिळताच 8 दिवसांचे आत माझी वरील नमूद रक्कम मला त्वरीत आणुन दयावी. अन्यथा मला तुमचे विरोधात

23/11/2007 रोजी रक्कम रुपये 1,00,000/- तसेच दि.
 11/2/2008 रोजी रक्कम रुपये 1,00,000/- तसेच दि.
 27/5/2008 रोजी रक्कम रुपये 1,26,000/- असे एकुण
 रक्कम रुपये 7,81,000/- अक्षरी रक्कम रुपये सात लाख
 एकावीस हजार मात्र तुम्ही चेकद्वारे दिलीत. व त्याची जावतीही तुम्ही
 माझे कडून वेळोवेळी घेतलेली.

मी आपले बंगल्याचे बांधकाम करीत असताना मला आपले
 एकंदर बोलणेवरून आपण व्यवहाराला अतिशय चोख असाल असे
 वाटले. परंतु त्यानंतर मला कशेले ग्रामपंचायतीकडून तुम्हांला सदर
 बंगल्याचे बांधकाम करणेची परवानगी न दिलेचे समजले व
 अशाप्रकारे कोणतीही बांधकाम परवानगी न घेता बेकायदेशीररित्या
 तुम्ही सदर बंगल्याचे बांधकाम करीत असलेचे तसेच संबंधित
 ग्रामपंचायतीने तुम्हांला सदरबाबत नोटीशीने हरकतही घेतलेचे व
 त्या नोटीसीची बजावणीही तुमचेवर झाली आहे असे निदर्शनास
 आले.

सदर माहिती मिळताच मला तुम्ही अतिशय बेकायदेशीर कृत्य
 करीत आहात याची जाणीव झाली. तसेच तुम्ही सदरचा बंगला
 बांधणेसाठी मला जो नकाशा दिला होता त्या नकाशास कोणतेही
 अधिकृत अधिका-याची मंजूरी नसलेवेही मला समजले व कशेले
 ग्रामपंचांयातीची सदर बांधकामाबाबत कोणतीही पूर्वपरवानगी न
 घेता बेकायदेशीररित्या सदरचे बांधकाम करीत आहात हे
 निदर्शनास आले. मी लागलीच एक कर्तव्यदक्ष नागरीक म्हणून
 तुम्हांला अशाप्रकारचे तुमचे वर्तन बेकायदेशीर आहे असे
 सांगितले. त्यानंतर मात्र तुम्ही माझेशी मनात अडी धरून वागु
 लागलात व तुमचे वर्तवणुकीमध्येही फार मोठा बदल झाला.

आपणाकडे मंजूर नकाशाची मागणी केली असता तुम्ही मला नकाशाची जी प्रत दिली होती तीच नकाशाची प्रत अधिकृत अधिका-यांकडून मंजूर झालेली आहे म्हणून मंजूर नकाशाची प्रत तुम्हाला मला देणेची गरज नाही असे तुम्ही मला सांगितलेत.

त्यानंतर मी आपणाबरोबर आपले वरील नमूद मिळकतीमध्ये बंगल्याचे बांधकाम करून देणेचे ठरविले. तुम्ही दिलेल्या बंगल्याचे नकाशाप्रमाणे सदर बंगल्याचे एकुण बांधकामाचे क्षेत्र 1730 स्क्व. फिट बिल्टअप (ओपन टेरेस व बंगल्यासमोरील व्हरांडा सोडून) एवढे होते. सदर क्षेत्रामध्ये मला तुम्हाला तुम्ही दिलेल्या नकाशाप्रमाणे बांधकाम करून देणेसाठी एकंदरीत सर्व खर्च बांधकाम मटेरियल्ससाठी मी रक्कम रुपये 17,30,000/- अक्षरी रक्कम रुपये सतरा लाख तीस हजार मात्र सांगितला. सदर मी सांगितलेली बांधकामाचे खर्चाची रक्कम ही योग्य व वाजवी असलेमुळे तुम्ही ती त्वरीत मान्य व कबुल केलीत व त्यानंतर तुम्ही मला सर्वात प्रथम रक्कम रुपये 50,000/- चेकने दिले. सदरचा चेक एच.डी.एफ.सी. बँक, मुंबई बँकेचा आहे व अशाप्रकारे मी आपणाकडून सदर 50000/- ची रक्कम स्विकारून मी वरील नमूद मिळकतीवर बंगला बांधणेचे बांधकाम सुरु केले.

त्यानंतर माझे बंगल्याचे बांधकाम चालु असताना तुम्ही मला दि. 1 मे 2007 रोजी रक्कम रुपये 1,05,000/-, दि. 29 मे 2007 रोजी रक्कम रुपये 1,00,000/-, तसेच दि. 13/6/2007 रोजी रक्कम रुपये 1,50,000/-, दि. 1/8/2007 रोजी रक्कम रुपये 50000/- तसेच दि.

कर्जत पोलीस स्टेशन तसेच मा. पोलीस अधिक्षक रायगड यांचेकडे फौजदारी कार्यवाही करणे भाग पडेल. त्याचप्रमाणे दिवाणी कोर्टातही वरील रक्कम आपणाकडून वसूल करणेसाठी दिवाणी कार्यवाही सुरू करणे भाग पडेल मग त्याकामी मला येणा-या खर्चाची, परिणामांची व नुकसानीची हरएक प्रकारची सर्वस्व जबाबदारी तुमचेवरच पडेल. याची स्पष्ट नोंद घ्यावी.

श्री राजेश शंकरदयाळ कलवार

On
Sat
At P
Tel
Res
At P
Dist

सी. ९

निश
न. राय
यांनी
गणित
न येते
च्या
घादांत
तल ती
गानी ल
म क
झाफ
क

अंडर सर्टिफिकेट ऑफ पोस्टिंग

From

Shri Rajendra P. Mughkar
ADVOCATE

One Shri Bhagyodaya Co-op. Hsg. Soc.
Kandol Nagar, At Post Tal. Kurla.
Dist. Raigad, Pin - 410201

to

श्री. राजेंद्र प. मुगर्कर कलबा

श्री. राजेंद्र प. मुगर्कर कलबा, कर्जत

श्री. राजेंद्र प. मुगर्कर कलबा

दिनांक

४	९	०	२	०	१३
---	---	---	---	---	----

पत्र लिखित दिनांक २०/०२/२०१३

पत्र लिखित दिनांक २०/०२/२०१३

राजेश शंकरदयाळ कलवार

बी.ए. एलएल.बी. अॅडवोकेट

ऑफिस : "ओम श्री भाग्यदेव" को-ऑप.सोसा.

कोतवाड नगर, पु.पो.ता.कर्जत-४१०२०१

जि.रायगड. फोन : ९९०९३५/मो.९८२२७४०३५४

रिवाज : 'प्रसाद', स्वामी समर्थ मठाजवळ,

पु.पो. पालसदारी, ता. कर्जत-४१० २०१

जि.रायगड. मो.९९२१९४६२६६

**R. P. NIGUDKAR**

B.A., LL.B. ADVOCATE

Office : "Om Shri Bhagyodaya" Co-op. Soc.

Society, Kotwal Nagar,

At Po. Tal. Karjat-410201 Dist. Raigad.

Tel. No. 220234/Mob. 9822774075

Resi: "Prasad" Near Swami Samarth Math,

At Po. Palasdhari, Tal. Karjat-410201

Dist. Raigad Mob. 9921946266

नोटीसीस जबाब (रजि.ए.डी./यु.सी.पी.)

Date ५/२/२००९

प्रति,

श्री. राजेश शंकरदयाळ कलवार

रा. नाना मास्तर नगर, कर्जत

ता. कर्जत, जि. रायगड

... यांसी

आमचे अशिल सौ. अंजली अर्निश दमानिया, व श्री. अनिश दिनेश दमानिया, ग. दमानिया फार्म, धारप फाटा, कडाव कशळे रोड, कशळे ता. कर्जत, जि. रायगड यास तुम्ही पाठविलेली दिनांक ५/१/२००९ रोजीची नोटीस नुकतीच मिळाली असून त्यांनी सदरची नोटीस आमचे हातों सुपूर्द केली. सदरील नोटीसीस आमचे वर नमूद अशिल यांनी सांगितलेचून माहिती दिलेल्या व वाचविलेल्या करण्यापेक्षावून जबाबदारी तुम्हास आता कळविणेत येते की,

१) तुम्हास नोटीसीस येत नमूद अशिल यांचे व त्यांचे वारसांचे मालकीच्या भिळकताचे वर्णन मोठ्यास नोटीसीसमधील इतर सर्व पत्रे व नोटीसीसमधील वर्णनां वा वाचता खाता, खोडमाळण्याची असून आमचे अशिलांना ती मान्य व कबूल नाकेत. आमचे अशिल ती मागण्या नकारांत आहेत. याबाबत आमचे अशिलांचे असे म्हणणे आले की, आमचे अशिलांनी त्यांचे मालकीच्या जागेमध्ये १७३० चौ. फूट या मोजमापाचे जंगल्याचे मटोखलसह बांधकाम करण्यासाठी लेबर कॉन्ट्रॅक्ट वेसीसवर तुम्हास कॉन्ट्रॅक्ट दिलेले हात. त्याकामो मद्र बंगल्याचा डाफ्ट नकाशा आमचे अशिलांनी तुम्हास दिलेला होता. मात्र सदरचा नकाशा संबंधीत अधिकार्यांकडून मंजूर करून देण्याचे तमचे सक्षम अधिकारी यांचेकडून बांधकाम परवानगी तुम्ही आणून देण्याचे मान्य व कबूल केलेले होते व त्याकामी येणाऱ्या खर्चाची रक्कम म्हणून रु. ४६,०००/- तुम्ही आमचे अशिलांकडून घेतलेले होते. आमचे अशिलांनी तुम्हास सदरील परवानगीबाबत विचारणा केली असता तहसिलदार यांचेकडे परवानगी मिळण्यासाठी प्रोसेस चालू आहे असे तुम्ही व आर्किटेक्ट संदीप सोनावणे यांनी आमचे अशिलांना सांगितले होते. त्यामुळे तुमच्या व आर्किटेक्ट संदीप सोनावणे यांच्या बोलण्यावर

विश्वास ठेवून आमच्या अशिलांनी बंगल्याचे बांधकाम सुरु करण्यासाठी तुम्हास रक्कम रुपये ५०,०००/- दिले व तुमच्या सल्ल्यानुसारच बंगल्याचे बांधकाम सुरु केले. मात्र तुम्ही कबूल केलेप्रमाणे मा.तहसिलदार कर्जत यांचेकडून परवानगी मिळविलेली नव्हती व नाही. या उलट आमचे अशिलांनी बंगल्याचे बांधकाम सुरु करण्यापूर्वीच ग्रामपंचायतीची परवानगी मिळविलेली होती.

अशा प्रकारे तुम्ही आमचे अशिलांकडून रक्कम रु.५०,०००/- घेऊन बंगल्याचे बांधकाम सुरु केलेत. त्यानंतर बंगल्याचे जेवढे बांधकाम केले त्या हिशोबाने होणाऱ्या रकमा वेळ ब्यावेळी आमचे अशिलांनी तुम्हास चेकद्वारे व रोख दिलेल्या आहेत. अशा परिस्थितीत बंगल्याचे बांधकाम अर्धवट अवस्थेत असतांना बांधकाम पूर्ण करण्यास मजूर मिळत नाहीत अशा सवयी सांगून बांधकाम करण्यास असमर्थता दाखविली व बंगल्याचे बांधकाम अर्धवट स्थितीत ठेवले. तसेच तुम्ही बंगल्याचे जे बांधकाम केलेत ते अत्यंत निकृष्ट दर्जाचे होते. त्या बांधकामामुळे आमचे अशिलांना अतिरिक्त खर्च करावा लागलेला असल्यामुळे त्यांचे अधिक नुकसान झालेले आहे. परंतु तरीही आमचे अशिलांनी सोडपणाने व सामंजस्याने तुम्हास जेवढे बांधकाम केले होते त्याचा हिशोब करून आमच्या अशिलांनी तुम्हास झालेल्या बांधकामाच्या हिशोबाचा संपूर्ण रक्कम दिलेला असून स्ट्रक्चर रक्कम रु.१,२६,०००/- याचेकडे रु.२३,१२,०००/- पेक्षा उच्च तुम्हास देऊन घेतले. याबाबतच्या संपूर्ण हिशोब आमच्या अशिलांनी तुमचे अधिकारमधील चार यादीत दाखवलेला आहे. अशा आमचे अशिलांकडे तुमची कोणत्याही प्रकारची रक्कम देण बाकी राहिलेली नाही. या उलट तुम्ही आमचे अशिलांचे बंगल्याचे बांधकाम अर्धवट स्थितीत ठेवल्यामुळे राहिलेले बांधकाम आमचे अशिलांनी स्वतःचे खर्चाने पूर्ण केलेले आहे. या उलट तुम्ही आमचे अशिलांना सक्षम अधिकारी यांचेकडून बांधकाम परवानगी मिळवून देता असे अभिवचन दिलेले होते. परंतु तुम्ही आमचे अशिलांस दिलेले वचन पाळले नाही व त्यांचा विश्वासघात केलात. आमचे अशिलांनी स्वखर्चाने पूर्वीच ग्रामपंचायतीची परवानगी घेतली होती. असे असतांना तुम्ही आमचे अशिलांवर बेकायदेशीर बांधकाम केल्याचा आरोप करीत आहात. त्यामुळे आमचे अशिलांची समाजात अप्रतिष्ठा झालेली असून त्यांची नाहक बदनामी झालेली आहे. त्याबाबत तुम्ही आमचे अशिलांवर केलेल्या आरोपांची स्ट्रक्चरी शाबिती करावी.

Shri Rajendra P. Nigudkar
ADVOCATE
Om Shri Bhagyodhya Co-op. Hsg. Soc.,
Kotwal Nagar, A1 Post Tal. Karjat,
Dist. Raigad, Pin - 410201.

ग्रुप ग्रामपंचायत कशेळे

ता. कर्जत, जि. रायगड.

जायक क्र. 2000/1/2000

दिनांक : १७/५/२०००

नोटीस



नाव : डॉ. अमरजी रमणजी कमाणेकर

विषय:- अनादिनाम जोडणाऱ्या चाण्डू नेले बाबती.

महोदय, डॉ. अमरजी रमणजी कमाणेकर यांचा पत्नी

महोदय यांनी आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपले मुलगी अनादिनाम जोडली आहे. आपली मुलगी

अनादिनाम जोडली आहे. आपली मुलगी अनादिनाम

जोडली आहे. आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

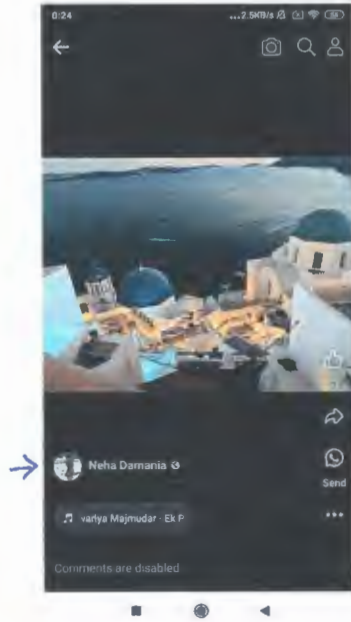
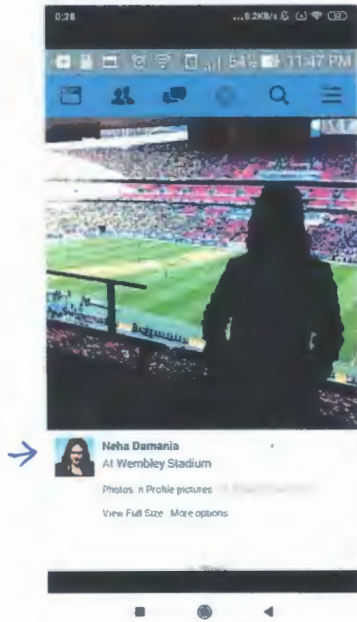
आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

आपली मुलगी अनादिनाम जोडली आहे.

ग्रामपंचायत कशेळे
ता. कर्जत, जि. रायगड.

ग्रामपंचायत कशेळे
ता. कर्जत, जि. रायगड.



श्रीम. अंजली दमाणीमा



श्री. अजय माथनकर



श्रीम. जेहा दमाणीमा

106



IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT BOMBAY
Alomata v. State
ORDINARY ORIGINAL CIVIL JURISDICTION
PUBLIC INTEREST LITIGATION NO. OF 2012

In the matter of protecting the lands, river
and forests in Kondhane, Tal. Karjat,
District Raigad against unsustainable and
unregulated development, under Article 21
of the Constitution;

AND

In the matter of unregulated and illegal tendering of Kondhane Irrigation dam project, in complete disregard to legal procedure and environment regulations;

AND

In the matter of absence of environment clearance for development on forest land; absence of approval under section 11(f) of the Maharashtra Water Resources Regulatory Authority Act for Kondhane Irrigation dam project;

AND

In the matter of patent malafides and illegality in the process of tendering for



irrigation projects without statutory approval
in Kondhane Irrigation dam project;

AND

In the matter of corruption in awarding of
irrigation dam tender for Kondhane
Irrigation dam project

AND

In the matter of the misrepresentations made
before the Dist. Collector in the land
acquisition proposal dated 15.10.2011

AND

In the matter of allowing commencement of
work of construction of Kondhane Minor
Irrigation Project in blatant violations of the
provisions of Sub Section (ii) of Section 2 of
the Forest (Conservation) Act, 1980

AND

In the matter of illegal cutting /felling of
trees at Kondhane & Chochi villages in
blatant violations of the provisions of
Section 3 of the Maharashtra Felling of
Trees (Regulation) Act, 1954

AND

(109)

7



In the matter of construction of the
Kondhane Dam in blatant violation to the
Ancient Monuments and Archaeological
Act, 1959

AND

In the matter of construction of illegal roads
made across river Ulhas, a Notified River by
ENVIS, Department of Environment, Govt.
of Maharashtra, near Kondhane village,
Taluka Karjat, District Raigad.

AND

In the matter of illegal use of agricultural
land for non-agricultural purpose and
carrying out mining / digging / excavation of
soil / murumb / rocks / sand too without
payment of royalties in violation of the
Maharashtra Land Revenue Code, 1966

1. Mayank Ramesh Gandhi, aged 53 years,

PAN No. AAAPGA771G

Residing at 5/6, Ramkrishna Apartments,

St. Francis Cross Road, Off. SV Road,

Vile Parle-West, Mumbai - 400 056



जनलोकपाल आंदोलन में शहीद श्री. दिनेश यादव जी को नमन।

द्वारा, श्री. नीतिन चव्हाण [09820451505]

पता - ए. एम्. जैन इस्टेट, चाल-5/कम-49,
ऊपरी माला, विलेज रोड, भांडूप (प.),
मुंबई - 400078

तथा, श्री. मालकम [09869741568]

श्री. चेतन त्रिवेदी,

श्री. अमित पुनवण

श्री. भूषण मलगावकर

तथा, सारे सहयोगी

शहीद श्री. दिनेश यादव जी के सारे त्यागी कुटुंब को हमारा
नमस्कार।

माफ करना, हम बड़ी देरी से ठीक साल बाद आपको पत्र
लिख रहे हैं। क्योंकि उस वक्त आपका पता हमारे पास ^{नहीं} था।

हमें सुत्रानुसार जब ये पता चला कि दिनेश जी के कुर्बानी के बाद
उनके बच्चों की हालत बहुत खराब चल रही है और आपको कोई
खास सहयोग भी किसी से नहीं मिल रहा है तो हम जैसे
आंदोलनकारियों का सब शरम से झुक गया।

यार्किन मानिये जब इस राष्ट्रीय आंदोलन में दिनेश जी ने
अपनी आहुती दी तब हमने अण्णाजी या अरविंद केजरीवाल
को अक्टूबर 2011 को भेजे हुअे पत्र की शुकवात दिनेश जी को

(आगे) →

(111)

नमन लिखकर ही किया है।

आप हमारे द्वारा लिखा हुआ और साथ में जोडा हुआ पर्चा पढ सकते है। हम उसके मुताबिक लढ रहे है।

लेकिन सुभों नुसार आप लोगों की नाजुक हालत का पता चला तो हमने ये बात को प्राथमिकता देना तय किया है कि श्री दिनेश यादवजी जैसे आंदोलन के शहीद के त्यागी बच्चों को उनके हक की जिदंगी मिले और हम शुक्रमंद आंदोलनकारी उस मदद को खडा करेंगे।

हम चाहते है आप लोगों को दो-चार लाख रुपयों की सम्मान राशी मिले जिससे दिनेशजी के बच्चों की अच्छी शिक्षा का प्रबंध हो जाये। यही हमारी उन्हें श्रद्धांजली रहेगी।

सो आप या आपके कुटुंब के कोई सम्प्रदाय शुभाचिंतक इस पत्र को मिलते ही हमें तुरंत पत्र के शुक्रवात में दिये मोबाइल नंबर पर फोन करे और आपकी पहचान हमें बताये।

आप कृपया दिनेशजी का फोटो साथ में पकडकर आपके पुरे कुटुंब के साथ तथा आपके घर के बाहर खडा होकर एक तस्वीर खिचे और वो तस्वीर हमें पत्र के शुक्रवात में दिये पते पर भेज दे।

तथा, आपका या आपके गजालकी किसी भी व्यक्ती का मोबाइल नंबर भी हमें भेज दे। हम इंतजार कर रहे है...

धन्यवाद.

आपके शुक्रमंद,

Nitina

श्री. नितिन चव्हाण

09820451505

email-nitin03chavan@gmail.com

BLAD BHANDUP WEST (400078)

A RIN629190951IN

Counter No:1, CP-Code:SGK

To:DINESH YADAV, BOKAHA

SHERFUDDINPUR, PIN:843118

From:NITIN CHAVAN, BHANDUP 78

Wt:18grams,

PS:25.00, , 30/06/2014, 10:14

<<Track on www.indianpost.ocv.in>>

Delivered on- 7/7/14

सदस्य (न्यायिक), महाराष्ट्र महसूल न्यायाधिकरण, मुंबई यांचे न्यायालयात
पुनर्निरीक्षण अर्ज क्र.आरईव्ही /टीएनसी/आरएजी/२७६/२०१३

अपली अनिश दमानिया

अर्जदार

र.जी/२४ विजयश्रीदुर्ग, ६ वा रस्ता,

मोन्ट्रुज पूर्व, मुंबई ५५

तिरुध

१.तहसिलदार कर्जत

सामनेवाले

२. प्रधान सचिव, महसूल व वनविभाग, मंत्रालय, मुंबई

डॉ.निर्मला श्रीधर गणपधी

त्रयस्थ सामिल पक्षकार

अपिलकारातर्फे वकील श्रीमती ऐबका डी.गोवेकर

सामनेवालेतर्फे स्वतः तर्फे नायब तहसिलदार कर्जत

त्रयस्थ सामिल पक्षकारातर्फे वकील श्री.एस.एम.काडी

कोरम :-गदिप भा.सावंत

सदस्य (न्यायिक)

दिनांक:- २८/०९/२०१२

१. तालुका कार्यालय जि.रायगड येथील गांव कोराणे, जोशी, मुंगरे, खरवेडी, मुळगांव व
वाशरे येथील जांभनी हया अनिश दमानिया वगैरे मंडळींनी वेगवेगळ्या वेळी खरेदी
करून घेतल्या. त्या जांभनीमंदळीत तहसिलदार कर्जत यांनी दि.६/८/२०१२ रोजी
स्वातंत्र्य (Suo moto) चौकशी करून झालेला खरेदीविक्रीचा व्यवहार हा विधीग्राह्य
नसल्यामुळे तो रद्दबादल ठरवून मुंबई कूळकायदा व शेतजमिन अधिनियम १९४८ च्या
कलम ८४ च्या अन्वये सदर जमिनी हया शासनाकडे वर्ग करून घेण्यात आल्या.
त्यादिवस प्रत्येक जमिन मालकांनी अपर जिल्हाधिकारी रायगड-अलिबाण, यांच्यासमोर
अपिल दाखल केले व त्यातील मजकुरानुसार तहसिलदार यांनी केलेली चौकशी तथा
यांनी दिलेला अंतिम निर्णय हा रद्दबादल ठरवावा तथा सदरची चौकशी व त्या
नुषंगाने घेतलेले अंतिम निर्णय हे विधीग्राह्य नाहीत व नैसर्गिक न्यायतत्वांचा भंग
झालेले असे आहेत तथा योग्य तशी व देत केलेले असल्याने मूळ जमिन मालकांना
हया कामी आपली काजू मांडण्यासाठी योग्य ती संधी उपलब्ध झालेलीच नाही या व
इतर अनेक मसुद्यांचा विचार करून अपिल मंजूर करावे व तहसिलदार यांनी दिलेला



२. अपिलाच्या कामी अपर जिल्हाधिकारी रायगड यांनी सर्व परिस्थितीचा बारकाईने अभ्यास करून व दोन्ही बाजूंचे म्हणणे ऐकून अंतिम निर्णय देतांना ती अपिले फेटाळून लावली तथा तहसिलदार कर्जत यांनी दि.६/८/२०१२ रोजी दिलेला निर्णय कायम करण्यात आला.

अर्जदाराच्या म्हणण्यानुसार त्यांनी दाखल केलेली जनहित याचिका काढून घेण्याचा व
अर्ज पध्दतीने नोटीस बजावण्याचा डाव आहे. त्यामुळे अर्जदारांनी तहसिलदारांना
लेखी उत्तर पाठवून मुदत देण्याची विनंती केली ती फेटाळून कूळकायद्याच्या कलम
क अन्वये कारवाई सुरु ठेवली. त्यातून दिलेल्या हुकूमाविरुद्ध अर्जदाराने अप्पर



जिल्हाधिकारी रायगड यांच्यापुढे अपिल दाखल केले. त्यांनीही खालील न्यायाधिकारणांचे निर्णय कायम राखून अपिल फेटाळले.

५. अर्जदाराच्या म्हणण्यानुसार खालील दोन्ही न्यायाधिकारणांनी दिलेले न्यायनिर्णय हे कायद्याच्या तत्वांचे पालन न करता घेतलेले असून स्वतःहून स्वतःहून घेतलेले निर्णय व त्यानुसार कूळकायद्याच्या कलम ८४ क अन्वये सुरु केलेल्या कारवाईला मुदतीच्या कायद्याची बाधा येत असतांना मुदतबाहय कारवाई करुन निर्णय घेतल्याने असा निर्णय कायदेशिररित्या आक्षेपित होतो.
६. अर्जदाराच्या म्हणण्यानुसार त्यांना त्यांची बाजू मांडण्याबाबतची संधी मिळालेली नाही. अनेकाविध मुद्यांचा एकत्रात विचार करुन दिलेला निर्णय हा चुकीचा असून अर्जदाराला केवळ ७ दिवसांत म्हणणे दाखल करायला सांगून तहसिलदार यांनी अकारण घाई करुन निर्णय दिलेला आहे. जमिनीचे मूळ मालक कोण आहेत त्यांना हया कामी नोटीसा काढून त्या संबंधितांना संधी देवून निकाल देणे आवश्यक असतांना योग्य न्यायप्रक्रीया न राबविता निर्णय दिलेला असल्यामुळे त्यात उपविभागीय अधिकारी यांनी सुध्दा योग्य विचार न करता निर्णय दिल्याने दोन्ही निर्णय जरी समवर्ती असले तरी त्यात हस्तक्षेपास पूर्ण वाव असून नैसर्गिक न्यायतत्वांचा भंग झाल्यामुळे झालेले निर्णय रद्दबादल ठरवावेत अशी विनंती केली.
७. अर्जदाराने ते शेतकरी असल्यासंदर्भात योग्य ते प्रमाणपत्र दाखल केलेले होते. जमिन खरेदी केल्यानंतर जमिनीत शेती करण्यास सुरुवात झालेली होती. या सर्व बाबी दुर्लक्षित होऊन चुकीची कारणमिमांसा करुन अर्जदारावर अन्याय झाल्याची भावना मनात ठेवून अर्जदाराने हा पुर्ननिरिक्षणाचा अर्ज दाखल केलेला आहे.
८. हया कामी उपजिल्हाधिकारी तथा तहसिलदार कर्जत यांना नोटीसा पाठविल्या होत्या. त्यानंतर त्यांना पुन्हा महाराष्ट्र महसूल अधिनियम कलम ३२० चा आधार घेऊन त्यांना हयाकामी त्यांची बाजू मांडण्यास स्वतः अगर सक्षम अधिका-यास अगर वकीलांस देवून अशी सूचना दिली होती व त्या सूचनावजा नोटीसीची बजावणी तहसिलदार कर्जत यांच्यावर होऊन त्यांच्यातर्फे नायब तहसिलदार हजर झाले. त्यांना वारंवार मुदती देवून सुध्दा त्यांनी आपले म्हणणे दाखल केले नाही. तथा सरकारी वकील बा



खाजगी वकीलांची नेमणूक केली नाही. अपर जिल्हाधिकारी रायगड यांच्यामार्फत कोणीही हजर राहिले नाही. त्यासंबंधी प्रधान सचिव, महसूल व वनविभाग यांच्यामार्फत खालील दोन्ही न्यायाधिकारणाच्या अधिका-यांना योग्यवेळी योग्य सूचना लिखित स्वरूपात दिल्या होत्या. अंतिमतः युक्तिवादाच्या वेळी नायब तहसिलदार कर्जत यांनी तहसिलदार कर्जत यांच्यामार्फत असे सादर केले की, हया कामात तहसिलदार कर्जत यांनी जो काही निर्णय दिलेला आहे ते निष्कर्ष म्हणजेच त्यांच्या म्हणणे असे समजून व तोच युक्तिवाद आहे असे मानून निर्णय द्यावा. त्यांच्या हया सादरीकरणाची नोंद घेऊन पुर्ननिरिक्षणाचा अर्ज वाचून पाहतांना खालील मुददे माइ गसमोर अग्रेषित होतात.

मुददे

१. अपर जिल्हाधिकारी रायगड तथा तहसिलदार कर्जत यांनी दिलेले समवर्ती निष्कर्षात कायदेविषयक त्रुटी आढळून येत आहे काय?
२. संबंधित न्यायाधिकारणांनी दिलेले समवर्ती निष्कर्ष हे योग्य न्यायप्रक्रीया राबवून दिले गेले आहेत का?
३. खालील दोन्ही न्यायाधिकारणांच्या निष्कर्षात हस्तक्षेप करता येण्याजोगती परिस्थिती दिसून आली आहे का? असल्यास कितपत हस्तक्षेप आवश्यक आहे?
४. अंतिम निर्णय काय?

वरील मुद्द्यांना मी खालीलप्रमाणे उत्तरे दिली असून त्यांची कारणमिमांसा त्याखाली केली आहे.

उत्तरे

१. होय.

नाही.

होय. आदेश रद्दबादल ठरविण्याइतपत

४. अर्ज मंजूर.



कारणमिमांसा

१. या संपूर्ण प्रकरणाचे संक्षिप्तीकरण करीत असतांना दोन महत्वाच्या मुद्यांकडे लक्ष देणे आवश्यक आहे. ज्यावेळी कायदेशिर मसुद्याचा विचार करतांना त्यात असलेल्या कायदेमंडळाच्या उद्देशांकडे दुर्लक्ष करून निर्णय घेणे हे योग्य ठरणार नाही. या प्रकरणात मी वरील परिच्छेदात काढलेल्या मुद्यांचा विचार करतांना व प्रत्यक्ष समोर असलेली वस्तुस्थिती पाहत असतांना या पांचही मुद्यांचा एकत्रात विचार केल्यास ते अधिक योग्य ठरेल असे वाटल्यामुळे ह्या कामी सर्व मुद्यांचा एकत्रित विचार खालीलप्रमाणे करीत आहे.

१०. अर्जदाराचे कुटुंबिय ह्या कामी वेगवेगळ्या ठिकाणी वेगवेगळ्या वेळी जमिनी विकत घेतल्या आहेत. जमिनी खरेदी करीत असतांना नैसर्गिकरित्या खरेदीदार हा शेतकरी असणे आवश्यक असल्याने तथा तो शेतकरी असल्याचा पुरावा असल्याशिवाय तो व्यवहार कायदेशिर ठरू शकत नाही. कूळकायद्याच्या कलम ८४ क उपकलम १ व उपकलम २ मध्ये अशी तरतूद आहे की,

1) Where in respect of the transfer or acquisition of any land made on or after the commencement of the Amending Act, 1955, the Mamlatdar suo motu or on the application of any person interested in such land has reason to believe that such transfer or acquisition is or becomes invalid under any of the provisions of this Act, the Mamlatdar shall issue a notice and hold an inquiry as provided for in section 84 B and decide whether the transfer or acquisition is or is not invalid.



In after holding such inquiry, the Mamlatdar comes to a conclusion, that the transfer or acquisition of land is invalid, he shall make an order declaring the transfer or acquisition to be invalid.

११. वरील तरतूदींचा विचार करतांना उपकलम २ मध्ये inquiry हा शब्द वापरला आहे. म्हणजेच ह्याकामी चौकशी ही अभिप्रेत आहे. कायदेमंडळाने उपकलम १ व

उपकलम २ मध्ये चौकशी हा शब्द इंग्रजीत लिहितांना inquiry असा शब्दप्रयोग केलेला असल्यामुळे law lexicon मध्ये या शब्दाचा अर्थ चौकशी ही भारतीय पुराव्याचा कायदा कलम १५१ चा विचार केला असून त्या कलमानुसार साक्षीदाराला प्रश्नोत्तरे करण्याचे विधान सुचित होते. तथा enquiry या शब्दाचा विचार करतांना भारतीय पुराव्याचा कायदा कलम ४७ अन्वये न्यायालयाने आपल्या मुददा व्यक्त करणेबाबतचा विचार पूढे येऊन विचारपूस करून केलेली चौकशी एवढ्यापुरताच तो अर्थ मर्यादित होतो. म्हणजेच ज्याअर्थी कायदेमंडळाने कलम ८८ क चे उपकलम १ व २ तयार करतांना inquiry हा शब्दप्रयोग वापरला आहे. याचाच अर्थ असा की साक्षीदार बोलवून किंवा संबंधित इसम बोलवून त्यांना प्रश्नोत्तरे करून चौकशी करणे अभिप्रेत आहे. त्यामुळे ज्यावेळी तहसिलदार यांनी स्वतःहून चौकशी सुरु केली त्यावेळी तहसिलदार यांच्याकडून अशात-हेची चौकशी की जी कायदेमंडळाला अभिप्रेत आहे ती झालेली नाही हे लक्षात घ्यावे लागेल.

१२. हया कामी एकंदरितच कागदपत्रे पाहता सामनेवाले म्हणजे ज्यांनी जमिन खरेदी केली त्यांना नोटीस देवून त्यांच्याकडून नोटीसीचे उत्तर घेऊन ते जमिन खरेदीदार यांचे म्हणणे आहे असे धरून निर्णय झाल्याचे दिसते. यात पुरावे घेतल्याचे किंवा साक्षीदारांचे जाबजबाब घेतल्याचे दिसत नाही हीच बाब खटकणारी आहे.

१३. यासंदर्भात कलम ८४ ब चा विचार करतांना उपकलम १ मध्ये मामलतदारावर बंधन घातले आहे ते खालीलप्रमाणे

The Mamlatdar shall issue the notice in the prescribed form to the transferor, the transferee or the person acquiring such land, as the case may be, to show cause as to why the transfer or acquisition should not be declared to be invalid and shall hold an inquiry and decide whether the transfer or acquisition is or is not invalid.



वरील कायदेविषयक तत्वांचा विचार करतांना हे लक्षात येईल की, कूळकायद्याच्या कलम ८४ क अन्वये झालेला व्यवहार हा चुकीचा आहे हे ठरवता येईल तर कलम ८४ ब नुसार तत्पूर्वीची आवश्यक ती परिमाणे जी मामलतदाराने करावयाची आहेत ती दिलेली आहेत. याचाच अर्थ असा की, जोपर्यंत कूळकायद्याच्या कलम ८४ ब नुसार

योग्य ती पूर्तता होत नाही तोपर्यंत कुळकायद्याच्या कलम ८४ क अन्वये केलेली कारवाई ही अकारण व चुकीची केल्यासारखीच होते. या मागील पार्श्वभूमी अर्जदाराने विषद करतांना त्यांनी जनहित याचिका दाखल केली म्हणून त्यांच्याविरुद्ध सदर कारवाई केली अर्थात अर्जदाराने कशाकरिता जनहित याचिका दाखल केली, जनहिताचा कोणता मुद्दा त्या याचिकेत होता व त्या याचिकेवर काय निर्णय झाला या बाबतीत हया न्यायाधिकरणाचा संबंध येत नाही. तहसिलदार यांनी आकसाने ही कारवाई केली हया म्हणण्याच्या पृष्ठयर्थ जनहित याचिकेचे कोठलेही कागदपत्र समोर आलेले नाही. तथा तहसिलदार यांना त्यामुळे काय त्रास झाला व कोणता मानसिक धक्का बसला व त्यामुळे तहसिलदार यांनी आकसाने अशात-हेची कारवाई करण्यास ते प्रवृत्त झाले याचाही येथे विचार होऊ शकत नाही. त्यामुळे अर्जदारास तहसिलदार यांच्या आकसबुद्धी संदर्भातील केलेले निवेदन नाकारीत असून ते काढून टाकण्यात आलेले आहे.

१५. कायदेशिर मुद्यांचा विचार करतांना ही बाब प्रथमदर्शनी स्पष्टपणे समोर येते की, मूळ जमिन मालक यांच्याकडून अर्जदाराने जमिन विकत घेतली व त्यांना कोठल्याही प्रकारची नोटीस दिली गेलेली नाही. तथापि, त्यांना नोटीस का दिली गेली नाही व कुळकायद्याच्या कलम ८४ ब प्रमाणे तहसिल कार्यालय का वागले नाही हे अनाकलनीय आहे. तिसरी बाब अशी की, मूळ जमिन मालकांनी जमिन विकतांना खरेदीदार हे शेतकरी असल्याबाबतची खात्री करून घेतली असावी. तथापि, अर्जदार यांच्याकडे जरी महाराष्ट्रातील शेतकरी असल्याबाबतचे प्रमाणपत्र नसले तरी दुस-या राज्याकडून मिळालेले शेतकरी असल्याबाबतचे प्रमाणपत्र उपलब्ध होते. माझ्यासमोर असेही सादर केले गेले की, ते प्रमाणपत्र राजस्थान येथील महसूल विभागाकडे पाठवून त्याची खातरतमा करून घेण्यात आलेली होती व आहे.



१६. अशा परिस्थितीत तहसिल कार्यालयाने ज्यावेळी खरेदीखताने फेरफार मंजूर करून खरेदीदार यांची नावे जमिनीस मालक सदरी लावली त्यावेळी प्राथमिक चौकशी केली असावी असे गृहितक धरण्यास पूर्ण वाव आहे. भारतीय पुराव्याच्या कायदानुसार सुध्दा कार्यालयात दैनंदिन स्वरूपात होणा-या सर्व कारवाया हया कार्यालयीन शिरतीप्रमाणे

तथा कार्यालयीन कामात पडलेल्या पायंड्याप्रमाणेच होत आहेत असे गृहितक मानावे अशी तरतुद असतांना फेरफाराची नोंद करीत असतांना संबंधित मंडळ अधिका-यांनी त्या पध्दतीने चौकशी केली आहे असे मानण्यास वाव आहे.

१७. त्यानुसार विचार करतांना मूळातील खरेदीखत हे १२ वर्षांपूर्वी घेऊन त्यानंतर वेळोवेळी खरेदी घेऊन २०१२ सालापर्यंत होत गेले व त्यानंतर ही कारवाई झाल्याचे माझ्या समोरील कागदपत्रावरून दिसते. म्हणजेच सुरुवातीस फेरफार नोंदवून घेतांना त्याबाबतची माहिती तहसिलदार कार्यालयाकडे पाठविण्याबाबतची कार्यवाही मंडळ अधिका-यांकडून तहसिलदार कार्यालयाकडे झाली नाही असे मान्य करण्यास वाव होता. तथापि, माझ्यासमोर उपलब्ध असलेली नायब तहसिलदार यांना सूची क्र.२ नुसार माहिती आल्यावर तशी नोंद तहसिलदार कार्यालयाला होते व सदरचा खरेदीचा व्यवहार झाला हे समजणे सुकर होते असे सादर केले. त्यामुळे ज्या ज्या वेळी वेगवेगळ्या ठिकाणचे खरेदीखत झाले त्या त्या प्रत्येक व्यवहाराची सूची क्र.२ ची माहिती तहसिलदार कार्यालयाकडे गेली असतांना सुध्दा त्यातील व्यवहाराच्या संबंधिची संदिग्धता तहसिलदार कार्यालयाला का उमगली नाही हे समजू शकले नाही. तथापि, त्या व तशा स्वरूपाच्या कोठल्याही व्यवहाराची कधीच नोंद न घेता अचानक २०१२ सालात व्यवहारासंदर्भात तहसिलदार यांनी नोंद घेऊन तसा व्यवहार हा रद्दबादल ठरविलेला आहे.

१८. हया कामामध्ये तहसिलदार कार्यालयाकडून असे सूचित करण्यात आले की, अर्जदार हे शेतकरी नाहीत तथा शेतकरी असल्याबाबतचे त्यांनी पुरावे दाखल केलेले नाहीत. वास्तविक पाहता खरेदीखताच्या वेळीच ही बाब नजरेस घेणे व आणणे आवश्यक असतांना त्यासंबंधी मागाहून किंवा उशिराने सुगावा लागल्यासारखे हे प्रकरण पूढे घेऊन कारवाई करणे हे कायद्याला अभिप्रेत नाही. सर्वोच्च न्यायालयाने हया कामात काही विशिष्ट तत्व मांडून विलंबाच्या कामी योग्य त्या मुद्यांचा परामर्श घेऊन त्यानुसार निर्णय घेतला जावा अशा संदर्भात भाष्य केलेले आहे. हया कामी सर्वोच्च न्यायालयाने ही बाब लक्षात घेतली की जरी तहसिलदार यांनी स्वतःहून करावयाची कारवाई ही किती वेळेत करावी किंवा याबाबतीत कोठेही अधोरेखित



केलेले नसल्यामुळे जी कारवाई केली ती कारवाई वाजवी कालावधीत करणे आवश्यक ठरते. पण वाजवी कालावधी म्हणजे किती कालावधी याचा विचार कोठेही अधोरेखित केलेला नाही. सर्वोच्च न्यायालयाने मो.कावि वि.फातमाबाई १९९७ सुप्रीम कोर्ट केसेस पान क्र.७१ हया कामी निर्णय देतांना असे मत अग्रेषित केले की, ज्यावेळी वाजवी कालावधीमध्ये स्वतःहून करावयाची चौकशी ही पूर्ण केली गेली नाही तर अशा बाबतीत महसूल अधिका-याने केलेली कारवाई बाजूस सारता येते. सर्वोच्च न्यायालयाने असेही म्हटले आहे की,

Section 84 C of the Act does not prescribe any time for initiation of the proceeding But in view of the settled position by several judgment of this Court that wherever a power is vested in a statutory authority without prescribing any time-limit, such power should be exercised within a reasonable time.

१९. वरील न्यायतत्त्वानुसार वाजवी मुदतीचा प्रश्न ऐरणीवर असतांना म्हणजेच त्यांच्यापूढील प्रकरणामध्ये ९ महिन्यांचा कालावधी हा सुध्दा वाजवी मुदतीच्या बाबतचा आहे असे धरून महसूल अधिका-यांनी केलेली कारवाई मुदतीच्या कायदानुसार बाधित ठरेल.

२०. वरीलप्रमाणे न्यायनिर्णय करतांना सर्वोच्च न्यायालयाने आपल्या पूर्वीच्याच स्टेट ऑफ गुजरात वि. पाटील रघुविर तसेच रामचंद्र वि.युनियन ऑफ इंडिया या प्रकरणात दिलेल्या निर्णयास सहमती दर्शवित त्यातील न्यायतत्त्व पुन्हा उधृत करतांना असे सांगितले की,

Where no time-limit is prescribed for exercise of a power under a statute it does not mean that it can be exercised at any time, such power has to be exercised within a reasonable time. Where satisfied that in the facts and circumstances of the present case, suo motu power under Sec.84 C of the Act was not exercised by the Mamlatdar within a reasonable time. Accordingly, the appeal is allowed.

२१. वरील कायदेशिर मुद्यांचा विचार करतांना एक बाब नजरेआड करून चालणार नाही की तहसिलदार यांनी जरी अर्जदारांना दिलेल्या नोटीसीच्या उत्तराला प्रत्युत्तर करतांना असे म्हटले की, त्यांनी २०१२ सालात झालेल्या खरेदीखताबाबत चौकशी

करुन ४ महिन्यांचे आंत ते खरेदीखत किंवा व्यवहार रददबादल ठरविले असल्याने विलंब झालेला नाही. तरी सुध्दा व्यवहाराच्या खरेदीखताचा विचार करतांना अर्जदाराने अगोदरच्या काळात केलेली व्यवहाराची खरेदीखते सुध्दा रददबादल ठरविली व ही कारवाई कलम ८४ क मधील कायदेविषयक विश्लेषणाशी एकरूप होऊ शकत नाही. वास्तविक पाहता, विलंबाच्या मुद्याबाबत कलम ८४ क जरी स्पष्टपणे काही तत्व मांडत नसले तरी उपनिर्दिष्ट सर्वोच्च न्यायालयाच्या तत्वानुसार महसूल अधिका-याने खरेदीखतापुरताच विचार केला असेल व त्यानुसार ४ महिन्यांच्या आंतच कारवाई करीत असल्याबाबतचा विचार मांडला असेल तर त्याच कारवाईनुसार आधीची खरेदीखते अगर खरेदीचा व्यवहार बाधित करण्यास काहीही कारण नसतांना किंबहुना ते व्यवहार सर्वोच्च न्यायालयाच्या वरील न्यायनिर्णयाच्या कामी दिलेल्या न्यायतत्वांच्या बाहेर झाला असल्यामुळे त्या व्यवहारांना बाधित करण्यास तहसिलदार यांना कारण नव्हते. म्हणजेच केवळ तहसिलदार यांना जमिन खरेदीदारांचा अधिकार २०१२ सालानंतर पुन्हा खरेदीखत करुन घेण्यासाठी मज्जाव करावयाचा होता की काय हे समजून येत नाही. तथापि, २०१२ सालात झालेले खरेदीखत जे अर्जदाराने केलेले अंतिम असे मानून त्या व्यवहाराबाबत विलंबाची मर्यादा लक्षात घेणे ही चूक ठरू शकते.

२२. सबब, सर्वकष विचार करतांना अपर जिल्हाधिकारी यांनी सुध्दा यासंदर्भात काहीही भाष्य न करता तहसिलदार यांचे निष्कर्ष कायम करणे ही बाब योग्य ठरत नाही. तहसिलदार यांना अपिलेय अधिका-यांनी या प्रकरणी अधिक चौकशी करणेबाबतचे आदेश देवून तथापि मूळ जमिन मालकांना नोटीसा देवून त्यांचे म्हणणे घेण्याबाबतच्या सूचना खालील न्यायाधिकरणास देणे आवश्यक होते. एकंदरित पाहता, खालील न्यायाधिकरणांनी राबविलेली न्यायप्रक्रीया कायद्याला अभिप्रेत अशी नसल्यामुळे त्यातून निर्माण झालेला न्यायनिर्णय हा योग्य ठरू शकत नाही व प्रचलित न्यायपद्धतीनुसार तो बाधित ठरतो.

२३. खालील न्यायाधिकरणाचा दुसरा मुद्दा असा की, ज्यावेळी अर्जदार हे शेतकरी आहेत किंवा नाहीत याबाबतचा होता याबाबत मूळात केलेली कारवाई ही सर्वोच्च



न्यायालयाच्या मो.कादिर हया खटल्याच्या कामी चुकीची अथवा बाधित आहे असे निष्कर्ष हया न्यायाधिकरणाने काढले नव्हते, तर पुन्हा अर्जदार हा शेतकरी आहे किंवा नाही यासंदर्भात लक्ष घालण्यास हया न्यायाधिकरणास कारण नाही. तथापि, त्यासंबंधी अर्जदाराने दिलेला पुरावा खालील न्यायाधिकरणाने वाचून त्यावर भाष्य केलेले असल्यामुळे त्यांच्या निष्कर्षावर माझे स्वतःचे निष्कर्ष लादणे योग्य होणार नाही. त्यामुळे महसूल अधिका-यांच्या निर्णयासंदर्भात काहीही संदिग्धता न ठेवता तो निर्णय जरी तसा ठेवला तरी देखिल सर्वोच्च न्यायालयाच्या मो.कावि या प्रकरणी दिलेल्या न्यायनिर्णयानुसार ज्यावेळी महसूल अधिका-यांनी केलेली कारवाई ही निष्फळ ठरू शकते त्यावेळी इतर मुद्यांचा परामर्ष न घेता सुध्दा संपूर्ण कारवाई रद्दबादल ठरविणे अधिक श्रेयस्कर ठरते.

२४. वरीलप्रमाणे वैशिष्ट्यपूर्ण परिस्थिती दृष्ट्योत्पत्तीस आल्यावर अशीही बाब पूढे आली की, या कामात वादातील जमिनीपैकी काही भागाचे हस्तांतरण झालेले आहे. अर्थात हस्तांतरीत झालेल्या जमिनीच्या मालकाने या न्यायाधिकरणासमोर येवून स्वतःला या प्रकरणी समाविष्ट करून घेतलेले आहे. वास्तविक पाहता, वाद विषय झालेला असतांना जमिनीचे झालेले हस्तांतरण हे वैध की अवैध हा विषय हया ठिकाणी चर्चेला घेण्याचे काही कारण राहत नाही. तथापि, ही बाब लक्षात घेणे आवश्यक आहे की, हया कामी मूळ जमिनमालक हा उदयास आलेला असल्यामुळे अशा जमिन मालकांना पुर्वाश्रमीच्या जमिन मालकांच्या करतुर्दीचा फटका महसूल अधिका-याने बसविणे हे योग्य होणार नाही. श्रीमती दमानिया यांनी केलेली जनहित याचिका तथा वादातील भागाहून विकत दिलेली जमिन यांचा संबंध किंवा बादरायन संबंध लावणे हे अर्थाअर्थी योग्य होणारे नाही. अशा परिस्थितीत ज्यावेळी खरेदीदार हा आधीच्या व्यवहाराची माहिती नसतांना त्याने प्रामाणिकपणे जमिन खरेदी घेतली व त्यासाठी योग्य ती किंमत जमलेली आहे. हे तत्व घेऊन पूढे येतो (Bonafide purchaser for value without notice) त्यामुळे सदरचा त्रयस्थ इसम नैसर्गिकतः आपण वरील तत्वानुसार घेतलेली जमिन ही सांभाळण्याचा किंवा त्या जमिनीवर कोठलीही टांच येऊ न देण्याचा प्रयत्न निश्चित करेल. सन्मा.वकील श्री.काझी यांनी यासंदर्भात हेच सुत्र

मांडून आमची अकारण फरफट होत आहे ती थांबवावी व ही संपूर्ण प्रक्रीया रद्दबादल करावी असे जोरकसपणे सादर करुन गेले. एकंदरित अशात-हेचा विचार करता माझ्यासमोर मांडलेले कायदांविषयक तत्व वाचून पाहता त्रयस्थ इसमाला समाविष्ट केले म्हणजेच त्याचा या वादातील जमिनीशी काही संपर्क आहे हे मान्य करता येण्याजोगते आहे. अशा परिस्थितीत या त्रयस्थ इसमाच्या हक्काबाबत विचार करणे क्रमप्राप्त ठरते.

२५. ज्याअर्थी मूळ जमिनमालकांकडून जमिन खरेदी घेतलेली त्रयस्थ इसमाला जमिन निवैध असल्याची ग्वाही दिली गेली असेल त्यावेळी पूर्वाश्रमीच्या मालकांना सुध्दा विकल्या गेलेल्या जमिनीसंबंधात कोणत्या परिस्थितीत जमिन विकली तथा त्या जमिनीसंदर्भात आपले म्हणणे मांडण्याची आवश्यकता ठरू शकते. त्या आवश्यकतेनुसार माझ्यासमोर मुददा अग्रेषित करतांना अर्जदाराने पुनश्च त्याचा शेतकरी असल्याबाबत तथा तहसिलदार यांनी अतिविलंबाने घेतलेल्या हरकतीसंदर्भात पुनर्विचार करुन त्यांचा निर्णय रद्दबादल व्हावा असेच म्हणणे मांडले. तोच मुददा सन्मा. वृकमिल श्री. काझी यांनी आपला मुददा मांडत असतांना हया न्यायाधिकरणास सुध्दा अगदी स्पष्टपणे मांडावेसे वाटते की, मूळ जमिन मालकांनी नोंदणीकृत दस्ताने जमिन विकल्यावर जमिन खरेदी करणारा हा जमिन मालकांच्या जागी आला. त्यामुळे अशा जमिनीसंदर्भात अतिविलंबाने घेतलेली कार्यवाही ही सुध्दा शंकास्पद तथा अनेक प्रश्न निर्माण करणाला ठरू शकतो.

२६. या प्रकरणात सुध्दा वरील सर्व परिस्थितीचे अवलोकन करुन सुध्दा तथा वस्तुस्थिती ज्ञात असतांना तहसिलदार यांनी हया कामी अतिविलंबाने निर्णय घेतलेला दिसतो.

वरील सर्व बाबींचा सर्वकष विचार करुन मी खालील आदेश करीत आहे.

आदेश

अर्जदाराचा पुर्ननिरिक्षण अर्ज मंजूर करण्यात आला आहे.

२. अपर जिल्हाधिकारी रायगड यांनी अपिल क्र.४६/२०१२ मध्ये दि.२५/३/२०१३ रोजी दिलेला निर्णय रद्दबादल ठरविण्यात आला असून तहसिलदार कर्जत यांनी

त्यांच्यापूढील केस क्र.मशा/कात-२/हक्कनोंद/९३९/२०१२ दि.६/८/२०१२ रोजी दिलेले एकत्रित आदेश रद्दबादल ठरविण्यात येत आहे. त्यानुसार महसूल दफ्तरात योग्य त्या दुरुस्त्या करण्याबाबतची कार्यवाही व्हावी.

३. हया हुकुमाची बजावणी दोन्ही पक्षकारांवर तसेच खालील दोन्ही न्यायाधिकाऱ्यांना देण्यात यावी.
४. खालील न्यायाधिकाऱ्याकडून मागविलेली या प्रकरणाशी संबंधित सर्व कागदपत्रे त्या त्या न्यायाधिकाऱ्याकडे परत पाठविण्यात यावीत.
५. खर्चाबाबत आदेश नाही.

स्थळ :- मुंबई
दि.२८/०९/२०१५

(प्रदिप भा.सावंत)

सदस्य (न्यायिक)

महाराष्ट्र महसूल न्यायाधिकरण, मुंबई

Application Applied on..... Words.....
Copy Ready on.....
Copy Delivered on.....
Copied by.....
Compared.....
Amount =

Dy. Registrar
Maharashtra Revenue Tribunal, Mumbai

Application Applied on 21/12/15 Approximate Words 13 page
Copy Ready on 21/12/15 Copying Fee 520/-
Copy Delivered on 21/12/15 Comparing Fee
Copied by Chahar
Compared by Sachan Total Amount = 520/-



Dy. Registrar
Maharashtra Revenue Tribunal, Mumbai



श्री. फाणवीसनी, प्रीती मेहन, श्री. प्रसाद माह - ①



②- श्री. प्रवीरराव चव्हाण (माजी मुकामदारी)



Like Comment Share

Vishwambhar Choudhari and 55 others like this.



Nitin B Chavan

ही न्गो म्हणजे "साधु चे वेधातले चोर", ब्लेकमेलर, छुपे दलाल यांचे उदात्तीकरण करणारी न्गो आहे !

अंजलि दमानीया हीने शेतकरी नसताना कर्जत मध्ये कसे गरीब शेतकऱ्यांना खोटे बोलून त्यांच्या जमीनी कोडिमोल भावाने घेवून त्या NA करून करोडोत विकल्या.. स्वतः ची डेम मध्ये गेलेली 30 एकड व सील झालेली 60 एकड जमीन सोडवने आधी काय काय टोंग केले ते माहीन नाहीं काय ?



Write a comment

③

श्री. विश्वंभर चौधरी, श्री. फाणवीसनी (मुकामदारी), श्री. रंजना देवरा



S. No.	Name and Address	Signature
1	Shri. Vishwambhar Choudhari Address : Flat no 4, Akhilax Apt. B No 36/7/2, Plot No 118, Bhamburda Colony, Matunga East, Mumbai-400018 Age : 58 years Pin Number : 400018	<i>[Signature]</i>
2	Smt. Anuradha K. Choudhari Address : B 1702, Near Soti Tower, Sector 12 Vashi, Near Mumbai-400703 Age : 72 years Pin Number : 400703	<i>[Signature]</i>
3	Jyoti Jagtap Choudhari A 503, Near Green Apartments, Tuna Park Road, Mumbai-400064 Age : 64 years Pin Number : 400064	<i>[Signature]</i>
4	Mrs. Anil J. Choudhari Address : 302, Vijayvihar Durga Chd., 6th Road, Bamburda East, Mumbai - 400 001 Age : 68 years Pin Number : 400001	<i>[Signature]</i>
5	Yashwantrao Choudhari Address : Plot 89, Near Bhamburda Colony	<i>[Signature]</i>

Images may be subject to copyright. Learn more

Share

Save

④



H.T. - 20/10/12 - Pg-1

Kejriwal orders inquiry against 3 IAC colleagues

TWIST 3 retired judges to probe allegations against Damania, Bhushan and Gandhi

HT Correspondent
■ letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Under pressure to come clean on allegations of improper land deals against some of his prominent colleagues, activist-turned-politician Arvind Kejriwal announced the setting up of a panel of three retired high court judges on Friday.

He said former Delhi high court chief justice AP Shah, former Bombay high court judge BH Marlapalle and former Delhi high court judge Jaspal Singh would probe the allegations against social activists Prashant Bhushan, Anjali Damania and Mayank Gandhi.

Bhushan welcomed the announcement, saying he was ready to face any probe since he had nothing to hide. The IAC decision came after the Congress party alleged that the BJP government of Himachal Pradesh had allowed Bhushan to buy a tea estate at Palampur in violation of rules.

On Friday, Damania faced allegations that she purchased agricultural land in Maharashtra and sold it four years later after getting its land use changed. Gandhi has been accused of having close links with some Mumbai-based builders.

Kejriwal, who heads India

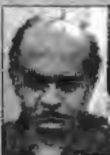
IAC TO LOOK INWARDS

After a string of allegations against its members, India Against Corruption has set up a three-member panel of retired judges to look into the matter

THE ALLEGATIONS



ANJALI DAMANIA
Bought agricultural land at throwaway prices; sold it for commercial use



PRASHANT BHUSHAN
Irregularities in land purchase in Palampur, Himachal Pradesh



MAYANK GANDHI
Misled Mumbaiites to gain development rights; has links with builders

INTERNAL LOKPAL

AP SHAH, former Delhi high court chief justice

BH MARLAPALLE, retired Bombay high court judge

JASPAL SINGH, retired Delhi high court judge

The cases will be sent to them on Monday. The panel will be requested to "expeditiously" inquire into the charges and submit report as early as possible, or within three months

'HAD NAMED PAWAR'

Refuting former IPS officer YP Singh's allegations that he concealed info about Sharad Pawar, Arvind Kejriwal said he had raised corruption charges against the NCP chief earlier.

Against Corruption, said, "We have from time to time requested the government to launch an independent enquiry into the matter and give us double the punishment than prescribed if found guilty. Unfortunately, the government has been more interested in mud-slinging."

He said if any member is found guilty of any illegal or immoral

activity, he will have to resign from the proposed party.

Asked whether a probe by a panel set up by the IAC itself would be seen as credible by the public, Kejriwal replied: "These judges enjoy a reputation of high integrity and will have complete independence to inquire into any charges made against key members of the IAC."

We are ready for any probe, say IAC activists

HT Correspondent
■ htmetro@hindustantimes.com

MUMBAI: IAC activists from Mumbai, Anjali Damania and Mayank Gandhi, on Friday said the allegations against them are baseless and that they are ready to face any enquiry.

Damania has allegedly not provided adequate records to prove herself as a farmer and is said to have misled farmers and sold off their land; Gandhi has been accused of misleading Mumbaiites to gain development rights; and Prashant Bhushan is charged with irregularities while buying land in Himachal Pradesh.

"The allegations are baseless. The government can constitute a probe or our internal Lokpal will do so," said Gandhi. Damania said: "I am a farmer and have documents to prove it."

» RELATED REPORTS, P6



INDIA AGAINST CORRUPTION

c/o: PCR Office: A-119, Kaushambi, Ghaziabad - 201010, UP. Tel: +9197 1746 0029

Email: indiaagainstcorruption.2010@gmail.com Tel: +9199 7190 0424

Website: www.indiaagainstcorruption.org

A.M.C.

Municipal S-Ward Office

Fri. 09th Mar. 2012.

LBS Marg, near Mangatram Petrol Pump,
Bhandup West.

Sub: letter, copy enclosed, from Hamid Sarvaiya, dt. 24th Feb. 2012 to your office.

Attn: A.M.C.

We understand that Mr. Hamid is presenting himself as an authorized representative of IAC-Mumbai and has filed a letter alleging irregular construction at: Ratna Deep Colony, opp. Mahadev Temple, Shastri Nagar, Bhandup.

Please be informed that this is a fraudulent letter and that Mr. Hamid is not connected with our IAC movement, nor does he reside or operate, at our below mentioned address. He has misused the letterhead of our Nagrik Samiti for Ward-105.

We have NOT investigated nor are we making any representation in the alleged construction at above mentioned address. This is not our method of work please note.

Since it appears that some mis-guided persons are allegedly mis-representing our movement, we request you to phone or check back with our this office for any future clarification.

Yours Truly,

Praful Vora, Volunteer & Contact, IAC - Mumbai.

Cell: +9190 0401 7654.

Email: IndiaAgainstCorruptionMumbai@gmail.com

Link: www.iacmumbai.org



INDIA AGAINST CORRUPTION

c/o: PCRf Office: A-119, Kaushambi, Ghaziabad - 201010, UP. Tel: +9197 1746 0029
 Email: indiaagainstcorruption.2010@gmail.com Tel: +9199 7190 0424
 Website: www.indiaagainstcorruption.org

IAC Nagrik Samiti - Ward 105.
 A.M. Jain Est.; 5 / 49 Village Road
 Bandup West. Mumbai 400 078.

19th March 2012.

Sub: IAC Nagrik Samiti for Ward-105.

We are happy to note that the following Volunteers are working for the objectives and mission of IAC-Mumbai in your Nagrik Samiti.

Shri Nitin Chavan	9820451505
Shri Raja Joseph	9029688878
Shri Stalin Dayanand	9820232302
Shri Jay Prakash	8291347303
Shri Dinesh Nandi	9664880476
Shri Santosh Rai	9920434930
Smt. Dipa Naik	9867879337
Dr. Mukherji	8898104532
Shri Manjalkar	9869432206
Shri Harvinder Singh	9819630754
Shri Mohan Singh	9892311816
Shri Hamid Sarvaiya	9769174165

IAC-Mumbai encourages you all to carry on good citizen centric activities which continue to make the nation, state and city proud. Please keep our citizen center informed of your activities from time to time. Also, encourage other citizens from your area to join our movement.

Yours Truly,

Praful Vora, Volunteer & Contact, IAC - Mumbai.
 Cell: +9190 3401 7654. Email: IndiaAgainstCorruptionMumbai@gmail.com
 Link: www.iacmumbai.org

Date :-26.04.2012

To,
I.A.C.,
Nagrik Samiti,
Andheri Chakala Road,
Andheri (E), Mumbai.

Sub : Apology letter .

Respected Sir,

We Mr. Sanket Joshi , Mr. Rajesh Amin, Mr. Carl D'souza are labour contractors and we construct houses i.e. repairing and 1 + 1 in low lying areas and slums. We do this work with settlement to the system from last many years in Ratnadeep Colony and shastri Nagar, there was some litigation created in the name of I.A.C (Nagrik Samiti) for such construction.

For your kind information We do our construction with the concerned party on mutual consent. And the concerned party pays for our work after satisfaction and hence there is no force or threatening used from us to gain any work.

We would like to apologize if we have caused any misunderstanding with your I.A.C. (Nagrik Samiti). Similarly we would like to resolve this misunderstanding through our sincere Apology with I.A.C.(Nagrik Samiti) .

Thanking you,


Yours faithfully,

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Dr. Shailesh Bhatia.
Bhatia Hospital
Village - Ra
Bhandup 400078
C. No :- 9820814634.

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

Shailesh Bhatia

(Dr. Shailesh Bhatia)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Mrs Lalitha J. Jain
Ratnadeep Colony - 10
Shastri Nagar
Bhandup (W) - 78
 C-9892272052

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(ललिता ज. जैन)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

L-10 Patnadep
Colony Sashri
Nagar Bhandup
Mumbai 400078

Jayesh L. Harig
 9324353339

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्पदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर नबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(Harig)

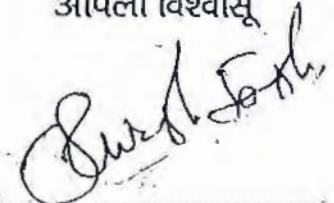
TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Suresh Jashi
B/27 Ratnoday
Colony Sastri Nagar
Dhondup Nubli, 40078
9324776379

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(.....)


TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Sumanta Mohitige
A-3 Ratnoday
colony Sastri Nagar
Bhandup

9146407315

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(.....मोहिते.....)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Mr. J. P. Pote
At Pothodree Colony
Sashinagar
Bhandra

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्पदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(J. P. Pote)

136

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Pierl. chusizo
A-32 Rotindup
Colony Sastri nagar
Bhokadup 400078
9867018007

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(Chusizo)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Madhuri Suraynangh
F-5 Ratnadipt Colony
Sastri Nagar
Bhandup

Ashwin 9870844010

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षांपासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(.....)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Nitin Bhas
F-6 Dalmadup Colony
Surti Road
Bhandup

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(...Kavita...)

नाम - 9224458753

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Arvind Mahur
R1 - Latwadi
Colony, Sasthi
Wager, Bhamburda

9821177224

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(.....)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Muz. P.
Retn. P.
Colon. S. S. S.
Bh. S.

987654321 विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षांपासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(.....)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERNPawan KaurA/35. Ratnarp Colony9820692479

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कन्स्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(पवन.....)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Priete Kail Dand
14/ Jagannath Nivas
Shastri Nagar
Bhandup W
9827114084

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्नदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षापासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर जबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(Priete K. Dand)

TO WHOMEVER IT MAY CONCERN

Kantilal Velji Khatri
R.No 7 - Prangal Cottage
Shastri Nagar
Blendup WJ-#8
9820105430

विषय :- समाधान पत्र

बाबा कनस्ट्रक्शन १) संकेत जोशी २) राजेश आमीन ३) काल डिसोजा हे गेल्या काही वर्षा पासून रत्पदिप कॉलनी आणि शास्त्री नगर या विभागात गेल्या काही वर्षांपासून बांधकाम आणि घरदुरुस्तीची कामे करत आहेत. त्याचे काम अत्यंत चांगले असल्यामुळे आम्ही त्यांना आमचे घर दुरुस्ती करायचे काम दिले आहे. यात आमच्यावर याची काही जोर नबरदस्ती व दादागिरी केलेली नाही.

आपला विश्वासू

(संतोषाबाबाबाबाबाबा)

मार्च मासक कामकाज ऑगस्ट महिन्यात समाप्त झालेला आहे व सध्या मध्यम प्रमाणे तो योजने नकारात्मक असून वय अर्जाचे ३५ वर्ष यावेळा खालील प्रमाणे पुढे येणे आहेत.

अ. क्र.	गु. र. क्र. व कलम	
१.	भांडुप पो.ठाणे गु.र.क्र. ४०९/९३	कलम ३८४, ३८७, ३४ भादवि
२.	गु.र.क्र. ४०९/९३	कलम ३८४, ३८७, ३४ भादवि
३.	गु.र.क्र. १९५/९५	कलम ३२४, ३४
४.	गु.र.क्र. २७८/९७	कलम ३८७, ५०६(२), ३४ ३२४, ३४ भा.द.वि.
५.	गु.र.क्र. २७८/९७	कलम ३८७, ५०६(२), ३४, भादवि
६.	गु.र.क्र. २७०/९७	कलम ३२४, ३४ भादवि
७.	स्थागुनो. ३९२८/९७	कलम ३७ अ, मुपोका
८.	गु.र.क्र. २२१/००	कलम ५०६, ३२४, ३४
९.	गु.र.क्र. १०४/०१	कलम ३२४, ३४१, ५०६, ३४ भादवि
१०.	गु.र.क्र. ११०/०१	कलम ३८५, ३४, ५०६(२) भादवि
११.	गु.र.क्र. २९३/०६ नौपाडा पो.ठाणे, ठाणे	कलम ३४२, ४५२, ३९५, ३९७, ३४ भादवि
१२.	स्थागुनो. ३६५/०७	कलम ३७ अ, १३५, मुपोका
१३.	स्थागुनो. १९४८/०८	कलम ३७(१), (ड), (इ), १३५, मुपोका

केलेल्या कारवाईचा तपशिल खालील प्रमाणे

- १) स्थानबंध आदेश क्र. १५/डीपी/परि-६/९८ दि. २३/१/९८ अन्वये आदेशाची अमलबजावणी दि. ३/१०/०० रोजी
अॅडव्हायझरी बोर्डाने सदरचे आदेश रद्द केले.
- २) स्था.आ.क्र. २२२/डीपी/पीसीबी/परि७६/०१ दि. २४/०७/२००१ अन्वये स्थानबंध केले दि. १०/०९/२००१ रोजी
अॅडव्हायझरी बोर्डाने सदरचे आदेश कायम केले. दि. ७/११/२००१ रोजी आदेश रद्द केले.
- ३) ह.आ. क्र. ८३/सी/४३/२००५ दि. २७/०४/२००५ अन्वये मा. पो उप-आयुक्त परि-७, मुंबई नमुद हद्दपार
इसमावर २ वर्षाकरीता मुंबई, ठाणे, नवीमुंबई, रायगड, जिल्हयाबहेर हद्दपारीचे एकतर्फी आदेश दिले.
वर नमुद गुन्ह्यातील छऱ्यांकित प्रती मा. न्यायालयातुन प्राप्त कलन वेणोस दिवन्ती आहे.

परंतु संकेत सुरेश जोशी वय सध्या २८ वर्षे याचेवर गुन्हे नोंद नसल्याने त्यांचा नि रं क अहवाल.

मुंबई

हत्याच्या कारखान्यावर दरोडा घालण्यासाठी आलेल्या टोळीला अटक

मुंबई, १२ मार्च/प्रतिनिधी

बोरिवली येथील एका हत्याच्या कारखान्यावर दरोडा घालण्यासाठी आलेल्या चारजणांच्या सशस्त्र टोळीला पोलिसांनी सापळा रचून अटक केली. या टोळीकडून एक पिस्तूल, चार काढतुसे, दोन चोंपर या हत्यारांच्या साठ्यासह एक मारुती इस्टीम गाडी पोलिसांनी हस्तगत केली. या टोळीचे दोघे साथीदार मात्र पळून गेल्याचे पोलिसांनी सांगितले. या टोळीच्या अटकेमुळे काही मोठ्या गुन्द्यांची उकल होण्याची शक्यता पोलिसांनी वर्तविली आहे. 'एमएचव्ही' पोलीस ठाण्याच्या हद्दीतील या कारखान्यावर दरोडा घालण्यासाठी ही टोळी येणार असल्याची माहिती पोलिसांना मिळताच तेथे सापळा रचण्यात आला. ही टोळी एमएचओ ४ बीके ७४५२ या क्रमांकाच्या मारुती इस्टीम गाडीतून तेथे येताच पोलिसांनी ही गाडी अडविली व आत बसलेल्या बनी सिद्धू (२५), सलीम शेख (२६), राजेश अमीन (२७) व सुरेश शेटी (३०) यांना अटक केली.

ऑन - जी. अण्णा हजारे आन्दोलन
इंडिया अगेजस्ट कर्प्शन
नागरी समिती
चक्रवा - मंघरी (पूर्व) ऑफिस
मुंबई - 400033

विषय - लवकरेती होने वाले ग्रास दायक बांधकाम के खिलाफ
तक्रार

माननिय

आपके संगठन के सदस्य हमारे अखेयों लिखते हैं
दादागिरी, लवकरेती बांधकाम, भांडा वसुली, घर बीकने पर
धैसा वसुली, के खिलाफ जो आंदोलन शुरू किया है।
हमें सब हमारे अखेयों जो का समर्थन करते हैं।

नाम	सही	मोबाइल-नं -
XXXXXXXXXX	XXXXXXXXXX	XXXXXXXXXX
② Mohan Singh B.	MS	9892311816
③ RAHMAN	RA	9967923169
④ Sanjay S.	JS	9123395720
⑤ RIYAZ.D. Shaikh	RIYAZ	9867162152
⑥ Nandan Singh Nigri	NI	9142521555
⑦ Koushik M	Koushik	8268830358
⑧ BAORUDDIN. KAZI	BAORUDDIN	9029320590
⑨ कपू खलाम	Kapoor	9821964437
⑩ Mohammed Choudhary	M. Choudhary	9892484788
⑪ Anant Singh	Anant Singh	9870012263

BABA CONSTRUCTIONS
Baba Real Estate & Consultancy
We also undertake all types of interior works

Make Your Merry-Christmas & Happy New Year



Raju Bhai Sanket Bhai Carl Bhai

↑ Accused ⑤

↑ Accused ④

↑ Accused ③

हेल्लो मुंबई

चर्चगेट ते डहाणू थेट ल

सकारात्मक निर्णयाचे रेल्वेमंत्र्यांचे आश्वासन, पहिल्या वर्गाच्या भाडेवा

मुंबई | दि. २७ (विशेष प्रतिनिधी)

चर्चगेट ते डहाणू अशी लोकल सेवा सुरू करण्यासंबंधी लवकरच सकारात्मक निर्णय घेण्यात येईल. तसेच, उपनगरी रेल्वेच्या पहिल्या वर्गाच्या भाड्यात केलेली दरवाढ रद्द करण्याचाही विचार करण्यात येईल, असे आश्वासन रेल्वेमंत्री मुकुल राय

यांनी माजी रेल्वे राज्यमंत्री राम नाईक यांच्या नेतृत्वात घेतलेल्या शिटमंडळात दिले.

या शिटमंडळाने गुरुवारी रॉय यांची दिल्लीत भेट घेतली. डीसीच्या ऐवजी एसी विद्युत प्रवाहाचे काम पूर्ण झाले असल्याने आता लोकल गाड्या ताशी ८० च्या ऐवजी १०० किलोमीटर वेगाने धावू शकतील, यामुळे तसेच



अद्यावत सगल व्यवस्थेमुळे उपनगरी गाड्या धावू शकतात, या नाईक यांनी रॉय यांचे लक्ष वेधले. १०० किलोमीटर गतीच्या आ नवे वेळापत्रक तयार करण्यात आणि ते करताना प्रवासी संघट विश्वासात घ्यावे, अशी मागणी केली.

ही सूचना व्यवहार्य असल

माहत्वाचे

तरुणीची आत्महत्या

मुंबई - मालवणीतील गायकवाड नगरात राहत असलेल्या अनिषा प्रवीण डिसोजा (२१) या महाविद्यालयीन तरुणीने आज घराच्या गॅलरीतून उडी मारून आत्महत्या केली. परीक्षेत नापास झाल्याने आलेल्या नैराश्यातून तिने कृत्य केले. आजच परीक्षेचा निकाल जाहीर झाला होता. तिच्या मृत्यूबद्दल पालकांची कसलीही तक्रार नसल्याचे मालवणी पोलीस ठाण्याचे वरिष्ठ निरीक्षक रॉफ शेख यांनी सांगितले.

वारवर छापा

मुंबई - रेस्टॉरंटच्या नावाखाली डान्सबार व वेश्या व्यवसाय सुरू असलेल्या अंधेरीतील जिप्सी बॉर अँड होटेलवर समाजसेवा शाखेच्या पोलीसांनी छापा टाकला. या ठिकाणी १३ कॉलगर्ल्स मिळून आल्या. तर बारचालक, मॅनेजरसह एकूण आठ जणांना अटक करून रोख दीड लाख रुपयांसह कागदपत्रे जप्त केले. वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवेवरील नटसो स्टुडिओच्या मागे जिप्सी बार सुरू होता. त्याच्या चालक साईनाथ शेटी (वय ४८), मॅनेजर प्रकाश मारळा (४२), कॅशियर दौलत भोसले (५०), वॉचमन रणजित रॉय (३५), स्टिफ शेटी (३९), देनीफर माळीएकल (४०), बबलू राय (४२) व जगन्नाथ पंडित (४८) अशी अटक केलेल्या नावे आहेत. बारमध्ये १६ लेडीज वेटर होत्या. गिऱ्हाईकांना पटवून वेश्या व्यवसाय चालविला जात होता.

भ्रष्टाचारविरोधकांवर खंडणीचा गुन्हा

कारवाई झोपडीदादांच्या इशान्यावरून

भांडुप | दि. २७ (वार्ताहर)

अनधिकृत बांधकामांच्या जोरावर भांडुपमधील गुंडांनी दहशत निर्माण केली असतानाच आता अनधिकृत बांधकामांविरुद्ध तक्रार करणाऱ्या इंडिया अगेन्स्ट करप्शन या संघटनेच्या कार्यकर्त्यांनाच खंडणीच्या गुन्ह्यात अटक करण्यात आली आहे. कार्यकर्त्यांवरील ही कारवाई झोपडीदादांच्या इशान्यावरून करण्यात आल्याची तक्रार इंडिया अगेन्स्ट करप्शनचे कार्यकर्ते नितीन चव्हाण यांनी परिमंडळ ७चे उपायुक्त संजय शिंदे यांच्याकडे केली आहे.

भांडुप गावात सुरू असलेल्या अनधिकृत बांधकामाच्या विरोधात आवाज उठविणाऱ्या राजा जोसेफ या इंडिया अगेन्स्ट करप्शनच्या कार्यकर्त्याला गुरुवारी संध्याकाळी ७च्या सुमारास येथील झोपडीदादांनी जबर मारहाण करीत पोलीस ठाण्यात नेले. या घटनेची माहिती मिळताच इंडिया अगेन्स्ट करप्शनचे कार्यकर्ते नितीन चव्हाण, हमीद सर्वेय हे भांडुप पोलीस ठाण्यात पोहोचले.

गुंडांना पोलिसांकडून कोणत्याही प्रकारचा आश्रय दिला जाणार नाही. सदर गुन्ह्याची सविस्तर माहिती घेऊन संबंधित दोषींवर योग्य ती कारवाई करण्यात येईल.

- संजय शिंदे,
पोलीस उपायुक्त.

खंडणीच्या गुन्ह्यात जोसेफविरुद्ध कारवाई करण्यात येत असल्याचे साहून चव्हाण यांनी जोसेफला वैद्यकीय चाचणी करून घेण्याचा सल्ला दिला. ते साहून पोलिसांनी जोसेफला पोलीस ठाण्याबाहेर हाकलून त्याऐवजी नितीन चव्हाण आणि हमीद सर्वेय यांनाच खंडणीच्या गुन्ह्यात अटक केली. मात्र, खंडणीच्या गुन्ह्यात जोसेफला अटकविण्यात येत असल्याचे लक्षात येताच चव्हाण यांनी या घटनेची सूचना त्याच वेळी पोलीस उपायुक्त संजय शिंदे यांना एसएमएसद्वारे दिली होती. अखेर, रात्री उशिरा भांडुप पोलिसांनी खंडणीच्या गुन्ह्यात दोघांना अटक केली. न्यायालयाने या दोघांची जामिनावर सुटका केली आहे.

गुनि



माहूर-मुलुंड दरम्यान झालेल्या रेल्वे अपघातात रेल्वे कर्मचाऱ्यांना जबाबदार ठरविले जाऊ नये या मागणीसाठी एनआरएमयू आणि सीआरएमएस या रेल्वे गुनियनच्या नेतृत्वाखाली मुंबई विभाग प्रबंधक कार्यालयावर मोर्चा काढण्यात आला होता.



INDIA AGAINST CORRUPTION

c/o: PCRf Office: A-119, Kaushambi, Ghaziabad - 201010, UP. Tel: +9197 1746 0029

Email: indiaagainstcorruption.2010@gmail.com

Tel: +9199 7190 0424

Website: www.indiaagainstcorruption.org

To, 24 May 2012
A.M.C.
Municipal S-Ward Office
LBS Marg, near Mangatram Petrol Pump,
Bhandup West.

Ref: 1. Our Letter to you dated 9 March 2012
2. Our Letter to IAC Nagrik Samiti Ward 105

Sub: Information about our Volunteer Hamid Sarwaiya

Attn: A.M.C.

Dear Sir, "Vande Matram"

This is to inform you that Mr. Hamid Sarwaiya is a local volunteer in Bhandup. We at central office were not aware that he is working at Bhandup.

Vide this letter we request you to consider him as our volunteer and the said letter dated 9th March 2012 is to be ignored for this time.

Some misguided persons are allegedly misrepresenting our movement, therefore we request you to phone or check back with our office for any future clarification.

Thanking you.

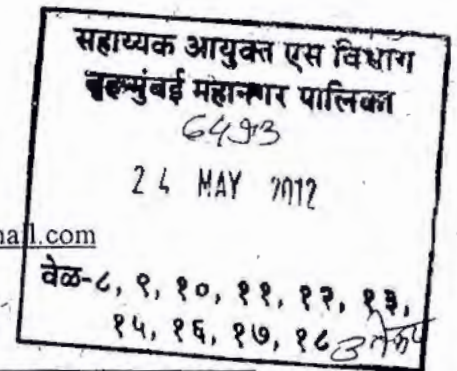
Yours Truly,

Volunteer & Contact, IAC - Mumbai.

Cell: +918108080003.

Email: IndiaAgainstCorruptionMumbai@gmail.com

Link: www.iacmumbai.org



JAGRUT NAGRIK MANCH. c/o 2nd Fl., Vishwananak - Bldg. B block, Guru Nanak Wadi;

Hargovindji Marg; opp. Shoda Showroom, Chakala Naka, Andheri East, Mumbai 400 099.

Web Link: <http://groups.yahoo.com/group/jagrutnagrik>

<http://iacmumbai.org>

Email: jnm.movement@gmail.com

IndiaAgainstCorruptionMumbai@gmail.com

Tel: 022 2831 1560

N:CHARSET=UTF-8:找一雜找髮酷 騎找鷄找一酷找,,,,
FN:CHARSET=UTF-8:
TEL:+919820503379
END:VCARD
BEGIN:VENV
BEGIN:VBODY
Date:24.09.2012 23:22:29
TEXT:Pl let us meet. Can we meet Tom? Pl come home
END:VBODY
END:VENV
END:VMSG

श्री. अंजलि झांगी

VERSION:1.1
X-IRMC-STATUS:READ
X-IRMC-BOX:INBOX
BEGIN:VCARD
VERSION:2.1
N:CHARSET=UTF-8:—找髮酷 騎找鷄找一酷找,,,,
FN:CHARSET=UTF-8:
TEL:+918108080003
END:VCARD
BEGIN:VENV
BEGIN:VBODY
Date:20.06.2012 22:07:33
TEXT:Vande Mataram Nitinji, Desh ko Desh-Drohiyo se bachane ke liye ladne ka samay hai.
Apse aur hamare bhandup ke logo se milne ke liye kab aa sakte hai ye bataiye. Phir 25 ki tayyari
karte hai. Aap par mujhey pura Vishwas hai. Bahut kaam karna baaki hai. JAI HIND
END:VBODY
END:VENV
END:VMSG

श्री. अंजलि झांगी

BEGIN:VMSG
VERSION:1.1
X-IRMC-STATUS:READ
X-IRMC-BOX:INBOX
BEGIN:VCARD
VERSION:2.1
N:CHARSET=UTF-8:騎找鷄找一酷找髮酷 騎找鷄找一酷找,,,,
FN:CHARSET=UTF-8:
TEL:+919920788909
END:VCARD
BEGIN:VENV
BEGIN:VBODY
Date:12.11.2012 10:34:23
TEXT:Nitin, mujhe sms bhejna bandhi karo Tumhe support karke maine galti ki hai, mujhe maaf
kardo
END:VBODY
END:VENV
END:VMSG

श्री. अंजलि झांगी

BEGIN:VMSG
VERSION:1.1
X-IRMC-STATUS:READ
X-IRMC-BOX:INBOX
BEGIN:VCARD
VERSION:2.1
N:CHARSET=UTF-8:—找髮酷 騎找鷄找一酷找,,,,
FN:CHARSET=UTF-8:
TEL:+918108080003
END:VCARD
BEGIN:VENV
BEGIN:VBODY
Date:12.10.2012 19:47:13
TEXT:Today protest against delhi police action cum new vint's registration campaign near Nelyog
complex, Ghatkopar railway station east, from 6.15 to 8.30pm. Pl join
END:VBODY
END:VENV
END:VMSG

श्री. अंजलि झांगी

X-IRMC-BOX:INBOX
BEGIN:VCARD
VERSION:2.1
N:CHARSET=UTF-8:—找髮酷 騎找鷄找一酷找,,,,
FN:CHARSET=UTF-8:
TEL:+918108080003
END:VCARD
BEGIN:VENV
BEGIN:VBODY
Date:13.10.2012 12:31:00
TEXT:Woh raat bhi mat bhulna jab Nareish Thakur ne raat bhar mumbai ke saare karyakartao ko
call kar ke dusre din Nitin or Hamid ko Chudane ke liye bitaya tha. Woh din bhi mat bhulna jab
Unko chudane ke liye subah Police stn ka Gherao kiya tha or Jab tak Nitin ko nahi choda tab tak
datte rahe. Woh raat bhi nitin ki problem solve karne gaya tha, meri koi personal problem nahi thi
unse. Jab Nitin nahi aaya toh Nitin se milne ke liye Unke sath gaya, Apne liye nahi
END:VBODY
END:VENV
END:VMSG

श्री. अंजलि झांगी

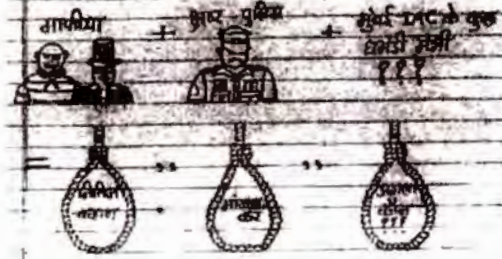
N:CHARSET=UTF-8:找一雜找髮酷 騎找鷄找一酷找,,,,
FN:CHARSET=UTF-8:
TEL:+919820503379 — श्री. अंजलि झांगी
END:VCARD
BEGIN:VENV
BEGIN:VBODY
Date:24.09.2012 15:20:46
TEXT:Nitin noko na asa lihu. Kahi problem asel tar bhethun thrash out kar
END:VBODY
END:VENV
END:VMSG

श्री. अंजलि झांगी

1501

संभाव्य आमरण अनशन

अण्णा-अरविंदजी... सत्य बताने के लिए माफ करना!!!



अपनी जान पर खेलकर भी सच्चाई सामने लाऊंगा ताकी जो हुआ वो आईदा किसी वॉलंटर के साथ ना हो। (ये सब पहले से ही तय था। सिर्फ आंदोलन खत्म होने तक चुप रहने का निच्छय मुंबई IAC मे बताया था।)

१८/८/१२

अण्णाजी, अरविंदजी और सच्चे वॉलंटर साथियो....

मैं इंसानी गरीमा को कुचलनेवाले कई भ्रष्टाचार से सफलतापूर्वक लढा पर आखिर मे अपने ही कुछ लोगों के वजह से जो जितुत मिली और धागे भी मिलेगी, उससे अच्छा है की मैं इन सारी बातों पर अण्णा, अरविंदजी और नीडर वॉलंटर द्वारा विचारमंचन होने हेतु अपनी जान को ही दाव पर लगा दूँ। शायद यहाँ जान जाने के बाद ही सच्चाई सामने आती है।

पुरी हकिकत जो है वो मेरी समझ के बाहर है, इस पर अब पढनेवालों को ही समझना है। इस पत्र में भांडुप की हकिकत (पार्श्वभूमी और मुख्य घटना), इस हकिकत के दरम्यान मुंबई IAC के कुछ पेज थी मंत्रीयों की संदेहास्पद भुमिका अँक्नुअल बर्ताव, जमिनी तौर के मूल वॉलंटर को खदेडकर चापलुसों को बढावा देना, मँच फाक्सिंग किये हुये खिलाडी के जैसा आंदोलन करना, भ्रष्टाचार से लबनेवाले वॉलंटर का साथ देने के बजाय भ्रष्ट माफीया का साथ देना और ये सच बोलने के पहले ही उस वॉलंटर को बदनाम करना इन सब सच्चाई पर जाँच होने की ये जंग है।

हकिकत :-

दरसल इस हकिकत का पत्र मैने पोलिस कमिश्नर को दिया था। जिसका हिंदी अनुवाद इस तरह :-

मै, नितिन चव्हाण, भांडुप, होम अफ्लायंस मेंटनस का काम साईं सर्विसेस के नाम से करता हूँ।

मै श्री. अण्णा हजारजी के इंडिया अगेन्स्ट करप्शन मार्फत चलनेवाले राष्ट्रीय आंदोलन में एप्रिल २०११ से सक्रीय हूँ। तथा मुलुंब-भांडुप के हमारे वॉलंटरस की मिटींग लेना, अण्णा हजार के आंदोलन के सारे कार्यक्रम जैसे चौकसभा, रैली, जनमत सभा, चिंतन सभा ऐसे कार्यक्रम सभी साथियों के साथ चलाये। (सबुत - सारे मिटींग के मिनट रेकॉर्ड, पोलिस स्टेशन मे दिये लेटर तथा कुछ फोटोज है)

A) पार्श्वभूमी :-

१) हमारे एक पुराने सक्रीय वॉलंटर श्री. बाळकृष्ण मांजलकर, उम्र-४८, इन्होने १५/४/२०११ को मनषा, एस वार्ड ये निवेदन दिया की उनके यहाँ एक पब्लिक वाचनालय राजनैतिक माफियोंद्वारा तोडके वहाँ अवैध निर्माण हुआ है। उस मामले में मांजलकर को धमकी मिलना, उनके बेटे को पुलिस ने परेशान करना, उनके निकटवर्तीओं पर हथियारों से हमले होना ऐसे प्रकार हुये। लेकिन हमारे प्रयासोंसे उस मामले मे पुलिस और मनषा का माफिया को सपोर्ट देने की लगातार खबरें दै. लोकमत अखबार में आती रही। जिस वजह से वो निर्माण टुटना, माफिया पर कारवाई होना तथा इंसपेक्टर हलदे के उपर Enquiry आना ये काम हुये। इस बात का पुलिस और माफिया का हम पर गुस्सा था। (सबुत - सारे पत्रव्यवहार और पेपर कटिंग है)

२) हमारे (इंडिया अगेन्स्ट करप्शन) के ८ जनवरी १२ के मुलुंब विद्यामंदीर के मिटींग में हमारे और एक साथी श्री. हमीद सरवैया ने बताया की उनके विभाग में झेंडावंदन के पोल के आसपास कुछ भू-माफीया द्वारा सिमेंट की बोरी रखी गई है और वह पवित्र जगह भी हडपने की साजिश है। इस वजह से उस जगह हर साल के जैसा झेंडावंदन हो नही सकता। इस पर मिटींग में एकमत हुआ की इसपर कानुनी तरीके से हल निकाला जाये। तथनुसार हमीदभाई ने सिमेंट बोरी हटाने के लिए मनषा और पुलिस में निवेदन दिया, लेकिन वहाँ से बोरी हटाने के बजाय दुगनी हुई। फिर हमने मनषा में जाकर ये भुमिका ली की - 'बोरी और भी बढने दो, झेंडावंदन उसी जगह पर होगा और ध्वज अपमान की जिम्मेदारी आपकी होगी।' इसके बाद किसी ने वहाँ से बोरी हटा दी और २६ जनवरी १२ को हम सभी वॉलंटर ने वहाँ झेंडावंदन मनाया। वो जमीन हडपने की साजिश नाकाम कर दी। इसी का वे कथीत भू-माफीया राजेश अभिन, संकेत जोशी, कार्ल डिस्सुजा का हम पर गुस्सा था।

३) इसके बाद नागरिकोंसे ये पता चला की उपर दिये माफीया ये राजनेता, मनषा, पुलिस इनकी भागीदारी में विभाग में ऐसी दहशत रखते है कि 'किसी भी चाल रहिवासी को अपने घर का कोई भी बांधकाम ये वो खुद से या उसे परवडनेवाले कॉन्ट्रक्टर से नही करना है बल्की उन्हे ही १ से देड लाख रु. जादा देकर उनसे ही करवाना है और उनके शफी नाम के दोस्त को भी जमीन मालक मानकर उसे भी ५० हजार से १ लाख रु. तक देना है।' इस अल्टीमेटम के बगैर किसी ने बांधकाम किया तो मनषा उसे गिरा देती थी और जो शख्स इनके खिलाफ शिकायत करेगा

(गुलामी और चापलूसी के खिलाफ लड़ना है तो वो यहाँ पे भी न चले!)

तो उसके खिलाफ पुलिस झुठ केस रचाकर उसे अंदर करती थी। इसी दहशत के तौर पर विभाग में 'राजुभाई, संकेतभाई, कार्लभाई' ऐसा लोगों के स्वाभिमान को कुचलनेवाला बॅनर भी धड़ले से लगाया गया। (फोटो देखिये)

ऐसे हीन प्रकार कानूनी तरीकों से रोकने हेतु हमीदभाई और हमारे एक सदस्य श्री. राजा जोसेफ इन्होंने उन माफीयों के जबरन अतिक्रमण के बारे में मनपा में निवेदन दिया। इसके बाद हमीद सरवैया के परिवार को इन माफीयों से धमकी मिली जिसकी शिकायत भांडुप पुलिस और डेप्युटी कमिश्नर के यहाँ की गई तथा RTI से सिर्फ भांडुप हद्दी में उन माफीया का १३ रॉबरी जैसे केसेस का ब्यौरा मिला। मनपा मे किए हुअे निवेदन पर भी RTI दर्ज किया गया था तथा ये सारे पत्रव्यवहार मा. उपायुक्त मनपा यहाँ भेजा था। (इस दरम्यान उन माफीया ने मुझे मेरे घर से लेकर जहाँ दिखे वहाँ मिलने की और पीछे हटने के लिए शुरुवाती तौर पर १००००/- रु. लेने की बातें भी की। जिसकी वजह से मैं खुद उनसे दूर भागता था।) इन सभी बातों का उन माफीया का हमपर गुस्सा था। (सबुत सारे पत्रव्यवहार के पेपर हैं।) (दरअसल भांडुप के नं. १ राजकीय और धार्मिक भ्रष्टाचार रहे शिवाजी तलाव के बारे में मैं ऑक्टोबर ११ से RTI तथा अपील करते आया तथा रेशनिंग के बारे में मार्च १२ से RTI किया था। इस वजह से भी मैं सरकारी खेमे के वक्र नजर मे पहले ही था!) (सारी चौकसभाओं में भ्रष्टाचार विरोधी कठोर भाषण करने से भी मैं वक्रदृष्टी में था!)

B) प्रमुख घटना :-

१) ११/४/१२ की वो शाम... (कल तक अन्न के लोगों से डरनेवाले उन माफीयों मे अचानक ये हिम्मत कैसे आयी ये बाद में समझेगा!) वे तीन माफीया और उनका साथी जमाल सरवैया ये चारों शख्स राजा जोसेफ को उनके घर से मारपीट करते हुअे भांडुप पुलिस थाने लेकर गये।

२) पता चलने पर मैं, हमीद भाई और कुछ रहिवासी पुलिस थाने पहुँचे। उधर हमने देखा की राजा जोसेफ का चेहरा पुरी तरह से सुजा था और वे चारो शख्स उनके आसपास थे। मैंने इन्स्पेक्टर श्री. बनकर से पहले राजा जोसेफ को मेडिकल के लिए भेजने को कहा। जिसपर उन्हो ने मुझे धक्का मारकर बाहर किया। मुझे पहले से ही ये डर था की जैसे २०११ में उन्होने दिपक सोनी नाम के शख्स पर झुठा केस रचाकर अंदर किया था वैसे राजा जोसेफ पर भी न हो। इसलिए मैंने लोकमत के पत्रकार श्री. अवधुत खराडे को कॉल किया तब उन्होने डेप्युटी कमिश्नर खडब को तुरंत फोन करने को कहा।

३) इतफाक से उसी वक्त डेप्युटी कमिश्नर शिंजेजी भांडुप पुलिस थाने में ही दुसरे माले पर मिटींग मे थे। तब मैंने उनके मोबाईल पर ठिक ८.२९ pm को SMS किया की - Sir, v r d members of india against corruption & egar 2 meet u at now, v r out of bhandup police stn. तब उनका SMS आया की - come to office tomorrow at 1 pm. तब मैंने उन्हे उपर जाकर मिलने की कोशिश की तब उन्होने दुसरे दिन मिलने को कहा। मैंने वापस SMS किया - ok sir, but v just met u at bhandup police stn & was immergency. our volunteer is being treated very bad at there now. please. तब उन्होने SMS किया- will look into matter. उसके बाद हमे पुलिस ने अंदर बुलाकर आरोपी के बेंच पर बिठा दिया। मैंने फिर डि.सी.पी. साब को SMS किया - SIR, ur police are arresting to us also, pl do justice, we r d dedicated volunteers of Annaji. तब फिर उन्होने SMS किया- respect law. (?)

४) उसके बाद २०/०४/२०१२ को रात १२ a.m. से १ a.m. के दरम्यान हम दोनो पुलिस चौथे माले पर ले गई। उधर इन्स्पेक्टर सांगले उन माफीयों के साथ ही थे और हमे गंदी गालियाँ देने लगे। उसके बाद उन्होने एक के बाद एक ऐसे हम दोनों को लाथ-मुक्के से चेहरा, पीठ, पैरोंपर बेदरदीसे मारपीट की। (मेरा १२/४/१२ को रोड ऑक्सिडेंट हुआ था। जिसमे मेरे बाए हाथ पर इलाज शुरू था। उसका मेडिकल रिपोर्ट भी मैंने दिखाया, लेकिन....) मुझे पैंट निकलने की सक्ती की लेकिन मैंने बड़ा विरोध किया। उसके बाद इन्स्पेक्टर सांगले ने एक के बाद एक ऐसे हम दोनों के हाथों पर चक्की के बड़े पट्टे से १५-२० मिनिट बेदरदी से मारा। मेरे बाए पैर के ऊपरी हड्डी पर पट्टे के मोटे हँडल से पैर सुजने तक मारा। (मेडिकल रिपोर्ट है) पट्टे की आवाजे सुनकर नीचे उन माफीयों के साथी हमारे लोगों के सामने हँस रहे थे। हमारे हाथ सिकुड़ नहीं सकते इतने सुजके मोटे हुअे थे। दरम्यान सांगले ने हमें धमकी दी की 'आप अण्णा के आदमी हमारी शिकायतें करते है क्या.. कुचल देंगे...' उन्होने हमीदभाई को अण्णा कि टोपी भी उतारने को कहा!

५) उसके बाद हमें लॉक-अप में डाला गया। बाद मे २०/०४/१२ को मा. जज ने हमारा अच्छा रेकॉर्ड देखते हुअे पुलिस की रिमांड अर्जी को ठुकराकर हमें हर एक को रुपये १०,००० की जमानत दे दी। (मैंने भी छुटनेतक कुछ भी खाने का अर्नशन किया था) (अंदर की खबर ये की, ये सब करने के लिए १ लाख की किमत दी गई थी। आज भी मेरा बाया हाथ दुखने के वजह से मेरा काम धीमा है।)

चकाला ऑफीस की समांतर हकिकत:-

अब इस हकिकत के दौरान अपने चकाला ऑफीस के कुछ मंत्रीयों द्वारा कैसे धमकी, संदेहास्पद, दौगला और झुठा बर्ताव हुआ ये तो मेरी भी समझ के बाहर है...

A) झुठे केस के पहले:- मैं जो भी कार्यक्रम या पत्रव्यवहार किया, उसकी चर्चा मैं हमेशा मयांक गांधीजी, प्रफुल्ल बोर्राजी, नरेश ठाकुरजी से करता था। (see- पार्श्वभूमी (१)) मांजलकरजी के मामले के जो भी पेपर न्युज है, जो भी मैंने LAC नागरीक समिती

(१९४७ को चंद अमिरों ने गोरों की जगह ली! आम आदमी तो सिर्फ आजादी के लिए इस्तेमाल हुआ था ??)

(INS) सदस्य के तौर पर उस मामले में मैंने सपोर्टिंग लेटर मनपा में दिया उसकी मैंने प्रफुल्लजी से और सब लोगों से चर्चा की थी। तब (२००-पार्सभूमी (२)) ८ जनवरी १२ के मिटींग का पुरा ब्यौरा मैंने हर मिटींग के जैसा ऑफिस में चर्चा किया था। (वैसे भी कांजुर से लेके मुलुंड तक कोई ऑफिस में किसी मसले पर शिकायत का फोन करता था तो उसे मेरा नंबर दिया जाता था।) इसके बाद झेंडावंदन करके कैसे वो सार्वजनिक पवित्र जगह हड़पने की दादागिरी को 'अज्ञागिरी' द्वारा नाकामियाब बनाया गया वो भी पुरी मिटींग में बताया गया। झेंडावंदन के फोटो भी बड़ी गर्व से MEETING में देखे गये थे! (फोटो) इसके बाद पार्सभूमी (३) में दि गई अन्याय की चर्चा मैंने प्रफुल्लजी से की थी। तब हमारी ये भी बात हुई कि - वहाँ के लोगों के घर पर 'ये जगह के किसी भी फर्जी मालिक को अपने बांधकाम का हप्ता न दे' ऐसा पत्र IAC नागरीक समिती के तरफ से जनजागृती हेतु भेजा जाये और भेजने के पहले पुलिस में भी इंटीमेशन दिया जाये। (दिसंबर ११ के आंदोलन के बाद खुद मयांकजी ने मान लिया था - आंदोलन बढ़ाने के लिए जमिनी तौर के मुद्दे लेना चाहिए ताकि आम आदमी भी जुड़ जाये) तो हमने 'वे' माफिया के ३ अतिक्रमण कार्यों के निवेदन मनपा में दिये। अब हुआ क्या? उन निवेदनों को मनपा ने माफिया के हाथ दिया! वे उसे लेकर चकाला ऑफिस प्रफुल्लजी के पास आये! उसके बाद प्रफुल्ल जी ने तुरंत १/३/१२ को मनपा में IAC का पत्र भिजवाया कि - आपके यहाँ INS के मार्फत पत्र लिखनेवाला हमीद सरवैया ये हमारा वॉलंटर ही नहीं है! (पत्र देखिए)

अब हम भांडुपवासी अब प्रफुल्लजी से पुछते हैं -

१. जब वो माफिया आपके पास आये थे तब उसकी जानकारी आपने मुझे/या भांडुप के किसी वॉलंटर को क्यों नहीं दी?
२. आप अण्णा के आदमी हो और उनसे ये भी नहीं पुछते की मनपा ने आपके गैरकृत्यों के खिलाफ हुई शिकायतों को आपके हाथों दिया कैसे?
३. आप हमीदभाई को झेंडावंदन होने के बाद से अच्छे से जानते थे, और अगर नहीं तो आप भांडुप के वॉलंटर्स से पुछ सकते थे। या खुद उस निवेदन के शिकायतकर्ता रहे हमीदभाई का मोबाईल नं. था, उन्हे पुछ सकते थे! लेकिन फिर भी बिना अंजाम जाने माफिया के फेवर में आपने मनपा को कैसे लिखके भेजा कि - हमीद सरवैया हमारा वॉलंटर नहीं है!

४. आपको क्या मनपा ने ये सब पुछा था?

५. वो पत्र आपने 'दिनकर जोशी' के जरिये ही भांडुप, एस वार्ड में कैसे उसी दिन पहुँचाया! (साथियों... ये दिनकर जी के बारे में मुलुंड के हि वॉलंटर्स के हवाले से हमने चकाला ऑफिस में पहले से कई बार इन्क्विरेन्स तथा शिकायतें रखी जैसे दिसंबर ११ के आंदोलन में एक लंगडे वॉलंटर को लंगडा बोलके रुलाना, लोकल मिटींग में पैर पसारकर बैठना, चौकसभा में माईक छिनकर बात करना, वॉलंटर्स में झगडे लगाना, सबसे घमंड और बतमिजी से बात करना ये सब... ये ऐसा इसलिये करते थे क्यों की दरअसल मुलुंड-भांडुप के वॉलंटर्स का गुप तोड़कर उन्हे सिर्फ मुलुंड में एक क्लब एनजीओ का नाम IAC का इस्तेमाल करके बढ़ाने का था! जो मेरी वजह से हो नहीं रहा था! ये सब बातें पेपर कटिंग के साथ मैंने चकाला ऑफिस में रखी लेकिन उन्हे समजाना तो दूर ही रहा! वो इंसान IAC छोड़कर गया था, वो वापस क्या सिर्फ मेरे खिलाफ झुठ बोलने आया है?)

** (एक वॉलंटर ने मुझे ये भी बताया कि ये इंसान अब तक भी 'उन' माफिया में से एक संकेत जोशी के संपर्क में है, अगस्त १२ में भी मिले हैं और शायद इनका ही 'मध्यस्थी' है! इस बात का सबुत मैं कुछ लोगों को दिखाना चाहूँगा!)

६. जब 'वो' पत्र मनपा से लेकर वे माफिया बड़ी खुशी से विभाग के लोगों को दिखाकर चिढ़ा रहे थे की, 'देखो, हमने IAC को भी मनेज कर लिया, उन्होने हमीद भाई को भी नकारा है!' ये लेटर की बात मुझे लोगों से पता चली! बड़े दुःख से ये बात मैंने आपको बतायी, तब आपने माफिया और मनपा से इसका कोई जवाब मांगा क्या?

७. मैंने आपको ये बात भी बतायी कि - 'भविष्य में इस लेटर की वजह से हमारा मजाक बन सकता है।' तभी मेरे लाख कहने के बावजूद भी आप लोगो ने उस लेटर की रद्द करके दुबारा सुधारीत पत्र मनपा में भेजने को इन्कार किया! (?)

** (आखिर में उसी लेटर का सहारा लेकर हम पर प्रमुख घटना नुसार झुठ केस हुआ, झुठे माफीयों ने पुलिस को ये यकीन दिलाया कि अब IAC इनके पीछे नहीं आयेगी! पुलिस के वकील ने उसी लेटर को कोर्ट में अपना आधार दिखाया है!)

आज प्रफुल्लजी इतना होने के बौद भी न जाने कहाँ बैठे हैं। एक फोन भी उन्होने अभी तक नहीं किया है! अपने ही वॉलंटर को फंसानेवाले हैं कहाँ???

B) झुठ केस होने के बाद की हकिकत :-

१) जिस दिन (१९/४/१२) प्रमुख घटना में (२) के अनुसार हम पुलिस स्टेशन गये तब मैंने नरेशजी को सारी घटना बताई। लेकिन जिधर रात के ९ बजे IAC का ऑफिशियल और इमरजेंसी SMS से प्रेमकांत झा के मर्डर के तुरंत बाद विरार में सारे वॉलंटर को जमा होने को कहा जाता है, उधर अपना एक वॉलंटर जो अभी तक जिंदा है उसे बचाने के लिए ऐसा IAC का इमरजेंसी SMS बनाने के बजाय कुछ वॉलंटर्स को पर्सनली SMS भेजा जाता है, ये गलती क्यों? मैंने ७ बजे कॉल किया था और रात ११.३० के बाद हम पर झुठ केस हुआ, अगर इमरजेंसी एए भेजा होता तो शायद बहुत से वॉलंटर पुलिस थाने जमा होते और शायद केस न होता!

(भगतसिंग जैसे न होते तो अंग्रेज लालाजी के हर कोई सत्याग्रही को लाठीचार्ज में मार देती!

उन जैसोंका यहाँ मजाक क्यों ??)

२) दुसरे दिन जो वॉलंटर सच्ची भावना से कोर्ट में आये उनका धन्यवाद! लेकिन उन वॉलंटर्स को वहाँ पर नरेशजी ने कैसे गुमराह किया पता नहीं। हर जगह भीड़ से काम नहीं होता। अस्पताल में डॉक्टर और कोर्ट में वकील लगता है। वो तो हमीदभाई का हमारे विभाग के DYFI (भगतसिंग प्रणित संघटन) के ऑफिस में आना-जाना रहता है इसलिए DYFI के वकील तिवारीजी हमारे लिए जमानत अर्जी देने खड़े हो गये! (उन्होंने मजाक में कहा - 'नितीन, तुम IAC के एक वॉलंटर हो और तुम्हारे लिये कोई वकिल नहीं...') हमारी जमानत पास होने के बाद हमे कोर्ट जेल में रखा गया। तब हमारे लिये रोख जमानत का तथा छुटने तक रुकने का टेंशन लेने के बजाय नरेशजी को न जाने क्या 'वेरिफाय' करना था, वे सारे वॉलंटर्स को लेकर उन्ही माफीया के साथ (जो हमें हँसने के लिए अपने दोस्तों के साथ गाड़ी से आये थे) उनके विवादीत व हमसे शिकायत किए हुए अतिक्रमण देखने भांडुप में आ गए और उनके साथ सबको लेकर ऐसे घुमे जैसे क्या वे माफीया कोई पिकनीक पॉइंट दिखा रहे हो! विभाग के लोग इस दृश्य को देखकर हँस रहे थे की - 'देखो, दो वॉलंटर मार खाके जेल से अब तक छुटे नहीं और इनका सिनिअर वॉलंटर उन्ही मारनेवाले दुःशासनो के साथ यहाँ बडप्पन से घुम रहा है!!' 'लोकमत' के एक पत्रकार भी तभी थे वे भी बाद में मेरा मजाक उड़ाये की - 'नितीन, तुम्हारे लोगों को नाम खराब करने की आदत है क्या? ये सब करने के बजाय अगर पुलिस स्टेशन के बाहर दो घंटा खड़े रहते तो कुछ बात तो बनती थी!'

३) हम शाम ७ बजे हर एक का १०,००० रुपये भरके छुट गये। दोपहर में उन माफीया के साथ घुमने के बजाय अगर नरेशजी सभी से २००-५०० रुपये जमा कर एक रक्कम जमा करते तो हमें शाम तक रुकना नहीं पड़ता था। (झोपडपट्टी में रहनेवालों को अवकल होती है की ऐसे वक्त में पैसे जमा किया जाता है!)

४) अब गंभीर बात ये की दुसरे दिन २१/४/१२ को चकाला ऑफिस के अंतर्गत काम के लिए IMMRT का दादर में इलेक्शन था, जहाँ हमारे सारे वॉलंटर्स मौजूद थे और उन्हें अपने साथी वॉलंटर के साथ क्या हुआ ये पता भी नहीं था। ये सारी हकिकत मयांकजी को उसी दिन सबको बतानी चाहिये थी। लेकिन न उन्होंने ऐसा किया, ना ही मुझे बोलने दिया। ऐसा क्यों मयांकजी? "वे वैसी माफीया आप लोगों को दोबारा (प्रमुख घटना के पहले!) १८/४/१२ के दरम्यान मिलने आये और मुझे IAC से निकालने की बात की वो भी आपने मुझे नहीं बताया। जब आपके खिलाफ सिर्फ न्युजपेपर के कुछ आता है तो आप इतने बेचैन हो जाते हो की भरे मिटींग में खुद का १ घंटे का स्पष्टीकरण देते हो, लेकिन आपका पुराना वॉलंटर जिसे माफीया और पुलिस ने हाथ-पैर सुजनेतक मारा उसके बारे में आपको सरेआम फक्र से बताने के बजाय वो जानकारी छुपाते हो! क्यों? अगर उसी दिन बाकी वॉलंटर को ये सब घटना बताते तो शायद उसी दिन मेरे वॉलंटर साथी मेरे लिए सोचते की, नितीन को जमानत और वकिल खडा करने के लिए पैसों की जरूरत है, जमानत देनेवाले प्रॉपर आदमी की जरूरत है, पुलिस के सामने निषेध करना जरूरी है, इस मामले की जाँच होने हेतु गृहमंत्री या कमिश्नर के सामने बैठने की जरूरत है और सबसे जरूरी ये की इतना शारिरीक, मानसिक, आर्थिक तथा मानहानी होने के बाद कई अपना कोई वॉलंटर खुदखुशी न करे इसलिए उसका मनोबल बनाये रखना ये जरूरी है! मेरे जैसा वॉलंटर जो आपके बारे में न्युजपेपर में आने के बाद आपको 'टेन्शन मत लो' ये बोलने फोन किया करता था उस वॉलंटर को ऐसे नाजूक हालत में फोन भी नहीं किया। मुझे बुलाकर मामले को जानने की बात तो दूर ही रही।

५) आप बिना ठोस परिणाम के जनमंच कार्यक्रम पर ४०-५० हजार रुपये का फंड खर्चा करते हो। उस वक्त मुझे भी ५०००/- रुपये दे रहे थे। लेकिन जब सच में वॉलंटर मर रहा हो ऐसे वक्त आप पैसे नहीं निकालते ये शर्म की बात है!

६) इसके बाद २४/४/१२ की चकाला ऑफिस में मिटींग थी तभी भी आपने इस अत्याचार की घटना को किसी को नहीं बताया! और मिटींग खत्म होने के बाद आप मुझसे पल्ला झाडकर जा रहे थे। वो तो मैंने आपको रोककर आपसे निरर्थक चर्चा की। और उसी समय तिसरी बार वे माफीया हमारे ऑफिस में बात करने आये। तब आप नरेशजी को वैताग के बता रहे थे कि - 'ये नितीन खामखा बात को पर्सनली बडा रहा है!!!' (?)

७) इसके बाद आप लोग उल्टा मेरे उपर ही 'इमोशनली' दबाव डाल रहे थे की - 'नितीन, माफीया लोग मान रहे है की उन्होने झुठा केस रचाया है, वे केस पिछे लेने की और माफी माँगने तैयार है.. तुम भी पिछे हटो!' (दरअसल ऐसा कुछ केस पीछे नहीं होता है, बस कोर्ट में वे झुठा बयान देने नहीं आयेंगे इतना ही! उसके बदले में मुझे उनके लुटमार राज के खिलाफ मनपा में नहीं जाना है!)

८) इस दरम्यान अण्णा का महाराष्ट्र दौरा चालू था और भ्रष्टाचार विरोधी जनआंदोलन के लोग IAC को उसमें दूर रखते है, ऐसी बाते चालू थी। तब ऐसी सुझाव आया की अण्णा को सातारा में ही हम IAC के कुछ लोग मिलेंगे और मेरा सुझाव तो ये था की अगर अण्णा को हमें मिलने नहीं दिया गया तो मिलने तक, IAC की बातें सुनने तक तथा सबका मनोमिलन होने तक हम आदरपुर्वक अनशन भी करेंगे। सातारा में मेरे चाचा का घर भी है और मैं दो दिन पहले ही अपने IAC के लोगों का रहने का बंदोबस्त करने गया था। (वह दूर भी रह हो गया!) तब चौथी बार 'वे' माफीया एक औरत (ललिता जैन) को लेकर चकाला ऑफिस आये। और मगरमच्छ के आँसू रोने लगे की - 'सर, इस औरत का घर आप लोगों की शिकायत के वजह से टुट रहा है। ये कर्जा निकालकर काम कर रही है।' जब नरेशजी ने वहाँ से ही मैं सातारा था, तभी मुझे फोन करके ये बात बतायी तब मैंने जो सच्चाई है वो बताई। (दरअसल वो औरत सावकारी का धंधा करनेवाली थी। ऐसी खबर है कि इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट को उसके घर में बोरी में छुपाये गये पैसे मिले थे। तथा वो औरत अपनी बाजुवाली एक बुढी औरत के घर की जगह पर ही

(गांधी-अण्णा जैसो ने पहली अपनी गलती सुधारी फिर दिल्ली की बातें की!

हम कब समझेंगे ??)

दादागिरी से अतिक्रमण की थी। तथा जब हमे पुलिस स्टेशन में मारा जा रहा था तब वो औरत भी उन माफीयों के साथ ही थी!)

*१) सबसे विश्वासघातकी बात ये की - नरेशजी २८/५/१२ को रात ११ बजे जिन माफीयों ने (दुःशासन बनके) अपने वॉलंटर्स पर कहर डाला उन माफीया के साथ बाईक पर भांडुप में घुमते हुये हम भांडुपवासियों को दिखे! 'उनसे' मिलने के बाद उन्होने फिर मुझे मिलने को बोला तब मैंने गुस्से से उन्हे मिलने को मना किया। अब इसमे कुछ सवाल ऐसे:-

i) नरेशजी को मैंने पहले ही समझाया कि, आपको उन पीडितों को मिलना है जिनमे से किसी का टेम्पो उन माफीया ने जलाया है, किसी के बच्चे उठवाने की धमकी दी, किसी का पानी का नल काट दिया (क्योंकी वो जगह खाली नहीं कर रहा था) और बहुत से पिडित थे, एक बार उन लोगों को हमे मिलना है। (मैंने उसके दस्तावेज भी नरेशजी को मुलुंड के हॉटेल में दिए थे!) लेकिन उन्हे मिलने के बजाय अपना पाप पचाने हेतु आते हुये माफीयों को चार-पाच बार ऑफिस में बिठाते हो! उनके सामने ही मुझे फोन करके पुछते हो और फोन लाईन पर ही 'उन्हे' भी शिकायत करनेवाले उन पिडितों के बारे में पुछते हो कि 'क्या आपने ऐसा किया क्या?' अपनी मुख्तता से आप उन पीडितों का नाम क्यों ओपन करते हो? शी...!

*ii) जब मैंने ये कहा की - 'वे' लोग अपने मुँह से हर बार ये बोलते है कि हमने आपके लोगों को झुठे केस में फँसाया है! हमारा यही सब काम है! तब आप लोगों ने इस बात का कभी भी विडिओ रेकॉर्डिंग क्यों नहीं किया? (जब की मैं हमेशा ये बात बोलता था!) अगर वैसा होता तो वो मेरे लिए कोर्ट में एक सबुत बनता था।

iii) हम लोग जब जमीनी तौर पर 'अण्णा नोटीस बोर्ड' का हमारे लोगों में १/४/१२ को ओपनिंग

शामिल होते है, उसमे आप लोग नही आते! हमारे उपर पुलिस अत्याचार होने के बाद २१/४/१२

को जब हमने उसी जगह निषेध सभा ली, उसमें भी नही आते! (उस समय भी माफीया आपको

फोन करके ये बोलते है की - देखो ना नरेशजी, नितीन पुरे सभा में हमको गालियाँ दे रहा है,

उसे रोको...)* हमारे झुठे केस में चार्जिशिट आने के पहले ही हायकोर्ट में FIR ही झुठा

होने का केस करना होता है लेकिन नरेशजी के टाईमपास में समय निकल गया और चार्जिशिट

आ गई! क्योंकि नरेशजी और मयांक जी को ऐसे काम में टाईम नही मिलता है! लेकिन जिन

समाज कंटकों ने दुःशासन के जैसा बर्ताव अपने वॉलंटर्स के साथ किया उनके साथ दो-दो बार घुमने, चार-पाच बार मिटिंग लेने, पचास

बार फोनपर बात करने को नरेशजी को बहुत समय मिलता है! जबकी आपको मैं, अब्बय पानीकर, घनशारामाणी जैसे वॉलंटर्स ने मना

किया था कि आप माफीया से मत मिला करो, फिर भी २८ मई को रात ११ बजे उनके साथ घुमें! *(शोले में 'वो' ठाकुर देखो और 'ये'

ठाकुर तो रामगड के लोगों का साथ देने के बजाय पहले गब्बर सही है या गलत ये वेरिफाय करने उसके साथ रामगड में ही घुमते है, बाह...!)

उस रात मुझे अपने कई लोगों के फोन आये की - 'क्या' नितीन ..., तुम माफीया से मार खाने के बाद भी लड रहे हो और तुम्हारे लोग ऐसा

घुमते है! (जो ८५ से जादा लोग १/४/१२ को जुडे थे वे ये सब सुनकर वापस जुड़ेंगे क्या?)

*iv) जो माफीया हमारे उपर झुठा Extortion केस डलवा सकते है वे लोग तो खुद से रात को चलके आये नरेशजी के उपर (मेरे

साथ जोडकर) उसी केस में फँसा सकते थे! या वो औरत जिसके कहने पर आये थे वो भी 'गलत' इल्जाम डलवा सकती थी! तब तो ये

अण्णा का पुरा आंदोलन उसी रात को पुरी तरह बटनाम होता था! (क्योंकी ऐसा करने के लिए कोई भी आराम से २-४ लाख रुपये देता

था!) ये कभी सोचा है क्या? (या तो ऐसा भी संदेह है की उन शातिर लोगों ने नरेशजी को छोडा कैसे?)

v) इसी बिलाई के दरम्यान, असिस्टेंट कमिशनर से तडीपार कराने के पहले जो बाँड भरने का प्रोसिजर होता है, उसके लिए हमें (११० के

तहत) नोटीस आया था! मैंने वो संकट भी नरेशजी को बताया, उसके बाद २०/६/१२ को भांडुप में अण्णा नोटीस बोर्ड के उपर का अण्णा

का बैनर उन माफीया ने फाड डाला! वो भी नरेशजी को बताया! लेकिन उनका एक कॉल भी नही आया!

१०) अब तक तो किसी का भी सहनशक्ती का बांध टुट जाएगा! क्योंकि माफीया से बत्तर तो अपने लोगों की गहारी लग रही थी! मेरे यहाँ तो

लोग ये भी कहने लगे कि तुम्हारे 'सिनियर' लोगों ने वाकई इन भु-माफीया से 'फंड' लिया होगा, नही तो इतनी बार समझाने के बावजूद भी

प्रफुल्लजी का माफीया के फेवर में 'वो' लेटर भिजवाना, माफीया का बार-बार चकाला ऑफिस आना, नरेशजी का २०/४/१२ और

२८/५/१२ के रात को 'उनके' साथ घुमना, मयांकजी का हमसे जरा भी बात न करना, 'मर जाये तो भी चलेगा' ऐसे हाल में छोडना, हमारे

मसले को दुसरे वॉलंटर्स से छिपाये रखना, ये सब गलती से भी नही होता! इस वजह से मैंने १२/६/१२ को फेसबुक में लिखा कि

किस तरह हमारे जिम्मेदार वॉलंटर माफीया के साथ घुमते है! अब तक मेरी तरफ ध्यान न देनेवाले नरेशजी इससे तुरंत हरकत में आ गये! मैंने

उन्हे बोला की - 'आप लोग मेरे विभाग में ही लोगों के सामने मुझे ३-४ बार अपनी दौगली हरकतों से जलिल करते हो, ये मेरी परेशानी का

१० प्रतिशत भी नही था। जिससे आपको इतनी तकलीफ हुई...., फेसबुक तो फिर भी जिनका फेस दिखता नही वही चलाते है! मेरा नाम तो

आपने मेरे एरिया में इससे १०० गुना खराब किया है!!!!'

११) फिर १३/६/१२ को मेरे से मिलना तय किये बिना, नरेशजी, प्रितीजी, विमल झा और नीजाजी ये लोग मुलुंड में सुषमा मौर्य इनके यहाँ



**(भ्रष्टाचार मत करो के स्टिकर्स लगाना, साइन लेना पर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़नेवाले
वॉलंटर्स के खिलाफ काम करना ये कब तक चलेगा ??)**

आकर मुझे फोन या SMS करने लगे के आकर हमें मिलिए। (जबकी मैंने सुषमा मौर्य इनको वे आने के पहले से ही समझाया कि मैं काम पर हूँ, मिल नहीं सकता, सो उन्हें मना कर दो.... और मैं नहीं मिलुंगा तो यही लोग जानबुझकर मुझे बदनाम करेंगे कि नितिन न मिलकर अपमान करता है! और ऐसा ही हुआ!)

* उस समय नरेशजी ने मुलुंड के वॉलंटर्स को ये झुठ बोला कि - 'मेरे पास नितिन के खिलाफ कुछ सुबुत है!' मैं उन्ही वॉलंटर्स को बाद में बोला कि अगर जरा भी सच्चाई नरेशजी में है तो 'वो' सबुत उन्हे दिखाने को मजबूर करें! भांडुप में जो भी उन्होंने दौगलापन किया उसका जवाब भी उनसे मांगें! लेकिन उन वॉलंटर्स में ये सब पुँछने का दम कहाँ? अब मैं ही उन्हें पुँछता हूँ - नरेशजी, हिम्मत है तो वो सबुत दिखा ही देना!

१२) १ साल से मुलुंड-भांडुप में सबसे पहले मुझे याद करनेवाले (युद्ध करने वाले) नरेशजी ने फिर २२/६/१२ और ३०/६/१२ को मुझे मिटिंग में जान बुझकर कॉल नहीं किया! क्योंकि अब मुझे भी युज-न-शो करने के लिए उन्हे मेरे साथ काम करने वाले बाकी वॉलंटर्स को झुठ बोलक के भडकाना था! उन 'मुँह बंद रखनेवाले' वॉलंटर्स को ये बताया कि - 'नितिन ने २४/६/१२ फेसबुक में IAC के खिलाफ लिखा है! (साधियों, वो फेसबुक की लिखावट पढ़के कोई भी पढ़ा-लिखा समझेगा कि वो लिखावट १२/६/१२ कि ही है और उसे २४/६/१२ को सिर्फ 'फाईल' में डाला गया था! मुझे खुद को कॉम्प्यूटर का नॉलेज नहीं!) बाद में ये भी कहा की - 'नितिन अब हमारे साथ नहीं है!' (मेरा काम नानावटी के बंद कमरे में नहीं बल्कि एरिया में है, इसलिए ऐसी बातें भी IAC के मंत्री अपने 'नीजी' वॉलंटर्स में करने के बजाय जिधर-जिधर मैंने चौकसभा, रैली, अण्णा नोटिस बोर्ड का ओपनिंग करके अण्णा संघटन को बढ़ाने की कोशिश की उधर उतने लोगों में (भांडुप में) सभा लेकर ही करे! ये भी मैंने एसएमएस किया था) नरेशजी के बारे में जितना लिखु वो कम है! * इनके दौगलेपन का नतीजा ये की माफीया को टाईम मिला और उनकी हिम्मत बढ़ी और उन्होंने एक तरफ तो नरेशजी को मध्यस्थ रखके केस पीछे लेने की बातें की और दुसरी तरफ मेरे चार्जशीट में और दो झुठे गवाह जोड़ दिए! यही नहीं.. उनका जंगल राज और भी बढ़ गया! २७/६/१२ को सरवनसिंग नाम के ७० साल के लंगड़े बुढ़े के दो दुकान ताला बदलकर हड़प लिए! तथा उनकी बेटी को भी गालीयाँ - धमकीयाँ दी! (सबुत है)

** अब सबसे अहम सवाल ये कि जब नरेशजी को माफीया से उनके इन पापों के बारे में पुँछना नहीं है, हमारे साथ उनसे लड़ना ही नहीं था तो 'उनसे' इतनी मिटिंगें और घुमना-फिरना किया क्यों?

*** (ये पत्र समाप्त करने से पहले ही एक ऐसी शर्मनाक खबर सामने आयी जिसे सुनकर मेरा शक और हुरादा पक्का हुआ! ११/८/१२ की मिटिंग में नरेश जी ने ये कहाँ कि मैंने आयएससी के नाम से १५,००० रु. लिए हैं!! मैं चाहता तो, मैं पहले म.न.से. का भांडुप में सबसे अगेसर मुल कार्यकर्ता था। लेकिन वहाँ पे चापलुसी को बढ़ावा देकर कड़वी तरिके से अपने क्षेत्र के विधायक के सामने ये बातें रखकर मैं हट गया। जब की भांडुप में आज म.न.से. के तीन नगर सेवक और १ विधायक है। मैं चाहता तो चापलुसी करके 'अच्छे' से रह सकता था! इस आंदोलन में मैं मैं शुरुवात से अपने प्रोफेशन से ध्यान हटाकर दिलसे दिनरात एक करके काम करते आया! आज मैं ये सब काम-धंदे का नुकसान, खर्च ये सब गिनू तो ये पंधरा हजार से कहीं उपर है! * सबसे अहम बात ये कि मुझे क्या जरूरत है कि - माफियों से जान का खतरा लो.. उनसे घुस में ५० हजार से १ लाख तक अडके मिल सकते थे उसे ठुकराओं... नतीजा ये कि झुठे केस की जिल्लत लो.. जानवर जैसा मार भी खाओ और उपर से 'पगार' लेकर काम करनेवाले मंत्री हमारे बजाय 'उन्हे' फेवर करने के लिए उलटा हम पर ही फालतु इल्जाम लगाये! क्या ये इनाम है आयएससी में जी जान से काम करनेका ?)

** अब वापस पुँछता हू - बताओं और पुरा ब्योरा दो! और जैसा बोले है वैसा पुलिस कम्प्लेंट करके ही दिखाओं !! (सामने गये बैठे हैं ये समझकर बच्चे जैसा भाषण मत करो! ऐसा सिनाजोरी दिक्विजय और मनीष तिवारी जैसे नोकर लोग करते हैं!)

अब मयांकजी की बात करते हैं। इनकी महानता के बारे में क्या कहूँ? ऐसा लगता है इनमें पहले से ही 'राजनेता' आ गया है और इनको भी अब सिर्फ चापलुसों की ही जरूरत है! मयांकजी, क्या आपको समझता है कि कोई इंसान किस हालत में 'सुसाईड' करता है? वो हालत यही है जो आपने मेरे लिए जान-बुझकर पैदा किये! आपको पता है क्या-क्या किया है??

१. आपने मेरे इस संगीन मॉटर को न्युज पेपर में आने के बावजूद भी वॉलंटर्स से छिपाये रखने की पुरी कोशिश की, वो तो मैंने ही (२०/४/१२ के बाद) ५/५/१२ को हॉल में खड़ा होकर हमारी दास्तान बता दी, जिसे सबने सपोर्ट भी किया।

** २. मैंने उस वक्त आपको ये भी बोला की, सिर्फ मुंबई में ५ लाख प्लेट बिके नहीं हैं, फिर भी गरिबों को खदेडकर सिर्फ अमीरों के ही नये टॉवर्स बन रहे हैं, इसमे सिर्फ भ्रष्टाचारीयों के ही पैसे लगे हैं, इस मुद्दे पर हम लखें ताकी मुंबई का हर आम आदमी हमसे जुड़े तथा भ्रष्टाचार का पैसा ऐसी जगह हजम भी न हो! लेकिन शायद आप खुद एक बिल्डर हैं सो आपको और आपकी 'पेज थ्री' लॉबी को तबसे मुझसे नफरत हो गई और शायद ये साजिशो तब से तय हुई!

३. आपने तो २०/४/१२ के बाद से मुझे फोन करना ही टाल दिया! आप मुझे बेटा बोलते थे। मेरी जगह अगर आपका बेटा होता तो क्या आप ऐसा ही करते? ये जुलूम बर्दाश्त करते थे क्या? (हम तो नहीं करते!) ये पत्र अपने बेटे को जरूर दिखाना!

४. मैंने ५/५/१२ को हॉल में ये भी जोर-शोर से कहाँ था कि हमें सपोर्ट करे, गृहमंत्री या कमिश्नर के सामने कैसे भी करके बात करे, हमें धरना या

(आंदोलन महंगाई में डुबने वालों के तो किनारे पे बैठे लोग ये आंदोलन अपने मनमानी से कैसे कर सकते हैं ??)

अनशन करने दो... क्यों की ऐसा वही वक्त पर अगर होता तो पुलिस पर आयएसी का दबाव पड़ता, लेकिन ऐसा न होने से पुलिस में ये संदेशा गया कि ये आयएसी वाले कुछ नहीं कर सकते! इसका नतीजा ये हुआ कि मेरे बाद मांजलकर और उनके पुरे फैमिली (पत्नी, दो बेटे, एक बेटी) इनके उपर वो ही इन्स्पेक्टर बनकर ने झुठा केस रचाया, जिन्मे लाख रु. का नुकसान हुआ, थोड़े दिन के बाद उनकी बाईक भी जलाई गई! (पेपर कटींग देखें). असि. कमिश्नर ने हमारे उपर तबीयतीपूर्व बॉर्ड भरने की नोटिस भेजी जिसके लिए भी हमें अलग से दुसरा वकील करके अभी लढ रहे हैं! खुश है ना मयांकजी!!!

कुछ अन्य बातें:-

१. आप पहले नेतागिरी के खिलाफ बात करते थे, फिर आपने खुद जिसे हम 'आझादी की जंग' कहते हैं ऐसे आंदोलन में खुद का फोटो डलवाना चालू किया! आप खुद बाबा रामदेवजी के ३ जून के आझाद मैदान आंदोलन में नहीं आये, लेकिन वॉलंटर्स को अपना फोटो वाला बैनर लेकर वहाँ घुमाया जरूर! (साथ ही IAC MUM के SMS में मयांक जी डालना चालू किया! अब IAC MUM के अन्ना से जादा आप ही भगवान हो शायद!)

२. जब खुद अण्णाजी महाराष्ट्र में दौरा कर रहे थे तभी भी आप सिर्फ ५ जून को उनकी मुंबई सभा में आये, उधर भी अपनी फोटो वाली रैली निकालवायी! लेकिन ६ और ७ जून की आखरी सभा में आप गायब रहे, हाँ, पर अपना फोटो वाला रैली निकलवाना नहीं भुले!

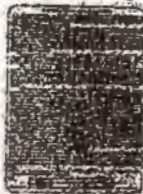
***३. जब एक आम आदमी बिना निमंत्रण के देश भावना में अण्णा के आंदोलन में खुद को झौक देता है तो फिर आपको अण्णा के इस अहम दौरा का प्रचार करने के लिए, फर्चें बँटवने के लिए किसके निमंत्रण की जरूरत थी क्या?

***४. जिस JNM के कर्ता-धर्ता वो ही प्रफुल्लजी हैं जो अब वॉलंटर्स को फँसाके फुँड चुका रहे हैं उस JNM के नाम से पुरे महाराष्ट्र आंदोलन का फंड कैसे जमा हो सकता है? जिस अण्णा या अरविंदजी जो देखकर लोग फंड देते हैं उनके संस्था के नाम पर लोग फंड देना चाहेंगे या नहीं? (अब कैसे ये लोगों का लुक-आऊट नहीं!)

५. आपने २२/६/१२ और २३/६/१२ के मिटींग में 'वॉलंटर्स का बहुमत' इस मोटे शब्द का इस्तेमाल करके अपना फोटो इस आंदोलन में चलाने की बात सब पर शौपी! (जबकी ये काम तो आपने ३ जून के पहले से ही चालू किया था!)

आप 'बहुमत' का बात करते हो तो हमारा जवाब ये है कि- क्या जो घर से आकर नानावटी में भाषण सुनते हैं वो ही वॉलंटर्स हैं? कितने लोग चौकसभा, रैली में आते हैं क्या वे कुछ भी नहीं? क्या आपने उन सबसे जाके पूछा कि क्या आप मेरी फोटो देखकर आते हैं? अगर आप ऐसे बहुमत को मानते हो तो फिर २० प्रतिशत लोगों से चुने हुअे सरकार से भी क्यों लढना है? (और वैसे भी जो इंसान वॉलंटर्स मर रहा है फिर भी उल्टा जल्दी मरे ऐसा बर्ताव करे ऐसे हाथ उपर करनेवाले इंसान की फोटो देखकर किसी को क्या प्रेरणा मिलेगी? उससे अच्छा है कि एरिया में काम कर रहे सभी वॉलंटर्स का भी फोटो लगा दो!)

६. इसलिए हम लोगों ने ये फैसला लिया कि हम सिर्फ अपने महापुरुष, अण्णा, अरविंदजी इनके फोटो तथा IAC के अलावा BVJ, भारत स्वामिमान, आर्ट ऑफ लिविंग ऐसे जो भी संघटन इस राष्ट्रीय आंदोलन में हैं उनके 'लोगो' रहे ऐसा सर्वव्यापी संदेशा जानेवाला बैनर बनाये और प्रचार करे! (आप सभी बैनर, हंडबिल देख सकते हैं!) क्यों की हमें यही साबित करना था कि लोग सिर्फ देशभावना से और अण्णा-अरविंदजी के प्रेरणा से जुड़ते हैं! उन्होने किसी को आंदोलन का मालिक नहीं बनाया है! हमने थाने से लेकर घाटकोपर स्टेशन तक अपना प्रचार कार्य, चौकसभा चालू किया जिससे शायद मयांकजी का इगो हट हुआ और उन्होने IAC MUM फेसबुक में लिखा कि 'ये' सब IAC का नाम खराब करनेहेतु हो रहा है! *(वाह रे मयांकजी, आपको मरते हुअे वॉलंटर्स को फोन करने को टाईम नहीं, लेकिन ये सब करने को टाईम है!) आप मुझे झुल्लाते हो! साथियो, गुस्ताखी माफ करना, पर इन्हे मैं यही बोलता हूँ कि - मैं वही हूँ जिसने १६ ऑगस्ट के आंदोलन में १४ और १५ को प्रिटिंग प्रेस बंद होने के कारण हंडबिल हाथ से लिखकर १००० डेरॉक्स भांडुप में बाँटे थे... बाद में सबसे २००-३०० रुपये जमा करके पुरे भांडुप में १०००० हंडबिल साथियों के साथ बाँटे थे... भैंस को लेकर एम.पी. के घर पर रैली निकाली थी, अपने खुन में दस्तखत करके वहाँ पत्र दिया था... तब आपको मैं IAC के खिलाफ नहीं लगा? ऑगस्ट ११, दिसंबर ११ में कई चौकसभा हुई... (मुलुंड-भांडुप के सारे चौकसभा के कुल ७-८ हजार सपोर्टर के नाम हमने सौंपे थे) आपने येरा लिखा हुआ ५०००० फैंपलेट दिसंबर ११ में ऑफिशिअली छपवाये, तब मैं IAC के खिलाफ नहीं था! मैंने बांकी साथियों की मदद से सितंबर ११ से ही मुलुंड-भांडुप के वॉलंटर्स की चिकली मिटींग आयोजित करना चालू किया ताकि ईशान्य मुंबई में IAC का एक अच्छा नेटवर्क बने तभी मैं IAC के खिलाफ नहीं था क्या? ऑगस्ट ११ में कितने नकली लोगों ने अण्णा के फोटो वाले बैनर पर अपना फोटो चमकाया, नागपुर में एक राजनेताने तो मुझे IAC का सपोर्ट है! ऐसा टि.वी पर बोला था, तब तो ये बातें बताने के बावजूद भी आप फेसबुक में कुछ नहीं लिखें!)



ऑगस्ट ११ तथा दिसंबर ११ के फैंपलेट



क्या हमारा ये बैनर आंदोलन के खिलाफ है?

* ये सब बातें मैंने जवाब के तौर पर फेसबुक में रखने के बाद और गुमराह लोगों को मुझे मेरे नं. पर फोन करने को लिखने के बाद आपने मेरा IAC MUM फेसबुक से नाम हटवा दिया! क्यों? मेरा सच न लिखने के लिए?

हमारी सोचने लायक निती :-

ये कटु सत्य समझने के बाद अब हम शायद इसकी जड़ रहे हमारी निती के उपर बात करे... हम ये आंदोलन 'आझादी की दुसरी लड़ाई' इस नाम से लड़ रहे हैं! लेकिन ये इतिहास को महेनजर न रखते हुअे कैसे हो रहा है इस बारे में मैंने अण्णा-अरविंदजी, आप को और मुंबई कॉर्डीनेटर को २/१०/११ को ही एक पत्र (रिपोर्ट) भेजा था। (वो पत्र जोड़ता हूँ) कई बार मुझ जैसे वॉलंटर्स ने इस तरह की बातें भी रखी कि जनलोकपाल संसद पास करे इसका अल्टिमेट प्रोसिजर क्या है? वो ये कि जब तक सांसद को चुनके देनेवाला गरीब और आम आदमी का वर्ग हमारे तरफ नहीं आता है (मतलब उनसे नहीं टुटता है!) तब तक चाहे १०० साल आंदोलन हो जनलोकपाल आना मुश्किल है!!

अगर हजारों लोग सिर्फ मेजर-जनरल के कपड़े पहनकर सिर्फ नारे देंगे और बातें करेंगे कि - पहले हमारे हाथों में एके-५६ रायफल आने दो, उसके बाद ही हम देश में घुसनेवाले दुश्मन से लड़ेंगे.. तब तक नहीं! तो ऐसे बातों के लड़ाकू लोगों को सारा देश ये ही कहेगा कि - तुम लोगों को मौजूदा हथियार से ही सामने लड़ना नहीं आता है तो एके-५६ पाकर भी क्या करेंगे? तब तक पुरा देश और हम लोग लुट जायेंगे। इस काल्पनिक उदाहरण का मतलब ये कि अपने क्षेत्र में वाकई भ्रष्टाचार याने क्या अन्याय होता है? कैसे होता है? मौजूदा कानून से भी उससे कैसे लड़ना है? कैसे शिकायत, RTI, PIL करना है यही अगर आज सारे नीबर वॉलंटर्स को अलग-अलग ऑक्टिविस्ट लोगों से नहीं सिखाया जायेगा तो वो अपने-अपने क्षेत्र के असह्य भ्रष्टाचार से कैसे लड़ेंगे और फिर लोग भी वॉलंटर्स के साथ आकर अपने आप सोचेंगे कि - अब इनके साथ वाकई जनलोकपाल की लड़ाई को भी अपनाना चाहिये!

हमारे यहाँ (पलटी मारकर) ऐसा बोला जाता है कि हमें बड़े-बड़े भ्रष्टाचार से ही लड़ना है, छोटे-छोटे भ्रष्टाचार से नहीं! ऐसा क्यों? आपको तकलीफ नहीं है इसलिए? भ्रष्टाचार को आप किसमें गिनते हो? पैसे मे या आदमी की ज़िंदगी, उसके स्वाभिमान में? आज जिनको जनलोकपाल नहीं आया तो भी चलेगा ऐसे खुशहाल लोग अपने हिसाब से आंदोलन के आरामदायी नियम बना रहे हैं!

अण्णाजी, अरविंदजी, अंततः आगे भी बातें होगी ये सोचकर मैं इस प्रपंच को यहाँ रोकता हूँ और आपको समविचारी वॉलंटर्स के तरफ से भी हक से ये ज़िद करता हूँ कि आप निम्न विनंतियों को पुरी करे -

१. 'पुरी हकिकत' और 'समांतर हकिकत' पर गौर करे, इसकी पुरी जाँच करे तथा कृती करे....

*२. पुरे हकिकत की राज्य सी.आय. डी. विभाग द्वारा जाँच होने की महाराष्ट्र सरकार से माँग करे तथा उसमें भी हमारे दिग्गज तथा दिये गए लोगों में से किसका माफीया के 'फेवर' में क्या रोल है इसकी जाँच हो।

३. क्या आप लोगों ने IAC मुंबई के दिग्गजों को अनियंत्रित छुट दे रखी है कि क्या वे आप के नाम से लोगों को को इकट्ठा करे और उनसे अपने पुराने वॉलंटर्स की अच्छाई, माफीया से लड़ते हुअे उसका हुआ हाल इसपर गर्व से बात करने के बजाय तथा उन भ्रष्ट माफीया का निषेध करने के बजाय उन्ही वॉलंटर्स को सरेआम झुठ इल्जाम लगाकर बदनाम करे। इसपर खुलासा हो!

४. IAC मुंबई के दिग्गजों को कई ऐसा घमंड तो नहीं कि तीन माले का तकरीबन ८-१० करोड़ रु. का ऑफिस, नानावटी हॉल ये सब सेट-अप हमारे पास है तो सब कुछ हमारे हिसाब से ही हो! अगर ऐसा है तो अण्णाजी ये सब आपके नाम से तथा आम वॉलंटर्स के झंडा लेकर पीछे खड़ा होने के बजाय से मिले हुए सेट-अप का तथा हर चीज का दुरुपयोग आप रोक दें!

५. एक इंसान जो 'तालाब' नहीं चखा, वो 'हुँद' चाटने का इल्जाम कतई बर्दाश्त नहीं करेगा! अण्णा-अरविंदजी, जब दिग्गि, यनिष जैसे चापलूसों ने आप पर किचड़ उछाले थे तब आप से ज़ादा हम लोग बेचैन हुअे थे। वैसे ही मुझ पर भी क्या गुजर रही है वो आप सॉचे और कृती करें।

६. पुरी नीती के उपर विचार मंथन हो!

७. अगस्त ११ के बाद तीन महीने तक जो भी लोग हमारे मिटिंग में आये, आते थे तब का और आज का पुरा न्यौरा सम्मने रखा जाये और ये खुलासा हो कि क्या नये वॉलंटर्स आते रहेंगे ये सोचकर पुराने वॉलंटर्स को ऐसे ही 'टिश्यु पेपर' सम्झकर फेकते रहेंगे तो पुराने वॉलंटर्स क्या करे?

८. इस दौरान जो अर भी सच्चे वॉलंटर्स सामने आयेंगे, उनके साथ क्या हुआ से भी सुनकर उनके साथ भी इंसफ हो!

और भी कुछ अलिखित विनंतियाँ मैं आपसे करूँगा ही!

*** ये पत्र मैं आप लोगों को इ-मेल और पोस्ट से भेजता हूँ और तीन हप्ते का सादर इंतज़ार करता हूँ। इसके बाद मैं आप के ही दिखाये रास्ते से चलूँगा! विचार मंथन होने हेतु आमरण अनशन करने के अलावा मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा!

इस दरम्यान जान भी जाये तो पर्व नहीं क्योंकि वैसे भी माफीया मुझे अकेला करके जान से मार दे या पुलिस मेरे उपर झुठ केस दुबारा डाल दे ऐसे लावारिस शहीद की मौत मरने से अच्छा है कुछ विचारमंथन कराके मरू!

अण्णाजी, आपको तो देश के लिए भुखा रहने की विधाता की देन है, लेकिन मैं आप जैसा महान नहीं हूँ! कुछ गलती हो तो माफ करना!

nitin03chavan@gmail.com

www.facebook.com/nitin.chavan.965928

हताश पर आशावादी मन से,
नितीन चव्हाण - ९८२०४५१५०५



NAGRIK SAMITI - Ward : 5

A.M. Jain Est.5/49, Village Rd., Bhandup-W, Mum-78. # +91 9820451505.

श्री. नितिन ब. पट्टाण (इंडिया अगेन्स्ट करप्शन, 'एस' वॉर्ड, मुंबई)
नागरिक स्वराज्य मंच (रजि.)

तथा सभी समविचारी साथी (www.aamadmipartyepolkhol.in)

To,
श्री. अरविंद केजरीवाल

नेता, आम आदमी पार्टी (कृपया पत्र खुद पढें)

By-First Flight Courier (B99180555092)

Received on 1/11/13 at Gajiyabad Office,
Koushambi by Mr. S. Kumar

- संदर्भ: 1) आपको दि. 18/8/12 और 31/8/12 को सबुतों के साथ) ई-मेल पत्र-
शीर्षक : "अरविंदजी.. सत्य बताने के लिये माफ करना"
2) दि. 26/9/12 को जब आप मुंबई में श्रीम. अंजली दमानिया के साथ प्रेस कॉन्फरंस लेने आये
तब एअरपोर्ट पर हुई मेरी आपसे निष्फल चर्चा।

**विषय : जनलोकपाल के प्रावधानोंनुसार आप खुद दोषी न हो इसलिये और
आगामी सत्याग्रह की पूर्वसूचना देने हेतु निवेदन।**

महोदय, वंदे मातरम।

हम, ऊपरी जनलोकपाल आंदोलक, आपको निवेदन करते हैं कि, फिलहाल आप चाहे अन्य पार्टियों की तरह आनेवाले कई
चुनाव जीतने के होड़ में रहे और जीत जाये.. लेकिन हम संदर्भ में दियेनुसार आप को सूचित तथा शिकायत करते आये कि कैसे
आप खुद गंभीर आरोप लगे दोषी व्यक्तियों के साथ (नाम- श्री मयांक गांधी, अंजली दमानिया, प्रफुल वोरा इ.) काम कर रहे
हैं..! [बिल्कुल अपने प्रधानमंत्री जैसे] लेकिन एक साल के ऊपर होने के बाद भी आजतक आपने इन लोगों की Enquiry तक नहीं
की! ये सारी बातें जनलोकपाल के प्रावधानों के खिलाफ हैं.. जिसमें साफ है कि पीडीतों की शिकायतों को नजरअंदाज करना,
जानकारी छुपाना इ. ऐसे कार्य करनेवाला जवाबदेही भी (ज्यादा) भ्रष्ट और सजा का हकदार होता है..!

- 1) देश के चंद उद्योगपतियों ने अगर किसान बनकर देश की सारी खेती (यानि अपनी धरतीमाता!) खरीद ली और उसे
एन. ए. कराके मोटी किमतों में सारे अमीरों को बेचा तो चलेगा क्या? आपके साथी श्रीम. अंजली दमानिया ने ऐसा
ही भ्रष्टाचार किया जिसका ब्यौरा तथा शिकायत हमने सरकार को भेजी है.. (Exhibit...A...) क्या ये बातें आप जैसे।
R.S. ऑफीसर को पता नहीं था?
- 2) अक्टुबर 2012 में आप ने नमूद दोषियों के खिलाफ पार्टी लोक-पालद्वारा जांच करने की घोषणा की थी..
(Exhibit...C.....) उसका क्या हुआ क्या ये एक सवाल नहीं?
- 3) हजारों गरीब देशवासियों ने अपनी जिंदगी जलाकर, अपना रोजगार भुलाकर एकराष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया उसे
अपना महारोजगार बनाकर नमूद दोषी और उनके निजी लोग ये लाख रु. तक सिर्फ मासिक वेतन लेते हैं! (ये बात
वे खुद कबुलते हैं) ये भ्रष्टाचार नहीं क्या?
- 4) (See Exhibit D...pg. 4... paragraph.....) राष्ट्रीय आंदोलन (IAC) की सामग्री जैसे डेटाबेस, फंड,
ऑफीसेस, फोन नंबर्स 09718500606, 7303150500 वेबसाइट्स (जैसे iacmum इ.) इन सब का इस्तेमाल
अब नमूद राजनीतिक पार्टी के लिये किया जाता है.. ये धोकाधड़ी नहीं क्या?

INDIA AGAINST CORRUPTION

2nd Floor, Vishwananak Bldg-B; Guru Nanak Wadi; opp SK/ODA show room
Chakala Junction, Andheri (E), Mumbai 400 093 Tel: 2831 1560 / 1860
Email: IndiaAgainstCorruptionMumbai@gmail.com Link: http://iacmumbai.org

यहाँ फिलहाल →

A.A.P. का

कामालास बनाया गया है.. जिसका वास्तव्य भी पहले से ही गैरकानूनी है!

- 5) अगस्त 2012 से ही अण्णाजी का फोटो, IAC ये नाम नमूद राजनीतिक पार्टी के लिये इस्तेमाल नहीं करना है ये तय होने के बावजूद भी बेईमानी से नमूद चीजों का इस्तेमाल करके नमूद राजनीतिक पार्टी के 'लॉन्चिंग' का लोगों में नमूद दोषियों ने खुब प्रचार किया (Exhibit... B... 2nd Last Pg...) इसमें आपकी सहमती थी क्या?
- 6) नमूद दोषी ये दुसरे भ्रष्टों की पोलखोल या 'स्कॅम फेस्टीवल' (जैसे 1,2 अक्टू 2013 में) करते हैं.. लेकिन खुद के ही मुंबई में जब अण्णाजी की आज़ाद मैदान में एक महत्वपूर्ण सभा (9 अक्टू 2013) होती है तो ये खुद वहाँ आने से डरते हैं/ या फिर इन्हे शायद मना किया जाता है! इससे कुछ बोध लेना बाकी है?
- 7) (See -Exhibit... D... संक्षिप्त हकिकत & Exhibit... B...) दोषी ये खुद अपने गरीब कार्यकर्ताओं से विभागीय भू-माफीया से लड़ने के लिये प्रोस्ताहित करते हैं और फिर भूमाफीया से 'फिक्सिंग' करके कैसे खुद उन कार्यकर्ताओं को पुलिसबद्वारा झुठे केस में पिटवानेवाले माफीया के साथ घुमते - बैठते हैं! इसपर भी आप एक साल से चुप हैं.. क्यों? (ये भी मानवीघात और नीच भ्रष्टाचार का ब्यौरा एवं शिकायत हमने सालभर से सरकार को भेजी है.. लेकिन आश्चर्य ये कि 'आप के लोगों के खिलाफ सरकार कोई भी बात सामने लाना ही नहीं चाहती!)
- 8) आपके पार्टी के अंदर ही बाहुबलीराज चलता है! उदा. सितंबर 2013 का 'आप' के मुंबई कमिटी का चुनाव.. दिखाते हैं 1500 वोटर्स, अपने खिलाफवाले वोटर्स को नमूद दोषी ये पुलिस के जरिये चुनावस्थल आने से रोकते हैं, सिर्फ 285 वोटर्स आते हैं, इनमें भी खुद के प्रभाव के आदमी बस में बिठा कर लाये जाते हैं... इस कमिटी में एक जनलोकपाल आंदोलनकारी की दुकान धोके से हडपी हुई व्यक्ती, जिसके बारे में इनको पता भी है, उसे भी चुनके लाया जाता है! ऐसा आपको शोभा देता है?

शर्मनाक मुद्दे तो बहुत सारे हैं... हम फिर भी इस स्मरणपत्र के साथ संबंधित दस्तऐवज जोड़े हैं उसे गौर से पढ़ें और नमूद दोषियों के खिलाफ और आप के खिलाफ दिल्ली या कहीं भी सत्याग्रह, आंदोलन क्यों न हो कृपया ये जल्द ही बताये! कृपया आप या कोई भी किसी आम आदमी के अस्तित्व और इंसान की जंग से बड़ा नहीं होता और न ही सत्य बोलने के लिये संख्याबल की जरूरत होती है!

धन्यवाद!

(हमारे IAC का आंदोलनकारी होने का सबूत Ex-"B" में देखें..)

(आम आदमी, युज्ड-एन-श्रोड)

- साथ में, Exhibit →
- A) सरकार को लिखा शिकायतपत्र जिसमें श्रीम. अंजली दमानीया के जमीनव्यवहार के बारे में पूरा ब्यौरा है।
 - B) सरकार एवं मानवाधिकार आयोग को लिखा शिकायतपत्र जिसमें A.A.P. के दिग्गज/भू-माफीया/भ्रष्ट पुलिस इन news के मानवी अत्याचार का पूरा सबूतों के साथ ब्यौरा है।
 - C) नमूद दोषियों के खिलाफ जांच कराने की घोषणा करने का न्यूज पेपर कटींग।
 - D) www.aamaadmiipartyepolkhol.in का लेखा।
 - E) संदर्भ में दियेनुसार आपको भेजे/या खुद हाथों में दिये हकिकत का पत्र।

निमंत्रण

एकार स्थापनेसाठी ठंडा घेणार नाही किंवा ही भूमिका घेतली आहे. ठी निमंत्रण दिले, तर मिळेवर ठाम राहण्यावर त नाही. तसे झाल्यास व म्हणून काँग्रेसलाही जाऊ शकते. (लोकमत)



Exhibition



1732/2013

गोवा येथून एकाच वेळी प्रकाशित ■ वर्ष : २५ अंक : ९०

पुणे क्लस्टरचे धोरण महिनाभरात

नागपूर : पुण्यातील क्लस्टर डेव्हलपमेंटबाबतचे नवे धोरण येत्या एक महिन्यात जाहीर केले जाईल, अशी घोषणा मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण यांनी गुरुवारी विधानसभेत केली. एकेका इमारतीच्या पुनर्विकासासाठी असलेले प्रोत्साहन आहे तसेच कायम ठेवून क्लस्टरसाठी जादाचे प्रोत्साहन दिले जाईल, असे त्यांनी स्पष्ट केले. मुंबईबाबतचे धोरण जाहीर केले की, पुण्यासाठी धोरण तयार करण्यावर भर दिला जाईल. लोकप्रतिनिधी, विकासकांची मते जाणून घेतली जातील, असे ते म्हणाले. (विशेष प्रतिनिधी)

पिंपरी-चिंचवडचा निर्णय पुढील आठवड्यात

पिंपरी-चिंचवडमधील अनधिकृत बांधकामे ही डीपी रोडच्या जागेवर, नदीपात्रात किंवा अन्य कारणांसाठी आरक्षित जागांवर झालेली आहेत. त्यांच्याबाबत व्यवहारिक भूमिका घ्यावी लागेल. त्यासाठी आधी एमआरटीपी, लँड रेव्हिन्यू कोड, ग्रामपंचायत कायदांमध्ये काही बदल करावे लागतील. त्यांचा मसुदा तयार आहे. तो मंत्रिमंडळाच्या आगामी बैठकीत मान्यतेसाठी आणू.

लोकमत
13.12.13

कुमार विश्वास यांना धक्काबुक्की

गैरव्यवहाराचे आरोप : राळेगणमधील प्रकार

विनोद गोळे ■ राळेगणसिद्धी

अण्णांच्या रामलीलावरील आंदोलनात गोळा झालेल्या निधीचा गैरवापर केल्याचा आरोप करीत इंडिया अगेन्स्ट करप्शनचा कार्यकर्ता म्हणवणाऱ्या नितीन चव्हाण याने आम आदमी पार्टीचे नेते कुमार विश्वास यांना धक्काबुक्की केल्याचा प्रकार गुरुवारी घडला. या प्रकारामुळे कार्यक्रमस्थळी गोंधळ उडाला. यानंतर विश्वास यांना बंदोबस्तात बाहेर पोहोचविण्यात आले.

अखिंद केजरीवाल यांनी तब्येतीच्या कारणाने राळेगण भेट रद्द केल्यानंतर त्यांच्या वतीने कुमार विश्वास, गोपाल राय, अंजली दमानिया, मयंक गांधी गुरुवारी दुपारी १ वाजेच्या सुमारास येथे दाखल झाले. अण्णांची भेट घेऊन त्यांनी त्यांच्याशी बंद खोलीत चर्चा केली. यानंतर विश्वास यांनी उपस्थितांना मार्गदर्शन केले. या वेळी त्यांनी 'काही विप्रासंतोषी माणसे आमच्यात दुरावा निर्माण करीत आहे. गावकऱ्यांनीही सजग राहावे,' असे आवाहन केले. तसेच बारापतीमधून शरद पवार यांच्याविरोधात उमेदवार उभा करू, असे ते म्हणाले. ते बोलत

सक्षम लोकपालच हवे

सक्षम नसलेले विधेयक मंजूर झाले तर ते स्वीकारणार नाही, असा पुनरुच्चार अण्णांनी केला. गुरुवारी त्यांनी पंतप्रधान कार्यालय राज्यमंत्री नारायणस्वामी, सोनिया गांधींसह भाजपचे अरुण जेटली यांना पत्र पाठवून भूमिका मांडली. या पत्रात सामान्य माणसाच्या भल्यासाठी हे विधेयक विनाविलंब मंजूर करा, असे आवाहन अण्णांनी केले आहे.

केजरीवालांनी लोकपालावर बोलावे

केजरीवाल यांना आपला विरोध असण्याचे कारण नाही. मात्र, त्यांनी राजकारणावर भाष्य करू नये, एवढे पथ्य पाळावे, असे अण्णा म्हणाले.

असतानाच नितीन चव्हाण तेथे 'दलाल-दलाल' अशा घोषणा देत घुसला. या प्रकारानंतर विश्वास यांनी पत्रपरिषद आटोपती घेतली. ते उठून जात असताना चव्हाण याने विश्वास यांना धक्काबुक्की केली. कार्यकर्ते विश्वास यांच्या संरक्षणासाठी पुढे आले.

या वेळी 'आप'चे कार्यकर्ते आणि चव्हाण यांच्यात हमरीतुमरी झाली. यानंतर गद्दीतून वाट काढत विश्वास व सहकाऱ्यांनी राळेगण सोडले.

'ल सोम

जयशंकर

ज्येष्ठ सम जनलोक केल्यानंतर सरकार असलेल्या मंजूरीसाठी सरकारने करण्यावि केली आ राज्यसभेत मंजूर कर केंद्र सरका शुक्रवारीचे ते मंजूर क

स्थळ: द युनिक अँकॅडमी, नवीन इमारत
जोशी वडेवालेच्यामार्गे, बालगंधर्व चौक, पुणे
बॅच सुरू 2 जानेवारी 2014
UNIQUE 020 - 25530950
academy 9890192929
राज्यसेवा पूर्व परीक्षा टेस्ट सिरीज उपलब्ध
disha/Pn



सराव प्रश्न / पान ४

चतुरंग
सन्निवार, १४ डिसेंबर २०१३
स्त्रीस्वातंत्र्य
आणि स्त्रीसाहित्य
३६ ज्योती विस्तार
माध्यमातील स्त्री प्रतिमा
जबाबदार कोण?
मोठिनी मोडक

अंतरंग

कोकण रेल्वेवर 'नाताळ' एक्सप्रेस!

मुंबई : नाताळ आणि नववर्ष या निमित्ताने गोवा आणि कोकणात जाणाऱ्या प्रवाशांसाठी मध्य रेल्वे १५ डिसेंबरपासून कोकण रेल्वेमार्गावर शताब्दी एक्सप्रेस चालविणार आहे. सोमवार आणि गुरुवार वगळता आठवड्याचे पाचही दिवस ती महिनाभर घावणार आहे. पान ८

'सवाई'चा सुरेल प्रारंभ

पुणे : पं. भीमसेन जोशी यांच्या स्वरातील सरस्वती वंदना... मधुकर धुमाळ यांच्या सनईतून दरवळणारा

कदाल दाखवल्यामुळे उरून बसले. याचा त्रास होत आहे.

अण्णांच्या आंदोलनाला

लोकसत्ता
13.12.13

'आप'चा ताप!

'आम आदमी'च्या घुसखोरीमुळे नाराजी

विशेष प्रतिनिधी, पुणे

सक्षम जनलोकपाल विधेयकाच्या मागणीसाठी दोन दिवसांपासून राळेगणसिद्धी येथे उपोषणास बसलेले ज्येष्ठ सामाजिक कार्यकर्ते अण्णा हजारे यांच्या आंदोलनात गुरुवारी 'आम आदमी पक्षाने' शिरकाव केल्याने टीम अण्णामध्ये नाराजी पसरली आहे. लोकपाल विधेयक लोकसभा निवडणुकीपर्यंत मंजूर होऊ न देण्याचा 'आप'चा प्रयत्न असून ते अण्णांची चळवळ 'ताब्यात' घेऊ पहात आहेत, असा आरोप अण्णांचे समर्थक डॉ. विश्वंभर चौधरी यांनी केला; तर दुसरीकडे 'आप'चे नेते



कुमार विश्वास यांना राळेगणमध्ये धक्काबुक्की करण्यात आल्याने टीम अण्णा आणि टीम केजरीवाल यांच्यातील दरी अधिकच रूढावली आहे.

'आप'चे नेते अरविंद केजरीवाल यांनी गुरुवारी आपण अण्णा हजारे यांना भेटण्यासाठी जाणार असल्याचे बुधवारी म्हटले होते. मात्र, ऐनवेळी 'आजारी' असल्याचे कारण देत त्यांनी ही भेट

विधेयक सोमवारी राज्यसभेत

लोकपाल विधेयक सोमवारी राज्यसभेत येईल असे संसदीय कामकाजमंत्री कमलनाथ यांनी सांगितले. त्यानंतर ते लोकसभेत आणले जाईल असे त्यांनी स्पष्ट केले. तर सरकार अधिवेशनाचा कालावधी कमी करून हे विधेयक रोखण्याचा प्रयत्न करत असल्याचा आरोप विरोधी पक्षनेत्या सुषमा स्वराज यांनी केला. तातडीने हे विधेयक आणावे अशी भाजपची भूमिका असल्याचे त्यांनी स्पष्ट केले. मात्र, समाजवादी पक्षाने विधेयकाला विरोध केला आहे.

रद्द केली. त्यांच्याऐवजी 'आप'चे नेते कुमार विश्वास व अन्य काही कार्यकर्ते राळेगण येथे दाखल झाले. मात्र, येथे त्यांचे स्वागत आम आदमी पक्षाविरोधातील घोषणांनी केले. त्यातच मुंबईहून आलेल्या नितीन चव्हाण या कार्यकर्त्याने विश्वास यांना धक्काबुक्की केली. ते पाहून विश्वास यांच्या कार्यकर्त्यांनीही त्याला धक्काबुक्की केली.

पोलिसांनी हस्तक्षेप केल्याने पुढील प्रसंग टळला. मात्र, टीम अण्णा व टीम केजरीवाल यांच्यातला बेबनाव वाढल्याचे यातून स्पष्ट झाले.

उपोषण स्थळी आलेले कुमार विश्वास यांनी कोणतेही राजकीय विधान करू नये, असे त्यांना अण्णांनी बजावले होते. मात्र तरीही त्यांनी राजकीय वक्तव्य केले, असे विश्वंभर चौधरी म्हणाले. 'आप' अण्णांची चळवळ स्वतःच्या

जाब्यात घेऊ पहात असल्याचा आरोपही त्यांनी केला. ते म्हणाले, 'सरकारकडून मांडल्या जाणाऱ्या लोकपाल विधेयकात अण्णांचे ७५ टक्के मुद्दे आहेत. आता निवडणुकीचे वारे असल्याने त्याकडे गांभीर्याने पाहिले जात आहे. त्यामुळे अण्णांनी हे विधेयक स्वीकारावे. उरलेल्या गोष्टीबाबत नंतर सुधारणा करता येतील, असे माझे मत आहे. मी, मेधा पाटकर आणि किरण बेदी यांनी अण्णांना तसे सुचवले आहे. मात्र, 'आप'कडून हे विधेयक न स्वीकारण्याबाबत अण्णांना सल्ला दिला जात आहे. विश्वास यांनी आपल्या भाषणात तसे सुचवले. 'आप'ला लोकसभेच्या निवडणुकीपर्यंत हा मुद्दा भिजत ठेवायचा आहे. कारण लोकपाल विधेयक मंजूर झाले तर त्यांच्याकडे मुद्दाच राहणार नाही,' असे चौधरी म्हणाले.

महागाईचा कलस

कडाडलेल्या भाज्या- फळे आणि अंड्यांचे

उद्योगक्षेत्राला मरगळ

अर्थतज्ज्ञांच्या मते उद्योगक्षेत्राला मरगळ लागली आहे.

त्याजदरवा

(163)

O W No 5045DOP Zone 7/13
Office of the Dy Comm. of Police
Zone 7, Mulund (w), Mumbai 80

Date - 05-09-13

117

H.R.C.
C.R. UNIT

19 SEP 2013

140452

By: No.

To,

The Assistant Registrar (Law),
National Human Rights Commission,
Faridkot House, Copernicus Marg,
New Delhi 110 001.

Sub - Action taken report in National Human Right Comm.

Case No 1505/13/16/2013/OC dated 24-05-13 in respect of

Shri Nitin Chavan.

Sir,

The gist of the application made by the applicant is as follows.

- 1- That police officer P I Sangle (now attached to Sion Police station) and API Bankar have harassed him.
- 2- That he has been implicated in a false case fo extortion, represented an alibi and request to discharge the case.
- 3- He and his associate are subjected to harassment for they belong to the rank of Aam Admi Party.

11-5 I have to submit that the applicant has so far made myraid number of application just to pressurize the investigating agency. The applicant had been arrested extorting money and there is more than sufficient evidence to prove the case. The case is pending trial. secondly, the applicant is not a member of the Aam Admi Party. A letter to that effect has been received from the party office. Thirdly, since PI Sangle and API Bankar had investigated the case against him, he has falsely made allegations against them without any material. for information pl.

30/7/2013

For Office of the Dy Comm of Police

Zone 7, Mulund (w), Mumbai 80.

Copy Submitted to -

1. The D O, Pol 14, Home Dept, Mantralaya, Mumbai.
2. The Addl D G, PCR, D G Office, Mumbai
3. The Dy Comm of Police, Preventive, Crime Br, Mumbai. (ow no 276/13 dtd 02-06-13)



164

385

O.W. No. 4263/2015
Supt. of Police, State C.I.D.
Konkan Bhavan, Navi Mumbai,
Telefax- 022-27571485
Date, 07/12/2015.

N.H.R.C.
C.R. UNIT
16 DEC 2015
233620
Dy. No.....

The Registrar,
National Human Rights Commission.
Manav Adhikar Bahavan, Block-C,
G.P.O Complex, INA
New Delhi -110023

Sub - Inquiry Report of Complaint made by Shri Nitin B. Chavan

Ref - 1) Your office N.H.R.C..Case No.1505/13/16/2013/oc/M-
5,dt.22/11/2014
2) Letter from Addl. D.G. of police P.C.R.D.G./42-a/
N.H.R.C./98/Chavan/639/2014 dt. 17/12/14

Respected Sir,

SCANNED

With reference to and subject captioned above, the orders were received vide reference 1 and 2 that an inquiry be conducted on complaint made by Nitin B. Chavan against police officers viz P.I. Sangale, A.P.I. Bankar and others for falsely implicating him and others in case of extortion and harassment.

Complaints in the complaint letter are as follows:

- 1) The complainant has been falsely implicated by Bhandup police Station in C.R. No. 150/2012 u/s. 384,34, IPC
- 2) In the above C.R. arrest has been made by the police and complainant has been harassed by P.I. Sangale and A.P.I Bankar of Bhandup police station.
- 3) Though the complainant is a member of "India Against Corruption", the other members of "India against corruption", Shri. Mayank Gandhi and others have not helped him as regards his complaint.

On the above points, detailed inquiry has been made and interim report of the finding is submitted as follows :

1) C.R. No. 150/2012 u/s. 384,34, IPC is registered on the complaint of Sanket Suresh Joshi against complainant Nitin B. Chavan and Hamid Rahim Sarvaya on 19/4/2012 at 21.35 hrs. for demanding 15,000/- for not giving information to B.M.C. about illegal construction. After registering of offence accused Nitin Chavan and Hamid Sarvaiya were arrested on 20/04/12 and they were bailed out on 20/04/12. After investigation chargesheet has been filed on 30/05/12 in the Metropolitan Magistrate, 53 rd Court Mulund, Mumbai. A copy of chargesheet is attached herewith. (Annexure - I)

2) After arrest of Nitin Chavan on 20/04/12, a medical check up was done by Medical Officer of Smt. M.T. Agarwal Municipal General Hospital Mulund (W), Mumbai 80. Also, when accused Nitin Chavan and Hamid Sarvaiya were produced before Metropolitan Magistrate, 53 rd Court Mulund, Mumbai for remand purpose, accused did not complaint against police of ill treatment as stated by the Hon. Judge in the remand report. Copies of medical check up paper and copy of remand letter is enclosed herewith. (Annexure - II & III). Statements of P.I. Sangale and A.P.I. Bankar regarding the action taken by them have been recorded.

3) As per complaint made by complainant against Mayank Gandhi and others for non co-operation at the time of police action, we have inquired with 1) Mayank Gandhi 2) Praful Vora 3) Naresh Thakur 4) Dinkar Joshi 5) Smt. Susma Maurya. They said that Nitin Bajarang Chavan was a member of their "India against Corruption". But Nitin Chavan later fell out with them as he had started indulging in illegal activities like extorting money from people. Therefore, they did not co-operate with the complainant at later stage. The statements of 1) Mayank Gandhi 2) Praful Vora 3) Naresh Thakur 4) Dinkar Joshi 5) Smt. Susma Maurya have been recorded.

4) After bail out from the above C.R. on 20/04/12, complainant on his own went to Smt. M.T. Agarwal Municipal General Hospital Mulund (W), Mumbai 80 for a medical check up. At the time of medical check up complainant told to Medical Officer that he has been beaten by the police with a wooden stick which had caused swelling to his left foot. After enquiry made in this connection with Medical Officer Shri Dr. Atamsing Sarvantsing Hero, in his statement Dr. Hero has said that no fresh injury was observed. Regarding complaint from complainant Shri Chavan about swelling on his left foot, Dr. Hero advised an x-ray to be taken. But no internal injury was observed according to statement of Dr. Hero. Dr. Hero also opined that swelling on foot could be by any other reason other than that of beating with wooden stick.

During the inquiry, it has come to light that three complaints of threats & harassment are received in Bhandup Police Station against complainant of this case,

Shri. Sanket Joshi.

We are in the process of examining the complaints against Shri Sanket Joshi in Bhandup Police Station to prove the nexus between police and complainant as alleged by Nitin Chavan in this complaint to NHRC. Once facts regarding this are ascertained a detailed follow up report regarding the findings shall be submitted to NHRC.



Yours faithfully,

(Pournima Gaikwad)

Supdt. of Police
State CID, Konkan Bhavan,
Navi Mumbai.

Copy to -

- 1) Director General of Police, Maharashtra State, Mumbai
- 2) Addl. Director General of Police, State C.I.D Crime, M.S., Pune.
- 3) Addl. Director General of Police, PCR/HR, M.S. Mumbai.
- 4) Special Inspector General of Police, (crime-west), State C.I.D. MS, Pune
- 5) Registrar, Human Right Commission, M.S. Mumbai.

167

9:34
mayank gandhi
last seen today at 09:25

3) चिराबाजार के 55 करोड़ रु के स्टैम्प ड्यूटी घोटाले में आप के उस सौदे में witness के तौर पर sign...

बाकी सब ठीक है 😊

4) सन 2014 में आप पर महिलाविषयक जुर्म में ओशिवरा में FIR!

फिर आप और ### ये उस महिला से सेंटिंग करके दुसरे ही दिन commissioner office जाकर मामला दबाते हो!

(कोई सच्चा और शरमवाला रहता तो इस defamation के बदले पोलीस के खिलाफ शिकायत करता!)

खैर बाकी सब ठीक है 😊

5) कर्जत में आप चार पाच लोगों ने क्या क्या धंदे किये ये तो बड़े बड़े किस्से है...!

बाकी सब ठीक है 😊

6) सन 2010 में आप पर, लोक गुप बिल्डर्स के लोगों पर मुलुंड कोर्ट में सुधाकर शेटी द्वारा धोखाधड़ी का मामला... बाद में settlement हो गया...

बाकी सब ठीक है 😊

7) सन 2014 में लोकसभा election में affidavit में अपने खिलाफ केस होने को छुपाया उसकी भी criminal complaint हुई थी...

बाकी सब ठीक है 😊

8) IAC और AAP में तुम "चारों" ने क्या क्या किया, कैसे "fixing" का काम करते थे, कैसे भेदभाव करते थे ये भी बड़े किस्से है...

बाकी सब ठीक है 😊

9) बाकी समाजसेवा करते करते मुंबई के अलावा अहमदाबाद में भी 5000 sq ft के फ्लैट्स और प्रॉपर्टी



9:34
mayank gandhi
last seen today at 09:25
<https://tinyurl.com/metroAAREY> 13:25

TODAY

To,

mr मयांक गांधी,

"निर्लज्जम सदासुखम" !

कुछ लोग अपनी अंतरात्मा, शरम बेचकर इस वाक्य पर चतते हैं और खुश रहते हैं !

अब आपको ही देखो ना कितने क्रिमिनल, धोखाधड़ी, चारसोबीसी के संगीन शिकायतें हैं आपके खिलाफ, फिर भी आ रहे नया दाढ़ी लगाकर साधू यानी social activist बनकर अश्विनी भिडे, mmrc के program में !

शाब्बास !

कभी लोक गुप बिल्डर्स director... कभी IAC... कभी जनलोकपाल... कभी AAP... आजकल परली में... सिर्फ मेरी ही आप के बारे में 2011 से जाणकारी में बस इतने ही संगीन मापले हैं, बाकी सब ठीक है 😊 -

1) सन feb 2012 में चिराबाजार के क्लस्टर developmnt घपले में शिकायत...

बाकी सब ठीक है 😊

2) सन 2012 में भांडुप के लैंडमाफिया के साथ मिलकर अपने ही लोकपाल आंदोलन के साथी volunteers को झुठे पोलीस केसेस में मारवाया... जिसमें एक का बाया हाथ और बाद में 7 महिने की बच्ची तक खोना पड़ा... उन गुंडों के साथ मिलकर क्या क्या किया...!

बाकी सब ठीक है...

3) चिराबाजार के 55 करोड़ रु के स्टैम्प ड्यूटी घोटाले में आप के उस सौदे में...



9:44

4G



Priti menon
98200 50877 India

Ms प्रीती,
आरे के पोलीस victims के लिये राज्यपाल को AAP के letter से शिकायत करने का दिखावा करणे के पहले ये तो याद रखती कि -

कैसे भांडुप लैंडमाफिया के साथ रहकर नितीन चव्हाण, हमीद शर्किया नाम के असली fighters पर झुठे police केसेस रचाये, (जिसमें नितीन को एक हाथ और बाद में 7 महिने की बच्ची खोना पड़ा)

कैसे यर्ड डिग्री में मरवाया,,

कैसे दुबारा केसेस होने के लिये उसी धुस्त पोलीस में AAP के letter के साथ गयी थी,,

कैसे उन माफिया के साथ घुम-बैठे,,

ये सब भूल गयी क्या ???

Received

9:40

2

Text message



10:01
mayank gandhi
online

बाकी सब ठीक है 😊

9) बाकी समाजसेवा करते करते मुंबई के अलावा अहमदाबाद में भी 5000 sq ft के फ्लैट्स और प्रॉपर्टी कैसे बनते हैं ये एक आदर्श है...

बाकी सब ठीक है 😊

रही बात 1 नवंबर के प्रोग्राम की तो सरकारी mmrc की अश्विनी भिडे जो जनरल डायर बनकर आरे जंगल की हत्या करती हैं और स्टालिन दयानंद के सामने ओपन debate के लिये डरती हैं वो अपना दिखाऊ seminar में स्टालिन या save aarey के किसी भी activist को बुलाने के बजाय आपको बुलाती हैं ! शाब्बास !

(जब कि आप खुद stalin dayanand के काम के बारे में 2011 से जाणते और मानते थे !)

भाई, आप nature प्रेमी कौनसे साल में बन गये ? ये क्या विनोद खन्ना, अमिताभ की हेरा-फेरी पिक्चर चल रही क्या ? कभी ये बनो, कभी वो बनो, हा ? फिर भी लगे रहो, लगे रहो....

बाकी सब आपका ठीक ही है 😊😊

09:31

Happy diwali and new year to you and your family, my friend

09:55

mayank gandhi

Happy diwali and new year to you and your family, my friend



10:00



दिनांक : 19.04.2014

सेवा में,

श्री मयंक गांधी *by email*

'आप' हमारे चुनावी क्षेत्र में उम्मीदवार हो, सो क्या आप हमारे इन पुराने सवालियों को जवाब दे और यदि नहीं दे पा रहे तो आपको हमारे यहाँ जनता से वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

१) एक तरफ आप जनता में 'स्वराज' की बातें करते हो और दूसरी तरफ 'आप' अपने साथी वालंटर्स की हत्या या घात होने की भ्रष्ट लेडमाफीया से 'सुपारी' लेने जैसी हरकतें क्यों करते हो??

भांडूप के कार्यकर्ताओं से जमीनी तौर के भ्रष्टाचार से (लैंड-माफीया से) लड़ने की चर्चा करना.. बाद में 'सामनेवाले' लैंड-माफीया के लिये अपने ही उन कार्यकर्ताओं पर झुठा केस रचानेवाला 'पत्र' देना... बाद में अपने तीन कार्यकर्ताओं को पुलिसद्वारा अधमरा मरवानेवाले माफीया गुंडों के साथ घुमना (आप के उम्मीदवार नरेश ठाकुर ये तो रात के ११ बजे भी घुमते थे!) बाद में उन माफीया को अपने पार्टी में लेना.. उनकी शिकायत करने के बजाय अपने ही 'शहीद' कार्यकर्ताओं की 'उसी' पुलिस में लेटरहेड से शिकायत करना.... इस पुरे विश्वासघाती अत्याचार में एक कार्यकर्ता को अपना हाथ और इसी दबाव में उसकी ७ महीने की बच्ची को भी खोना पडा!!! मयंक जी इसपर 'आमने-सामने' जवाब दे! भागते मत फिरे!!

२) एक तरफ 'आप' जनता को 'जनलोकपाल' का गाजर दिखाते हैं...

और दूसरी तरफ... खुद आप को जिनके ऊपर चीराबाजार में क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के बारे में भ्रष्टाचार के आरोप तथा शिकायतें हैं उस मामले में पार्टी लोकपाल द्वारा किसी complainer या witness के बिना आपको fake तरीके से क्लिन-चिट दी जाती है!!

तथा सरेआम मीडिया में घोषणा करने के बाद भी श्री. अंजली दमानिया की कर्जत जमीन घोटाला मामले में जाँच भी नहीं होती! क्या यही है, आपका जनलोकपाल ??

३) 'आप' लोगों ने पहले मंदीर की (यानि जनआंदोलन की!) तस्वीर दिखाकर हम जैसे लोगों की भावना, मेहनत, पैसे जमा किये और बाद में उसी से अपना प्रॉपर्टी (यानि 'आप' की पार्टी!) बनाई और अभी भी

आप आंदोलन की सामग्री, डेटाबेस, वेबसाइट्स, फोन नंबरस ये सब अपनी पार्टी के लिये इस्तेमाल करते हो, क्या ये विश्वासघात की भ्रष्टाचार नहीं है क्या??

- ४) आप फुलटाईम 'क्रांतिकारी' का काम करते हो तो महीने के लाखों रुपये आपको कौन और कौन-से काम के लिये देता है इसका पुरा ब्यौरा देंगे क्या? तथा 2010-11 के पहले का भी ब्यौरा देंगे क्या?
- ५) आप ने एक आक्टिविस्ट के नाते जनहित में 2010 के पहले क्या काम किये इसका ब्यौरा देंगे??
- ६) आप ने अपने 2010 में लिये अहमदाबाद के दो फ्लैट दिखाये है उसका index-II रजिस्ट्रेशन को जाहिर करेंगे क्या?
- ७) आपने कर्जत का डैम के खिलाफ हायकोर्ट से PIL-63/2012 दर्ज की जिसमें अंजली दमानिया जो वहा की जमीन खरीदी-बिक्री मामले में विवादीत है तथा श्री माथनकर जो 2G घोटाले में चर्चित D-B रियल्टीज के है ये सब पिटीशनर्स है... आप लोगों का उस गाव या किसानों से क्या संबंध है? तथा केस करने के बाद आप हायकोर्ट में एक बार भी क्यों नहीं आये??
- ८) २०१३ में जो 'आप' लोगों ने आम जनता से 'महाराष्ट्र सुखाग्रस्त निधी' वसुला था वो नियमित और भ्रष्टाचार रहित है??
- ९) अरविंद केजरीवाल इन्होंने CM की खुची छोड़ने का असली कारण क्या है? क्या उनके खिलाफ पटियाला कोर्ट में दिल्ली इलेक्शन अर्जी में अपना गाजियाबाद वाला फ्लैट छुपाने का फोर्जरी केस नहीं है क्या??
- १०) दुसरो को सवाल पुछनेवाले 'आप' लोग यानि केजरीवाल, कुमार विश्वास, अंजली दमानिया, प्रिती मेनन, आप खुद ये लोग कितनी बार और कहा-कहा से अपने ही कार्यकर्ता जिन्होंने आप लोगों को यहाँ तक बनाया है, उनसे ही भागते रहे हो, ये जनता में बतायेंगे क्या??

हम 'आप' को 'आमने-सामने' मिडीया या कही पर भी आने का चैलेंज करते है, ताकि जनता में सच्चाई समने आ जाये!! है आप तैयार??

- नितिन चव्हाण

मोब. 9820451505

आधार : www.aamaadmipartyepolkhol.in

11:04

← Tweet



Mrs Anjali Damania @anjali_dam... · 9h ✓
I have been appreciating the Non BJP Govt in Maharashtra. But for the past few days I am really disturbed. No action on the brutal beating up of a person by @Awhadspeaks, then the arrest of Rahul Kulkarni of ABP Maaza. Palghar incidence too was shocking. Police only by standers?

6 16 46



nitin chavan iac
@WhJdrpnKRbUdGdf

Replying to @anjali_damania and @Awhadspeaks

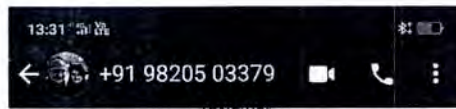
SHUT UR MOUTH A.D.!

तुम और प्रीती मे. खुद भांडुप में दो गरीब कार्यकर्ता को झुठे पोलीस केसेस में थर्ड डिग्री में मरवानेवाले माफिया के साथ घुमे-बैठे हो! मेरा एक हात और 7महिने की बच्ची खोयी है हमने! 2014में मेरे भेजे 12सवालो का जवाब दो पहले!

लायकी है क्या ऐसे लिखाण लिखने की??

Translate Tweet

Tweet your reply



Messages and calls are end-to-end encrypted. No one outside of this chat, not even WhatsApp, can read or listen to them. Tap to learn more.

Today

Messages and calls are end-to-end encrypted. No one outside of this chat, not even WhatsApp, can read or listen to them. Tap to learn more.

Forwarded

जमीनव्यापारी अंजली दमानियाने राणेंदेवजी तिचे बॉसचे बॉस मोदींच्या "अडाणी"पणावर जोक करून दाखवावा ! कर्जतच्या सर्व जमिनी सील होऊन सरकारशी फसवणूक केल्याच्या केसमध्ये नवरा-नणंदसह जेलमध्ये जातील ! आहे हिम्मत ?
-nitin chavan

Message

7:44

← Tweet



Mrs Anjali Damania
@anjali_damania

राज ठाकरे सहकुटुंब सहपरिवार ED च्या चौकशीला निघालेत का सत्यनारायणाच्या पूजेला? बायको, मुलगा, सून, मुलगी आणि बहीण? सगळे मिळून माहिती देणार का? काय हा drama? का सहनुभी गोळा करण्याचा हा प्रयत्न

Translate Tweet

10:41 · 22 Aug 19 · Twitter for Android

152 Retweets 646 Likes

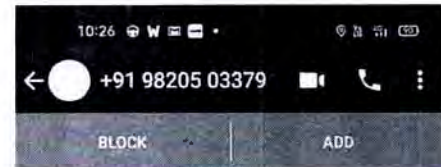


nitin chavan iac @WhJdrpnKRbUd... · 13h ✓
Replying to @anjali_damania

का हो मॅडम, ते तर त्यांच्या पत्नीलाच घेऊन घाललेत, पण तुम्ही तुमच्या 50एकर जमीन (जिला शेतकरी बनून विकत घेतली तुम्ही 5 लोकांनी) तिला वाघवण्यासाठी जनलोकपाल आंदोलनाच्या कार्यकर्त्यांना खर्च करून किलीवेळा कर्जतला घेऊन गेलात ते आठवते का ?



Tweet your reply



TODAY

Messages and calls are end-to-end encrypted. No one outside of this chat, not even WhatsApp, can read or listen to them. Tap to learn more.

Forwarded

अंजली दमानिया,
तुम्ही माझ्यानंतर IAC च्या जनलोकपाल आंदोलनात आलात फक्त तुमची कर्जतची अवैध जमिनी सील होतेय हे पाहून ! आणि माझेकडे त्या भ्रस्ताचाराचे आणि फडणवीसचे एजेंट असल्याची माहिती होती म्हणून तुम्ही, प्रीती मेनन, मयांक गांधी यांनी विभागीय भूमाफियांशी साटेलोटे ठेवून मला 2012 मध्ये खोटा पोलिस केसमध्ये फसवून थर्ड डिग्रीत मारवले (ज्यात मी माझा एक हात व नंतर 7 महिनेची मुलगी गमावली) हे मी सिद्ध करू शकतो लोकांसमोर जर तुम्ही माझे open debates, पोलखोल चे challenge स्वीकारले तर..ज्यापासून तुम्ही लोक माझेपासून गेली 8 वर्षे fb, twitter, wts ap, व सरेआम लोकांसमोरून पलायन करत आलाय !!! Ok ??

- नितिन चव्हाण 9820451505 9:18 AM ✓

Type a message